



# The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY MIS

<sup>ह</sup>सं० 45]

नई बिल्ली, शनिवार, नवम्बर 6, 1982 (फार्तिक 15, 1904)

No. 45]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 6, 1982 (KARTIKA 15, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

#### भाग 111-खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

ै उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 22 सितम्बर 1982 सं० ए० 32014/2/80-प्रशा० II—श्रध्यक्ष, संघ लोक मेवा श्रायोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में निम्नलिखित श्रधिकारियों को 1-9-1982 से 30-11-1982 तक की अवधि के लिये, श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, सहायक नियंत्रक (तठ सं०) के पद पर तक्ष्यं श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करने हैं।

- ा. श्री एस० पी० बंसल
- 2. श्री बी० म्रार० गुप्ता
- 3. श्री एस० सी० मस्ताना

्महायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर सर्वश्री एस० प्रिः बंसल, बी० श्रार० गुप्ता श्रीर एस० सी० मस्ताना की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ श्राधार पर है श्रीर इससे उनको उक्त ग्रेड में बरिष्ठना अथवा विलयन का कोई हक प्राप्त नहीं होगा।

कुलदीप **कुमार,** श्रनुभाग प्रधिकारी कृते प्रस्थक्ष संघ लोक सेवा श्रायोग नई विल्ली-110011, दिनांक 27 सितम्बर 1982

सं० ए० 32013/1/82-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग एतद्बारा श्रायोग के कार्यालय में तकनीकी सहायक (हिन्दी) तथा तदर्थ श्राधार पर स्थानापश्च अनुसन्धान महायक (हिन्दी) सर्वश्री श्रीनारायण तथा विरेन्द्र याजिक को 14-9-82 से श्रागामी श्रादेणों तक संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर प्रतिनियुक्ति परस्थानान्तरण बारा कनिष्ठ अनुमन्धान श्रिधकारी (हिन्दी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उनकी प्रतिनियुक्ति की शर्ने विस्त मंत्रालय, व्यय विभाग के का० ज्ञा० सं० एफ० 1(11)ई० III(ख)/75 दिनांक 7-11-1975 में सिफ़िहित श्रनुदेशों के श्रनुसार विनि-यमित होंगी।

> कुलदीप कुमार, श्रमुभाग धिकारी कृते सर्विक संघ लोक सेवा आयोग

नई धिरुली-110011, दिनांक 14 सितम्बर 1982

रां० ए० 19013/2/78-प्रणां० 1—कार्मिक श्रीर प्रणासितक सुधार के श्र० शां० पत्न मं० 10/20/82-ई० श्री० (एम० एम०) दिनांक 4 सितम्बर, 1982 द्वारा घाणिज्य मंत्रालय के श्रधीन हथकरघा विकास श्रायुक्त के कार्यालय में संयुक्त विकास श्रायुक्त हथकरघा के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप भारतीय प्रणासितक सेवा (टी० एन० 67) के श्रधिकारी तथा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में संयुक्त सचिव श्री विनय झा ने 14 सितम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से इस कार्यालय में संयुक्त सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

श्री विनय झा की सेवाएं हथकरघा विकास ग्रायुक्त, ई दिल्ली को सौंपी गयी हैं।

सं० ए० 32014/1/82-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिये श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, श्रनुभाग श्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्ति किया जाता है:—

ऋम स	० नाम	पदोन्नति की श्रवधि	ग्रभ्युक्ति
	सर्वेश्री	-	
1.	पी० एस० भटनागर	4-9-82 से 2-12-82	
		त <b>क</b>	
2.	एन० पी० एस० रावत	T 24-8-82 से	
	_	10-11-82 तक	
3.	श्रो० सी० नाग	* 6-9-82 से 5-12-82	
		तक	
		*(भ्रथवा जिस तारीख	से वह
		श्रवकाण से लौटें, जो भी	पहले हो)
4.	वी० पी० कपल	2-9-82 से 24-11-82	
		नक	
5.	श्रार० के० गौड़	`4-9-82 से 31-10-82	
		तक	
6.	के० पी० सैन	4-9-82 से 31-10-82	
		तक	
7.	बी० सी० गुप्ता	1-9-82 से 3-9-82	
		तक तथा 6-9-82 से	
		31-10-82 सक	
8.	श्रीके० सी० सहगल	6-8-82 并 31-10-	
		82 तक	
9.	श्री राज कुमार	16-8-82 से 30-9-82	
		तंक	
10.	श्री प्रमोद बिहारी	13-9-82 से 31-10-	
		82 तक	

दिनांक 5 ग्रक्तूबर 1982

सं० ए० 11016/1/81 प्रणा०-III--संघ लोक सेवा श्रायोग के निम्नलिखित श्रनुभाग श्रधिकारियों को राष्ट्रपति हारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिये भ्रथना श्रागाम श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में डेस्क श्रधिकारी के पद पूर कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त िया जाता है:—

कम सं	० नाम	ग्रव	धि
	 र्विश्री		
1. 1	एच० एस० भाटिया	4-8-82 से	श्रागामी श्रादेशों तक
2. 1	एस० सी० जैन	6-9-82 से	3 माम की <b>ग्रवधि</b>
		के लिये	
3. t	गै० ए <b>स०</b> राणा	—-≅	ही
4.	कृष्ण कृमार	ব্	ही
5. t	र्न० के० डींगरा	13-9-82 से	31-10-82 तक
6. t	र्न० एम० एल०		
9	भटनागर	13-9-82 से	23-10-82 तक
7.	के० पी० श्राइयर	25-9-82 से	15-10-82 तक
	~_		

2. उपर्युक्त श्रिधिकारी कार्मिक श्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० मं० 12/1/74 सी० एस० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के श्रनुसार क० 75/- प्रकृ. मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

सं० ए० 32011/1/82-प्रशा० -III—संघ लेंकि सेवा आयोग के कार्यालय के निम्नलिखित सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रविध के लिये अथवा आगामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, श्रनुभाग श्रिधकारी के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

म् हमसं	० नाम	पदोन्नतिकी भ्रवधि
1. 2.	(सर्वेश्री) जी० टी० रामनानी ए० के० णर्मा	13-9-82 से 30-10-82 तक 25-9-82 से 23-10-82 तक
<del></del>		य० रा० गांधी, ग्रवर सर्विव (प्रणा०) संघ लोक सेवा ग्रायोग

### ं गृह मंत्रालय

कार्मिक श्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन एकादमी

मसूरी, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1982

सं० 2/46/75-ई० एस० टी—इस कार्यालय भ्रधिसूचना संख्या 2/46/75-स्थापन, दिनांक 16-3-82 को जारी रखते हु $\eta$ , श्री कैलाशचन्द्र सक्सेना की तदर्थ नियुक्ति उप पुस्तकालयाध्यक्ष के पद पर दिनांक 15-10-82 से श्रागामी

6 मास के लिये या इस पद पर नियमिस नियुक्त होने तक, जो भी पूर्व हो, बढ़ाई जाती है।

> श्रालोक सिन्हा, उप नि**देशक**

### केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग

### नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर 1982

सं० 2/13/82-प्रणासन--केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतर्द्वारा श्री पी० एम० पिल्ले, स्थाई सहायक केन्द्रीय के सतर्कता आयोग को स्थानापन्न रूप से तदर्थ अनुभाग श्रीधकारी ६० 650 (710)-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-140-1200 के वेतनमान में दिनांक 23-8-82 से 20-11-82 तक या अगले आदेश तक जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं० 2/13/82-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त एतद्-द्वारा श्री सुरजीत सिंह, स्थाई सहायक केन्द्रीय सतर्कता ग्रायोग को स्थानापन्न रूप से तदर्थ श्रनुभाग श्रिधकारी रु० 650(710) -30-740-35-810-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 17-9-82 से 15-12-82 तक या श्रगुले ग्रादेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

> कृष्ण लाल मल्होता, श्रवर सचिव कतं केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त

# केन्द्रीय श्रन्वेषण क्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1982

स० ए०-19021/8/78-प्रशासन-5--प्रत्यावर्तन हो जाने परं श्री एस० के० केन, भारतीय पुलिस सेवा (यू०टी०-1970), पुलिस प्रधीक्षक, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, एस० श्राई० सी० शाखा की सेवाएं दिनांक 1 ग्रक्तूबर, 1982 के पूर्वाह्म से गोवा, दमन एवं दीव सरकार, पनजी को सौंपी जाही हैं।

# दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1982

सं० ए०/19036/20/76-प्रणासन-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर उड़ीसा पुलिस से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त, श्री बी० एन० मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं दिनांक 30 सितम्बर, 1982 के श्रपराह्म से उड़ीसा सरकार को सौंप दी गईं।

> श्रार० एस० नागपाल, प्रशासनिक श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्येषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1982

सं० भ्रो० वो० 1413/77-स्थापना—एफ० ग्रार० 56 (जे०) के भ्रन्तर्गत, श्री भूप सिंह, उप-पुलिस भ्रधीक्षक के० रि० पु० बल, 18 वाहिनी ने मेथानिवृति के फलस्वरूप भ्रपने पद का कार्यभार दिनांक 27-9-1982 (पूर्वाह्म) को त्याग दिया।

सं० भ्रो० वो० 1576/81-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल ने डाक्टर विजय कुमार डांडगे को 16 श्रगस्त 1982 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहलें हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

# दिनांक 13 ग्रक्तूबर 1982

सं० भ्रो० दो० 1757/82-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल ने डाक्टर जी० वैंकटा रमन को 11 सितम्बर 1982 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस नारीख तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० एफ० दो०/म्रठारह/82-स्थापना (के० रि० पु० बल)
—राष्ट्रपति, श्री इन्द्रजीत सिंह को के० रि० पु० बल में
सहायक कमांडेन्ट के पद पर दिनांक 07-8-1981 से स्थाई
रूप से नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 14 स्रक्तूश्वर 1982

सं० भ्रो० दो-1770/82-स्था०—राष्ट्रपतिजी, कर्नल दोलत राम (श्रवकाण प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमांखेन्ट के पद पर भ्रागामी भ्रादेश जारी होने तक पुननिर्युक्ति करते हैं।

 क्निंल दोलत राम ने के० रि० पु० बल में 3 सिगनल बटालियन रामपुर (यू० पी०) में दिनांक 20-9-82 पूर्वाह्न से कमांडेन्ट के पद का कार्यभार संभाला।

सं० एफ०-2/17/82-स्थापना---राष्ट्रपति, डाक्टर देवेन्द्र नाथ कर, जनरल ड्यूटी श्राफिसर ग्रेड-1, को उनकी पदोक्षति के फलस्वरूप 16 सितम्बर 1982 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सिनियर मैडीकल श्राफिसर (कमांडेन्ट) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 15 भ्रन्तुबर 1982

सं० भ्रो०दो०/1762/82-स्थापना—महानिदेणक, केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल ने डा० टी० दिवाकर जयन्ना को 1 ग्रक्तूधर 1982 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए भृथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहल हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनिष्ठ जिक्कित्सा ग्रिधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० सूरी, सहायक निदेशक (स्थापना)

नई विल्ली-110003, विनांक 13 प्रक्तूबर 1982

सं० ग्रो०-दो-2/82-प्रशासन-3—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री जी० ग्रार० गोस्वामी, सूबेदार मेजर (कार्यालय श्रधीक्षक) को महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में दिनांक 29-3-82 (पूर्वाह्म) से श्रनुभाग ग्रधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

# दिनांक 14 अक्तूबर 1982

सं० डी०-एक-5/82-प्रशासन-3--श्री टी० विट्ठल राव, जो कि रक्षा लेखा महानियंत्रक के लेखा श्रधिकारी हैं, को केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल में प्रतिनियुक्ति की मानक शतों के धनुसार तदर्थ लेखा परीक्षा श्रधिकारी के पद पर एक वर्ष की प्रारम्भिक श्रवधि के लिए श्रथवा भर्ती नियमों के श्रनुसार नियुक्त होने तक, जो भी पहले हो, के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री विट्ठल राव से अपना कार्यभार दिनांक 28 ग्रगस्त, 1982 पूर्वाह्न को महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली में ग्रहण कर लिया है।

> इन्द्र भक्त नेगी, उप निदेशक (प्रशासन)

समन्वय निवेशालय (पुलिस बेतार) नई दिल्ली-3, दिनौक 12 मक्तूबर 1982

संग्र ए०-12012/1/80-प्रशासन—इस निवेशालय की समसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनांक 18-11-81 के कम में निदेशक, पुलिस दूर संघार द्वारा श्री ग्रार० के० कोटनिस, तकनीकी ग्रधीक्षक (बीज-लेख) को ग्रितिरिक्त सहायक निदेशक (बीज-लेख) के पद पर वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- पर तदर्थ ग्राधार पर पदोन्नति छः महीने के लिए 1-3-82 से 31-8-82 तक बढ़ा दी गई है। यह पूर्ण रूप से ग्रस्थाई प्रबन्ध है।

बी० के० दुबे, निदेशक दूर संचार

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 अक्नूबर 1982

मं० पी०/जी०(52)-प्रशा०-1---गोवा, दमन ग्रांर दीव सरकार के भ्रधीन प्रतिरिक्त विकास श्रायुक्त-सह-भ्रतिरिक्त सिंखिय (योजना) के पद पर नियुक्ति के परिणामस्वरूप भारतीय आर्थिक सेवा के ग्रेड-II के अधिकारी श्रीर गोवा, दमन ग्रोर दीव श्रीर दादरा श्रीर नागर हवेली में जनगणना कार्य निदेशालय में निदेशक के पद पर कार्यरत श्री एस० के० गांधे ने तारीख 20 सितम्बर, 1982 के अपराह्न से निदेशक के पद से अपना कार्यभार छोड़ दिया है।

पी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार

# मीमाणुल्क केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा स्वर्ण नियंक्षण श्रपील श्रधिकरण

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 ग्रक्तूबर 1982

मं० 7-सी० शु० उ० शु० स्व० नि० अ० अ०——डा० आर०
पू० पिरुलै ने, जो कि पहले केन्द्रीय उत्पादशुल्क समाहर्तालय,
बम्बई-1 में सुपरिन्टेंडेन्ट (ग्रुप बी) के पद पर कार्यरत थे,
1 अक्तूबर, 1982 पूर्वाह्म से वेतनमान 650-1200 तथा
75 रुपये के विशेष बेतन प्रति मास, तकनीकी अधिकारी,
सीमाशुल्क उत्पादशुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण,
बम्बई बेंच के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० 7-फा० सी० शु० उ० शु० स्व० नि० ग्र० ग्र० --श्री मदन मोहन पाल ने जो कि पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, कलकत्ता में सुपरिस्टेंडेंट के पद पर कार्यरत थे, 1 श्रक्तूबर, 1982 पूर्वीह्न से वेतनमान 650-1200 तथा 75 रुपये के विशेष वेतन प्रति मास, तकनीकी श्रिधकारी, सीमाशुल्क उत्पादशुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण श्रपील श्रधिकरण, कलकत्ता बेंच के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

म्रार० एन० सहगल रजिस्ट्रार

#### वित्त प्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रम्तूबर 1982

सं० 8 बि० श्रा० 2(19)-ए०/82—सचिव, विस श्रायोग, एतद्द्वारा सेना मुख्यालय, रक्षा मन्त्रालय से सेवानिषुत्त श्राणु-लिपिक, श्री के० एल० शर्मा को 21 जून, 1982 के पूर्विह्न से 650-1040/- रु० के वेतनमान में श्राठवें वित्त श्रायोग के श्रध्यक्ष के वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के रूप में पुनर्नियुक्ति के श्राधार पर नियुक्त करते हैं। उनकी नियुक्ति का कार्यकाल वही होगा जो कार्यकाल वित्त श्रायोग के श्रध्यक्ष की नियुक्ति का होगा।

सं० वि० म्ना० 2(23)-ए०/82—-श्रायुक्त. उपनिवेशन, बीकानेर (राजस्थान) के कार्यालय से स्थानान्तरण हो जाने पर कुमारी श्रमरजीत कौर ग्राहूजा, श्राई० ए० एस०, श्रायुक्त उपनिवेशन, राजस्थान नहर परियोजना, बीकानेर को 4 श्रक्तूबर. 1982 के पूर्वाह्न मे ग्रगला ग्रादेण होने तक श्राठवें थिस श्रायोग में 1500/----2000/- रु० के वेतनमान में उप सिचव के पद पर नियुक्त किया गया है।

> सुखवासी लाल माथुर अवर सन्विव (प्रणा०)

# वित्त मंत्रालय (ग्राधिक कार्य विभाग) कागज प्रतिभूति कारखाना होशंगाबाद, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1982

सं० सी०/8/7237 — इस कार्यालय की अधिसूचना कमांक सी/8/2493 दिनांक 29 मई, 1982 के सारतम्य में श्री ब्रही० एम० परदेशी की र० 650-30-740-35-810-द० ग्र०-35-880-40-1000-द० ग्र०-40-1200 के बेतनमान में सहायक मुख्य नियंत्रण प्रधिकारी के रूप में की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 26-8-1982 से तीन माह की श्रवधि श्रयधा इस पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, श्रीर बढ़ाया जाता है।

म० रा० पाठक महाप्रबन्धक

# भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय निवेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-2, दिनांक 5 अक्तूबर 1982

सं प्रणासन-1/कार्यालय श्रादेश सं 316—श्रीमान निदेशक लखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्य, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी श्रनुभाग भ्रधिकारियों को उनके श्रागे दर्शाई गई तिथि से श्रगले श्रादेश तक 840—1200 रुपये के बेतनक्रम में स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

-	ऋ० सं०	नाम		 तिथि
	1.	श्री श्रोंकार नरायण सक्सेना		1-10-82
	2.	श्री राजिन्दर नरायण माथुर	,	1-10-82
,	3.	श्री शिव नरायण		1-10-82
2	4.	श्री प्रचरज लाल		1-10-82

### दिनांक 12 श्रक्तूबर 1982

सं प्रणासन-1/कार्यालय ग्रादेश संख्या 332—इस कार्यालय के स्थायी लेखापरीक्षा ग्रिधिकारी श्री गिरीराज प्रसाद गुप्ता को नई दिल्ली म्यूनिस्पल कमेटी नई दिल्ली में देनांक 23-9-81 से संलग्न विवरण में समाविष्ट शर्तों पर स्थायी रूप से विनियत कर लिया गया है।

इसे भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के पन्न संख्या 2030 प्रजीव ईव्हे II/49-80 दिनांक 29-9-82 के द्वारा सम्प्रेषित स्थारत सरकार का अनुमोदन प्राप्त है।

मं० प्रणासन-I/कार्यालय श्रादेण मंख्या 339—इस तर्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा ग्रधिकारी श्री राम प्रकाण खुराना वार्धक्य श्रायु प्राप्त करने के परिणामस्बरूप 31 श्रक्तूबर 1982 श्रपराह्म को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे।

उनकी जन्मतिथि 15 अक्तूबर 1924 है।

सं० प्रणासन-1/कार्यालय श्रावेणं संख्या 340--इस कार्यालय के एक स्थानापन्न लेखापरीक्षा श्रधिकारी श्री गुर प्रसाद वार्धक्य श्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 श्रक्तूबर 1982 श्रपराह्म को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे।

> उनकी जन्म तिथि 15 अक्तूबर, 1924 है। ह० अपठनीय संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, भ्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1982

सं० प्रशा०-I/8-132/82-83/264—श्री मुहम्मद लिसानुल हख, लखा भ्रधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, भ्रान्ध्र प्रदेश, सेवा मे निवृत्त हुए दिनांक 30-9-1982 श्रपराह्न।

सं प्रणा०-I/8-132/82-83/264--श्री श्रो० वि० सुन्दरराभयृया, लेखा श्रधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, श्रांध्र प्रदेश, सेवा से दिनांक 30-9-1982 श्रपराह्म में निवृत्त हुए।

बी० मेसन वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रणासन)

कार्यालय महालेखाकार—प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 4 अक्तूबर 1982

सं० प्रशासन-I/पी०एफ०/एम० सी० जी०/281--- महा-लंखाकार ने इस कार्यालय के श्री एम० सी० गर्भ (01/ 110) स्थायी लेखा ग्रधिकारी को, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48-'क' के ग्रधीन केन्द्रीय सरकारी की सेवा में दिनांक 30 सितम्बर 1982 श्रपराह्म से, सेवा-निवृत्त होने की ग्रनुमति प्रदान की है।

(प्राधिकार:—महालेखाकार-प्रथम के श्रादेश दिनांक 31-8-1982)।

> बी०के०राय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, सिविकम गंगटोक, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1982

सं प्रशाः विशिष्ण एफः विश्वो विश्वाः स्थाप चन्द्रन, स्रम्भाग स्रिकारी जो कार्यालय महालेखाकार-1 केरल, विश्वेन्द्रम से प्रतिनियुक्ति पर हैं, कि नियुक्ति कार्यालय महालेखाकार, विश्विम में प्रतिनियुक्ति पर रंगागणा नेखा

ग्रिमिकारी के रूप में 24-9-1982 (पूर्वाह्न) से की ाती है।

> एम० एस० पार्थमारयी वरिष्ठ -उपमहालेखाकार, कार्यालय महालेखाकार, सिक्किम, गंगटोक

# रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक,

नई दिल्ली-110066, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1982

सं० प्रशा०/1/1173/1/I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित ग्रधिकारी (जो ग्रपने नाम के समक्ष लिखी प्रतिनियुक्ति पर हैं) को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासिनक ग्रेड के प्रवरण ग्रेड (क० 2000-125/2-2250) में स्थानापन्न रूप में कार्य उने के लिए, उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीख से, श्रागामी ग्रादेश पर्यन्त, अनुक्रम नियम के ग्रधीय सहर्ष नियुक्त करते हैं।

'ऋमस	i •	नाम	तारीख	नियुक्ति	
_	गी जें० डी० डांस	फिलोमेन	20-7-82	निदेशक भारतीय श्रनुसंधान नयी दिल्ली	कृषि परिषद,

सं० प्रणा०/1/1173/1/I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित ग्रिधकारी को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड के प्रवरण ग्रेड (६० 2000-125/2-2250) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई नारीख से ग्रागामी ग्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ऋम सं०	नाम	 	नारीख
1.	श्री उमाशंकर प्रसाद	 	20-7-82
		ार	 ० के० माथुर

रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंद्रालय भारतीय आर्डनैन्स फक्ष्टरिया मेवा श्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनांक 11 सितम्बर 1982

मं० 46/82/जी०:-वार्धक्य निवृत्ति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्तकर, श्री बी० जी० स्वामी, स्थानापत वार्भ मैनेजुर (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 30-6-1982 (श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 13 ग्रन्तूबर 1982

सं० 47/जी०/82---बार्धक्य निवृत्ति ग्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एम० मित्रा, स्थानापक्ष संयुक्त निदेशक, ग्रार्ड-नेन्स फक्टरी बोर्ड, दिनांक 30 सितम्बर, 1982/ग्रपराह्म से सेवा निवृत्त हुए।

> बी० के० मेहता निदेशक

वाणिज्य मंद्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय श्रायात-निर्यात व्यापार नियंत्रण नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1982 (स्थापना)

सं० 6/567/59 प्रणा 'राज०'/6593—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री के० बी० चौधरी, उप मुख्य नियंत्रक, श्रायालक निर्यात, श्रमृतसर को 31 श्रगस्त, 1982 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमति प्रदान की गई है।

ए० एस० कील उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

श्रौद्योगिक विकास विभाग विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 8 श्रक्तूबर 1982

सं० ए०-19018(5)/73-प्रणा० (राज०)—राष्ट्रपति लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी के सहायक निदेशक, ग्रेड-(एन्सीलरी) श्री के० जी० मिन्हा को दिनांक 18 सितम्बर 1982 (पूर्वाह्म) से, श्रगले आदेणों तक, उसी संस्थान में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (श्राई० एम०टी०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशा०

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग -6)

नर्ड दिल्ली, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1982

सं० ए०-32013/3/78-प्र०-6—राष्ट्रपति निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को भारतीय निरीक्षण मेवा (ग्रुप ए०) के ग्रेन II की भारतुकर्ग लाखा में दिनाक 24-7-1982 के पूर्वाल एन० पी० रसाने

\_4ः दीपाकर कीर्ति

्रीं निर	रमित	श्राधार	पर्	उप	निरीक्षण	निधेशक	मे	रूप में	निययस
ाले	÷								

० सं० श्रिधकारी का नाम	वर्तमान पद	वर्नमान नियुक्ति
सर्वेश्री 1. विश्च प्रकाण	उप निरीक्षण निदेशक (धायुकर्म) तदर्थ श्राधार पर	जमशेदपुर निरी- क्षणालय
2. बी ं दास गुप्ता	जाजार <u>चर्</u> स्ती⊶	वही

-वहीं-

-वही⊸--

# दिनांक 15 श्रक्तूबर 1982

सं० प्र०-1/1(1158)—निदेशक पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) ्ग्रेष्ट-II) श्री एच० एन० समदद्र निवृतमान श्रायु होने पर किनांक 31-8-1982 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त  $\frac{1}{2}$ ी गए।

एस०एल० कपूर उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति क्षथा निपटान

-वही---

बर्णर निरीक्षणालय।

### श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई ज़िल्ली, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1982

सं० 5(50)/68-एस० एक—निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर श्री एन० राय चौधरी , कार्यक्रम निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी कलकत्ता 31 अगस्त, 1982 की प्रपराक्ष से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> हरीण चन्द्र जयाल प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

# सूचना एवं प्रसारण मंस्रालय नई विल्ली-1, विनांक 14 श्रवतूबर 1982

सं० ए०-20012/3/76-प्रशासन—मुख्य निर्माता , फिल्म प्रभाग श्री सुन्दर सिंह स्थायी सहायक छायाकार फिल्म प्रभाग, हिंदिल्ली को छायाकार के पद पर 23 सिनम्बर, 1982 । नियुक्त करते हैं।

डी० एन० पाण्डे सहायक प्रशासनिक श्रधिकारी कृते मुख्य निर्माता

#### प्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

मं० ए० 39012/3/82-के० म० स्वा० यो०-1—डा० एल० के० तिवारी का त्यागपत मंजूर हो जाने के फलस्यरूप उन्होंने 30 जून, 1982 (पूर्वाह्म) में कैयर, बम्बई के प्रधीन स्रायुर्वेदिक फिजिशियन के तदर्थ, पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

# दिनांक 16 म्रक्तूबर 1982

सं० ए० 19018/25/81-के० म० स्वा० यो०-1-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने हकीम भ्रबिदुर रहीम काजी को
24 सितम्बर, 1982 (ग्रपराह्म) से भ्रागामी श्रादेशों तक
केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में यूनानी फिजिशियन के पद
पर ग्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

टी० एस० राव उपनिदेशक प्रणासन (के० स० स्वा० यो०)

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्तूबर 1982

सं० ए० 12025/4/80-स्टोर-1—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, करनाल के डा० ग्ररूण कुमार सिंह को 24 सितम्बर, 1982 पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक सहायक डिपो मैनेजर के पद पर ग्रस्थायी ग्राधार पर नियुक्त किया है।

> रमेश चन्द्र उप निवेशक प्रशासन (स्टोर)

#### ग्रामीण विकास मंत्रालय

विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 12 **प्र**क्तूबर 1982

सं ० — ए० - 19025/7/82-प्र०-Ш — संघ लोक सेवा ध्रायोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री जयस राम को इस निदेशालय के ध्रधीन नागपुर में दिनांक 2-9-82 (पूर्वाह्म) से ध्रगले ध्रादेश होने तक स्थानापन्न ध्राधार पर सहायक विषणन ध्रिधकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

गोपाल शरण **शुक्**ल कृषि विपणन सलाहकार

# सिचाई मंत्रालय महाप्रबंधक का कार्यालय फरक्का बांब परियोजना

फरक्का, दिनांक 25 सितम्बर 1982

सं० ई०/पी०एफ-11/258/6889(7)—केन्द्रीय वेतृनमान फ० ब० प० उ० मां० विद्यालय में पुनः स्थापना के फलस्वरूप ग्रौर श्रराजपत्तित स्थापना में परिशोधित वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०40-1200/- फ० व० प० विद्यालय में जितांक 16-7-1979 में एक अस्थाई प्रभारी अध्यालक (टीचर-ईन-चार्ज) का पद बना रहने से और उपरोक्त अराजपितत पद जैंसा कि सिचाई मंत्रालय के पत्नांक 2/27/79-फ०-ब० प० दिनांक 10-11-81 द्वारा सूचित किया गया है कि उक्त पद दिनांक 16-7-1979 से रोजपित्रत स्थापना में आ गया है। पदधारी श्री गौरी प्रसंक्ष सिन्हा राय, प्रभारी अध्यायक को एतद्वारा उनको दिनांक 16-7-1979 से अगले आदेश तक उपरोक्त वेतनमान में उनको अपना वेतन आदान करने की मंजूरी दी जाती है। आर० वी० रन्थीदेवन

महाप्र<mark>बं</mark>धक फरक्का बांध परियोजना

# भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, विनांक 7 श्रक्तूबर 1982

सं० पी० ए० /34 (2)/80 श्रार० -3—नियंत्रक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री ए० श्रार० शिंदे, स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र को स्थाना-पन्न सुरक्षा अधिकारी पद पर दिनांक 22 सितम्बर, 1982 से अग्रिम श्रादेशों तक इसी अनुसंधान केन्द्र में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 अक्तूबर 1982

सं० पी०ए०/76 (2)/80-आर०-3—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री बुधराज श्रह्नुवालिया, सहायक लेखा श्रधिकारी को इस श्रनुसंधान केन्द्र में लेखा श्रधि कारी-र्षि पद पर 30 सितम्बर, 1982 अपराह्न से अग्निम श्रादेशों तक नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 15 श्रक्तूबर 1982

सं० पी०ए०/73 (6)/82-आर०-4---निदेशक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र डा० (श्रीमती) ऊषा मानकर शंकर राव को निवासी चिकित्सा श्रीधकारी पव पर इस श्रनुसंधान केन्द्र के श्रायुविज्ञान प्रभाग में जुलाई 30, 1982 (पूर्वाह्न) से सितम्बर 10, 1982 (प्रपराह्न) तक श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी०ए०/73 (6)/82-आर०-4---निवेशक, भाभा पर-माणु अनुसंधान केन्द्र डा० आनंदितिर्थ विष्णु कुलकर्णी को निवासी चिकित्सा अधिकारी पद पर इस अनुसंधान केन्द्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में सितम्बर 6, 1982 (पूर्वाह्न) से अक्तूबर 15, 1982 (अपराह्न) तक अस्थायी रूप में नियक्त करते हैं।

> बी० सी० पाल, उप स्थापना श्रधिकारी

#### बम्बई, दिनांक 13 भ्रक्तूबर 1982

सं० 8(18)/78/2859-स्थायीकरण—नियंत्रक, भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र इस ग्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक सुरक्षा ग्रधिकारी, तथा स्थानापन्न सुरक्षा ग्रधिकारी विद्यु परियोजना इंजीनियरी प्रभाग श्री एम० एम० मैथ्यु को इस श्रनुसंधान केन्द्र में गुरक्षा श्रधिकारी के एद पर दिनोक 1--3--1978 से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> वी० भ्रार० पाटगांवकर, उपस्थापना भ्रधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना ग्रभियांक्षिकी प्रभाग बम्बई-5 दिनांक 5 श्रक्तूबर 1982

सं० विपन्नप्र/3 (262)/78-स्थापना-1--निदेशक, विद्युत परियोजना श्रीभयांत्रिकी प्रभाग, बम्बई ने इस प्रभाग के एक स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक श्री ए० एव० पुनवानी की तवर्थ श्राधार पर, काकरापार परमाणु विद्युत परियोजना में रिक्स सहायक कार्मिक श्रीधकारी के पद पर सहायक कार्मिक श्रीधकारी के एव पर सहायक कार्मिक श्रीधकारी के रूप में की गई नियुक्ति को जून 17, 1982 से अगस्त 27, 1982 के श्रपराह्म तक जारी रखने की स्वीकृति दी है।

ग्नार० व्ही० बाजपेयी सामान्य प्रशासन अधिकारी

### ऋय एवं भंडार निवेशाल म

बम्बई-400001, दिनांक 7 अक्तूबर 1982

सं० कभिनि/2115/80-स्थापना/30554-परमाणु ऊर्ज़ि विभाग के कथ ग्रौर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री का० ई० जार्ज को रुपये 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 1 सितम्बर 1982 (पूर्व ह्ल) से ग्रगले श्रीदेशों तक के लिये इसी निदेशालय में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन रूप से सहायक भंडार श्रिधकारी नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ, प्रणासन म्रिधकारी

# परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

सं० पि०ख०प्र०/2 (3315)/81-प्रशासन—परमाणु कर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग में श्री सी० बी० शिव प्रसाद द्वारा वैज्ञानिक प्रधिकारी ग्रेड "एस०बी०" के पद से दिया गया त्यागपत परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा 12 श्रगस्त, 1982 के श्रपराह्म से स्वीकार कर लिया गया है।

# दिनांक 12 श्रक्तूबर 1982

सं० प० खा०प्र०-16/3/82-भर्ती--परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खानिज प्रभाग के निदेशक एसद्द्वारा परमाणु खानिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक व स्थानापन्न प्रवरण कोटि लिपिक, श्री के० के० घोष को उसी प्रभाग में श्री जी०सी० सक्सेना, सहायक कार्मिक श्रिधिकारी जिन्हें छुट्टी प्रदान

की गई है, के स्थान पर 15-6-1982 के पूर्वाह्न से 24-7-1982 तक 40 दिन के लिये तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कामिक ग्राधिकारी नियुक्त करने हैं।

टी० डी० घाडगे, वरिष्ठ प्रशासन व लेखा प्रधिकारी

### ग्रंतरिक्ष विभाग

# इसरो : शार केन्द्र

### कार्मिक भौर सामान्य प्रशासन विभाग

श्रीहरिकोटा-524 124, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1982

सं० एस०सी०एफ०/का० श्रौर सा० प्र०/स्था०/3:1-72— शार केन्द्र के निवेशक ने निम्नांकित कर्मचारियों को शार केन्द्र श्री हरिकोटा में वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी० के पद पर नियुक्ति करने के लिये अपनी प्रसन्नता प्रकट की है। ये सभी कर्मचारी निर्देशित तारीखों से श्रौर श्रगले श्रादेश जारी होने तक, स्थानापन्न क्षमता के रूप में काम करेंगे:—

ऋ०सं०	नाम	पदनाम	नियुक्ति तारीख
<del></del>	र्वश्री		
1. वी	० घरणा-		
चर	<b>ग्म्</b>	<b>वैज्ञा</b> निक/इंजीनियर एस०बी०	10-2-82
2. टी	े सुब्बा		
रेड्	डी	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	10-2-82
3. के व	· चन्द्रशेखर		
रेड्र	an a	<b>यैज्ञा</b> निक/इंजीनियर एस०बी०	20-2-82
4. ग्रा	लोक शर्मा	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	23-2-82
5. वी	० कनन्	<b>यै</b> ज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	1-6-82
6. कार	यप एन०		
मंक	<b>उंड</b>	वैशानिक/इंजीनियर एस०बी०	17-6-82

सं०एस०सी०एफ०/का० ग्रीर सा०प्र० स्थापना/3:1-72— बार केन्द्र के निदेशक ने निम्नांकित कर्मधारियों को शार श्रीहरिकोटा में वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी० के पद पर नेक्ट्र ति द्वारा नियुक्ति करने के लिये धपनी प्रसन्नता प्रकट की हैं। ये सभी कर्मचारी निर्देशित सारीखों से ग्रीर धगले भादेश जारी होने तक, स्थानापन्न क्षमता के रूप में काम करेंगे:—

ऋ०सं	नाम	पदनाम	नियुक्ति तारीख
1	2	3	4
		वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	1-4-82
	वाई० सूर्य- प्रकाश राव	<b>वैज्ञा</b> निक/इंजीनियर एस०बी०	1-4-82
2-316	GI/82	··	

1	· 2	3	4
			<del></del>
3.	पी०वी० भिव-		
	कुमार	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	1-4-82
4.	के० रामचन्द्रन		
	नायर	वैज्ञानिक /इंजीनियर एस०बी०	1-4-82
5.	बी० वेंकटेक्वरन	विज्ञानिक इंजीनियर एस०बी०	1-4-82
6.	जे० चन्द्रशेख-	वैज्ञानिक/इजीनियर एस०वी०	1-4-82
	रन		
7.	एम० रंगनाथन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	1-4-82
8.	डी०सी० मेहता	वैज्ञानिक इंजीनियर एस०बी०	1-4-82
9.	टी० ग्रार० के०	·	
	कामेण्यर राव	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	1-4-82
0.	टी० गोपीनाथ	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	1-4-82
1.	एम० एस०	, ,	
	सेल्वामनी	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	1-4-92
1 2.	एम० उमामहे-	, ,	
	म्बरा राव	बैज्ञानिक/इंजीनियर एस०बी०	1-4-82
			विश्वनाथम्,
		प्रधान कार्सिक श्रौर सामान्य प्रक	
		नजान वयाचन भारताचा अर	गतन । जनाग <b>कृते</b> निवेशक
			कृतानवशकः

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1982

सं० ए० 31013/1/81 ई०ए०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग थ्रौर विमानक्षेत्र संगठन के निम्नलिखित श्रिधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से विमान क्षेत्र श्रिधकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है:—

क <b>्सं</b> ०	नाम	पुष्टिकरण की सारीख	वर्तमान तैनासी स्टेशन
1	2	3	4
सर्वेश	<del></del>		
1. ए०	के० सिन्हा	17-1-80	कलकत्ता
2. एम	०एस० भ्रनन्तकुष्णन	17-1-80	विजयवाडा
3. जे०	के० मलहोत्ना	17-1-80	विल्ली
4. ग्रा	र० एस० भग्नवाल	17-1-80	विल्ली
5. वी व	श्रीनिवासन	17-1-80	दिल्ली
6. एम	० के० शर्मा	17-1-80	दिरुली
7. एस	्,वी० श्रीपति	17-1-80	मद्रास
8. वी	० एल० झिसाल	17-1-80	दिल्ली
9. वी	० कृष्णनन्	17-1-80	मद्रास
10. एस	०वी० गिरी	17-1-80	<b>कलकत्ता</b>
11. पी	∘ के <b>० ह</b> लधर	17-1-80	रांची

1	2	3	4
12.	बी० के० कर	17-1-80	<b>कलकत्ता</b>
13.	एस० के० ठाकुर	17-1-80	श्रीनगर
14.	डी० के० दास	17-1-80	मद्रास
1 5.	एस० एस० पारथे	17-1-80	बम्बई
16.	श्री कृष्ण	17-1-80	कलकत्ता
17.	एम०पी०जैन	17-1-80	दिल्ली
18.	बी०एस० चावला	17-1-80	दिल्ली
19.	एस०सी० श्रीवास्तव	1 - 2 - 80	सी० ए०टी०सी०
			कलकत्ता
20.	जी० के,्रुघरेट	1-5-80	बम्बई
21.	वी० के० शरीपः	1-6-80	दिल्ली
<b>2</b> 2.	एस० के० रस्तोगी	1-6-80(	दिल्ली से) लीविया
			म प्रतिनियुवित पर
23.	के० के० पुंज	1-12-80	नागपुर
	जे०एस० स्राहूजा	1-2-81	विस्ली
	एस० एन० खन्ना	1-12-81	बम्बई
26.	भ्रार०सी० कोछड	1-1-82	बम्बई
	गी०एस० ग्राडवानी	1-1-82	गम्बई
	<b>शिव</b> रतन लाल	1-1-82	कलकत्ता
29.	साधु सिह <u>्</u>	1-1-82	बम्बई

म्रो० पी० जैन सहायक निदेशक प्रणासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 4 भ्रक्तूबर 1982

सं० ए०-38013/1/82 ई०ए०--क्षेत्रीय निदेशक कल-कत्ता के कार्यालय के श्री बी० बनर्जी, विमान क्षेत्र श्रिष्ठिकारी निर्वान श्राय प्राप्त कर लेने पर 21 श्रगस्त, 1982 से सरकारी सेवा से निवृत हो गये हैं।

# दिनांक 6 भ्रम्बर 1982

सं० ए० 32013/7/82ई०ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को 11-8-82 से श्रयंवा पद का कार्यभार संभालने की वास्तविक तारीख से, इनमें से जो भी बाद में हो श्रीर श्रन्य भादेश होने तक विमान क्षेत्र श्रीधिकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त किया है:—

ऋ० न(म	तैनातो स्टेशन
सं०	
सर्वश्री	
1. एच० डी० घोषाल	बम्बई
2. पी०के० डे	ना० वि० प्र० के०
	इलाहबाद
3. गोपालसिंह	दिल्ली
4. जे०के० मिश्रा	भुवनेण्वर
5. एच० एस० संधू	<b>भ</b> मृतसर
<ol> <li>धी०एस० श्रार० राव</li> </ol>	हैदरांबा <u>द</u>
7. एम० स्नार० नायडू	श्रह्मदाबाद

कम० नाम सं०	तनाती स्टेशन		
8. एम <b>० के ० श्रार० चौध</b> री	के० ना० वि० प्र० के०		
	इलाह्याद		
9. जे० भार० सोनी	दिल्ली		
10. पी०एन० धर	कलकत्ता		
11. भ्रार० डी० बाजपेयी	पटना		
12. जे०एल० कपूर	दिल्ली		
13. एम <b>०जी० थार</b> ट	धहमदाबाद		
14 प्रेम कुमार	कलकत्ता		

# दिनांक 14 भ्रम्तूषर 1982

सं० ए० 19011/115/81 ई०ए० I—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री जगदीश चन्द्र, क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई 30 सितम्बर, 1982 प्रपराह्म से सरकारी से निवृत्त हो गए हैं।

श्रोम प्रकाश जैन सहायक निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1982

सं० ए० 31014/4/80 ई०सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री श्रार० टी० सिंह, संचार सहायक को दिनांक 3 मई, 1982 (पूर्वाह्न) से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद में तैनात किया है।

प्रेम**च**न्द्र सहायक निवेशक प्रशासन

# विदेश संचार सेवा

### बम्बई दिनांक

> एज० एल० मस्होक्षा उप निदेशक (प्रशा०), कृते महानिदेशक

# वन प्रनुसंधान संस्थान एव महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1982

सं 16/394/82-स्थापना I-- ग्रध्यक्ष, वन ग्रनुसंघान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री एल० एन० चाकी, पश्चिम बंगाल कनिष्ठ वन सवा, को सहर्ष दिनाक 10 मई 1982 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेशों तक सहायक शिक्षक पूर्वी वन राजिक महाविद्यानय कारस्त्रांग (पश्चिम बंगाल) के पद पर नियुक्त करने हैं।

> रजत कुमार कुल सचिव वन ग्रनुसंधान संस्थाम एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय नागपुर-44,0001, दिनांक12 श्रक्तूशर 1982

संव 13/82—इस समाहर्ता क्षेत्र के प्रशासनिक प्रधिकारी श्रेणी "रण" श्री केव व्हीव मोतीयानी ने श्रायुसीमा प्राप्त करने पर वे दिनांक 30 सितम्बर, 1982 के श्रपराह्म में सेवा निवृत्त हो गये।

के० शंकररामन समाहर्ता

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कः यालय कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर इंदिरा रबर एस्टेट प्राईवेट लिमिटेड के विषय म कोक्षीन, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1982

स० 1820/लिक्बि॰ 560 (3)/9228—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर इन्दिरा रवर एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर वी जायेगी

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भौर प्रिटिंग एन्ड एजुकेशनस पिंडलीकेशन फैंडरेसन प्रा० लि० के विषय में

कोचीन, दिनांक 11 अन्तूबर 1982

सं० 2406/लिक्सि 560 (3) 9221—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भवसान पर प्रिन्टिंग एंड एजुकेशनल पब्लिकेशन फेडरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट विया जायेगा श्रीर कम्पनी क्विटिंत कर दी जायेगी

# कोचीन, दिनाँक 11 अक्तूबर 1982

सं० 238/लिक्वि०/560(4)/मार 23272/82—यतकाम-शियल ट्रानस्पोर्टस लिमिटेड (लिक्विडेशन में) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय ट्रियान्द्रम में है का समापन किया जा रहा है। ग्रीर ग्रत: ग्रधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त है कूक रखता है कि कोई समापन कार्य नहीं हो रहा है ग्रीर यह कि स्टेटमेन्टस ग्राफ ग्रकाउन्टेन्स समापक द्वारा दिये जाने के लिये ग्रपेक्षित है छह कमवर्ती मास के लिये नहीं दी गई है।

भतः जब कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा (4) के उपाबन्धों के श्रनुसरण में एतव्दारा सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसाम पर कामोरस्यल ट्रांस्पोर्टस लिमिटेड (लिक्विडेशन में) का नाम यदि इसके प्रतिकृल हेतुक दिंशत नहीं किया जाता है तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सं० 219/लिक्वि/560 (4) म्रार 3269/82— यतः चेबुयुती एस्टेट लिमिटेड (लिक्विडेशन में) रिजस्ट्रीकृत कार्यालय
पुनालूर में है का समापन किया जा रहा है। मौर यत म्रधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हैंकुक रखता
है कि कोई समापन कार्य नहीं हो रहा है और यह है कि
स्टेटमन्टस भ्राफ एकाउन्टस समापक द्वारा किया जाने के
लिए भ्रपेक्षित है छह कमवती मास के लिये नहीं दी गई हैं।

ग्रतः जब कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 (1956 का1) की धारा (4) के उपबन्धों के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस तारीख से तीन मास के ध्रवसान पर चेबुयुडी एस्टेट लिमिटेड (लिक्विडेशन में) का नाम यदि इसके प्रतिकृत हेतुक दिशत नहीं किया जाता है तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर कम्पनी विद्यटित कर दी जाएगी।

के० पच्चापकेशन, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

#### म्राय-कर भ्रपील अधिकरण

बम्बई : 400020 दिनांक 13 श्रक्तूबर 1982 सं० एफ०-48 ए० डी० (ए० टी०) 1982-- अधि-वार्षिता की आयु प्राप्त हो जाने पर श्री ए० रामधन्द्रन, सहायक पंजीकार, आय-कर अपीलीय अधिकरण, दिनांक 30 सितम्बर, 1982 (अपराङ्ग) से सरकारी सेवा से निवृक्ति हो गये।

टी० डी० सुग्ला झध्यक्ष

# कार्यालय म्रायकर म्रायुक्त संवर्ग नियंत्रण म्रधिकारी भावेश

कानपुर दिनांक 8 फरवरी 1982

विषय: स्थापना केन्द्रीय सेवायें ग्रुप ''बी'' राजपस्तित ग्रायकर ग्रधिकारी पदोन्नति, स्थानान्तरण एवं पदस्थापन

सं० ए०/1/सी सीयू०/81 100—निम्नलिखित भायकर निरीक्षकों को स्थानापन्न श्रायतर श्रिष्ठकारी, ग्रुप "बी" के रूप में रू० 650-30-740-35- 810-द० रो० 35-88040-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनभात में उनके कार्यभार प्रहण करने की तिथि से तथा अन्य आदेशों तक पदोक्षत किया जाता यदि आद में यह पाया गया कि उनकी यह नियुक्ति विद्यमान रिक्तियों से अधिक की गई है तो वे पदावनत किये जाने के योग्य होंगे।

पधोन्नति पर उनकी सेवायें उनके नाम के सामने उल्लि-खित ग्रायकर ग्रायुक्तों के श्रधीन सौपी जाती हैं जो कृपया उनके पदस्थापन ग्रादेश जारी करेंगे।

क्रम् सं०	नाप	प्रभार/कार्यालय	भ्रायकर श्रायुक्त जिनके भ्रधीन सेवायें सौंपी जाती हैं
1	2	3	4
1. श्री ए	० के० दीक्षित	सी० रेंज कानपुर	कानपुर
2. श्रीम्रा	र०ए० शर्मा	में रठ प्रभार	में रठ
3. श्री बी रिया	० एन० बरत-	भ्रागरा प्रभार	मे रठ
4. एस०	एन० स्नि पाठी	सी० रेंज कानपुर	मेरठ
5. शमच	द्ध एस० के०	बी० रेंज कानपुर मे	रिस्ठ
6. श्रीमु श्रीवा	रेन्द्र कुमार स्तव	ए० रेंज कान पुर	क्ष नर्भ
7. ए० के	० जैन	बी० रेंज, कानपुर	कानपुर

# श्रावेश

#### दिनाक 15 फरवरी 1982

विषय :— स्थापना केन्द्रीय,सेवायें ग्रुप ''बी'' राजपत्नित ग्रायकर ग्रधिकारी पद्योन्नति स्थानान्तरण एवं पदस्थापन

सं० फ/सी सी यू०/81 सं० 102—निम्नलिखित श्रायकर निरीक्षकों को स्थानापश श्रायकर ग्रधिकारी, ग्रुप "बी" के रूप में ६० 650—30—740—35—810 द० रो० 35—880—40—1000 द०रो०—40—1200 के बेतन मान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तथा श्रन्य ग्रादेशों तक पदोक्षत किया जाता है। यदि बाद में यह पाया गया कि उनकी यह नियुक्ति विद्यमान रिक्तियों से श्रधिक की गई है तो के पदावनत किये जाने के योग्य होगें।

पदोभ्रति पर उनकी सेवायें उनके नाम के सामने उल्लिक् खित भायकर भ्रायुक्तों के भ्रधीन सौपी जाती हैं जो कृपया उनके पदस्थापन भ्रादेश आरी करेंगे।

क्रम संब	् नाम	प्रभार/कार्यालय	म्रायकर म्रायुक्त जिनके स्रधीन सेथायें सौपी जाती हैं	
1	2	3	4	_
2. श्री	पी०सी गुप्ता० बी०ए० कुलश्रेष्ठ म्रार० डी० यादव	मेरठ श्रागरा कानपुर	मेरठ ग्रागरा कानपुर	

#### भावेश

### दिनांक 1 घ्रप्रैल 1982

स्थापना—केन्द्रीय सेवार्थे ग्रुप "बी" राजपत्नित ग्रायकर ग्रिधकारी पदोन्नति स्थानान्तरण एवं पद-स्थापना

सं० 1——निम्नलिखित आयकर निरीक्षकों को स्थानापन्न आयकर अधिकारी ग्रेप "बी" के रूप में रू० 650-30-740-35-810 रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि में तथा अन्य श्रावेशों तक पदोन्नत किया जाता है। यदि बाद में यह पाया गया कि उनकी यह नियुक्ति विद्यमान रिक्तियों से अधिक की गई है तो वे पदावनत किये जाने के योग्य होंगे।

पदोक्सित पर उनकी सेवायें उनके नाम के सामने उिल्ल-खित भ्रायकर भ्रायुक्तों के भ्रधीन सौंपी जाती हैं जो कृपया उनके पदस्थापन भादेश जारी करेंगे।

क्रम सं०	कर्मचारी का नाम	प्रभार/कार्यालय	भायकर मायुक्तों जिमके भवीन सेवायें सींपी जाती हैं
1	2	3	4
सर्वश्री			
i. हर्ष वर्धन (एच०वी		क्षानपुर	कानपुर
<ol> <li>तीरथ र</li> </ol>	ाम	मेरठ	मेरठ
3. जी ०पी ०	निगम	कानपुर	कानपुर

### पादेश

# दिनांक 19 जुन 1982

स्थापना—केन्द्रीय सेवायें -- राजपितत ग्रायकर श्रधिकारी ग्रुप "बी" नियुक्ति—स्थानान्तरण एवं पदस्थापन

सं० 39—बोर्ड के विनांक 9-6-1982 के पत्न सं० सं० ए०180/10/8/ प्रणा० VI के प्रनुसरण में एतद्द्वारा श्री ए० एस० भूटानी प्रायकर निरीक्षक कानपुर को प्रायकर प्रधिकारी ग्रुप "बी" के पद पर नियुक्त किया जाता है। उनको विनांक 26-9-1970 से 350-900 के पुराने वेतनमान में प्रायकर प्रधिकारी (क्लास—II) के रूप में नियुक्त माना जाएगा।

इस नियुक्ति पर उनकी सेवायें उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तथा श्रन्य भादेशों तक श्रायकर ग्रायुक्त कानपुर के श्रधीन सोंपी जाती हैं, जो कृपया उनके पदस्थापन भादेश को जारी करेंगे ।

#### श्रादेश

# वितांक 7 जलाई 1982

सं० 54 —श्री एस० के० साहा (श्रनु० जनजाति श्रायकर निरीक्षक, कार्यालय श्रायकर श्रिष्ठकारी सैलरी सिंकल, कानपुरको श्रायकर श्रिष्ठकारी (ग्रुप "बी") के रूप में ६० 650-30-740-35-810 द०रो० 35-880 40-1000 द०रो० 40-1200 के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से श्रीर श्रन्य श्रादेणों तक नियुक्त किया जाता है। यदि बाद में पाया गया कि उनकी यह नियुक्ति विद्यमान रिक्तियों से श्रिष्ठक की गई है तो वे पदावनत किये जाने के योग्य होंगे। पदोन्नति पर उनका स्थानन्तरण किया जाता है एवं श्रायकर श्रिष्ठकारी के रूप में जनकी सेवायें श्रायकर श्रायक्त, श्रागरा के श्रिष्ठीन सौंपी जाती हैं जो कृपया उनका पदस्थापन श्रावेण जारी करेंगे।

# कानपुर, दिनांक 29 अगस्त 1982

सं० 71/69—श्री एम० एल० सन्त श्रायकर निरीक्षण श्रायकर कार्यालय, मथुरा को श्रायकर ग्रधिकारी (ग्रुप की") के रूप में रू० 650-30-740-35-810- द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतन मान उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से श्रीर ग्रन्य ग्रादेशों तक नियुक्त किया जाता है। यदि बाद में यह पाया गया कि उनकी यह नियुक्ति विद्यमान रिक्तियों से श्रीष्ठक की गई है तो वे पदावनत किये जाने के योग्य होंगे। पदो-भ्रति पर उनका स्थानान्तरण किया जाता है एवं श्रायकर ग्रिधकारी के रूप में उनकी सेवायें श्रायकर ग्रायुक्त मेरठ के ग्रधीन सौपी जाती हैं जो कृपया उनके पद स्थापन ग्रादेश जारी करें।

 यह श्रादेश दिनांक 1-9-1981 से प्रभावित होगा ।

#### धावेश

# दिनांक 4 ग्रक्तूबर 1982

सं० 80—श्री भोपाल सिंह, (ग्र० जाति) ग्रायकर निरीक्षण, मेरठ प्रभार को ग्रायकर ग्रधिकारी (ग्रुप की) के रूप में रू० 650—30—740—35—810 दं० रो० 35—880—40—1000-दं०रो०—40—1200 के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से ग्रीर ग्रन्य ग्रादेशों तक नियुक्त किया जाता है यदि बाद में पाया गया कि उनकी यह नियुक्ति विद्यमान रिक्तियों से ग्रधिक की गई है तो वे पदावनत किये जाने के योग्य होंगें। पदोन्नति पर उनकी सेवायें ग्रायकर ग्रायुक्त मेरठ के ग्रधीन सौंपी जाती हैं जो कृपया जनका पदस्थापन ग्रादेश जारी करेंगे।

णारदा प्रसाद पाण्डेय धायकर धायुक्त संवर्ग नियंत्रण प्राधिकारी, कानपुर प्ररूप आर्ड. टी. एन्. एस. ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 16 जून 1982

नोटिस स 431/82-83--अतः मुभ्ने, श्रीमती मंज् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं आर. एस. मं. 98 है, तथाओं में स्थित हैं (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्थिणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारोख 16-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एोसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिरत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्योपयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यु आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

अतः अबुउक्त अधिनियम की भारा 2,69-गक्ते अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्भातु:----

(1) श्रीमती अम्मयक्कस पत्नी मल्लपा गांड र 'ए' डिवीजन हुलीयूर रोड निखुल्लवर रास्ता हिरीयुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीएम के. पिलनप्पागैं डेर सुपुत्र कट्युन्ना गडिर लक्कावन हल्ली बाड्डगट्टी हिरीय्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशनुकी सारीख 45 दिन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियो सूचनाकी सामीलुसे 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीसासे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

(बस्तावंज सं. 1981/81-82 ता. 6-2-1982) शेतकी भूमि सर्वे नं 98 2 38 गुंठा एक कांबा और पम्प हाउस और 65 नारीयल पेड इस शेतकी भूमि पर हैं।

> मेणु माध्यन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, बंगलूर

तारीच - 16-6-1982 मोहर:

प्ररूप आहरै. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

# अर्जन रंज, बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 17 अप्रैल 1982

निव $^{\infty}$ श सं. 417/82-83--यतः मुक्ते, श्री वी. एन. लिलतकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं. सि. टि. एस. नं. 1957/1ए, 1बी, 1डी है, तथा जो कडोल्कर गल्ली, बेलगम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-3-1982

1908 (1908 का 16) के अभीन तारीं 17-3-1982 को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिस्तत उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) 1. श्री वस्तगीरसाव महमवसाव मन्नूरकर उफाँ पटल
  - श्री कमरः व्दिन दस्तगीरसाध मन्नूरकर उप्पं पटेल
  - श्री नसीरुद्दीन दस्तगीरसाब मन्नूरकार उर्फा पटोल मन्नूरगल्ली, बेलगम । (अन्तरक)
- (2) 1. श्रीमती हयातबी महबूबकान पठाण,
  - 2. श्रीमती कमरुन्नीसा गौसस्रान पठाण,
  - श्रीमती फरीबा करीमचान पठाण
     4204/कडोल्करगल्ली, बेलगम ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यक्षाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दिकरण: — इसमें प्रयुक्त शबदौं और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

(दस्तायेज सं. 2085 ता. 17-3-1982) कडोल्कर गल्ली बेलगम में स्थित बिलिडंग (जगह सहित) जिसका सि.टि.एस. नम्बर है 1957/1ए, 1957/डी और 1957/1वी ।

> वी एन ललितकपूगर राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) गर्जन रोज, बगलुर

तारीब : 17-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूधना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोजा, खंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 जुलाई 1982

नोटिस नं. 445/82-83—यतः मुक्ते, मंजू साधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हौ, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

मार जिसकी सं. सि टी एस नं. हैं, तथा जो 804 और 805 वार्ड नं. 111 पूना मंगलूर रोड ह्वली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-2-1982

को पूर्वा कर संपत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोशों से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यः आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित काक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) 1. कामारी योसीबामी दीनका गज्बा
  - श्री होंगी उर्फ होरमस्त्री जमसेदंखी अलगमवाला
  - 3. श्री हीराजी जमशेदजी वेलगमवाला
  - 4. श्रीमती मनी पत्नी करल पांस्टदाला
  - श्रीमती शीरीनवासी पत्नी रास्तमजी सोदी
  - 6. श्रीमती सोनावायी पत्नी होरमसजी, कंट्राक्टर
  - श्री ए. डी. गब्बा—सब विद्यानगर हुबली में रहनेवाले

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री चन्द्रहास विठलसा मिस्कीन
  - 2. श्री गणपतसा विठलसा मिस्कीन्
  - 3. श्री चन्द्रसा विठलसा मिस्कीन--संब तुमकर्र गल्ली हुबली के रहनेवाले।
  - हिज होलीनेस जगवेगुरु मुरू साबीर मठ, हु बली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशेंक्त स्म्पत्ति **के अर्थन के लिए** कार्यवाहियां करता हू<sup>†</sup>।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजएक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

### अनुसूची

(दस्तावेज 2712 ता. 9-2-1982), वार्ड नं. ।।। ह्याली में रहनेवाला प्रोप्रटी नं. सी. टी. एस. नं. 804 और 805

> मंज् माधवन सक्तम प्राधिकारी सहायक आयंकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, अंगल्र

तारीच :13-7-1982

प्ररूप आर्द्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, बंगल्र

बंगलर, दिनांक 15 मितम्बर 1982

निविश सं. सी. आर. नं. 62/452/82-83/एक्बी/डी——भतः मुक्ते, मंजू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. में अधिक हैं और जिसकी मर्वों मं. 25, 261, 262, 265, 282 और 75 हैं तथा जो उरुभाजे और बैरापुरा बिलंज गनिबीडर होंब्ली, मूडिगेरो तालुक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, बंगलूर म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मुण्डे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापवोंक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण में हुई किमी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्मिलियत त्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) श्री अब्दल हमीद जि. पी. ए. हार्त्डर फार श्री ए. के. मूसा कट्टी मुन्डोली हाँस, सामेश्वरा विलेश पोस्ट कोटेकर, मंगलर

(अन्तरक)

(2) श्री यू. एम. इसमाइल पार्टनर मैंसर्म शाफी टिम्बर कम्पनी स्टोर होंस, पारमन्तूर मंगतूर तालूक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

्वस्ताबेज सं. 654/81-82 ता. 27-2-82), 53, एकरस 39 गुन्टाम काफी भूमि जो उरूभाजे और बेरापूरा विलेज गिनीडू होब्ली, मुडिगेरो तालूक में स्थित है।

मज माथवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, बंगलूर

<del>गा्रीव : 16-9-198</del>2

प्ररूप आई टी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

### अर्जन रंज, बगलूर

बगल्र, दिनाक 15 सितम्बर 1982

निर्दोश स सी आर न 62/450 82 83/एवप/जी ——यत मभे, मज साधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसमे इसके परचात 'उथन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सप्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रु से अधिक हैं आरे जिसकी सर्व स 153/पी, 338,153/एफ है,तथा जो वास्तार हाव्ली, भोलादाल ग्रामा चिक्क मगल्र तालुक म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), (रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्क मगलर म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 24 फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के निवत बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल्ट को लिए अतिरित की गर्ड हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उपित दाजार म्लय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक **है औ**र अतरक (अनरकों) और अतरिती (अतिरातियों)के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलि**लित उददे**देय से उक्त अनरण निक्लिस से नास्तिविक

रूप से कथिन नहीं किया गया है --

- (क) अतरण महर्ष्ड किसी आयं की खंडत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कभी करने गा उससे बचने में यितिशा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्न अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जिल्ला में सित्भा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियन व्यक्तियों, अर्थात ---

- (1) श्री मन्त्राजी राव ।।ग्रेड सन्स चिक्कसगलूर टौन (अन्तरक)
- (2) श्री एम आर वीरोगौंडा सन/आफ रामे गौंडा मतावरा, मृवाहाली पि ओ चिक्कमगलूर तालुक (अन्तरिती)

,

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जुन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उत्रत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तारील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त प्रक्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ह्) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अय व्यक्ति व्वारा, ऑधोहस्ताक्षरों के पास लिखन में किए जा सकोंगे।

स्पद्मिकरण: ----इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

दस्तावेज म 1898/81-82 ता 24-2-82) सब सपत्ति ज काफी खेती है जिसका स 152/पी, 338, और 153/एफ वास्तार हाबली भालादाल ग्रामा, चिक्कभगनूर तालक।

मज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहारक आयकर आय्क्त (निर्देक्षण) अर्जन रंज, वगल्र

तारीख | 5 ०-१०१७ गोहर श्रूष आहु . टा . एन . एस . - ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज., बंगलूर

बगलूर, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निर्दोष सं. सी. आर. न. 62/451/82-83/एक्यू. डी.—अत. म्फे, मजू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-एक के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषयाए करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 505/565/3333,275 है तथा जो रवीन्द्रा नगर एक्स्टेन्शन, शिमोगा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमोगा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारींख 20 फरनरी, 82 को पूर्वों क्स सम्परिस के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से एसे द्व्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आध की बाबस, उथन अधिनियम के अधीन कर दीन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय झाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ्या अक्त अधिनियम, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की १ 269-म की उपधारा (1) के मुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती के. जेय्यम्मा वैफ आफ श्री एस. नागराचा रात्र
  - (2) श्री एस. एन प्रकाश
  - (3) श्री एस. एन. रामचन्द्रा
  - (4) श्रीमती एस एन. कामाक्री बंटे और बंटी आफ श्री एस. नागराजा राव न 7.53 3 ब्लाक, राजाजीनगर, बंगलूर-10

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नागम्मा, वैफ/आफ श्री के नन्जुन्डण्पा अरमिलन्गम काम्पींड, के. आर पुरम रोड, शिमोगा

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित् के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन की अविधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>4</sup>।

# अन्सूची

दस्ताबेज स  $3284^{8}1-82$  ता 20-2-82 सब सम्पत्ति हैं जिसकी स 505/565/3333/275 जो प्वीन्द्रनगर एक्स्टोन्शन, शिमोगा में स्थित हैं।

मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जेज, बगलूर

<u> तारांख</u> 15-9-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस्. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निद्धें श मं. सी. आर. न. 62/34907/82-83/अक्वि/बे—अत मुफे, मजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)', की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं आर जिसकी मं. 319 है तथा जो डोमलूर एक्स्टेन्शन बंगलूर में स्थित हैं (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप म कथित नहीं किया गया है:---

के अधीन तारील 29 मर्दा, 82

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने यो उसते अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री आर. श्री निवासा 116, बिन्नमंगला ।। स्टेज इन्दिरा नगर, बंगलूर।

(अन्सर्क)

(2) श्री टी. एन. सा दरराजन33/3, मीनी अविन्यू, बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यव्ध किसी अन्य व्यक्तियों व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(वस्तावेज सं. 615 तारील 29-5-82), 319, डॉमल्र एक्स्टेन्शन, बंगल्र ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

अत अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों: उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधित्:---

तारीख : 17-9-82

प्ररूप शाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

# श्रायकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा **269-म (1) के सबीन सूचना**

#### भारत भरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रंज, बगलूर

बगलूर, दिनाक 16 सितम्बर 1982

निदंश स सी आर न 62/33707/81-82/अकिव/ब—अत मूके, मज् माधवन, आपकर प्रिजियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिष्ठियम' कहा गया है); की धारा 269-ख ने बधीन सखम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु• से श्रीक्षक है

और जिसकी स 18 ही तथा जा अण्डा रोड, शान्ति नगर, बगलूर-27 मा स्थित ही (और इस स उपावव्ध अनुसूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर मा रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12 फरवरी, 82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिल्क बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे वश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रविधात से मिधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिक्त छहेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कर से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के प्रधान कर बने के अन्तरक के वागिरव में सभी करने या उससे अवने में मुविधा के सिए; बौर/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के थिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —

(1) श्रीमती हजियानि कारूनिसा बगम श्री एच एम मोहम्मद जलालुब्दीन की पत्नी न 18, अण्ड्री राड, वान्ति नगर, बगलूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरैय्या बातू अहम्मद श्री परवीज अहम्मद की पत्नी नया न 18, अण्ड,ी राड, शान्ति नगर, बगल्र-27

(अन्तरिती)

को रह स्वता नारों काक प्रवेशि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजंत के सम्बन्ध पं कोई भाषोप :--

- (क) इस सचना क अजपक में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की सप्टींध या क्ल्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचेणा की लामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाह में अकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पास में हित बद किसी अध्य भ्यानित है। रा. अही हरा। तरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे ।

स्पर्दाक्ररण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों और वर्गे का, जो जक्त अधि-निवम के अक्याय 20-क में परिकाणित हैं; वहीं श्रय होगा नो उस अक्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

(बस्तावज स 4922 तारीख 12-2-82) नया न 18 अण्डारिकांड, ज्ञान्ति नगर, बगलूर

> मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बगलुर

तारीख 16-9-82 मो**हर** ∄ अरूप आ**र्इ**. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

अर्जन र्जा, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 मितम्बर 1982

निद्धा सं. 33774/81-82—अतः मुक्ते, संजु साधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षप पाधिकारी को यह विश्वास करते का अपराण है कि स्थावर पन्यत्ति, जिसका छचित बाजार मृहय 25,000/ रु से अधिक है

और जिसकी सं. 1 ही तथा जो विलर रोड एक्सर्ट्शन काम, संयिण्ट मी स्थित ही (और इस से उपाबद्ध अनुसूची मी और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर मी रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीग, नारीस 8 फारवरी, 82

को पूर्वोक्त संगति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के लिए प्रत्तिका को गई है और भुगे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परदृहं प्रतिशत श्रीक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलाखन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कांचत नहीं किया गया है :---

- (क) स्न्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्स अधिनियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- ्ख) एसी किसी ग्राय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अका अधिनियम, या धन-कर प्रशिवियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्ति शिद्धारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्किया के निए;

अनः भ्रम, उका अधिनियम को धारा 269-ग क अनुसरण में, में, इस अधिनियम की धारा 369-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित:—

(1) श्री आर. एम. शा. श्री एम. सी. शा. के पृत्र 4, तम्भुचेट्टी रोड, काक्सबुन,, बगलूर-560005

(अन्तरक)

(2) श्री तामस जानश्री वी. ए. तामस के पुत्र41, नार्त रोडबंगलूर-560005

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनः की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
  - (ख) इस सूचा के राजनचर्ते जन्मान की तारीख से 45 दिन के भीतर छन्। स्याबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीत्रस्ताकारी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्वण्डो करण: --इसमें प्रयुक्त जातां और वदों का, औ उक्त श्रिधित्वम के प्रदेशार 20क में परिभाषित है, उही श्राप्त होगां, जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

(दस्तावंज सं. 3369 तारीख 8-2-82) नं न 1, वीलर रोड एक्स्टेन्शन कास, संधिण्ट तामस टाउन्न, बंगलुरु।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन र<sup>्</sup>ज, बंगलुर

तारीख: 24-9-82

# प्ररूप आई. टी. एन. एस.,------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजा, बंगल्र

बंगलूर, दिनांक 24 सितम्बर 1982

निर्देश सं. 33705/81-82/बे---अतः मुक्ते, मंजू माधवन,

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उत्ति वाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 274 है तथा जो । ब्लाक जेयनगर, बंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 फरवरी, 82

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उधित वाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को सिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उद्या अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप में किथित नहीं किया गया है -

- (क) अन्तर्ण से इर्र किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर येने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में मुविधा के लिए; और/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिनियन लाक्तियों, अधीत्:—— (1) श्रीमती एस. शाता मणी श्री एच. एस. रामास्वामी की पत्नी 28, । कास रोड, गविषुरम एक्स्टॅशन, बंगलूर-4

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्था वोकटरमणन और नागमणी 24, जंभ लिंगम म्दलियार स्ट्रीट, नुगमभाक्कम, मद्रास-600034

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित को अर्थन के जिए अर्थवाहियां करना हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सक्ते।

स्पष्टतीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

दस्तावेज मं. 4960 तारीख 15-2-82 भृमि का न. 274, । ब्लाक, जयनगर बंगलूर।

मंज् मा**धवन** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन र<sup>ी</sup>ज, बंगलूर

नारीख : 24-9-82

अस्त वाह्न डो० व्यव ग्यव-----

**भागकर अधि**तियम, 1961 (1961 का **43**) **ही धारा** 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 24 सितम्बर 1982

निद्देश सं सी आर न. 62/33741/81-82/अिक्व/बे—अत मुक्ते, मंज् माधवन, आयकर अधिनियम, 196: (1961 हा 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' करा गगा है), सी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपन्नि जिसका रचिन वाअप मन्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सः 12 ही तथा जो म्यूसियम राइ, बगलूर 560001 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हीं), रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 24 फरवरी, 1982

की 16) के अधान, तारास 24 फरवरा, 1982

को पूर्वोक्त मंगित है गिन जातार मुख्य में किन के दृश्यमान
प्रितिकल के लिए अन्तरिंग की गई है गौर मुझे यह विश्वार
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पष्टक् गितशन से अभित है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अस्मरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किनी पाय की बाबत उक्त बाधि-नियम के सक्तीत कर देने के ब्रन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/स
- (ख) ऐसी किसो भाउँ या किसी धन या श्रम्य आस्तियों
  ती, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922
  (1942 को तित्र या उन्त अधिनियम, या धन
  कर ग्रिबिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  तथा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
  (विद्या किए)

श्रतः श्रव, उक्त प्रधिनियम का घणा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन,, निक्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) 1 श्री तहिमिना आर. नीरांजी न 10, रम्ट हाउन्स क्रेसेण्ट, बंगल्र-।
  - श्री मिनोयर के बेलगमवाला 15, नृगम्भाक्कम है रोड, मद्रास-600034

(अन्तरक)

(2) मैंसर्ग क्रेन्ले एस्टेट्स एण्ड इन्बेस्टमेण्ट प्राइवेट लिमिटेड 10, रस्ट हाउन्स क्रेसेण्ट, बंगलूर-560001

(अन्तरक)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्बन क तिए कार्यवाहियों करना ३ ।

उरत मन्यत्ति के श्रातंत्र के मन्यत्ध में कोई भी पालेग :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की नारी त्र रे 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध गां में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा अधोर

स्वरुशिकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दा भीर नदीं का, जा उकत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित है बही अर्थ होगा जा उस प्रध्याय पे दिया स्था है।

### अनुसूची

(दस्तावेज स. 3545 तारीख 24~2-82) न 12, म्यू-सियम रोड, बोगलूर-560001 ।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलर

तारीख : 24-9-82 गोनर

मोहर .

# प्ररूप बाइ . टी. एन्. एस.----

अ। यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>1</sup>ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 सितम्बर 1982

निविंश सं. 33706/81-82--अतः मुक्ते, मंजु माधवन, जायकर जिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी सं. 18/2-2 13वां एकास रोड है तथा जो II ब्लाक जेयनगर, बंगलूर में स्थित हैं (और इस से उपान्वद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जेयनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 करवरी, 82 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक कप से कि थित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (स) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

णतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः——
4—316GI/82

- (1) श्री पूनम्मा आनि बैंज जिमन पी.ए. होलंडर ब्रिगेडीयर, तामस नूरान अल्ल् मोट्टील, तिक्वन्ला, केरला (अन्तरक)
- (2) मैसर्स डी. बासप्पा चारिटिबल एण्ड एज्कोशन फाण्डेशन 421, ।।। क्रास, विलसन गार्डन, बंगल्र-27

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीस से 45'दिन के भीतर उचत स्थावर संपिक्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उसत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं. 4937 तारील 15-2-82) भूमि का नं. 18/2-2, 13 'ए' कास रोड, ।। ब्लाक, जेयनगर, बंगलूर।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>3</sup>ज, बंगलूर

तारीब : 24-9-82

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, महायक आयकर आय्क्त् (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर 1982

निर्दोश सं. 34060/81-82--अतः मुभ्हे, मंजू माधवन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 537 है, तथा जो एच. ए. एल.,, ।। स्टेज एक्सटेन्शन, बंगलूर-38 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 1-2-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उस्त अन्तरण लिखित मो वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यु आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

श्री जार्ज अबृहाम,
 जि.ए.स्. शो रूम,
 73/3, रड्डी जन संग्रह बिल्डिंग्स,
 जे. सि. रोड, बंगलूर-560002।

(अंतरक)

श्री एम मताय कोशि,
 प्रतिनिधि करने वाली श्रीमती मेरी कोशि,
 क्रेंस्ट स्ट्रीट,
 शांति नगर, बंगलूर-27।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक् में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में **दिया** गया है।

### अनुसुधी

(दस्तावेज मं. 3303 तारील 1-2-1982)। 537, एच.ए.एल., ।। स्टोज, एक्सटोन्शन, बंगलूरा

> मंज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रुज, बंगलुर

तारीस : 30-9-1982

# प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 30 सितम्बर 1982

निर्दाश सं. 34092/81-82—यत. म्फें, मंजू माधवन,, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 449 है, तथा जो एच. ए. एल. ।।। स्टोंज, इन्दिरा नगर, बंगलूर-38 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 17-2-1982

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिक्ति उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

श्री पि. वि. स्शीला,
स्रोता रामधन्द्रन,
3366., एच. ए. एल. ।। स्टेज,
इन्दिरा नगर,
बंगलूर-560038 ।

(अंतरक)

 श्री वि. जि. सिद्धार्त, चिन्तनहल्ली एस्टट, 'डी' चीकनहली पोस्ट, मद्गेरि, चिक्कमगल्र।

(अंतरिती)

को मह सूचना ारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जा अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उन्त भिन्न-नियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उम अड़्याय में दिया गया है।

#### अनसम्बो

(दस्तावेज सं. 3485 ता. 17-2-1982)। 449, एच. ए. एल. ।।। स्टोज, इन्दिरा नगर, बंगलूर।

> मजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, बंगलूर

तारीब : 30-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर 1982

निर्वेश सं. नं. सी. आर. नं. 62/34103/81-82/ ए.क्यू.बी.—अतः मुक्ते, मंजू माधवन, जायकर जिस्तियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा

269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपहित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. 22 है, तथा जो कोर्ट 'ए' स्टीट, के, आर.

और जिसकी सं. 22 है, तथा जो कोर्ट 'ए' स्ट्रीट, के. आर. होड, कास डिविजन नं. 27,, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबस्थ अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुड़ी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस 24-2-1982

को पूर्वोक्त संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्सि का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में अभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती एस. राधा भाई,
 श्री एस. राधा कृष्णा,
 श्रीमती के. सक्क्र भाई,
 नं. 125/1/18, । ब्लाक,
 डाक्टर टी. मरियप्पा रोड,
 जयनगर, बंगलूर-11।

(अंतरक)

मैसर्स ताज एण्ड कम्पनी,
 नं. 15/16, महमद हायात स्ट्रीट,
 बंगलूर-560002 ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सुकोंगे।

स्यस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(वस्तावेज मं. 3541/81-82 ता. 24-2-1982)। सब सम्पत्ति के विभाग में 1/2 भाग जिसकी सं. 22, जो फोर्ट 'ए' स्ट्रीट, के. आर. रोड, कास डिविजन नं. 27, बंगल्र में स्थित है।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख: 30-9-1982

# प्रकप भाई• टी• एन० एस०---

# ग्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 30 सितम्बर 1982

निर्देश सं. नं. सी. आर. नं. 62/34104/81-82/ एसीक्यू. बी---यतः मूक्षे, मंज् माधवन, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-६० से प्रधिक है,

और जिसकी स. 22 हु तथा जो फोर्ट 'ए' स्ट्रीट, कं. आर. रोड, कास डिविजन नं. 27, बंगलूर मो स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगृडी मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 24-2-1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के। एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त भन्तरण लिखिन में बास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्षितियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (ख) ऐमी किसी घाय या किसी घन या घर्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात:——

- 1. (1) श्री एस. सुबूमणी, नं. 25., फोर्ट, 'ए' स्ट्रीट, बंगलूर-2,
  - (2) श्री एस . सून्यरामुर्ती,नं . 10, ट्यांक रोड, बगलूर-42,
  - (3) श्री एस . गोपाल ,नं . 17., आर . सी . ब्लाक ,लाइड्स इस्टेट , मद्रास ।

(अंतरक)

मैसर्म ताज एण्ड कम्पनी,
 नं. 15/16, महमद हायात स्ट्रीट,
 एन. आर. राड कास.,
 बंगल्र-2।

(अतरिली)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो मी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत त्यक्तियों में ने किसी त्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास े लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त ग्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिमाधित हैं, वही श्रर्थ होना जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज म. 3540/81-82 ना. 24-2-1982)।
सब सपित्त के विभाग में 1/2 भाग, जिसकी म. 22, जो फोर्ट 'ए' स्ट्रीट, के. आर. रांड, क्राम डिविजन नं. 27, बंगलूर में स्थित हैं।

मंज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, बंगलूर

तारीख : 30-9-1982

### प्रकृप आई० टी॰ एन० एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर 1982

निवर्षेश सं. सी. आर. नं. 62/34105/81-82/ एसीक्यू. बी--यत. मुभ्ते, मंजु माधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मीधीनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मत्य, 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. 22 है तथा जो फोर्ट 'ए' स्ट्रीट के. आर. रोड, कास डिविजन गं. 27., बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ज्ञारील 23-2-1982 को पूर्विक्त संपत्ति के उिचत बाजार मृल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसभी दरयमान प्रतिफल से एोसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरणलिखित में भारतिवक रूप से काथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अपर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री एस. राधा कृष्ण,
 नं. 125/1/18, । ब्लाक,
 डाक्टर टी. मरियप्पा रोड,
 जयनगर, बंगल्र-11 ।

(अंतरक)

मैसर्स ताज एण्ड कम्पनी,
 नं. 15/16, महमद हायात स्ट्रीट,
 एन. आर. राड कास.,
 बंगलूर-2।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्श्व भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागी।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# मन्स्ची

(दस्तात्रेज सं. 3538/81-82 ता. 23-2-1982)।' सब सम्पिरित में 1/6 भाग हैं, जिसका सं. 22, जो फोर्ट 'ए' स्ट्रीट, के. आर. रोड, क्राम डिविजन नं. 27, बंगलूर में स्थित हैं।

मंज् माधवत सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

तारील : 30-9-1982

# प्रकृष कार्य . टी. एन. एक . -------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण् (1) के अधीन सूचना

#### प्रापुत् सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर 1982

निक्षंश स. नं. सी. आर. नं. 62/34016/81-82/ एसीक्यू. बी.—यत म्भें, मंजु साधवन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चाद 'उकत अभिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह तिश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं 22 है, तथा जो कोर्ट 'ए' स्ट्रीट, के आर रोड, कास डिविजन नं 27., बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगृडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीच 23-2-1982

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती अन्तरित्वों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक स्प से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

एस. स्न्दरा मूर्ती,
 नं. 10 ट्यांक रोड,
 बंगन्त्र-42 ।

(अंतरक)

मैसर्म ताज एण्ड कम्पनी,

 15/16, महमद हायात स्ट्रीट,
 एन. आर. रोड कास,
 बंगलूर-2।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अभूस्ची

(दस्तावेज मं. 3537/81-82 ता. 23-2-1982)। सब सम्पत्ति में 1/6 भाग है, जिसका सं. 22, जो फोर्ट 'ए' स्ट्रीट, के. आर. रोड, क्रांस डिविजन नं. 27, बंगलूर में स्थित है।

मंज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

तारीव : 30-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत् सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर 1982

निर्देश सं. नं. सी. आर. नं. 62/34107/81-82/ एसीक्य . बी--यतः मुक्ते, मंज् माधवन, आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं. 22 ही तथा जो फोर्ट 'ए' स्ट्रीट, के. आर. रोड, क्राम डिविजन न . 27., बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगृडी मं रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीम 23-2-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मृल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निनियम व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री एस . सूब्रमणी ,
 रं . 25 , फोर्ट 'ए' स्ट्रीट ,
 बंगलूर-2 ।

(अंतरक)

मैसर्स ताज एण्ड कम्पनी,
 नं. 15/16, महभद हायात स्ट्रीट.,
 एन. आर. राष्ट्र कास.,
 बंगलूर-560002 ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं. 3536/81-82 ता. 23-2-1982)। सब सम्पत्ति में 1/6 भाग है, जिसका सं. 22, जो फोर्ट 'ए' स्ट्रीट, के. आर. रोड, कास डिविजन नं. 27, बंगलूर में स्थित हैं।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन दुंज, बंगसूर

नारीख: 30-9-1982

मोहर 🖫

प्ररूप् आई. टीं. एन. एस ----

बागवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करे भाग 269-व (1) के अभीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगल्य, दिनांक 30 सितम्बर 1982

निद<sup>®</sup>श सं. सी. आर. 62/34108/81-82---यतः मुक्ते, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीनत बाजार मृल्य 25,000 र र से अधिक है

और जिसकी सं 22 है तथा जो फोर्ट 'ए' स्ट्रीट, के आर रोड, कास, डिविजन नं 27, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वसवनगुड़ी में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-2-1982

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या अससे बचने में मुक्तिधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सिवधा के लिए;

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उदह शिधिनयम् की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिम्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
5—316GI/829

 श्री एस गोपाल नं 17, आर सी भलाक लायड्स एस्टेट, मन्नास

(अन्तरक)

मैसर्स ताज एंड कंपनी

 15/16, महमद हायात स्ट्रीट
 एन. आर. रोड कास,
 बंगल्र-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं. 3535/81-82 ता. 23-2-82)

सब संपित्त में 1/6 भाग है, जिसका सं. 22, जो फोर्ट 'ए' स्ट्रीट के. आर. रोड कास डिविजन नं. 27, बंगलूर में . स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 30-9-1982

प्ररूप नाइ.टो.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर 1982

निवर्षेश सं. सी. आर. 62/34109/81-82--यतः म्फॅ, मंजुमाधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. 22 है सथा जो फोर्ट 'ए' स्ट्रीट, के. आर. रोड, कास, डिविजन नं. 27, बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगृंही में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 23-2-1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गगा प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में मूजिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती के. सक्का भाई नं जी 45, 6वां काम गांधीनगर, बंगलूर-9

(अन्तरक)

मैसर्स ताज एड कपनी
 ं. 15/16, महभद हायात स्ट्रीट
 एन. आर. रांड कास,
 बंगलर-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपीत में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुन्ती

(दस्तावेश सं. 3533/81-82 ता. 23-2-82)

सब संपत्ति में 1/6 भाग है, जिसका सं. 22, जो फोर्ट 'ए' स्ट्रीट को. आर रोड कास डिविजन नं. 27,, बंगलूर में स्थित है।

मंज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायकं ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, बंगलूर

ता**रील** : 30-9-19**8**2

प्ररूप आई. दी. इन. एस.-----

भाषकर् अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ड (1) के अधीन तुचना

#### भारत बडकाड

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन राज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 मितम्बर 1982

निव<sup>®</sup>श मं. सी. आर. 62/34110/81-82—यतः मुभ्हे, संजु माधवन,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजिन बाबार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 22 है तथा जो फोर्ट 'ए' स्ट्रीट, के. आर. रोड, कास, डिविजन नं. 27, बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं)., रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-2-1982

को पूर्वो वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो वित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी नाम की नामत उनत, निध-निमन के नधीन कर दोने के नम्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे मचने में सुन्धि। के निए; निष्/का
- (बं) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में त्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निक्तिशिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:——

 भीमती एस राधा भाई नं 125/1/18, । ब्लाक बाक्टर टी. मरिचप्पा रोड जयनगर, बंगलूर-11

(अन्तर्क)

मौसर्स ताज एड कंपनी
नं. 15/16, महमद हायात स्ट्रीट
एन. आर. रोड काम,
बंगल्र-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब बें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अमुस्ची

(दस्तावेज सं. 3532/81-82 ता. 23-2-82) सब संपत्ति में 1/6 भाग हैं, जिसका सं. 22, जो फोर्ट 'ए' स्ट्रीट के. आर. रोड कास डिविजन नं. 27., बंगलूर में स्थित हैं।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र्</sup>ज, बंगलूर

**नारीच : 30-9-1982** 

# प्रकम् नार्चः, दी., एत., एस..--------------

भाषकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, बंगल्र

बंगलूर, विनाक 20 सितम्बर 1982

निवर्षा सं. सी. आर. 62/33745/81-82—यतः मुक्ते, मंजू माधवन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 51, पुरानी सं. 83 है तथा जो 7वां कास, मल्लेक्वरम, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-2-1982

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्सी कड़ने या उन्होंके बृद्ध में बृद्धिया के क्सिं; बीर/या
- (क) एेसी किसी नाम या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए और/या

मंदः संब, उस्त संधितियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मी. उस्त संधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीत निकासिया स्वक्तियों, संधीत :--  श्री के विजया कुमार सें 16, 4था क्रास, नेहरूनगर, बंगलूर-560020

(अन्तरक)

 श्री के एन राधाकृष्ण शेट्टी पार्टनर मैंसर्स मल्लेश्वरम नानशन्स सं 45, 13 वां काम मल्लेश्वरम, बंगल्र-20

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पन्त के राजपत्र भ प्रकाशन की तारांख मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हित-बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पटकिरण - त्यभा प्राक्ष हरा । इत्या अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस सभ्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

संपत्ति है जिसका सं. 51, (पुराना सं. 83) जो 7थां कास मल्लेक्वरम बंगलूर में स्थित है। (दस्तावेज सं. 3862/81-82 ता. 15-2-84)

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख: 20-9-1982

# प्ररूप माई • टी • एन • एस •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 24 सिसम्बर 1982

निर्वाश सं 34264/82-83—अतः मुक्ते, मंज् माधवन, प्रायकर अिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके किना 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके किना 1961 (उन्ते अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सका प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्प्रांस, जिसका उचिन बाजार पूरुष 25,000/- द० में प्रधिक है और जिसकी संख्या 80 (एम. नं 14) है तथा जो ।।। ब्लाक इस्ट ज्यानगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज्यानगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7 अप्रैल, 1982

को पूर्वीकत सम्गति के उजित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह तिश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पण्डाट् प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) और अम्तरिती (अम्तरितियों) के जीच एसे जनारम हे लिये त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उशेष्य ने उक्त अस्तरण लिखित में वास्त्रिक हम ने कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अखितियमं के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; धौर/मा
- ृख) ऐसी िकसी आप या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

श्रतः अब् उक्त मधिनियम को भार। 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की बारा 269-च की छपबारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्या, अर्थात् :---  (1) श्री टी. पी. एन. निम्बयार हरूजून रॉइ, पोस्ट बाक्स नं. 177, कोजिकोड-673001 ।

(अन्सरक)

15391

(2) दिवाकर एस. कोट्टी मौनोजिंग डायरोक्टर, मौसर्स फौबर मिल्स, प्राइवेट लिमिटोड, 58, एम ए. डी. सी अन्धेरी, बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो हरह पूर्वीना पम्प**र्श्ति के अर्थन** के लिए **कार्यवाहि**यां शुरू करता है।

उस्त सम्बन्धि हमार्जन हमानन्त्र में होई भो ब्राह्मेप :---

- (क) इन सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लागील से 30 दिन की भविष, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से हिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूबना के पालपान में तारीस से 45 दित के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में वित्वस्य किसी अन्य व्यक्ति हारा अधीत्स्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगा

स्यब्दो तरण :--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के भड़्याय 20-क में परिकाधित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्वी

(दस्ताक्षेण सं. 88 तारीस 7-4-82) 80, एम. नं. 14, ।।। ब्लाक, इस्टि जयनगर, बंगलूर।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र**ंज**, बंगलूर

तारीच : 24-9**-8**2

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बंगलूर बगलुर, दिनांक 29 सितम्बर 1982

निर्दोश सं. 33926/81-82—अतः मुभ्हे, मंजू माधवनः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्स, जिसका उमित बाजार मृत्य 25,000 /- रा से अधिक है और जिसकी स. 279 है तथा जो अकिकतिम्मिनहकी, शान्ति नगर, बंगलूर में स्थित हैं (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयों, जंयनगर में र्राजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन तारील 4 फरवरी, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंसरक (अंसरको) और अंत्रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उका आधिषयम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उका अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती एवं राजम्मा नं 239/2, बुल टॅम्पिल रोड, बामरा अपेट, बंगलूर-18

(अन्तरक)

(2) श्री बी. के. गजेन्द्र प्रसाद बी. के. त्याग राज, के. मारुति, के. जगदीश, 966, शंकर खान रोड, नगरत पेट, बंगलुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृयों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करता हूँ।

# डक्ट सुन्परित में भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्त्रची

(वस्तावेज सं. 4834 तारीस 4-2-82) भूमि का नं. 279, अिककतिमनहकी, शान्ति नगर, बंगलूर।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगलुर

**सारीम** : 29-9**-82** 

मो**हर**ः

प्रका शाई० टी० एन**० एर०-----**-

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के श्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदानाद, दिनांक 7 सितम्बर 1982

नि**व**ेंश नं. पी. आर. नं. 2089/23-।/82-83—— अतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उच्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रवीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 122 है तथा जो गांधी ग्राम जुनागढ़ मों स्थित है (और इसमे उपाबव्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 5-2-1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए, तथाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई भिन्सी आय की भावत, उक्त प्राधिनियम के संधीन कर देने के यक्तरक के दाविश्व में करने या उससे बचने में मुबिश्वा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा ग्रनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रग्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा क लिए।

अतः, बंब, बंबर समितियम, की सारा की 269-गंके प्रतुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवाँस !—- (1) विष्णुप्रसाद छोटालाल अवासीया छाया बजार, जुनागढ़।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री हरीदास गारेधनभाई स्रोजा गांव लीवुडा, ताल्का-मान्यत्य जिला-जुनागढ़। श्री उदयसिंह एम सरवैया गांव-छत्रासा, ताल्का-धोराजी जिला-राजकोट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचता आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तर स्पालि के अनेन के तस्त्रात्र में कोई भी आक्षीप : →→

- (क) इन सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के मीतर पूर्वीका व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्त में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकरी के पाम सिखित में किए जा मकेंगे :

क्पव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका कृत क्षेत्रफाल 889 5 वर्ग यार्ड है जो गांधी ग्राम जुनागढ़ में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रीर जुनागढ़ र जिस्ट्री-कर्ता विकासित गं. 406/5-2-82 हैं।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

दिनांक : 7~प-1982

प्ररूप आई. टी. एन एस - ------

**षायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-ध (1) क जधीन स्**प**ता

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निद्येष नं. पी. आर. नं. 2090/23-1/82-83---अतः म्भ्ने, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका जिल्त बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं मर्वों नं. 140/1+2 है तथा जो गांव बांडक देव, जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबस्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) बाइ रइ, श्री जंगतात बनारसीदास की विभवा पत्नी गांव-आंबली, जिला-अहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) चीतन तेजल इनवेशमेन्ट प्राइवेट लिमिटोड की ओर सं श्री अपूर्व शान्तीलाल शाह पूलिस होड क्वाटर्स के नजदीक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृयों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पत्कीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसुची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 36 गूंठा है, जो गांव बोडक दोन जिला अहमदाबाद स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीस्त नं 1799 और 1797/6-2-82 हैं।

> आर. आर. **शाह** सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

ता**री**ब · 18-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन एस. -----

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की षारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमवाबाव

अहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवास नं पी. आर. नं 2091/23-1/82-83--अतः मुक्ते, आर. आर. साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन स्थम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं. 141/1 और 131/2 और 146/3 और 146/4 है। तथा जो बोडकदेव जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रति-फल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं भौर मन्तरक (धन्तरकों) और अग्तरिती (अन्तर्शित कों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विक्तित में वास्तविक क्ष्ण में किया नहीं किया गया है ----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

- (1) 1 भी शफरीबेन जेठाभाई बनारसीदास गांव-मांबली, जिला अहमदाबाद।
  - रामभाई पुंजाभाई प्रजापती गांव-आंवली, जिला-अहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनुभाई डीमाभाई पटले विज्यंता सरदार पटले स्टेडियम के नजदीक, नस्रंगपुरा, अहमवाबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा कत सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परं स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स् से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### असस ची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 23 गुंठा और 22 गुंठा है जिसका सर्वो नं 141/1 और 141/2 और क्षेत्रफल 19 गुंठा और 18 गुंठा और सर्वो नं 146/3 और सर्वो नं 146/4, जो गांव बोडकदेव जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार बिकासित नं 2154 और 2163/12-2-82 है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीख : 18-9-1982

# प्ररूप ग्राई० टी॰ एन॰ एस०

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदोष नं. पी. आर. नं. 2092/23-1/82-83---अतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-काए से प्रधिक है

और जिसकी सं पी टी. सी प्लाट नं 25 है तथा जो इडस्ट्रीयल एस्टेंट के पीछे, गोंडल रोड, राजकोट में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 3-2-1982

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिक्वन के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिज्ञत से प्रष्टिक है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्नविक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर्द दोने के ज्ञारक के वायित्य में कमी करने या उससे जवने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ ज्नारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था ख्वित्र में सुविधा के लिए;

भतः अब्, उन्त प्रमिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, प्रचीतः—

- (1) मैसर्स लीबरल इंजी वकर्स परा बाजार, राजकोट। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स परफेंक्ट बुडन मेन्थ की ओर सं श्री सुरोश विट्ठलदास, टागोर रोड, राजकोट (जन्तरिती)

को यह प्यना जारी करके पुर्वोक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उनत सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इ.स. सूंचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस प्रता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उशन स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्टोकरण: ---इत्तरं प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिक् नियम, के प्रक्रमाय 20-क में परिकाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उत्त प्रक्रमाय में दिशा गरा है।

#### नगुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 229.80, 274 वर्ग यार्ड हैं जो पी टी सी नं. 25, गॉडल रोड राजकोट में स्थित हैं तथा सब रिजस्ट्रार राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता विकक्षित नं. 427/3-2-82 हैं।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीख: 18-9-1982

प्ररूप नाइ.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1., अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निव से नं. पी. आर. नं. 2093/23-1/82-83--- अतः मुक्ते, आर. आर. शाहु, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000 / रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं. सर्वों नं. 481 है तथा जो गाव थलतेज जिला, अहमवाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-2-82

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के ब्रुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- (1) द्रवाबेन, श्लीवाभाइ बंचरदास की विधवा पत्नी और मन्य गांव-मांबती, ज़िला अहमदाबाद। (अन्तुरक)
- (2) श्री गोविन्दभाई मफतनाल पटेल 9-एन अमरदीप निवास, हिन्दू कासोनी, सरदार पटेल स्टेडियम के सामने, नारंगपुरा, अहमदाबाद।

(मन्दरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंकत सम्परित् 🖒 अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन की मनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 3 एकर-12 गुठा पैकी सर्वे नं. 481 है जो गांव थलतेज, जीला बहुमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार अहुमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकीसत नं. 1793, 1794 और 1795/6-2-82 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) जर्जन रोज-1, अहमदाबाद

त्रारीख : 18-9-1982

मोहर 🗈

प्रक्प गाइ .टी . एन . एस . ------

सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1., अहमवाबाव

अहमवाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निद्रोश नं. पी. आर. नं. 2093/23-1/82-83---अतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात्. 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सर्वों नं. 482 पैकी प्लोट नं. 77/11 पैकी है तथा जो गांव-विजोल, (पटना) अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिचस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-2-1982

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्ण से हुइ किसीं आयं की वासत उक्त ऑधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभाग (1) के अभीन् निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लक्ष्मी कॅमिकल इंडस्ट्रीज -प्रापरायटर्स-अशोककुमार शर्माफ्रम एककर 77/11, जी जार की सी एस्टेंट, पटवा, अहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स गुजरात डायस्टक इंडस्ट्रीज प्राइवेटिनिमिटेड डायरेक्टर-जगवीशभाई मास्तनलाल 218, स्ट्रोकेट्रम कोमसींयल सेन्टर, शीलीफ रोड,शीलीफ सिनेमा के सामने अष्ठमदाबाद-1।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वतः के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्ट्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

# अनुसूची

फैक्टरी मकान जिसका जमीन का कुल क्षेत्रफल 280 वर्ग मीटर है। जो वींक्जोल, जिला अहमवाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार अहमवाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकिश्यत नं. 2393/ 18-2-82 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रूज-1, अहमवाबाद

तारीख : 18-9-1982

प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1,, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

ंनि**दो**श नं. पी. आर. नं. 2095/23-1/82-83<del>--</del>--अतः मुभ्ते, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन अधिकारी सक्षम का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उँचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वेनं 59 है तथा जे ग्रंजपृर बोघा अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारों के कार्धालय, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और 16) के अधीन 10-2-1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री चीमनलाल कृबेरवास मोवी कृबेर निवास रायगढ अहमवाबाद।

(मन्तरक)

(2) नवदुर्गा टोनामेन्ट एसांसिएकन संकेटरी-श्री चंद्रभान टारेगीराम नावयाल, नवदुर्गा कालोनी, एस. टी. यर्कसाप के सामने नरांखा रांड, अहमदागाद।
(अन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को**र्ड भी आक्षो**प :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध . अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुस्ची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 7299 वर्ग यार्ड है जो सैजपूर बोध जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार अहमदा-बाद राजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं 2031/10-2-82 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 18-9-1982

मोहरू ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-ए (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1., अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निषेश नं पी आर नं 2096/23-1/82-83--अतः मुभ्ते, आर. आर. शाह, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी संख्या एफ पी. नं 106, सब प्लोट नं. 88 है सथा जो राजपुर, हीरपूर मनीनगर अहमदाबाद में स्थित है (भार इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्थाल्य, अहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-2-82 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल. निम्नलिखित उददोष्य से उक्त अन्तरण निक्षित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्धि। के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब,, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिवृद्धित व्यक्तियों, अर्थात् हि— (१) श्री कनुभाई गिरधरलास परीद्य जन विशास सोसायटी, मांबावाडी, अहमदाबाद।

(घन्तरक)

(2) श्रीमती गीताबेन गनपतभाई चनी, गांव पीलोरा, तालुक-पराव, जिला-बनासकांठा, (गुजरात)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्युक्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविभ, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगों जो उस अध्याय में दिया नया है।

# वनुसूची

मकान जिसका जमीन का कुल क्षेत्रफल 357 वर्ग यार्ड है, जो मनीनगर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता निकासत नं. 2007/10-2-82 है।

ुआर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

तारीच : 18-9-1982

# प्रकप साई • टी • एन • एस • -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्योत्तय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1., अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निविध नं पी. आर. नं 2097/23-1/82-83--अतः मुभ्ते, आर. आर. शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25.000/-रा. सै अभिक है

और जिसकी एक . पी. नं. 423/1/अं, टी. पी. एस. 3 हैं तथा जो पंगीसपुर जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनसिष में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण गीधनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-2-82

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कर्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मुख्य उसके रहयमान प्रतिफाल से, एसे रहयमान प्रतिफाल का पम्बर प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रतिफास निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्सि में शस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 या उक्त अभिनियम, या (1922 年 11) भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-में की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री ज्योतिष अम्बालाल पटोल और अन्य सामनेधर महाबोब मन्दिर के पीछी, ला कालेज के नजदीक, एलिसब्जि, अहमदाबाद ।

(भन्तरक)

(2) श्री बजलाल रामजीभाई बगाडीया मोदी शेरी, मोरबी, जिला-राजकोट।

(मन्तरिती)

को यह स्वना पारी करके पूर्वोच्चत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# नन्त्रची

मकान जिसका जमीन का काल क्षेत्रफल 612 वर्ग गाउँ हैं जो पंगीसपूर, बहुमदाबाद में स्थित हैं तथा सब -रिजस्ट्रार बहुमदा-बाद रजिस्ट्रीकर्ता विकाखित नं. 2541/20-2-82 है।

> आर. आर. शाह प्राधिकारी सक्षम सहायक प्रायकर भागक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 18-9-1982

प्ररूप. गाई टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थन रोज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाव, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवेश नं पी. आर. नं. 2098/23-1/82-83---अतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ.पी. 583 सब प्लाट नं. 1 टी.पी.एस. 3 है तथा जो छड़ावड एलिसब्जि अहमवाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-2-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कार्ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविसिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रजनीकांत जयिक शनवास सोनी श्रीमती बकुला रजनीकांत सोनी स्पेकनी वाडी, खाडीया, अहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) सोलंकी एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटोड 9, सफलम प्लेट, मट्ठाखली, एलिसम्ब, बहुमबाबाद ।

(भन्तच्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 652 वर्ग यार्ड है जो टी भी एस 3, छहावड अहमदाबाद में स्थित है तथा सद रिवस्ट्रार अहमवाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं. 1973/9-2-82 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीब : 18-9-1982

\_\_\_\_\_

प्ररूप वाइ<sup>1</sup>. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निद्शे नं. पी. आर. नं. 2099/23-1/82-83--अत: मभ्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ. पी. नं 317-2-बी, टी. पी. एस. 3 है तथा जो शोप नं. एस-1, ब्लोक ए क्षेपिटल क्षोमिश्रीयल सेन्टर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क्षायलिय. अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-2-1982

को पूर्वोंक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित्त का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृषिधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निचित व्यक्तियों, अधीत—
7—316GI/82

(1) श्रीमती कोकीलाबेन जगद्रशिभाई ''चैतन्य'' ला कालेज के पीछे, चीमनलाल गीरधारीलाल राडे, एलिमबिज, अहमदाबाद ।

(श्रन्तरक)

(1) श्री किरनक्मार दयालदास बाधवानी के/ओ किष्णा सेल कार्पोर्गक् शोप नं. एस-1, ब्लोक ए केपिटल कोमर्शियल सेन्टर, आश्रमरोड, अहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्मन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:— इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

शाप नं. एस-1, ब्लाक ए जो केपीटल कोमिशियल सेन्टर, आश्रमरोड, अहमदाबाद स्थित ही तथा सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्तीबत नं. 1619/4-2-82 ही।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहीयक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।ः, अहमवानाद

तारीख : 18-9-1982

# प्रकार आहे.डी.एन.एस्. ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

# भारा 269-म (1) के बभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्दोष नं. पी. आर. नं. 2100/23-1/82-83~- अतः मुझे, आर. आर. बाह, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित धाजार मृल्य 25,000/- रूट. से अधिक है और जिसकी सं. सवीं नं. 88 ए-1-ए-1-ए, 21 है। तथा जो अचीर, सावरमती अहमवाबाद में स्थित है (और इससे उपा-

अव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1982 को प्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूबेंक्त संपरित का अचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

> (कः) जन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या

> (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अत. अवं, उक्द अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

(1) श्री अरिबंध कृमार भोगी लाल गाँर अन्य रामनगर, सावरमती, अहमवाबाद

(अन्तरक)

(2) एफल एपार्टमेन्ट आनर्स एसांसीयंशन प्रमुख-सफत-लाल पोमलभाई पटेल, मेक्नेटरी-विनोदचंद्र मनीलाल पटेल अचीर, साबरमती अहमदाबाद 44, हाइबेपार्क सोसायटी, रामनगर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित है, बह्दी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

मकान जिसका जमीन का कुल क्षेत्रफल 633 वर्ग यार्ड है जो अचीर, सावरमती, अहमदाबाद में स्थित है तथा जो सब-रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकासित नं. 1401/1-2 1982 है ।

आर. आर. **घाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।,, अहमदाबाद

ता**रीच** : 18-9-1982

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस ------

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1982

निदेश नं पी. आर. नं 2101 अर्जन रॉज-23-। /82---83 अतः मुभ्ते, आर. आर. शाह, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वों नं. 462/1 प्लाट नं. 1 है। तथा जो राजकोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकाट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख 2-3-1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिष्फल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कार्ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करनें या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्;

- 1. श्रीमती भगवतीबेन बाबुलाल चौहन रौया रोड, राजकोट (अन्तरक)
- 2 -श्रीमती कपीलाबेन एन सोलंकी जनरल पोस्ट आफिस के नजदीक राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपितिल के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# अनुसूची

मील्कत जिसका जमीन का कुल क्षेत्रफल 176 वर्ग यार्ड है। जो सीटी सर्वो नं. 426/1 प्लोट नं. 1 पर स्थित है तथा सब रिजस्टार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्कीखृत नं. 131/7/2-3-1982 है

आर. आर. काह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जुन-।, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्चित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

तारीब : 27-9-1982

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 2102 अर्जन रोज-23-1/82---83 अत: म्फे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त़ अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. एफ. पी. 109 से 112 पैकी सब प्लोट नं. 8 है। तथा जो दरीयापुर-फाजीपुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-2-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) मैंसर्स जीवतलाल प्रताप सिंह की ओर से बसंतलाल जीवतलाल सहकार नीकतन सांसायटी के नजदीक, नवरंगपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदाबेन कान्तीलाल महादेवीय 'अक्षय घरा' प्रवीन कालोनी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

, उक्त संपित्त के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिंकरेण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>3</sup>।

## अनुसूची

मकान जिसका जमीन का कुल क्षेत्रफल 836 वर्ग यार्ड है, जो दरीयापुर-काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिज-स्टार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकाखित नं. 2606/24-2-82 है।

आरं. अर्रि. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।,, अहमदाबाद

तारीख: 29-9-1982

महर:

प्ररूप आदी.टी.एन एस ----

**■ामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4**3) चती भारा 260-वें (1) के अधीत गारना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरांक्षणः) अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1982

निद्दाल न पी आर. न 2103 अर्जन र र -23-1/82 83—अत म्से, आर आर आह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 75,000/ रु. में अधिक हैं और जिसकी स. टी पी एस 22, एफ. पी 77 पैकी हैं, तथा जा पालडी, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड हैं और मुम्मे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए प्रत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से किथा गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी अाय की अविते, उनल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अत्र स्तयों को, जिन्ह भारतीय आय-कर मिधनियम , 1922 (1922 का 11) या उदत अधिकिय म, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपान में सुविधा के निए;

नतः नवः, उक्त अधिनियमं की भारा 2<sup>1</sup> 89-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, नुभृति के स्ट

- 1 सेसर्स बी. जी. शाह एन्ड कम्पनी 12, हरशान्ति सोसायटी, नारायननगर रोड, पालडी, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- 2 श्री चद्लाल अमृतलाल गगाडीया 76, राजद्रीय पार्क गौरो सिनेशा के नजदीक, अत्वव, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जानी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति। के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस मृतना के राजपप में प्रकाशन की तारीस से .15 दिन की अविध या उत्सम्यन्थी व्यक्तिया पर समुचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध जाद में समाप्त हाती हों , के भीतर पूर्वोंक्त । व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टोक रण:---इसमा प्रयुक्त राज्यो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मो दिया गया हाँ।

# अमुसुची

फलट जिसका कुल क्षेत्रफल 122 वर्ग यार्ड ही जो वासना, पालडी, अहमदाबाद में रिथत ही तथा सब रजिस्ट्रार, अहमदा-वाद ने जस्ट्रीकर्ता बिकामित नं 2680/24-2-1982 ही।

> आर. आर क्षाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।,, अहमदाबाद

तारी**स** . 25 )-9-1982 मोहर् प्ररूप कार्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्शक्षण) अर्जन रंज, अहमवाबाद अहमवाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1982

निदंश नं पी आर नं 2104 अर्जन रंज-23-1/82-83--अतः मुभी, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं एफ पी 548, सब प्लोट नं 2 टी. पी एस 3, पैकी है तथा जो वी एस अस्पताल के सामने, एलिस-बिज , अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबस्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं विश्वित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन 19-2-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच, एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री हिम्मतभाई भगभाई सुतारिया वी. एसं. अस्पताल के सामने, एलिसबिज, अहमवाबाद।
   (अन्तरक)
- 2. मैसर्स एम. के. बिल्डर्स, 8-10 कालकोट हाउस, तामरीन होन, फोर्ट बोम्बे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्वेख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्का स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

संरचनात्मक वर्गरह, जमीन का काल क्षेत्रफल 2282 वर्ग मीटर हैं (1/3 पैकी) जो वी. एस. अस्पताल के सामने एलिस-बिज अहमदाबाद में स्थित हैं तथा सब-रजिस्टार, अहमदाबाद रजिस्टीकर्ता बिकीबत नं. 2328/19-2-82 हैं।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।,, अहमदाबाद

तारीब : 29-9-1982

प्ररूप आइ. टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1982

निद्येश नं. पी. आर. नं. 2105 अर्जन रॉज-23-1/82~ 83—-अत: स्के, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एफ. पी. 548 पैकी सब प्लोट नं. 2 टी. पी. एस. 3 है तथा जो वी. एस. अस्पताल के सामने एलिसबिज, अहमदाबाव में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्य, अहमबाबाव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहसमान प्रतिफल से, एसे रहसमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिश्वित व्यक्तियों, अर्थातु:--- 1. श्री वचुभाई भगुभाई सुतारिया, वी. एस. अस्पताल क्षे सामने, एलिसन्त्रिज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 मेसर्स एम . के . बिल्डर्स , 8-10 कालकोट हाउस , तामरीन लेन , फोर्ट बोम्बे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितजक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसुची

संरचनात्मक वगैरह, जिसका जमीन का कुल क्षेत्रफल 2282 वर्ग मीटर है, (1/3 पैकी) जो वी. एस. अस्पताल के सामने एिलसिक्ज, अहमवाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार अहमवाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्की खत नं. 2323/17-2-1982 है।

आर. आर. झाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त<sup>ः</sup>(निरीक्षण) अर्जन र<sup>\*</sup>ज-।,, अहमदाबाद

तारी**ब** : 29-9-1982

प्रहेप आईं. ∠ी एन. एस. +----

आयकर अधिनियम, 1'961 (1961 का 43) की धारा 269-छ, '(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1982

निद्श नं पी. आर. नं 2106 अर्जन रॉज-23-1/82-83--अतः मुक्ते, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ. पी. 548 सब प्लोट नं. 2, टी. पी. एस. 3 पैकी है तथा जो वी. एस. अस्पताल के सामने एिनस- बिज़, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-2-82

को पूर्वो कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उबते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व से अभी करने या उसमें सचने में मृत्यान के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना साहिए था. छिपाने में भिन्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

1. श्री प्रवीनचंद्र फकोरभाई सुतारिया एच. य्. एफ के कर्ता और स्वयं, गुसा पारेख की परेत, मानेक चौक, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 मैसर्स एम. के. बिल्डर्स, 8-10 कालकोट हाउस, तामरीमल लेन, फोर्ट बोम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा वत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

संरचनात्मक वगैरह जिसका जमीन का कुल क्षेत्रफल 2282 वर्ग मीटर है (1/3 पैकी) जो वी. एस. अस्पताल के सामने एलिसब्जि, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकी खत नं. 2324/19-2-1982 है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबादै

तारीख: 29-9-1982

प्ररूप आइ . टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ए (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1982

निद्देश नं. पी. आर. नं. 2107 अर्जन रंज-23-1/82-83—अतः मुफ्ते, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ. पी. 154 पैकी सब प्लोट नं. 4 टी. पी. एस. 3 है तथा जो हाइकोर्ट के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णत है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृष्ट प्रतिशत अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अहंस्तयों को, जिन्हें भारतीय अग्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
8—316 GI/82

- 1. श्री कौशीकभाई गोरधनभाई पटेल, श्री रमेशभाई गोरधनभाई पटेल, डांडीया बाजार, बरोडा। (अन्तरक)
- दीपावली संन्टर ओनर्स एसोसियंशन प्रमुख—अरान जे. शाह के/ओ चोकसी इंजीनियरिंग कम्पनी, श्याम कुटीर, खडायत कालोनी, नेताजी रोड, एलिसब्जि, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष् ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 440 वर्ग यार्ड है जो हाइकोर्ट के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार, अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकासित नं. 1513/4-2-1982 है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारौ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

ता्रीब : 29-9-1982

मोहर् 🗓

पक्षर प्राई० डी० एत० ए ७०००--

प्रायक्तर अधि तथम, 1961 (1961 **का 43**) की बारा 269-व (1) क अबीत सु**प**ना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।,, अहमवाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1982

निद्धा नं. पी. आर. नं. 2108 अर्जन रॉज-23-1/82-83——अतः मुभी, आर. आर. शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया ही) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं. एफ. पी. 60 सब प्लोट नं. 14 हो। तथा जो भैरवनाथ रोड, मनीनगर, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुम्ची में और पूर्ण रूप से विणित हों), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजम्हिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-2-82 को पूर्वोक्न समान्ति के उधिन बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पर्वह प्रतिणत प्रधिक है और प्रमन्तर (प्रकारकों) यौर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रनरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित क्रिया के उक्त प्रनरण कि बिल तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित क्रिया के उक्त प्रकारण लिखित में वास्तिय क्रिया के किया गया है:—~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के गोनतार्यं यन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, क्रियाने के स्विधा के लिए;

 श्रीमती साबीत्रीक्षेत्र गनपतराम अदीतराम महोताफी यिदया पत्नी जवाहर चोफ, किश्रवाग बस-स्टोच्ड को नजवीक, मनीनगर, असमयाबाद।

(अन्तरक)
2. जवाहर कोपीण संस्टर और फ्लंट ओनर्स असोसीयकान
फी./ओ. जरामदास चुहावमल फर्नावटी सोसायटी के
सामने मोहन हाउसिंग के नजदीक, भैरवनाथ रोड,,
अहमवाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की प्रविध या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किमी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहम्ताक्षरी के पात लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्प॰वीकर राज्ञ-इतमें प्रपृक्त शक्तां धीर पदों का, जो जकत ध्रष्टि-ित्यम के अध्याय 20-क ग गरिभावित हैं, थही ध्रय होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गवा है।

# <u> मनुसूची</u>

अमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 440 वर्ग यार्ड है जो भैरवनाथ रोड, मनीनगर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्टार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 2475/19-2-82 हैं।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाब

अत अब उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

ता्रीब : 29-9-1982

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाव, विनांक 29 सितम्बर 1982

निद्रों मं. पी. आर. मं. 2109 अर्जन रीज-23-1/82-83——अतः मुफो, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं क्लोक नं 828 पैकी ब्लाक नं 769 पैकी है। तथा जो ब्लोक नं 760 पैकी गांव फठवाड़ा जीला अहमदाबाद में स्थित हैं। तथा जो द्यार इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकतो अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मृति्धित व्यक्तियों, मुर्थास् :--

 श्री मोतीभाई नारनभाई पटेल और अन्य गांव-नावली सालुका-आनंद, जीला खंडा।

(अन्तरक)

 श्री चतुरभाई आशाभाई पटोल गांव फठवाडा सालुका-दसकोई, जीला-अहमवाबाव।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूक्षना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

जमीन जिसका काल क्षेत्रफल 8 एच . 52 आर . 64 वर्ग मीटर है 0-13-08 एन्ड 0-16-65=8-82-37 जो गांव फठवाडा जिला बहुमयाबाद में स्थित है सथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकिश्वत नं . 2705/25-2-82 है।

आर. आर. शाह सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाब

तारीब : 29-9-1982

मोहार 🕄

प्रकृष बार्च, टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाव, दिनांक 29 सितम्बर 1982

निदंश न पी. आर न 2110 अर्जन र जै-23-। /82-83---अत: मुभ्ते, आर आर शाह,

आयकर अधिनियम', 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी सं सर्वं न 1082 ए सी, 1087, 1082 -ए, 1082 जी, 1087, एफ पी न 153 है। सथा जो नरोडा, अहमवाबाध में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-2-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्निविक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के भक्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-घर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, किया। में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिगुर्यो, अर्थातः :—

- अरिवद इन्डस्ट्रीयल अंस्टेट कोर्पा., भागीबार श्री अरिविद्याला नरात्तमदास और दूसरे, शेठ लाल भाला दलपतभाला बन्डा, पानकोर नाका, अहमदा-बाद।
- (अन्तरक)
  2. अपिटोस सिन्थेटीक प्रा. लि. डायरोक्टर श्री वसंण-भाका शांतिलाल भवोरी, शोठ लालभाक्षा वलपतभाका वरन्डा, पानकोर नाको, अहमदाबाद।
  (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्य सम्पति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना, की तामील से 30 दिन की भवधि; जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में गे किसी व्यक्ति बार;
- (ख) इस सूचना के राजपत म प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्त्र व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे '

रपण्डोकरण :—व्हर्सम् प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के भ्रष्ट्याप्र 20क मं परिभाषित हैं, वड़ी अथ होगा जो उम श्रष्ट्याय में विया गया है।

## बनुसूची

जमीन का कर्ल क्षेत्रफल 98 चौरसवार है जो नरांग अहमदा-बाद पर स्थित है। सब रिजस्ट्रार, अहमदाबाद विक्रीसत नं. 1322/4-2-1982 पर रिजस्टर्ड हुआ है।

> आर. आरं. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुपे-।, अहमदाबाद

तारीख · 29-9-1982 मोहुरु ज

# प्ररूप **आर्ड**.दी. <u>एन्. ए</u>स. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1982

निवंश नं. पी. आर. नं. 2111 अर्जन रंज-23-1/82-83--अतः मुभ्रे, आर. आर. शाह, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी संख्यापी पी न 164 प्लाटनं 4/5 है। तथा जो मनीनगर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 8-2-1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तू अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्ससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ंख) एेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन निम्नुलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः--

- 1. श्रीमती सविना जटल हरिलाल अम्जा का निवास, हरिहर सोमायटी, मनीनगर, अहमवाबाद।
- (अन्तरक) 2. (1) श्री अरुणाजटन भरणकृमार (2) भरतकृमार जयन्ति लाल त्रिवेण अंपार्टमेन्ट पीकनीक हाउस जस 🗸 स्टीप कांकरिया, ओपन अरू थीअटर नजवीक अहम-दाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सुचना आ दी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीखरा 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतार उक्त स्थावर संपत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्टस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्धों का., जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

मकान जिस जमीन पर स्थित है उसका क्षेत्रफल 649 चौरस-वार है जो मजिनगर, अहमवाबाद में स्थित है। तथा सब रिज-स्ट्रार, अहमदाबाध विक्रीखत नं . 1624/8-2-82 हैं।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

तारीख . 29-9-1982

मोहरू 🖟

प्ररूप आहर्र. टरे. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-१, अहमदाबाद

अहमदाबाव, विनांक 29 सितम्बर 1982

नि**द**ोश नं. पी. आर. नं. 2112 अर्जन र*ॉ*ज-23-ा/82-83--अतः मुभ्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000 ∕- रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं. सर्वे नं. 193-194-एफ. पी. नं. 328-सब प्लाट नं. 10 हैं। तथा जो प्लाट नं. 4 पालडी, अहमदा-बाद में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-2-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रनिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--

- 1. सोजल कन्स्ट्रक्शन, श्री सतीशचन्द्र सूर्धालाल शाह, चिमनलाल गिरभरलाल रोड, पालडी, अहमदाबाद (अन्तरक)
- 2. उमासटन अरविंदभाओ विल्टीवाला, जुना सचित्रालय के सामने, आंसावाडी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्लाट नं. 4 का कुल क्षेत्रफल 116 चौरसवार है जो पालधी, अहमदाबाद पर स्थित हो। सब रिजस्ट्रार, अहमदाबाद, बिक्री-खत नं. 1634/4-2-82 पर रुजिस्टर्ड हुआ है।

> वार. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रुज-।, अहमदाबाद

तारीब : 29-9-1982

मोहरु 🗊

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र्</sup>ज, अहमदाबाद

अहमदाबाद-।, विनांक 29 सितंबर 1982

निदोश नं पी. आर. नं 2113 अर्जन रॉज-23-ा/82-83—-अतः मुफ्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक हुँ

और जिसकी सं. सर्वें नं. 33, टी. पी-एस नं. 22, एफ. पी. नं. 163, है तथा जो प्लोट नं. 6, जाला एपार्टिमेन्ट पालडी, अहमवाबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्त्री में और पूर्ण रूप से वर्णित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-2-1982

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्फे यह विष्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुस्थिश के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री मणी लाल सोमचंद मोदी, जमालपूर चकला, श्रहमदाबाद।
  - ् (अन्तरक)
- श्रीमती गीतासटन नटयर लाल सोनी, प्लोट नं 6, जाला अपार्टमेन्ट पालडी, नारायण नगर रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ण्लोट का कुल क्षेत्रफल 67 चौरसवार जो पालडा, अहमदा-बाद में स्थित है। तथा सब रिजस्ट्रार, अहस्वाबाद विकीसत नं. 1702/5-2-1982।

> आर. आर. शाह सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अ**हसदाबाद**

तारीख: 29-9-1982

# प्ररूप आई॰ टी॰ एन**॰ ए**स॰-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।., अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1982

निद्शे नं. पी. आर. नं. 2114 अर्जन रंज-23-1/82-83—अत: मुभ्रे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मर्वों नं 88 है तथा जो सोला गांव, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमबाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था., छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री इंश्वरभाइ आर. पटोल और अन्य सोला गांव, जिला अहमदाबाद।

(अस्तरक)

2. श्री अनुभाई प्रेमचंब शाह, मेत्रालय फ्लेटस, टाईम्स आफ इन्डिया पार्क के पीछ, नवरंगपुरा, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के मर्जन के लिए कार्भवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बद्धभ किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकरें।

स्वक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गूया हैं।

# मन्सूची

जमीन का कुल क्षेत्रफल एम , आर. चौरसमीटर जो सोला- 0-30-35 गांव में स्थित है। रिजस्ट्रार, अहमदाबाद बिक्रीलत नं 1717/5-2-82 पर रिजस्ट्रार हुआ है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीस : 29-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, विनांक 29 सितम्बर 1982

निवास नं. पी. आर. नं. 2115 अर्जन रोज-23-1/82-83—अतः मुभ्ते, आर. आर. साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 271-1, सब प्लाट नं. 5 हो। तथा जो कोजलपुर जिला अहमदाबाद में स्थित हो (और इससे उपा- बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस फरवरी 1982

को प्वींकत् सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में मुधिधा के निए;

 (1) श्रीमती बैनगारी रसोकलाल पटोल (2) दिनेश ,रसकलाल पटोल (पावर आफ अटानी रोल्डर्स श्री रमेश चन्द्र चमनलाल) मोलीसाई शेरी बम्बई।

(अन्सरक)

2. श्री गारा नयनभाशी रामप्रसाद व साई 'आनन्द धारा' अध्यापक सांसायटी, पोलिट हेनीक, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकरें।

स्वस्टिकरण:--- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि। हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्स्ची

400 चरिसवार जमीनपर मकान स्थित है। जो बेजलपूर, अहमदाबाद में है। सब रिजस्ट्रार, अहमदाबाद बिकलित नं. 1817/फारवरी 1982 पर रिजस्टर्ड हुआ है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

9-316 GI/82

**सारीच : 29-9-1982** 

मोहर 🥫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1982

निदंश नं. पी. आर. नं. 2116/।/82-83—अतः अतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-म के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने के कारण है कि स्थाबर संगीत, विश्व हिष्टि बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 2565-1-बी, दुकान नं.-5 है तथा जो वृन्दावन शोपिंग सेन्दर, पानकोर नाका-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-2-1982

को पूर्वोक्त संपरित् के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एेसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय नी बाबत खकत अधि-नियम अ अधीत गर देने व जन्तरक क दाणिक थे कमी कंपने या उससे बचने में मुविधा के सिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रम्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1922 (1922 १: 11) या उका अधिनयम या धनकार ग्रिधिन नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या या किया शांत चाहिए था, छिपान में मुविधा के निए;

अतः अब, उक्तु अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्तु अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) 1. श्री ब्राह कस्तुभाई मोतीलाल एण्ड ब्रदर्भ, 2. बाह कस्तुभाई मोतालाल एण्ड अन्य रायपुर दरनाजा की बाहर, 514, न्यू क्लोथ माकेट, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) शाह कान्तीलाल मनसुखलाल, 6-6 लोटस सोसायटी, गुजरात विद्यापीठ के सामने. आश्रमरोड, अहमदाबाद-14।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पिति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसर्ची

द्कान नं . 5 वृन्दावन शापिंग सेन्टर पानकार नाका, अहमदा-वाद प्र स्थित है। सब रिजस्ट्रार, अहमदाबाद का बिकालित क्वं . 13539/9-2-82 रिजस्टर्ड हुआ है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

तारीख: 29-9-1982

# प्रकम नाइ. टी. एन . एस . -----

# बाष्कर वर्षित्तमम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वता

#### तारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

अहमधाबाद, विनांक 29 सितम्बर 1982

निद्या नं. पी. आर. नं. 2117/23/1/82-83---अतः मुझे, आर. आर. शाह,

मायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वो नं. 275/1 और 275/2 - ब्लोक नं. 494 और 491, हो तथा जो आलम्बी गांव - जिला-अहमदाबाद, मो स्थित हो (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-2-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिबक कम से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उच्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरफ के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-स्ट विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीनार्थ बन्दीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया चाना चाहिए वा, जियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के, अनुमरण मों, मौं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविषयं व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1 श्री नटवर लाल प्रहलादभाई पटले, आम्बली गांव,, जिला-अहमदाबाद।
  - 2. बाई सीला, श्री प्रह्लादभाई जयसिंह भाई की विधवा-आम्बली गांव, जिला अहमदाबाव।
  - अबांसरन प्रहलाद भाई और अन्य आम्बलीगांव, जिला-अहमदाबाद।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री जसवतनाल छोटालान सी-6 स्नयकी अपार्टभेन्ट, न्य शारदामंदिर मार्ग, अहमवाबाद।
  - श्री परमानन्द गारधनवास मोदी-एडवांकेट स्वस्तिक सुपर माकाँट, आश्रममार्ग, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथ-नियम 1961 (1961 का 43) के जञ्जाब 20-क में परिभाषित हैं, वही जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का कर्न क्षेत्रफल  $3334 \pm 3334 \pm 217$  चौरसवार जो आम्बली गांव, जिला अहमवाबाद में स्थित ही। सबरिजस्टार, अहमदाबाद विकृष्टित ने 1868, 1869, 1864/8-2-82 पर रिजस्टर्ड हुआ है।

आर. आर. शाह सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक ग्रायकर**ग्रायु**क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अ**हमदा**बाद

तारीय : 29-9-1982

# प्रस्य भार्ड्, टी. एन्. एस्. -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श्र (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंजना, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1982

नियंश नं. पी. आर. न. 2118/23-1/82-83—अतः मृझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

25,000/-स. से **अधिक ह**ै

आर जिसकी सं. पी. पी.-187/दो भाग सब प्लाट नं. 7, भाग 26/1 है तथा जो 21, नेशनल चेम्बर्स, आश्रम मार्ग, अहमदाबाद टो.पी.एस.-3 में स्थित हैं (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिती नाम की बाबत, उनत अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी भाग या किसी धन मा अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती गीताबहन की टीट भाई धाह 68, जगाभाई पार्क, मणिनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजेश्री मनोहर पाटील, एल/4, बी/121, शास्त्रीनगर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रुक्ष करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

बुकान नं. 21, नेशनल चेम्बर्स जो आश्रम मार्ग, अहमदाबाद पर स्थित है। सब रिजस्ट्रार, अहमदाबाद बिकरीखत नं. 1908 9-2-82 पर रिजस्टर्ड हुआ है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिस व्यक्तियों, अधीत ह—

सारील : 29-9-1982

मोहर ः

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज-।, अहमदाचाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1982

निदंश नं पी. आर. नं 2119/23-1/82-83--अतः मुझे, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. एफ पी. 187/2, सब प्लाट नं. 7 और 6/1टी. पी. एस.-3 है तथा जो दुकान नं 22, नेशनल चेम्बर्स, आश्रमहरोष्ट, अहमदाबाद म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मे राजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-2-82 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्त यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्वरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आयया किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की जारा 200 प की जापशास (1) को अधीन, निम्नलिसित न्यवितयाँ, अर्थात :--

1. गीताबहुन कीरीटभाई शाह 68, जगाभाई पार्क, मणीनगर, अहमवाबाद ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी डोली अलिआस शिल्पा कान्तीलाल गज्जर, 'गज्जर वाला' 22, रामनगर, मणीनगर्, अहमदाबाद ।

(अन्तिरती)

को यह सुभना आरी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राज्यभूमें प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में सुभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सुम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमोप्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु , ब्रह्मी अपूर्व होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### अनुस्पी

दुकान नं 22, नेशनल चेम्बर्स आश्रम मार्ग, अहमदाबाद पर स्थित हो। सब रिजस्ट्रार, अहमदाबाद, विकीसन 1909/9-2-82 पर रजिस्टर्ड हाआ है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीख 🗈 29-9-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 30 सितम्बर 1982

निविध नं. पी. आर. नं. 2110/23-1/82-83---अतः मुझे, आर. आर. शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्हास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

और जिसकी सं सर्वे नं. 4-1-1 ही तथा जो अंसवाल सोसा-यटी की परिचम की ओर, जामनगर में स्थित है (और इसत उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे. आर. जामनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-2-82 को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान

को पूर्वों कत संपरित को उपित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री रमणीकलाल नेमचन्द माल्वे, दिग्विजय प्लोट, शरी नं 22, गरसी चॉक, जामनगर

(ग्रन्सरक)

2. श्री दोवचंव जीवराज गेलैंया, दिग्विजय प्लोट, घोरी नं. 43 जामनगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सहाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जा उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत सब रिजस्ट्रार, जामनगर म रिजस्टर्ड हुई है, जिसका बिक्रीखत नं 589/25-2-82 है।

> आर. आर. काह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ ही उपनास (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :---

तारीख: 30-9-1982

मोहर ः

# प्रखप बाई॰ टो॰ एन॰ए४॰----

प्रापकर परिनियन, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ (1) अधिन सूचना

#### गारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अक्तूबर 1982

निर्वेश सं. पी. आर. नं. 2121/23-1/82-83—अत: मुक्ते, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास सरने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० में प्राधिक है

और जिसकी मं. सर्वे नं. 429 पैकी 436 पैकी 654 है तथा जो पंचवटी को.ओ.डा. सांसायटी, राजकांट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकांट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 3

फरवरी, 1982 को पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितौ (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्बरण लिन्ति में शास्तिय कर में किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राध-रेक हे अधीन इन देने हैं अन्तरक क दायित्व में कमी के का उसमें बचने में सुविधा के लिए,
- (३) नेवर देविया जान या किसी धन सा धन्य सास्तिकों को जिल्ह पार्तीय धायकर प्रवित्यम, 1922 (१९७९ रा. ११) या उक्त प्रवित्यम, या धन-५२ प्रधितियम, 1957 (1957 को 27) प्रयोगप्रवर्ष शन्मदिती तारा प्रकट नहीं निया प्रवर्ष थे। या किया जाना बाहिए एं, जिल्लों में मुनिधा के निष्;

ग्रतः भव, उक्क प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्क अधिनियम की पारा 289-व को उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मगनभाई मापाभाई पटोल ग्राम जोभपूर, जिला-जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ताषेन नारनभार पटेल गांव-सीरसरा, भायावदर, जिला-राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धासेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान जिसका जमीन का कुल क्षेत्रफल 300 वर्ग यार्ड हैं जो पंचवटी को. ओ. हा. सोसायटी, कलावड रोड, राजकोट में स्थित है तथा सब रजिस्टार राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिकी- खत नं .724/3-2-82 है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर स्त्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>\*</sup>ज-।, अहमदाबाद

तारीख : 1-10-82

मोहर .

परूप **बार्ड** . टी . एन् . एस . -----

आयक्कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा उक्कम (1) के क्रकीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाष

अहमदाबाद, दिनांक 1 अक्तूबर 1982

निर्देश मं. पी. आर. नां. 2122/23-1/82-83--अक्ष: मुक्ते, आर. आर. शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त पश्चितियम' कहा गया है, की धारा 269-4 के अधीन व तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छनित बाजार मूह्य 25,000/ रु० ने अधिक है

और जिसकी मं. सकान है तथा जो मुजका रोड, राजकोट में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विर्णित हैं); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट मं रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1982

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित उद्विदेय से उक्त अन्तरण निचित में

- (क) पत्तरण पे हुई किमी आप को बाबत उक्त बाबि-नियम, के ग्रामीन कर देने के भ्रम्प्टक के बाधिस्थ में कमी करन पा प्रश्ले अचने में सुविधा के लिए: श्रीर/पा
- (ज) तेनी किनी लार या किसी वन या अन्य आस्तियों को, तिनहें भारतीय धाय-चर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या चक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रेशिनार्थ धन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया ने या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है। जिए।

अतः नवन अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जयतीतात डाप्राभार अकबरी हरीहर मोसायटी, राजकांट

(अन्तरक)

(2) मनीबेन नाथालालभाई पटेल गांव-सूपदेी जिला-राजकोट

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.त. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्षित्तवों में ये किएको मिला दूखारा;
- (स) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरी।

स्पाद्धीकरण '---इसमें प्रयानत शब्दों और पदों का जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकाम जिसका जमीन का कल क्षेत्रफल 300 वर्ग यार्ड हैं तथा जो मुजका रोड राजकोट में स्थित है तथा सब रिजस्टार राजकोट रिजस्ट्रोकर्ना विकलित नं. 736/3-2-82 हैं।

> आर आर शाह् सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारील : ! 10-82 मोहर : प्रकृप बाह् .टी .एन .एस . ------

क्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 7 अक्तूबर 1982

निद्धि नं. पी. आर. नं. 2123 अर्जन रंज-23-1/82-83--अतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

आयक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 991-बी, भायनगर सीटी सर्वे हैं। तथा जो सर पट्टानी रोड, न्यू घोधा सर्केल, भावनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजि-स्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-2-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ते संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिलिखित उनदारय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविद्ध रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृथिण के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियन, व्यक्तियों अर्थात्:--10-3(6GI/82

 डा. जयंतीलाल जीवराज गांधी 991-ए सर पट्टनी रोड, न्यु धोधा राकल, भावभगर

(अन्तरक)

 श्री मंगला को . ओ . हा . सो . लीमीटेंड 991-6, सर पट्टानी रोड धोधा सर्कल के नजदीक भावनगर

(अन्तरिती)

को यह सुभाना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवास्थि।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पारत में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

मीलकत जिसका संब रिजस्ट्रार भावनगर रिजस्ट्रीळर्ता किकी-खत नं. 307/11-2-82 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-।., अहमवाबाद

तारीस : 7-10-1982

प्ररूप आहुँ, टी. एम. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर गायक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अक्तुश्वर 1982

निद्धा नं. पी. आर. नं. 2124 अर्जन रंज-23-1/82-83---अतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं मर्वे तं 335 पैकी प्लाट नं 55 पैकी है। तथा जो राजकोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से निर्णत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-2-1982

को पृवां क्त संपरित के उभित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्व क्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्दिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबन हम के की कर से की बता नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (ख) एेमी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय अध्यक्षर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

कतः क्य. उक्त अधिनियम, की धारा २६०-ग के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा २६० म की एप्पास (1) के अधीन, निम्मलिखित साक्तियों अधीत :--

- श्री गोपालबास मनजी भाई की ओर से काल मुखत्यार श्री चंदालाल मनजीभाई गांव-जाम जोधपुर जिला जामनगर
- श्री शरवसंद्र दलीचंद धामानी जयेन्द्र दलीचंद दामानी 2,मनहर प्लोट, ''बीन्द्र'' राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

## उक्त तम्परित के कर्जम के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी क्येक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के मीलर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनस्पी

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 300+300 वर्ग यार्ड है पैकी सर्वे नं 335, प्लाट नं 55, जो राजकोट में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विकिश्वत नं 761 और 762/4-2-82 है

आर. आर. बाह सक्षम प्राधिकारी सहामक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।,, अहमदाबाद

तारील : 8-10-1982

भक्ष्प आर्ध्व टी० एन० एस०——— आयकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन **सुचमा** 

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र ज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1982

निक्को नं. पी. आर. नं. 2125 अर्जन रोज-23-1/82-83---अतः म्भे, आर. आर. शाह, अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/एत. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 349.2 माधापर गांव, है। तथा जो योगेश्वरधाम प्लाट न . 46 में 128, भूज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुज में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-2-82 को पूर्विक्स संपत्ति के अचित बाजार मृल्य से कम के बरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापवोक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल में एसे दश्यमान प्रतिफाल का पनदह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (धन्तेरितियां) ऋ बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त निधानियम के अधीन कर दोने को नन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धण या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण को अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अभीतः--

- 1. श्री कॉली गाभा माला कारी मोरी माधायर नया बास माधापर, (মুজ)
- (अन्तरक)
  2. श्रीमती शारदादीन रवीलाल ठवकर ''शत्रृंजय'',
  अस्पताल रोड, भूज (कच्छ)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भूर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बृद्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मीस्कत जिसका सब रिजस्ट्रार-भूज रिजस्ट्रीकर्ता बिकींबत नं 560/26-2-1982 हैं

> आर. आर. काह सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमवाबाद

तारीब : 8-10-1982

म∂हरः

प्रक्ष मार्डं . टी . एन . एस . ------

# भायकर भवितियम, 1961 (1961 का 43) की बहरा 269-व(1) के घडीन सुचवा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 23-1, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 8 सक्तूबर 1982

निदोश न पी आर नं 2126/82-83--अतः मुभ्हे, आर. आर. शाह, *वायकर व*िधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावा सम्याति, जिलका बीचत बाजार मृत्य 25,000 / रा. से अधिक **हैं** और जिनकी सं 99/1977 है। नथा जो तसतेश्वर की तलेटी प्लोट नं 119/डो, भावनगर में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 16-2-1982 का पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपति को उचित बाजार मल्य, उसके रश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिशत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फंस, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के बर्धायत्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; जौर/या
- (क) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर जिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नत: मब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के, जनसरण में, में उक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपभाग (1) को अभीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- 1. श्रीमती मजुलाबेन जे. पोरस श्रीमती उमीलाबेन एच पारेख 112/डी, तखतेश्वर प्लोट, भावनगर (अन्तरक)
- 2. श्री शशीकान्त नेमचंद पारंख श्री फुम्दराय नेमचंद पारेख कनबीवाड, भावनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तहरील धे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवाराः
- (स्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पट्टीकरण--इसमे प्रयुक्त शब्दों और** पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृत्यी

मील्कत जो प्लांट नं 119/डी, तसतेश्वर की तलेटी भाव-नगर में स्थित है तथा सब रिजस्टार भावनगर रिजस्ट्रीकर्ता <u>विकरित नं. 99/1977 नया नं. 343/16-2-1982 हैं।।</u>

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अ**हमदा**बाद

तारीख ' 8-10-1982 मोहर

प्रकम आहुर, टी. एन. एस. ------

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 23-1, अहमदाबाद

अहमवाबाद, विनांक 11 अक्तूबर 1982

निविशे नं पी. आर. नं 2127/82-83—-अतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चान 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उविता बाजार मूल्य 25,000/- फ से भिक्क है

और जिसकी सं सर्वों नं 324/1 माधायर सीम, है। तथा जो भज माधायर रोड, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनू-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भूज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-2-1982

को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के सिये अद्वारित की गई है घोर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीका नम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिमत से प्रधिक है और प्रकारक (प्रन्तरकों) घोर प्रकारिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरक के लिये तय पाथा प्रयाप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त प्रम्तरण विखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया भया है।——

- (क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबम, प्रकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के पाणित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐभी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिष्तियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिथाने में सुविधा के लिए;

जतः। जस, उक्त विधिनियमः की भारा 269-मृके वनुसरण में, यें, उक्त सिभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के सभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, सुभीत् ७—-  श्री लोश्वरीया वामजी आश्रफरन की ओर से कर्ता (एच. यु. एफ.) श्री अयोन्द्र वामजी लोडरीया, नथा-वाल, माधायर।

(अन्तरक)

2 शाह एन्ड कंपनी माधायर, तालुका भुज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इन प्रता के राजात ने प्रकाशत की तारीखंसे 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूत्रन। क राजपत्र मं प्रकाणन की तारोध स 45 दित के भीतर उक्त स्थाटर सम्पत्ति में दिवबद हिमी अन्य टाकित द्वारा प्रधाहरताक्षरी के पास जिख्यत में किए जा नहेंगें।

स्वडी तरण भ्याप्यति प्रमुखा शब्दां और वही । ।, जा उक्त स्रिधित नियम के स्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थे हागा, जो उस अठवाय में विया गया है ।

## वृत्स्ची

मील्कत जिसका भव रिजस्टार भूज रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रोशन नं 415/521/82/23-2-82, 1934/523/82 विनांक 23-2-82 और 1937/524/82/दिनांक 23-2-82 हो।

आर. आर. गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीब : 11-10-1982

प्ररूप आर्ध. टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 23-1, अहमदाबाद

अहमदाबादा, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

निदशे नं पी आर नं 2128/82-83—अतः म्फे, आर आर शह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन स्थाम पाधिकारी को, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधिस बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

आर जिसको सं. 474/1 नया, 756, पुराना, भूज सीम है। तथा जो भूज माधायर राड, भुज में स्थित है (और इससे उपा- बक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भूज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-2-1982

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक इष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक इष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक इष्य से अक्त अन्तरण निचित में वास्तिक इप्य से अक्त अन्तरण निचति से वास्तिक से वा

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व भें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; ब्रॉर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना जाहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

भतः सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, सुर्थास्  कनबी कोसरी रत्ना अवासीया जुना वास माधायर, तालुका-भूज

(अन्तरक)

 लोडरी वामजी आशफरन लीधा शेरी भूज कच्छा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की जर्माध या तत्मत्रं भी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बीद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य मों किए आ नकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-ंक में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस मुखाय में विका गया है।

#### वृत्स्वी

मील्कत जिसका सब रजिस्टार रजिस्ट्रोंशन नं. 1771/518/ 82/विनांक 23-2-82 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन ट्रॉज-।, अहमदाबाद

तारीख : 11-10-1982

म(हुदुः

प्रकृष आहीं, भी, एस , एस ------

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुधना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, विनांक 11 अक्तूबर 1982

निदेश नं पी. आर. नं 2129/82-83——अतः मृभे, आर. आर. शाह,

आयकर मिविन्यम, 1961 (1961 का 43) किसे इसमें इसके प्रकात 'क्ल मिविन्यम' कवा गता है). की घारा 268-ख के अर्थन प्रथम प्राधिकार की. यह विष्यम कन्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्ना अचित बाजार मन्य 25,000/- २० से अधिक है।

और जिसकी मं. सर्वो नं 3550 भजीया ड्न्गरकी तलेटी है तथा जे भूज, माधापार रोड में रिधत है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में जौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भूज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 4-2-1982

को पूर्वीक्त प्राथित है उचित गागर नृत्य में उस के दृष्ययान प्रतिकल र निर्मयन्ति की गर्व के और भुझे पर निरम्भास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूर्य उसके दृष्यस्त स्विक्त का प्रतिक के प्रतिकार से प्रतिक है और प्रस्तरक (पन्तरकों) और अस्तरितं (प्रस्तरितयों) के बीच ऐने प्रन्तरक (पन्तरकों) क्यों अस्तरितं (प्रस्तरितयों) के बीच ऐने प्रन्तरक (पन्तरकों) क्यों अस्तरितं प्रतिकार तिकार स्वाप्त प्रस्तर स्वाप्त के किया निर्माण सिम्नित्रित उद्देश में एकत प्रस्तरण लिखिन में बास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है किया

- (क) प्रतारण में हुई किसी आप की बाबन, उक्त पक्षि-रनाव के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस म क्मी करन या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किमी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मासिक्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः—  कोली गामा माला कारी मोली नवा वास माधापार, माधापार (भुज)

(अन्तरक)

2. श्री रबीलाल नरसिंह ठक्कर और श्रीमती शारवाक्षेन रवीलाल ठक्कर शश्चय हास्पीटल राहे, भूज। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कायबाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त जिंधनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया साम है।

## अनुसूची

मिल्कियत जिसका रिजस्ट्रोशन सब रिजस्टार रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं. 387/4-2-82 ही सब रिजस्टार भुज ही।

> आर. आर. **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रॉज-।, अ**हमदाबाव**

तारीख : 11-10-1982

मःहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1982

निविधा नं ए एस आर/82-83/275--यतः म्भे, आनंद सिंह आई आर एस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पक्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अ**धिक हैं** और जिसकी सं एक प्लाट है तथा जो शास्त्री नगर अमृतसर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिणस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस मर्घ 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरिटियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिविद्यु व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री नलजीत सिह पुत्र राम सिंह वासी बसंत एवन्स् अमलसर।

(अन्त'रक)

 श्री अरूण वर्मा पूत्र ओम प्रकाश वर्मा वासी अदरून हाल गेट अमतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारों में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा गुवा है।

## अम्स्ची

एक भूमि का प्लाट साथ एक मंजिला इमारत शास्त्री नगर अमृतसर में है जैसा कि मेल डीड नं 3433/20-5-82 रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आनन्द सिंह, आइ. आर. एस. स्थम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारील : 25-9-1982

प्ररूप लाई. टी. एन. एस. . - -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अभीन स्**व**ना

#### भारत सरकार

सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, अमृतसर

अमतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1982

निदंश नं ए एस आर/82-83/266---यत म्भे, आनंद सिंह आई आर एस,

आयकार अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

औं रिजिमकी सं एक जायदाद है तथा जा गोपाल नगर अमृतसर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण में विणत हैं), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च 1982

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--11---316GI/82

 भीमती यनहें सता पन्ती सरिन्दर कामार दासी गोपाल नंगर।

(य्रन्तरक)

 श्री आनद स्वरूप च हान पुत्र चरजी लाल वासी प्तलीधर अब 28-गोपाल नगर अमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

जी कि उपर मं. 2 मा कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति ही)

4. और कांई

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

एक मकान 178 व. ग. नं. बी-28 गोपाल नगर मजीटा रोड अमृतसर मो ही जैसा कि सेल डीड नं. 21276/11-3-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर मो दर्ज है।

> आनन्द सिंह, आइ. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3 अद्रपरी अमृतसर

तारीब : 25-9-1982 - मोहरः प्र**रूप आई.टी**.एन.एस.------

म्रायकर अधिनियम 1981 (1981 का 43)की । धारा

269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 अक्तूबर 1982

निद्देश सं. ए एस आर/82-83/267—यतः मूर्से आनंद सिंह आई आर एस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारणं है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रुपये मे अधिक है। और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो चौं क मोनी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिस बाजार मह्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) योग प्रनिश्ति (अस्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की गाबत उक्त अधि-नियम के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कपी करने या धससे वचन में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी घन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में में उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-  शी मदन लाल पुत्र सोहन लाल वासी चौंक मोनी गली लजु बाजार अबलियमां अमृतसर।

(अन्तरक)

2 श्री परोम पाल पृत्र रतन लाल वासी नौ क मोनी अमृत-मर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायेवार हो। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभीग में संपत्ति है)

4. और कोई

(यह व्यक्ति, गिजनके बार मे अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबदुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनन सम्यत्ति के अर्जन के रम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तानीख से 45 दिन की प्रविध या तस्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकागत की नारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति बारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों त्रीर पदों का, जो उक्त श्रविक् नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रय होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/3 भाग मकान नं. 1331/8-8 एम सी ए जो गली लजू जैंक भोनी बाजार अबलिबयां अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 22362/26-3-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

> आनन्द सिंह, आई आर. एस. सक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रोज, 3 चंद्रपरी अमृतसर

तारीख : 1-10-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अश्रीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 अक्तूबर 1982

निवरेश सं. ए एस आर/82-83/268--यतः मूर्भे, आनंद सिंह आर्झे आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा चौंक मानी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन.

तारीख मार्च 1982 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुउँ किसी आय को बाबत, उवत अधिनियम, के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ब्रतः सब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री करिशन लाल पुत्र सोहन लाल वासी बाजार अबल-बियां गली लजू वो क मोनी अमृतसर।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती आगयावंती पत्नी म्नीशी राम वासी बाजार अबुलिबयां चौंक मानी गली लजू अमृतसर। (ग्रन्तरिती)

जैसा कि उत्पर सं. 2 में कोई कि रायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

और कोई
 (बह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताधारी
 जानता है कि वह संपत्ति में हितबव्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में जीरभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### ग्रनुसूची

1/3 भाग मकान नं 1331/8-8 एम सी ए जो गली जलू पींक मोनी बाजार अबुलिबयां अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं 22363/26-3-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

आनन्द सिंह, आई आर. एस. सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रॉज, 3 चंद्रप्री अमृतसर

नारीख : 1-10-1982

मोहरः

## प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीत सूचना

नारन सरकार

कार्यात्रय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 5 अक्तूबर 1982

निदाश न ए एस आर/82-83/269--यत मुक्ते, आनद सिंह आर्द आर एस,

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिय इसमे इसके परवात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गरा है), की घारा 269-ख के प्रधीन पक्षम प्रधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि एयावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं. एक कांठी हैं तथा जो लार्गेस रोड अमृतसर मं स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप मा विणित हैं), रिजस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर मा रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का म्न्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क्षे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अक्ष: अब, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्क अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीरा, निम्नलिखिन व्यक्तियों. अधित :--

- श्री हरमोहन सिंह पृत्र इयर सिंह व मोहन कांदल उर्फ हरमोहन काँग अजेपाल सिंह वासी अमृतसर। (अन्तरक)
- 2 श्री धनइयां सिंह पृत्र सेवा सिह, दया सिंह पृत्र धनइया सिह व पृष्पा वती वासी 62 लारन्स राड अमृतसर।

(अन्तरिती)

उसा कि उपर स. 2 में कोई किरायेदार हो। जसवत सिंह 100/-महीना (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

4. और कोई

(अहं व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ता जानता है कि वह संपत्ति में हितब**द्ध हैं**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ध्योहस्ताक्षरी के पान
  निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धी करण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत श्रिधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, बही सर्य हो गा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

#### तनसंची ।

एक जायदाद न 62/720 जो लारँस राइ अमृतसर माही जैसा कि सेल डीड न 19622/5-2-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर मो दर्ज हो।

आनन्द सिंह, आइ आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, 3 चद्रप्री अमृतसर

तारीस : 5-10-1982 मोहर : प्रहण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1982

निद्रश नं ए एस आर/82-83/270--यत. मभ्हे, आनंद सिंह आई आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्ब

25,000/-रत. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो चौंक फालोबाना अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फ,रवरी 1982

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फेल निम्नलिसित उद्घेरय में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उच्च विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपथारा (1) को अधीन, निम्नोनिधित न्यक्तिया, अर्थात् :---

- श्री हरीश कामार और परवीन कामार पुत्रान केवल कृष्ण वासी गली जवाओं चो क फुलवाला अमृतसर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती अशांक क्रमारी पत्नी सरजीत सिंह चौंक फालवाली गली जदाओं अमनसर। (अन्तरिली)
- 3. जैसा कि उत्पन्न सं 2 में कोई किरायंबार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)
- और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ता जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को गह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबबुध किमी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मकान न . 1256/10-6 जो गली जदाओं चाक फालवाला अमृतसर मो है जैसा कि मंत्र डीड न 20481/23-2-82रजिस्दीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आनन्द सिंह, आइ. आर एस. ं सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

नारीय 25 9-1982 भोहर:

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 मितम्बर 1982

निदंश नं ए एस आर/82-83/271—यतः मूर्भे, आनंद सिंह आई आर एस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं एक मकान है तथा जो गलो गुजरा अमृतसर म स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणान है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तस्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तस्य प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती बस्सीश कार पत्नी गनेशा सिंह सूरजीत सिंह पुत्र गनेशा सिंह और दरशनी पुत्री गनेशा सिंह वासी गली गुजरां डी. बाबा अटल अमृतसर
- 2. श्रीमती स्रिन्दरकार पत्नी ग्रदयाल सिंह वासी मकान न 1406/5-9 वासी गली गुजरा दी बाबा अटल अमृतसर।

(भ्रन्तरक)

- 3. जैसा कि ऊपर सं. 2 मा कोई किरायंबार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ता जानता है कि वह संपत्ति में हितबदुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांग्रे भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृथों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त दिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मकान नं 1406/5-9 गली गुजरां चोंक बाबा अटल साहब अमृतसर में है जैसा कि सेल छीड नं 19794/ 10-2-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आनन्द सिंह, आइ. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रप्री अमृतसर

नार**ीय :** 21 9-1982

माह्य 🥫

प्रस्प आई. टी. एन. एस - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निर्नेक्षण) अर्जन रॅज, अमतसर

अमनसर, दिनांक 23 अगस्त 1982

निदश नं. ए एस आर/82-83/272--यतः आनंद सिंह आई आर एस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो गली छपर वाली अमृतसर मो स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्सूची मो और पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमतसर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1982 को पूर्वो कित संपत्ति के उचित बाजार मुल्य सं कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मी, एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिप्तियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर्य की बाबत, उक्त अिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य क्षेत्रक्रमी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

शीगती हरभिंदर कोर विधवा किरगाल सिंह कल्कीप गिह अ गुरचरण भिंह व कलतार सिंह प्त्रान किरपाल सिंह नरिन्दर कौर प्त्री किरपाल सिंह बाजार लाहारो अमतसर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री रिजन्दर प्रसाद प्त्र म्लब राज वासी किला भगीणां गली ठाक ग्द्वारा अमृतसर।

(श्रन्तरिती)

- 3 जैमा कि उजपर मंं 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- और कोई
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अथोहस्ता
   जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी दे पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

#### अनुसूची

1/2 भाग मकान नं 1857/7-13 जो बाजार लाहिराः गली छपर वाली अमृतसर मो ही जैसा कि सेल डीड नं 1960/5-2-1982 रिजस्टीकर्ता अधिकारी अमृतसर मो दर्ज ही।

आनन्द सिंह, आइ आर एस स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन **रो**ज, 3 चंद्रपरी अमृतसर

नारीख : 2२-१-1982 मोहर र्थप आहुँ री एन एस र ------

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ( 11) ये अधीम मृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 23 अगस्त 1982

निवंश नं. ए एस आर/82-83/273--यत म्फं, आनंद सिंह आई आर एस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) कि धारा

इसमें इसके पश्चीत जिक्त अधिनियम कहा गया है। कि धीरा 269-स के अधीन मधान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित आजार मूल्य 25,000/- रो. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो गली छप्र वाली अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)., रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय अमृत-सर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, रारील फरवरी 1932

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द्व हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हर्ष्ट्र िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उच्न अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण भौ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) भे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री कृतदीप सिंह गुरचरन सिंह व कृततार सिंह प्रान किरणान सिंह और निरन्दर कोर गंशी किरणान सिंह, हरमिन्दर कोर विधवा किरणाल सिंह बाजार लोहोंना अमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती'काचन पत्नी रिजिन्दर प्रसाद वासी गली ठाकार द्वारा किला भगीयां अमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- जौा कि उत्पर मं. 2 मं कोई किरायंबार हो।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं),
- 4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ता जानता है कि वह संपत्ति में हितबबध है) को यह स्वना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में क्येड् भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितृबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्त में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### अनुसूची

1/2 भाग मकान नं. 1857/7-13 जो बाजार लाहिरा गली छपर वाली अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 19005/5-2-82 रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आह आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3 चंद्रपूरी अमृतसर

तारीच : 23-8-1982

प्रकप खाई • टी • एन • एस • ---

म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) ने प्रधीन सूचना

#### भारत मेरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमतसर, विनांक 25 सितम्बर 1982

निवंश नं ए एस आर/82-83/274- प्यत म्भे, आनंद सिंह आई आर एस, आयकर प्रसिन्थम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् <sup>1</sup>उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर पंपत्ति जिसका उवित का नार मृहण 25,000/- ६० में प्रधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो शास्त्री नगर अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अमृतसर में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1982 '

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक प्रविच है और अन्तरक (अन्यरकों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) ह बीच ऐते भन्तरण के निए तय पत्या गया प्रतिक्त कि निम्नलिखन उद्देश्य स उक्त अन्तरण निश्वित में बाब्तबिक इप से कि कि नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्ररण मे हुई किमी भाग की जावत जनन प्रकि-वियम क्ष्मधीन कर देते के अन्तरक के दायितन में कमी कन्ने या उससे वचने मं मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ग्रस्य अपस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय ग्रस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए;

भतः भ्रम, उमन प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उमन प्रधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः :----12---316GI/82  परमानंद पुत्र हरिदयाल मल वासी चौंक माला सिंह नजदीक मंजीठ मंडी अमृतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्री अरून वर्मा पुत्र आम प्रकाश तर्मा वासी अंदरून हाल गेट अमृतसर।

(भ्रन्सरिती)

- 3. जी। िक उत्पर सं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता जानता है कि वह संपत्ति में हितबबुध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षीत:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नागील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि नात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हित-बस किसी धन्य अविन दारा प्रधोत्कताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो छक्त श्रीधनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

#### मनसंची

एक भूमि का प्लाट साथ एक मंजीला इमारत जो शास्त्री नगर अमृतसर में है जैसा से डीड नं. 19365/2-2-82 रजिस्ट्री-कर्ता अभिकारी अमृतसर में दर्ज है।

कानन्द सिंह, आइ. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3 चंद्रपरी अग्रतसर

तारीख: 25-9-1982

# प्रकप नाई, टी, प्रमु, प्रस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन राज, पुणे

पुणे, दिनांक 30 सितम्बर 1982

निव<sup>38</sup>श सं. सि. ए. -5/एम आर जलगांव 1757/82-83--अतः मुभ्ते, शाशीकांत कलकणीं, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारुण है कि स्थावर संपरित जिसका उपित बाजार मल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं **और जिसकी संख्या 1862, पालम पेठ ही तथा जो जलगांव** मे स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रहप से वर्णित हैं) रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय व्ययम निबंधक जलगांव में , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख 15-2-1982 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यसान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

विक कप से कथित नहीं किया गया है ः——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम को जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

 मे जे एम पी कन्द्रकशन कांपालम पंठ, जलगाव

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती सरबार्क के. पांडे 86 जिल्हा पेठ जलगांव (अन्तरिती)
- 4. श्री मोतीलाल रूपचंद पांडे जलगांव (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता हुं कि वह सम्पन्ति में हितवद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वागः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सि. स. नं. 1862 पालम पेट जनगांव (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 598, जो 15-2-82 को दायम निबंगक जनगांव के वफ्त में लिखा है)

> शाशीकांत काूलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूर्ण

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

सारीस : 30-9-19**82** 

महिर:

प्रकृप आइ . ट्री. एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अक्तूबर 1982

निवर्षेश मं. ए. सी. 16/र्ज-4/कल/1982-83---यतः मुभ्रे, सी. राखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), को धारा ₹69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं. 156/10-ए बी. है तथा जो बी. टी. रांड कलकत्ता-35 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारि के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 18-2~1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित उद्देष्य से उचत अन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किन्सी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दीयित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिमित व्यक्तियों, अधित् :---

1. श्री विक्रमणीत राय पौधरी

(अन्तर्क)

2. कामारी अनीता चौधरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पृत्ति को अर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरण ---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

#### अनसची

जमीन:--350.04 वर्ग मीटर जमीन का 1/6 भाग पता:--प्लाट नं. 1156/10 ए. बी., बी. टी. रांड, जिला-24 परगना दलील सं.:--1982 की 1183

> सी रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4,, कलकत्ता-16

तारी**ब** : 6-10-1982

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सचना

,भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 6 अक्तूबर 1982

निद<sup>र्</sup>श सं. ए. सी. 17/रॉज-4/कल/1982-83---यतः मुभ्रे, सी. रोंबामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 156/10 ए. बी. हैं तथा जो बी. टी. रोड कलकरता-35 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकरता में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय कलकरता में रिजस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-2-1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथ्न महीं किया ग्या है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बाँध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्रुचने में सुविधा के तिस्ह; माँड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अधितः— 1. श्री विकमजीत राय विधरी

(अन्तरक)

2. कुमारी वामायन्ती योशी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन:---350 . 04 बर्ग मीटर जमीन का 1/6 पताः---प्लाट नं . -3 , 156/10 ए. बी. बी. टॉ. रोड थाना वरानगर पिजला 24-परगना दलील सं . 1982 की 1184

> सी. रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रोज-4,, कलकरता-16

ता**रीच** : 6-10-1982

मोहार 🖫

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. --- ---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूभना

भारत सरकार

कार्यालय, महाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक ७ अक्तूबर 1982

निव<sup>\*</sup>श स. ए. सी.18/र<sup>\*</sup>ज-4/कल/1982-83---यत मुभी, सी. रोखामा,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्भावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी स 156/10 ए. बी. है तथा जो बी. टी रोड कलकत्ता-35 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 18-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इस्थमान प्रतिकल से, एमे इस्थमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त वींध-नियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा के लिए; गैर/मा
- (का) एंसी किसी आर्थ या किसी धन या अन्य आस्तया को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री विक्रमजीत राय चौधरी

(अन्तर्क)

2. श्री खंतशी खीमजी पाटल

(अन्तिरती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संम्पित्त को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित् व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्ण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, हीं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अमीन:--350.04 बर्ग मीटर जमीन का 1/6 पता:--- $^{\text{प्लाट}}$  नं. 6.156/10-ए. बी., बी. टी. रीड, थाना बरा-नगर जिला-24-परागना बलील स .-- 1982 की 1186

> सी. रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रॉज-4., कलकत्ता-16

तारीख : 6-10-1982 मोहरु 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अक्तूबर 1982

निर्दोश सर ए. सी. 19/रॉज-4/कल<sup>7</sup>1982-83 यतः भूभो, सी. गंखामा,

अायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी स. 156/10 ए. बी. है तथा जो बी. टी. गंड कलकत्ता-35 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 18-2-1982

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ल सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी अब या जिसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या उजत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम ं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अधीत्ः—-

1. श्री विक्रमजीत राय चौधरी

(अन्तरक)

2. श्री सरवार मुलकीत सिंह

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए था सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

## अन्त्ची

जमीन: -350.04 बर्ग मीटर जमीन का 1/6 पता: - प्लाट नं. 5.156/10 ए. बी. टी. रोड, भाना-बारा नगर, जिला-24-परगना दलील सं. -1982 की 1187

सी. रोनामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र ज-4, कलकत्ता-16

तारीख : 6-10-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

1. श्री विक्रमजीत राय चौथरी।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना 2. श्री मिठ्र पाल

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 6 अक्तूबर 1982

निर्दोश सं. ए. मी. 20/रॉज-4/कल/1982-83:---यतः मुक्ते, सी. तोलामा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु: से अधिक है

और जिसकी सं. 156/10-एवी है तथा जो बो टी रोड कालकत्ता-35 स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुम्खी में और पूर्ण रूप में वर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (908 का 16) के अधीन तारीस 18-2-1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्छ है और मूक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ् पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृजिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन की अविध या तत्मंत्रंथी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

जमीन 350.04 वर्ग मीटर जमीन का 1/6 पत्ता प्लाट नं. 4, 156/10-एबी, बी. टी. रांड, थाना - बारानगर, जिला-24-पुरुगना दलील मं. - 1982 की 1182

सी. रो**खामा**मक्षम प्राधिकारी
स**हायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)**अर्जन रोज 4/कलकता
54, रकोअहमद किदवाई रोड,
कलकता-16

ता्रीम : 6-10-1982

प्ररूप आद. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, कालकत्ता

कलकत्ता दिनांक 6 अक्तुबर 1982

नि**द**ेश सं. ए. सी. <sup>/</sup>र'ज-4 /कल / 1982-83:—–यत: मुक्ते, सी. रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत. मे अधिक हैं

और जिसकी मं 156/10एकी है तथा जो बी कलकत्ता-35 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजिस्ट्रीकरता अधिकारी के कार्यानय में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब 18-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के धरयमान प्रतिफल. को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य, उत्सक्ते एर्यमान प्रतिफाल से, एसे दरयमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण सेहूर्य किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को ब्रायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्यिधा के लिए: और/या
- (क्र) एेसी किसी अाय या किसी धन या अन्य अगस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1. श्री विक्रमजीत राय पाँधरी।

(भ्रन्तरक)

भरदार जगपाल सिंह

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्मत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत **ब्यक्तियों** में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन :--350.04 वर्ग मीटर जमीन का 1/6 पता :--प्लाट नं. 2, 156 / 10एबी बी. टी. रांख, <mark>था</mark>ना--बारानगर, जिला 24 - परगना दलील स. - 1982 की 1185

> सी रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज ।।/कलकत्ता 54, रफोअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

ता**रीख**ं 6-10-1982 मोहर '

प्ररूप बाहर. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 2 अगस्त 1982

निर्देश सं. जी. आर्ह आर. संख्या पी-94/अर्जन—अतः मुक्ते, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं शाप नं 27/105 नया नं 10/282 हैं तथा जो गली नं 2 हल्दानी नेनीताल में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णिन हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्दानी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-7-1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तः)। के बीच ए में अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिक्ष्ण एन पन्प्रतिश्वित एकत्र एं उक्त रन्तरण कि लिए तम में बास्तिक रूप से काँचत गड़ी किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय था किसी धन या अन्य बास्तियों करो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उनते अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 13--316 GI/82

1. श्रीमती शान्ति देवी पाठक

(अन्तरक)

2. श्री प्रमोद क्मार गुप्ता

(भ्रन्तरिती)

उपराक्त अन्तरिती
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ध्वस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में डि्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गुवा हु<sup>4</sup>।

## गन्त्वी

दुकान नं 27/105 नया नं 10/282 (जो कि गली नं 2 हल्यानी जिला नैनीताल में स्थित हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल्डीड व फार्म 37 जो संख्या 1818/82 में वर्णित हैं जिसका राजिस्ट्रोशन सब राजिस्ट्रार हल्दानी के कार्यालय में दिनांक 15-7-1982 को किया जा चुका है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, नवनक

तारींख 2-8-1982 मोहर

## प्रकृष आहूँ.टी एन.एस. ------

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीत गुचरा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, लखनच

लखनज्ज, दिनाक 7 सितस्वर 1982

निर्देश न जी आई आर सम्या डी-44/अर्जन--अत मुक्ते, ए प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु से प्रीधक है

और जिमकी म 152 सिविल लाइन ही तथा जो सिवल लाइन बरोली मी स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुमूची मी और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोली मी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फारवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अनिरती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्दास्य से उद्दा अगार है जिस्स में किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधोग कर टोने अ यक्त कर वासित्य में कमी करने या उपय क्लन में कृतिका के लिए: बार/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्कट नहीं किया गण भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित स्पेक्तियों अधीत्:-- री काज <mark>विहारी सा</mark>ल द्वारा म् आम जोतन्द्र प्रकाश गायल

(भ्रन्तरक)

- 2 (1) श्री धर्मपाल सिह
  - (2) श्री गरुमवेक लाल
  - (3) ध्रीजसबीर सिह
  - (4) श्री गरादर्शन सिह
  - (6) श्री सठराजपाल सिंह
  - (7) श्री मठ नोमिद सिह
  - (8) श्री धर्मजीत सिह।

(ग्रन्तरिती)

3 श्री जोतेन्द्र प्रकाश गायल आदि। (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग मो संपत्ति हैं)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में सं िक्सी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपन के प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टोकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट न 152 सिविल लाइन बरोनी स्थित हैं जो कि 1532--8/9 क्तायरयार्ड हैं जिसका सम्पर्ण त्रिवरण सेलंडीड व फार्म-37 जो संस्था 8001/6/82 म विर्णत हैं जिसका पजीकरण सब रिजस्ट्रार बरोनी के कार्यालय में दिनाक माह फरवरी 1982 को किया जा खुका हैं।

**ए. प्रसाद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, त्रथनउ

तारीस 7-9-1982 **मोहर** 

## प्रकप आई। टी एन एस -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधान सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण)

अजन रज, लखनउऽ

लखनज्ज, दिनांक 7 सितम्बर 1982

निद्देश नं. जी. आर्घ आर. संख्या एस-241/अर्जन--- अतः मुभके, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घक अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी सं मकान नं 166-ए ही तथा जो पुराना बैरहना इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियमः, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दुश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमाः प्रतिकल का पन्द्रत् प्रितिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कवित नहीं किया गया है।---

- (क) ज्लारण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त बाधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करूने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, (1957 का 27) 1957 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए जा, छिपाने में स्रुविभाके दिस्ए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित् व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री महोन्द्र नाथ मिश्र पुत्र श्री पशुपतिनाथ मिश्र (मन्तरक)
- 2. श्रीमती शेल कुमारी पत्नी श्री राजन्त्र प्रसाद गुप्सा। (भ्रन्तरिती)
- 3 श्रीमहन्द्रनाथमिश्र

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिह कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की **तारीस** से 45 विन की अवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की गविध, जो भी वयि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थापा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-ब्द्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी वे पास लि**खि**त में किए **पासकों** गे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हु", बहुी अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

## मन्त्र्यी

फ्री होल्ड मकान नं 166ए पुराना बैरहना इलाहाबाद में स्थित है, जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जो संख्या 1740/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रिजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 3-2-1982 को किया जा चकाहै।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लखनउह

तारीख: /-9-1982 मोहर 🗈

प्ररूप आहें दी एन एस .-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) । धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

क्रायलिय, सहायक आयकर आयुक्तं (निरीक्षण)

वर्जन रोज, लखनज

लश्चकतः, दिनांक 23 गगस्त 1982

निदोश सं. जी. आई. आर. संख्या के/12/अर्जन—अतः मुक्ते, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनीयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-147 है तथा जो संकटर ए महानगर हाउसिंग स्कीम लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवृक्त रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के खिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीजी. एस. विस्ठ

'(अन्तरक)

2. श्री के. वी. कबड़ श्रीमती के. एतः कवड़ ब्वारा उसके मुस्तार आम श्री आर के सेठ (सन्तरिती)

3. उपरोक्त विकता

वह व्यक्ति जिसके विधिभाग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त, सुम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन, की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुगा है।।

#### जन्त्रजी

लोजहोल्ड प्लाट भूमि नं. बी-147 11,573 स्कायरिफट जोकि संक्टर ए महानगर लखनऊ हाउसिंग स्कीम लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड एवं फार्म 37-जी संख्या 1150/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 24-2-1982 को किया जा चुका है

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ल**ब**नउर

तारीस : 23-8-1982

## प्रकप माई० टी० एन० एव०-----

मामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के प्रधीन पुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लखनाउँ

लगनज्ज, दिनाक 16 अगस्त 1982

निर्दाश स जी आई आर सस्या एस-238/अर्जन -- अत । मुक्ते, ए प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परवात् 'उनन प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रविकारों का, यह विश्वाय करन का कारण है कि स्थावर समाजि जिएका उत्ति वानार मृन्य 25.000/- स्पर् में प्रविक है

और जिसकी सं मकान न सी-9/225 है तथा जा ह्वीबपुरा बाराणसी में रिथत है (और इाससे उपाबद्ध अन्म्ची मं और पूर्ण रूप सं वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी मं रिजस्ट्रीकरण अधिनिस्म, 1908 (1908 दा 16) के अधीन, दिनाक फंग्वरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यान प्रतिकल के लिए अन्तरित का गई ए और मुद्रेय दिखान करने का कारण है कि यगाइर्वान नम्की का उक्ति राजा अन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश प्रतिगत से प्रतिम है और मन्तरक (पानरकों) और अन्तरिती (प्रनारितियो) व जीन ऐसे मन्तरण ने लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नितिक्षत उन्नेस्य ो उन्ने अन्तरण निश्चित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रीध (तण्य के ग्राधीत कर देते के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या,
- (ख) ऐसी किसी आए पा किसी अन या प्रन्य प्रास्तियों का जिन्ह भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर संधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्वा, उक्त प्रविनियम की धारा 269-म के, प्रनुभरम म, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अधीत्:---

- । मृ रामदर्इ उर्फ बच्ची पृत्री श्री गणश प्रसाद (अन्तरक)
- 2 श्रीमती शशि मिश्रा

(अन्तरिती)

3 उपराक्त भिक्रेता

वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं

का थड़ सूचना जारो करक प्योंक्त सम्मति क प्रजीत के लिए कार्यवाहिया सुरू धरता र ।

उक्त समात अर्थन है समाह हो है। सा सा न

- (क) इस सूत्रता के राजनव । प्रकाश । की तारी ख से 45 दि । का प्रविध पा उत्तम्बन्धा व्यक्तियां पर सूत्रता की नारो अ न 30 दिन की अवधि, जो भो अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में स कियी व्यक्ति द्वारः,
- (ख) इस र्वता १ राजपत्र न प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रवातस्ताक्षरी के पास लिखान में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण -- त्यमे प्रश्नता हो। प्राराहा जा, ता उक्त स्विध-निर्माण के अध्याय 20-के में परिभाषित है, तही प्रयं होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

एक विता मकान न सी-9/255 बाके हबीब एरा बाराणसी में स्थित हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण संलडीड व फार्म 37-जी सस्था 1959/82 में विर्णित हैं जिसका पजीकरण सब रिज-स्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में माह फरवरी 1982 में किया जा चुका है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त अर्जन रंज, लक्षनक

तारीख 16-8-1982 मोहर प्ररूप आर्ड. टी. एन्., एस. - -- -

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ '1) ने व्यक्ति स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय्, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नागपुर नागपुर दिनांक 10 सितम्बर 1982

निदाश सं. आर्झ. ए. सी./ए. सी. क्यू./190/82-83—-यतः मुक्ते, एम. व्हि. आर. प्रसाद,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स. 993/1982 है, जो 22012 स्क्वे. फिट जगह आउट आफ नज्ल प्लाट नं. 12 सि. नं. 2-वी क्लार्क टाऊन वार्ड नं. 63 नागपुर में स्थित हैं), (और रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपर (डाक् मोट स. 993) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनगम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 18-2-1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उभित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत सं अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयो) को बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व को कभी करने था उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एमी जिन्हों आय पा किसी पन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः जन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के नन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----  श्री मांतीराम परसराम थाम्पर रा. मंकीमाबाग नागपुर।

(अन्तर्क)

2. म. गिर्शिश का-आंपरेटिव हाउन्सी ग सांसायटी लि. सी. ए. रोड़ नागपुर घेजरमैन जिसबीर सिंह जगत सिंह आनंद,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिधनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## - अनुसूची

22012 स्क्वेयर फिट एन्ड आफ ननुल प्लाट नं . 12, शीट नं . 2 बी, ब्लाक टाऊन वार्ड नं . 63, नागपुर।

> एम वि अार प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन हर्षेज, नागपुर

ता्रीब : 10-9-1982

प्ररूप आई. ही. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कों भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नागपुर नागपुर, दिनांक 10 अगस्त 1982

निदंश सं. ए. सी. /एक्बी/186/81-83---यतः मुक्ते, एम. वी. आर. प्रसाद,

आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रठ. से अधिक है

और जिमकी संख्या 69 है, जो घर क. 435 कांग्रेस नगर नागपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय नागपूर डाक् में ट सं. 727/82 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, भैनानिस्थित व्यक्तियों. अर्थान :---

- (1) श्री एस एत चारघः शिवाजी नगर मांझेल काल्नी पुना
  - (2) श्रीमती मुशीला इही. कालकणी सिविल लाईन नागपर
  - (3) श्रीमती मनारमा शन्डे नागपूर
  - (4) डा. श्रीमती विमल आ. कॅलकट पूना । /अन्ह

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती मीताबाई शंभेरकर तारांली तः उमरद जि. नागपर
  - (2) श्रीसुधाकर एन अग्ने योनसांब त कातांत जि नगप्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति, के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ख्विधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शुक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं. 69 बार्ड 5 घर नं. 435 कांग्रेस नगर नागप्र क्षेत्र 10250 वर्ग फाट सर्विस लेन 5 फाट।

> एमः वींः आरः प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन **र**जः, नागपुर

नारीच : 10-8-1982

मोहार 🗈

परूप ग्राई० टो० एन० एम०--

। श्री मोहत दिनायर

(अन्सरक)

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का **43**) की धारा 269-77 (1) के प्रधीन ग्वन 2 डाक्टर रमेश कुभार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

*∞प (1)* के अधार यूपर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, एरणाक लम

कांच्चिन-16, दिनांक 27 सितम्बर 1982

निदोश स एल सी 594/82-83--यत सुके, पी जे तोमसक्टिट,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 289 खंडे मधीन सभान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर पश्चीत, जिनका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं अन्सूची के अनुसार है, जो एरणाक लम मं स्थित हैं (और इससे उपाइद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाक लम मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-2-1982

को पूर्वोक्त नम्पान के उन्तिन बाजार मुख्य से कम के मृथ्यमान प्रतिकन के निए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का का रण है कि यथापूर्वेक्त स्वत्यित का उन्ति बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमाह प्रतिभाव प्रधिक है और प्रत्येक (अन्तर्कों) और अस्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित प्रदेश्य से सक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ।—-

- (क) अन्तरण संदर्भकमा आय की बाबत, उक्त विधित्यम के गंधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐपी किसी जाग या कियी धन वा अग्य आप्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर स्वीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्स स्वितियम, या जन-कर शिक्षित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित दारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चादिए वा, व्याप्ते में सुविधा के लिए;

श्रतः अन्, जन्म भभिनियम की धारा 269-ग के प्रनृतरण में, में, जन्त अमिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (17 के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् .—- को यह भूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

खकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भो आक्षेप ।— -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में पमान्त होती है, के भोतर ह्यों का व्यक्तियों में में किसी परिना दात
- (ख) इस सूचना के राजपत में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए दा मर्कों।

स्थब्दीकरण ---इमने प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क म परिमाणित है, यही अर्थ होगा, जो इस खण्याय में दिया गया है।

Ġ.

# अनुसूची

2 548 cents of land in Sy No. 845/1 of Cochin Corporation Vide Doc No 396/82 dt 4 2-1982

पी जे तोमसक्टिट सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, एरणाकालम

तारील 27-9-1982 मॉहर प्ररूप मार्ड . टी . एन . एस . -----

# प्रायंकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269न्य (1) के मधीन मुख्ता

भाषत् चारताता

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, एरणाकुलम

कोण्विन-16, दिनांक 27 मितम्बर 1982

निद्धेश सं. एतः सी 595/82-83--यनः मूक्ते, पी. जे.न तोमसक्टिट,

मायकर संधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, ओ एरणाक लम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाक लम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-2-1982

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निसिंहत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने जे जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को निगा: कोर/गा
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य शास्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन किम्बिनित व्यक्तियों, अधील ह—— 14—316 GT/82 1. थी मोहन दिवाकर

(अन्तरक)

2. श्रीमती रमा रमेश

(अन्तरिशी)

को यह सूचना जारा करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अज्ञ के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:---इसमें प्रयूक्त कृष्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया **ह**ै।

## अनुसुची

2,234 Cents of land is Sy. No. 845/1 of Cochin Corporations vide Doc. No. 397/82 dt. 4-2-1982.

पी. जे. तोमसक्रुट्टि क्षम प्राधितारी गहायक आयक्त आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज, एरणाका्नम

तारीब : 27-9-1982

मोहर 🕹

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष्(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिलिंडग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर 1982

निर्वोश सं. आर्इ. ए. सी/.क्यू./।/एस आर.-3/ 2-82/1944---अतः म्भे, नरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मला 25,000 / - रह. से अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट न. एस. 434 है तथा जो ग्रेटर क नावा-2, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्-स्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस फरवरी, 1982 को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नष्ठ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्मरक के दायित में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जाँड/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री संजीय जानन्द प्य स्वर्गीय श्री एस . आर. आनन्द तथा कुमारी संगीता आनन्द स्पूपी स्वर्गीय श्री एस. आर. आनन्द निवासी बी-62, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली

(अन्सरक)

(2) श्री चन्दर पी. महंत पुत्र श्री को. डी. महत, निवासी ए-13, कोलाश कालोनी, नहीं दिल्ली

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन को भीतर उन्त स्थावर सम्मरित में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

## अनुसूची

ग्रेंटर केलाश-।।, नर्झ दिल्ली स्थित 752 वर्ग गज (376 वर्ग गज के बराबर) क्षेत्रफल वाले प्लाट मं. एस. 434 के सामने वाले भाग का आधा हिस्सा ।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहासक ब्रायकर भाषुका (तिर्शक्षण) अर्जन रोज-।, दिल्ली तर्हो दिल्ली-110002

तारीस : 16-10-82 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-।, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्सूबर 1982

निर्दोश सं. आर्घः ए. सी./एक्यूः ।/एम. आर.-3/2-82/1910--अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 15 डी है तथा जो फ्रेन्डस कालोनी बंस्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; औड़/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत :--

(1) श्री गृहम अर्जा पूत्र श्री लेख राज निवासी एष-21, महारानी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री रतन लाल काँशिक पुत्र पंडित मोहन लाल निवासी 15-डी, फ्रेन्डस कालोनी, नर्ड दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बदिध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य स्थावत द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त, भिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में ब्रिया गया हैं।

## अनुसृची

15-डी फ्रेन्डस कालोनी परिचम नई दिल्ली में 549 वर्ग मीटर क्षेत्रफल दुर्मिजला तथा आवास के अयोग्य तथा जिसमें बहुत अधिक मरम्मत की जरूरत है ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>पे</sup>ज-।, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

नारीय : 16-10-82

प्रस्मु थाई ू टी. एन्. एस्. - - - - --

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टंट, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर 1982

निवर्षे सं. आर्दः ए. सी./एक्यू./।/एस.आर. 3/2-82/1911—अतः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित् बाबार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या डी-74 है तथा जो कालका जी, नक्षे दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालये, दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के करममान प्रतिफल के लिए मंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तद्भण निष्मित मे नास्तिकिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (भा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उभत अधिनियम के अभीन कर दोने के अभ्यारक के दायित्व में कभी करने या उसके बचमें में सुविभा के लिन्ए; बौद/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्य अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अधिए था, कियाने में सूरिका के लिए।

जतः जब उक्त वीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त वृधिनियम की भारा 269भ की उपभाष (1) को वृधीन निम्मिनिक्कित व्यक्तिस्तों, नर्भात् डू-- (1) श्री साम दव
सपुत्र श्री नारायण दास
निवासी ए-238, कालका जी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरका)

- (2) श्री चरण जीत सिंह पुत्र स्वर्गीय एस. गजिन्दर सिंह
  - श्रीमती तजेन्द्र काँर पत्नी श्री बलगीर सिंह निवासी 7/20, साउत्थ पटाल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्क्षीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया

## अनुसूची

प्लाट नं. डी-74 कालका जी, नर्झ दिल्ली में स्थित है । (माप 573 वर्ग गज) ।

> नरन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

ना**रीस** : 16-10-82

माहर:

अरूप जाइ टो.एन एस. ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-।, जी-13, ग्राउन्ड फ्लार, सी आर बिल्डिंग, इन्हेंपस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 16 अक्तूबर 1982

निव वा स आई ए सी /एक्यू /।/एस आर 3/2-82/1943—अत मुक्ते, नरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसम इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या प्लाट न एस-134 ग्रेटर कैंनाश-2, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसस उपायव्ध अनुमूची में पूर्ण रूप स वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ना अधिनयम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन तारील फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अधीरत की गई हैं और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्या कित सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान > तिफल से, एसे दश्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पितिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के यायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद्ध/या
- (स) एंसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या टक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्वित न्यिक्तिमों अधीत क्ष्रीन

(1) श्री सजीव आनन्द
पृत्र स्वगीय श्री एम आर आनन्द
तथा कमारी सगीता आनन्द
पृत्री रजगाँच अर एम आर आनन्द
निवासी बी-62, डिफोन्ग कालानी,
नई दिस्ली

(अन्तरक)

(2) मैसर्स प्रामीनन्ट बिल्डर्स तथा इनवैस्टर्स पा िल , 59-गहरू प्लस, जकन्तला अपार्टमन्टस, गई दिल्ली द्वारा अध्यक्ष श्री कल्याण दास । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप? --

- (क) इस सूचना के राजपंत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील स 30 दिन ब्ला अविधि, को भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ग्रेटर कौलाश-2, नर्झ दिल्ली स्थित 752 वर्ग गज (376 वर्ग गज के बरावर) क्षत्रफल वाल प्लाट ग एस-434 का पीछो वाला आधा हिस्सा ।

> नरोन्द्र सिह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

नारीख . 16-10-82 मो**हर** ध प्रस्य बाइं.टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-।, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर,
सी. आर. बिलिंडग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तुबर 1982

निद्धा सं अहं ए. मी. /एक्यू/। /एस. आर. -3/2-82/1903—अतः मुफ्ते, नरेन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

और जिसकी सख्या 15-सी हैं तथा जो फ्रेन्डस कालोनी वेस्ट, नई दिल्ली में रिश्रत हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिंग्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नित्तियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नित्ति उद्वेश्य रे उदत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क, रूप के किंग करों। आय का दावत, उक्त विधानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बाहम अरंजा पुत्र श्री लेखराज अरंजा निवासी एच-21, महारानी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री के. के. चोपड़ा श्रीमती प्रेम क्मारी चोपड़ा, श्री संजय चोपड़ा और श्री भानू चोपड़ा सभी का पता सी-20, लाजपत नगर-।।।, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

फ्रेन्डिस कालोनी गांव का पश्चिमी भू भाग नई दिल्ली स्थित 280 वर्गगज क्षेत्रफल वाली सम्पत्ति सं. 15-सी ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीब : 16-10-82

पुरूष क्षाकृष्ट की एक कर 🗝

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

शहरत सहस्रद

कार्यानय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, भी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नर्ड दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्तूबर 1982

निवर्भेश सं. आर्झ ए. सी./एक्यू./।/एम. आर.-3/2-82/1874—अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या डी-1/206 है तथा जो लाजपत नगर, नर्ड दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ड दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ये से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंशरिती (अन्तरितों) के द्रीच एसे अन्तरण के जिए तथ पाया गया प्रति कि निम्मित उद्यास्य स अका कम्सरण सिवीदत में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने में अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर दिधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिलिन व्यक्तियों, अर्थान् :--- (1) शीमिशी सामिशी योगी पति शी कान्यन लाल निवासी डी-। 205 और 206 लाजपत नगर, नई दिल्ली द्वारा उनके जी ए श्रीमती कौलाश चोपड़ा पत्नी श्री जतीन्वर पाल चोपड़ा और श्रीमती सुवर्शन चोपड़ा पत्नी श्री स्रोन्दर कामार चापधा निवासी सी-डी-। 206, लाजपत नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जतीन्दर पाल घोपडा और म्रीन्दर कामार चोपडा दोनों सुपुत्र श्री कान्दन लाल चोपडा, निवासी सी डी-।/206, लाजपत नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहि भी आक्षेप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की लामील से 30 दिन की प्रविध हो भी अविध प्रामित संक्षि हो, में भीतर प्रविक्त प्रविक्त प्रविक्त प्रविक्त प्रविक्त प्रविक्त प्रविक्त स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस है 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध कियों अन्य व्याच्य ततारा अधांहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरें।

क्षच्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त अब्दों आर पदां का, शां उकर अधिनियम को नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

प्रो नं. क्वाटर नं. डी-फस्ट 206, लाजपत नगर, नर्इ दिल्ली एरीया 100 वर्गगज ।

> नरोन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारील : 7-10-82 मोहर : प्ररूप आई.टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की। धारा 269-प्र (1) क अधीन गूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-1, जी-13, प्राउन्ड फ्लोर,
सी आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टंट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्तुबर 1982

निद<sup>र्भ</sup>श स. आर्ड्: ए. सी 'एक्यू / 1/एस आर. -3/2-82/1940--अत मुक्ते, नरान्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र<sub>ि</sub>. से अधिक है और जिसकी संख्या एल-6 एण्ड 6-ए हैं। नथा जो साउथ एक्स-टोन्शन भाग-2,, नर्हा दिल्ली मो स्थित है (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीम फरवरी, 1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मन्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्झ है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं,, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए [ध]

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नीलिखन व्यक्तियों, अधित :—— (1) भी नरोन्द्र मोन स्पृत्र स्वर्गीय श्री करम अन्द, वर्तमान निवासी एन-67, ग्रेटर केलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्च् दंबी विहानी पत्नी श्री प्रकाश नारायण, वर्तमान पता-90 जोरबाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (म) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है [1]

## अनुसूजी

एल-6 एण्ड 6-ए, स्थापित-साउथ एक्सटेन्शन, भाग-2, नई दिल्ली।

नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-१, दिल्ली नर्ड दिल्ली-110002

तारी**ल** 7-10-82 माहर . प्ररूप आहाँ, टी. एन्. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्तूबर 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/2-82/ 1969—अत. मुझे, नरेन्द्र सिंह

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एस०-127, है तथा ओ ग्रेटर कैलाश, भाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नृतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवस के वधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 15--316 GI/82

- श्री विनय लाम्ब्रा श्रीर भरुण कुमार लाम्बा निवासी 27/153 ब्रोल्ड राजीन्दर नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
  - 2. श्री प्रदीप चौधरी (डाईरक्टर) मैं० मालमेक पेपर बोर्डेस प्रा० लि० 1517 काश्मिरी गेट, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के जुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्पन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या त्रसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मल्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्ह्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# **न्**त्स्ची

प्लाट नं० एस०-127, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली एरिया-300 वर्गगर्ज्।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रिधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

**लारीख**ः 7-10**-198**2

प्ररूपु आर्दः टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ(1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० ब्रार०-3/2-82/ 1974----यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी-21, है तथा जो महारानी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाध्य भनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया पाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन जिस्तीलिखत व्यक्तिओं, अर्थातु :-- 1. श्री श्रशोक थादव, निवासी--एस०-379, ग्रेटर कैलास-2, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कपिल सीबल, निवासी-सी०-1, महारानी बाग, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की खबीध आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकत में किए जा सकेंगे।

स्यक्षतिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमसुची

प्लाट नं० सी०-21, महारानी बाग, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-10-1982

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयक श्रि जियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 ध्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० ग्रार०-3/2-82/1849—यतः मुसे, नरेन्द्र सिंह ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—भाती, में स्थित है), श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवान तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में काँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) की अधीन, निम्निसिद्धित व्यक्तिस्था, जुर्थीत् :---

 श्रीमती रामबती पत्नी नथु श्रौर रेवती पत्नी श्री किशन लाल, निवासी—द्राम भाती, तहसील, मेहरौली, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुमन गुप्ता पत्नी श्री प्रमोद कुमार गुप्ता निवासी--8-श्रमृतो बैनर्जी रोड, कलकत्ता । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्पत्ति के प्रजॉन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप .- --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवित्र या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवित्र, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, विश्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वष्टीकरण: नहसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिष्ठिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय म दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 16 विषे श्रौर 12 विष्वे, खसरा नं० 161(3-14), 162(7-3), 1091 (5-15), श्रौर ट्यूबवेल, कोठा, ग्राम —भाती, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सा**रीख**: 7-10-1982

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

भायभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

मार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 7 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०-1/एस० श्रार०-3/ 2-82/1850—यत: मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भाती, नई दिल्ली. तहसील महरौली में स्थित है (श्रौर इससे उपाद्धद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालयं, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखं फरवरी 1982

को प्वेंक्ति सम्मित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेंक्ति संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्सरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अलगण म हुई किसी आग की शावन, उवन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी गाय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्त्रिय्ध के लिए;

श्रीमती रामबती पत्नी श्री नथु श्रीर श्रीमती रेबती पत्नी श्री किशन लाल, निवासी---भाती, तहसील महरीली, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुमन गुप्ता पत्नी श्री प्रमोद कुमार गुप्ता निवासी 8-ग्रमृतो वैनर्जी रोड, कलकत्ता। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पस्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्वी

कृषि भूमि तादादी 15 बिघे 14 विश्वे, खसरा नं० 1966/1075(11—15), 1082 (1—16), 1083 (1—16), 1177 (0—7), ग्राम—भाती, तहसील— महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्जी-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों. अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों.

नारीखा. 7-10-1982

प्ररूप प्राई० टी• एन•एस•---

म्रायकः प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व(1) र ग्रंभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 7 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० ब्रार०-3/2-82/ 1851---यत. मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रयोग नक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि न्याप्य सम्पत्ति, जिल्हा उचित्र बाजार मृख्य 25,000/-रुपये न अधिक है

ग्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—भाती, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरी 1982

को प्वींक्स सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अनारित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण , कि प्रथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसक दूष्यमान प्रतिफल म, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का क्ष्यू प्रतिशा में प्रधि है और जन्मर (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित बाह्यिक छूत् म क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण म हुई किसी आप का बाजा, उक्त प्रिष्ठि-नियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसल जबने में मुविधा के लिए, और/या
- (ब) ऐसी किसी ब्राय या जिसी बन या प्रन्य बास्तियों -को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या अनत प्रधिनियम, या श्रन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रसाध पर किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए)

श्रतः सव, उक्त आंधनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीय, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् \_--

- 1 श्री मती राम बती पत्नी श्री राम सरूप, निवासी-माती, नई दिल्ली, तहमील--महरौली। (ग्रन्तरक)
- अोमती मुमन गुप्ता पत्नी श्री प्रमोद कुमार गुप्ता निवामी-8 ग्रमृतो बैनर्जी रोड़, कलकत्ता। (ग्रन्तरिती)

को यह पूचना जारी करक पूर्वीक्त सम्पत्तिके धर्जन के लिए। कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र स प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस पुतना के राजार गंगकोणन को नारीख स 45 दिन के भीतर छस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसीं अस्य व्यक्ति द्वारा श्रथोहमनआरी के गास लिखित मुक्षिए जा सकेंगे:

स्वध्दोक्तरण:---इसमे प्रवृत्त गर्व्या प्रीर पदी का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा, जो उप अध्याप में विषा गया है '

#### वयसची

कृषि भूमि तादादी 6 बिघे 6 बिघवे, खसरा नं० 1074 ग्राम-भाती, नहसील--महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, दिस्सी, नई दिस्सी-110002

तारीख: 7-10-1982

मोहर.

प्रकृप माई० हो। एन० एस०---

भ्रायकर ग्रांबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जबीर सुचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु० 1/एस० श्रार०-3/ 2-82/1854---यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह भायकर प्रधिनियम, 1961 (196 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन गक्तम प्राविकारी की, विष्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है, श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन तारीख फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्दरह (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नविश्वित

(क) श्रम्तरण से हुई किसी माय भी वाबत उपत प्रक्षितियम के मधीन कर बेने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और।या

उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित

नहीं किया गया है:---

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या खन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या खन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बृधीन निम्नितिकित व्यक्तियों अधित् :---  रिख्याल सृपुत्र श्री टेक चन्द्र, निवासी-ग्राम-येवली, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

 डा. बोमसी वाडीया सूपुत्र श्री वाडिया निवासी-पटोल चेम्बर्स, फ्रोंच बृज बम्बर्ड,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पति के प्रजंत के सम्जन्ध म कोई भी अपक्षेप : ----

- (क) इस सूचना के राजपल म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित्र जो भी भवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितक्ष किसी प्रन्य व्यक्ति दारा अधोहस्ताकारी के पास सिक्षित में किये जा सकेंगे।

स्पव्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### यन्स्ची

कृषि भूमि तावादी 4 बिषे धौर 16 बिष्वे, खसरा नं० 25/1, ग्राम—वेवली, तहसील—महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-10-1982

मोहंग:

प्रारूप आहूर, टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जेन रेंज I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 श्रम्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 2-82/1893—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा ओ ग्राम—महरौली, नई विल्ली में स्थित है (भीर इससे उपायत धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिशत से, एसे उध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल् निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के लिए;

कतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति ज्यक्तियों अर्थात् :--- श्री णिव दयाल, रामजी लाल, भ्रमी लाल, मावासी. रती राम एलीयम लीलु सुपुत्रगण श्री पूरन, रामवती णीला, दरदारा, रामरती सुपुत्रीगण श्री पूरन, श्रीमती शानो विधवा पत्नी श्री पूरन, श्री धरमबीर, महेन्द्र, इन्दर, हेत राम एलीयस सिदक राम, किशन सुपुत्रगण श्री चन्दर, बृज लाल सुपुत्र श्री खचेरू, निवासी—ग्राम—घीटर्नी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रगोक कुमार सुरी सुपुत्र श्री इन्दर लाल सुरी, निवासी—एस०-297 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली (2/3 भाग हिस्से) श्रौर श्रीमती कमलेश भासीन विधवा पत्नी श्री श्रोम प्रकाश, भासीन, निवासी-45, डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली (1/3भाग हिस्से)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्यध्दोक्षरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबतः अधिनियम, के अध्याय 20 क में प्रिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 9 बिभे 12 बिभ्बे, मुस्तातिल नं० 61, किला नं० 11/1(3-15), मुस्तातिल नं० 62, किला नं० 12/2(1-1), 13(4-16), ग्राम—महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिका्री सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षणं) ग्रर्जन रेंज <sup>I</sup>, दिल्ली, न**ई** दिल्ली-110002

तारीख: 7-10-1982

प्रायकर अधिनियम, 196) (196; का 43) की घारा 269-व (1) र प्रशीन मुजन

मारत ५रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 7 प्रक्तुबर 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एनयू०/1/एस० श्रार०-3/2-82/1894—यतः मुझे, नरेन्द्र सिह, श्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रवीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से पश्चिक है

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—महरौली, नई दिल्ली मे स्थित हैं (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं. और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या धन-गर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जा- चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उफ्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- गंगी णित ग्यान समनी लाग, भी कर्म एक्सिमी रती राम एलीयम लीलू मुपुत्रगण श्री पूरन रामवती, शीला, दरदारा, राम रती सुपुत्री श्री पूरन, श्रीमती प्रानी—पत्नी श्री पूरन, अरमबीर महेन्दर, इन्दर, हेन राम एलीयस सिदक राम, किशन, सुपुत्र श्री चन्दर, बुज लाल सुपुत्व श्री खंचेल, निवासी—ग्राम—श्रीटोर्नी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
  - 2 श्री श्रशोक कुमार सुरी सुपुत श्री इन्दर लाल सूरी, निवासी-एस०-297 ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली (2/3 भाग हिस्से) श्रौर श्रीमती कमलेश भासीन विधवा पत्नी श्री श्रोम प्रकाण भासीन, निवासी-45-डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली—1/3 हिस्से)। (श्रन्तरिनी)

को यह यूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्थवाहिया करका हूं।

उक्त मध्यति के प्रकृति के सर्वाध में कोई का आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वडी अर्थ होगा, जो उस सम्बास में विधा गण है।

### अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 9 विषे 12 विष्ये, एम नं० 62 किला न० 14(4--16), 15(4--16) ग्राम - महरौली, नई विल्ली।

> नरेन्द्र [सह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 7-10-1982 मोहर प्ररूप आई० ही० एम० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के यधीन नृचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहप्रयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० /1/एस० म्रार०-3/ 2-82/1954--- श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह श्रायहर अधिनियम, 1381 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित 25,000/- रुखे स मुख्य ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1982 को पूर्वीक्त संपरित को उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास क रने का कारण है कि यथापूर्वा क्तू सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है :---

- (वं) अन्तरण स हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करते या ज्यास बचन भी मृडिधा के लिये;
   और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के पर्वे सिंह साना साहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपभाग (1)

16-316-GIPF/82

 श्री मंगतु मुपुत्र श्री घुरस्याम, निवासी--ग्राम--किशन गढ़, महरौली, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री नरीन्दर कुमार सृपुत्र श्री मुत्तीलाल, निवासी-एफ॰
 -19, सफदरजंग निवासीय योजना, नई दिल्ली।
 (श्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना बारा</mark> करके पूर्वाका पम्पत्ति के **भर्जन के** लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उपत सम्पत्ति के धर्मन के सम्बर्ग में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इन युवना ह राजनंत्र में प्रकाणन को तारीख से
  45 दिन को पर्वाद पर तराज्यन्यों पर
  सूचना की नागील से 30 दिन की ध्वाधि, जा भी
  धवित वाद में नवाद्य नात प्र, के भीतर पूर्वीक्स
  व्यक्तियों में ने किसी क्यनित हारा,
- (ख) इस स्वता के राजपत में प्रशायन की सारीख से 45 दिन के मोता गढ़ा भागर नमांग में हिनकड़ किसी अन्य कर्षण गया, प्रोडन्साअने के पास निविद्धत में किए साथकेंगे।

स्यब्दोक्तरण :---इसमें प्रयुवन गब्दों जोर पदों का, जो उक्त चित्रनियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहां प्रारं हम जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 7 विये श्रीर 7 विश्वे, एम० नं० 1, किला नं० 15(3-10), 16/1(3-17), स्थापित—ग्राम महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिं<mark>ह</mark> सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्राय<mark>क्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज-<sup>1</sup> दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्तृ (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 ग्रक्तूवर 1982 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/2-82/

1955—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विण्ति है), रिजिन्द्री ऊर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरी 1982

25,000/- रा. से अधिक है।

को पूर्वीक्त सम्पिति के उचित बाजार सूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथायुर्वीक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्व मीं कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप रा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर श्रीभिन्धम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनयम, या धन-कर किसीनियम, या धन-कर किसीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्ध कानिस्ति द्रारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया के लिए;

अतः अद, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त शिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री मंगतु सुपुत्र श्री घुरश्याम, निवासी——िकशनग ट महरौली, नई दिल्ली।
- श्री वालु सुपुत्र श्री पूरन, निवासी—-ग्रााम—-तुभलका बाद, तहसील—-महरौली, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह<sup>‡</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया ह<sup>‡</sup>।

### अन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 7 बिघे ग्रौर 16 विघवे, एम० नं० 4, किला नं० 12(3-0), 19(4-16), स्थापित —ग्राम——महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुनन (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I दिल्ली, नई बिल्ली-110002

तारीख: 7-10-1982

प्ररूप भाई० टी• एन• एस•~~~

# आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2694व (1) के भ्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 7 श्रक्तूबर 1982

निर्देश स० म्राई० ए० सी०/एक्यू०1/एस०म्रार०-4/ 2-82/584—म्रत मुझे निरेन्द्र सिह

ष्मायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उका प्राधित्यम' कहा गया है), की घारा 269- व के अधीन समन प्राधितारों को वर् विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित वाजार पूर्व 25,000/- क्वये से प्रधिक है

स्रीर जिसकी स० ई०-1/13 है तथा जो कृष्णा नगर, दिल्ली में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूर्चा में स्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख फरवरी 1982

पूर्णोवन समास्ति क उचिन बाजार प्रत्य स क्षम क दृश्यमान तिकल के लिए अन्तरित की गर्थ है और मुझ महाव्यवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भत्ति का उपनत बाजार मृत्य, उपने दृश्यमान प्रतिफल से, ऐव दृश्यना प्रतिका का नव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्गों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐस अन्तर्थ के लिए नव पाण गया विकान, नि निल्लिन के बेच्य से उक्त अन्तरण लिखिन स तस्तावक कर स कविन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुट किसी प्राप्त की ब्राइन, उन्न अधि-नियम के अधीन कर दन के अन्तरफ के शिष्क में कमी करने या उसय बचन में पुविधा के निष्क, सीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किस। बन वर श्रस्य पारितयों को जिन्हें भारतीय श्राप-कर शार्शनयम 19 (1922 सा 11) या उन्त प्रोधनियम, धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27 के श्रेमोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कि। गया था या किया जाना चाहिए था छि। में सुविधा के लिए;

गत: गन, उक्त जिभिनयम, की धारा 269 ग के अनुमरण मे, में , उक्त अधिनियम की भारा 269 के की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री श्रोम प्रकाश मिलक सुपुत श्री करम चन्द, निवासी ई०-1/13 कृष्णा नगर, दिल्ली-51।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती गुरजीत कौर पत्नी एस० गुरचरन सिह, निवासी-ए-2/15 कृष्णन नगर, दिल्ली-51।

(अन्तरिती)

को यह मूजन। जाग प्र. १ तक्षा १-वित क प्रकृत के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हू।

उसा मानि ह रास हर राम में तरे सा प्राक्षप :--

- (क) इस पूजना ह राजान में । हाशा की तारीज से 45 दिन की अन्निया तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 3 में राजी अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त ही है। हो, के ने तर पूर्वीकत क्यक्तियों में से दिन जिन्दिता तर,
- (ख) इस (चा) हो राज्या म प्रकाशन भी तारीख से 43 दिन है भीतर उत्त हका स्व सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति गरा अधीहरताक्षरी के पाम लिखन में किये का किस्

स्यव्होकरणाः—हिनमे प्रमुक्त गब्दा प्रीर पदी हा, जो उक्त ऋधि -नियम क अवसार २०- हम परिप्राणिन हैं, बही असे पास तो उसे एक्सरेस स्था है।

# श्रनुसूची

श्राधा भाग प्रो० न० ई०-1/13 क्षेत्रफल 236 1/9 वर्गगज, (पश्चिमी भाग पुरी भूमि 472 2/9 वर्गगज में से,) गोडाउन, प्रोड, श्रोपेन कार्ट गार्ड तेटरीन, तथा चहारदीवारी सहित स्थापित—कृष्णन नगर, दिल्ली-51।

नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय्कर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 1 दिल्ला गई दिल्लो-110002

तारीख 7-10-1982 मोहर: प्ररूप आहे, टी. पुन्, पुस्------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) क अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 अक्तूबर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सो०/एमबू० 1/एस० ग्रार०-4/ 2-82/586—श्रत मुझे घरन्द्र सिह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 13) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु स अभिक है

भौर जिसकी स० 18 बी र तथा जो फड़म कालानी, जी०टी० रोड़, भाउदरा, दिल्ली में कि 18 हैं (श्रीटिन) उप बद्ध श्रामुची मे पूर्ण रूप से विधित हैं) रिजस्ट्राफार्थिशकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीविनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख फरनरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित को गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकर संगितिका उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान परिकार स, एत दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक हो अन्य सन्यक (असरको) और अतरिती (अन्तरितियो) के बीच एन अर्थण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश में उक्त अतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :---

- श्री नरेश चन्दर श्रीवास्तवा सुपुत श्री किशन दयाल, हारा जी० ए० श्रा एम० मी० श्रीवास्तवा निवासी 548 पटौदी हाउस, दरीयागज, नई दिल्ली।
   (श्रन्तरक)
- 2 श्री कमल चन्द जैन, कंलाण चन्द जैन, केणव चर्द जैन, श्री मुरेन्दर कुमार जैन सृपुत्रगण श्री हीरा लाल जैन, निवासी-765, गली न० 10, गाधीनगर दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध मा काइ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्मविशी त्यिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, क भीतर पूर्वा कर व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हिन-बद्भ विसी नन्य त्यस्ति इत्रारा, अधातस्ताक्षरी के पास लिखा भें किए हा सकान।

स्पष्टिकरण. ---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उनस अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिस हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स्ची

कुछ बना हुआ उद्योगिक प्रो० न० 18-बी, ग्राम-झीलमिल ताहिरपुर, फेंडस कालोनी, जी०टी० रोड, शाहदरा, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज <sup>I</sup>, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 12-10-1982

प्ररूप आई'. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनिण्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 7 अन्तूबर 1982

श्रीर जिसकी स० ई०-1/13 है तथा जो बृष्ण नगर, घोन्छली, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (अप इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरनरी 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के ्चित वाजार मृत्य से कम के स्रामान प्रतिफल के निर्ण अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अत्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितितों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित मे वास्तिवक रूप कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूविधा के लिए.

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण मो, मौ, स्वत अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री श्रोम प्रकाश मिलक सुपृत श्री करम चन्द, निवासी-ए०-18 नरायणा नई दिल्ली श्रौर वर्तमान ई०-1/13 कृष्ण नगर, दिल्ली-51।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० गुरचरन सिंह सुपुत्र स्व० एस० सराब सिंह निवासी-1461 दरीबा कलान, दिल्ली-6।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप ---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अग्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण -- इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अनुसूची

प्रो० नं० एण्ड म्युनिसीपल नं० ६०-1/13 तादादी 236. 1/9 वर्गगज, (सम्पूर्ण भूमि 472.2/9 वर्गगज में से), ढांचा सहित, स्थापित—कृष्ण नगर, घोन्डली, इलाका शाहदरा, दिल्ली-51।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-10-1982

प्ररूप आर्द. टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

काथ लिय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरोधण) श्रर्भन रेज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 8 श्रक्तुबर 1982

निर्देण स० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०ब्रार०-1/ 2-82/8952---श्रत मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीर सक्षम प्रतिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

स्रीर जिसकी रा० 550 से 552 है, तथा जो कटरा इस्बर भवन, खारी बह्दतो, दिल्ली भे स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध स्रमुसूची में स्रीर पूर्व रूप से बॉब्बन हो), रिजर्⊈ाना स्रधिकारी के कार्यात्य, नई दिल्ली से भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीमित्रम , 1908 (1908 का 15) के स्रधीन, गरीख फरेन्स 1982

को पूर्वाक्त सपास के लावत नाजार गरम से का के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित् की नई हा और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि गथापू गक्त समाति का उत्ति बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स., एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधि ह ही आर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एप अन्तरण के लिए सप पाया गामा प्रतिफल, निम्नी लिखित उद्देश्यों से उन्त अन्तरा लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नदी किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दो के अन्तरक के बायिस्थ मो स्मित्र करने या उसमें बचने मो स्पिधा के लिए, और, या
- (स) एसी किसी अय या किसी धन या अग्य आस्तियों को जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत अब उदा अधिनियम की धारा 260-ग के अन्मरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिष्कित व्यक्तियों, अर्थात् .--- श्री गगा दीत रुस्तगा, गादलीया हुन्ना सुपुत्र स्वर्गीय श्री दीप चन्द रूस्तगी, निवासी—मोहना पचालिया चौक, ग्राम—बाबल, तहसील—रेवाड़ी, जिला— महेन्द्र गढ़, (ह्रियाणा)।

(ग्रन्तरक)

2 श्री सन नारायण मितल सुपुत्र श्री जगन नाथ मितल, निवासी-550 कटरा इश्वर, खारी बावली, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपक मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अर्वाध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्वाध, जो भी अवधिबाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति स्तारा,
- (स) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनबद्ध किमी अन्य प्रक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ह पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त कब्दों और पता का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

### ञ्सनी

एक दुकान ग्राउन्ड पनोर तादादी 117 श्रंगज, प्रो० न० 550 से 552 , कटरा अण्वर भवन, खारी वावली, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 8-10-1982 मोह्र . प्ररूप आहू<sup>2</sup>. टी. एन एस ------

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
ध्रार्जन रेज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 8 श्रमतुबर 1982

निर्देश स० म्राई० ए० मी०/एक्यू० 2/एस० म्रार०-1/ 2-82/8908—म्रत मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 27, रोड न० 10 है तथा जो क्लाग-डी, पजाबी बाग, एरीया बसइदारापुर में स्थित है (और इससे उपाबंद श्रन्सूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समित्त का जिंचत बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसमें बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण मो, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अधीत्:--- 1 श्री १६५र परंद गर्ग सुपुत्र श्री शम्ब दयात गर्ग, निवासी 15/26 पजाबी बाग नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2 श्रोमती मुशिला गायत, श्रोमती भुशीला देवी और श्रीमती सतोय ग्रोवर, निवासी-38/75 पजाबी बाग, नई दिल्ली ग्रीर 4/19 पजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के मबय मा काई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तराम्बन्धी व्यक्तियों पर मूजना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकेगा।

स्पष्टीकरण '-- इसमी 'य्युक्त राब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मो परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मो दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट न० 27, रोड न० 10 क्लाण-डी तादादी 422 07 वर्गगज पजारी वाग एरोथा ग्राम—-बगर्ड दारापुर, दिल्ली प्रणासन दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख 8-10-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 8 अन्तूबर 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस०आर०-1/ 2-82/8897—म्प्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बित्त, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 11503, 16/1 है तथा औ शक्सी नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इममें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मर्थास :—

- (1) श्रीमती इन्द्रावती भुमार पत्नी स्वर्गीय श्री ए० मी० कमार,
  - (2) श्रीमती मेहरू कुमार पत्नी स्वर्गीय श्री ग्रमीर कुमार।
  - (3) श्री एच० मी० नुमार सुपुत्र स्वर्गीय श्रो श्ररुन चन्द, निवामी-16/1 शक्ती नगर, दिल्ली।

(अन्तरक) ।

2. (1) श्री शिव शंकर गुप्ता सुपुत्र श्री भोला राम

(2) डा० श्रीमती कृष्णा गुप्ता, पत्नी श्री शिय शंकर गुप्ता निवासी-375/1 पाठनपुरा, शाहदरा, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त लख्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसूची

2-1/2 मंजिली मकान म्यूनिसीपल नं० 11503, स्थापित-16/1 शक्ति नगर, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 8-10-1982 मोहर: प्पण पर्दे में छन एस ------

प्राप्तर प्रदेतियम, 1981 (1961 का 43) को घार। 269-घ (1) के प्रधीन सुचन।

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 8 ग्रक्तुबर 1982

निर्धेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० श्रार०-1/2-82/8924—यतः मुझे सुधीर चन्द्रा
श्रायक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 13) (जिने इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सजन प्राविकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपंत्र बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० 4243, इलाका-6, है तथा जो मालीवाड़ा, नई सड़क, विल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वो स्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है और मुझे यह कि बास करने भा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य उस्ते दृश्यनान प्रतिफल से, एने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिप्रात से प्रविक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐने अन्तरण के लिए तय पन्त च्या प्रतिफन, निम्नलिखित उद्येय मे उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप ये क्यान नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी नाय की नाबत उक्त भिक्ष नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी ग्राप या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियी की, जिन्हे भारतीय आयकर ग्रीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रीवित्यम, या धन कर ग्रीवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा ग्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन गिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

17-316-GIPF/82

1 जो ॥० तरावणमापर नुवृत्तत्वा मार्ग्यलाग गण्युर, निवामी १८१३ गर्ला भैरा पाला छना गृसाई भक्षम लाल, मालीबाडा दिल्लो।

(अन्तरक)

2 श्रीमती चन्द्रकान्ता पत्नी स्वर्गीय श्री हुकसचन्द्र गुप्ता, विणम चद, सुभाष चन्द्र पुत्रगण स्वर्गीय श्री हुकम चद्र गुप्ता, निवासी-4299 गली भैगोवाली, नई सङ्क, दिल्ली-6।

(श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वाक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अजन क सम्बन्ध में कार्ड भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तस्त्रीयधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अर्जाध, जो भी अविध याद मो समाप्त हाती हो, के भीनर पृश्वित व्यक्ति व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य न्यवित ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वी उस अध्यास मा दिया गया है।

### अनुसुधी

जो कि एक मकान दो मंजिला बमय तीन बरसाती टौप फ्लौर बमय सहत अराजे 239 वर्गगज, बमय कनेक्शन नल व बिजली, प्रो० नं० 4243, थाक्या मालीबाड़ा , नई सड़क, इलाका नं०-6, दिल्ली-6।

> सुधीर **चन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारी**ख**: 8-10-1982

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्वन्

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रम्तूबर 1982

निर्देश सं० आई० ए० मी० /एक्यू० 2/एस० आर०-1/ 2-82/8954---यतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 2444 से 2447 है तथा जो 2476 से 2485 छटा जामबेग, वार्ड नं० 11, बाजार कामरा बंगस, दिल्ली में स्थित है भीर इससे उपावद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख फरवरी 1982

का प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गईं है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के बिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुन्तिया के निए;

पन: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के मधीन., निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:—  श्री सैयद महबूब मली सुपुत सैयद बजीर मली, निवासी—मकान नं० 927 गली मोचीयन, बाजार चित्रली कबर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री काश्मिरी लाल सुपुत श्री श्रनन्त राम, निवासी— मकान नं० 2483 तिहराहा बेहरम खान दिल्ली
  - (2) श्री मदन लाल
  - (3) श्री पन्ना लाल और
  - (4) श्री रोशन लाल सुपुत्र श्री भनन्त राम, निवासी-2906 कुचा चेलन, दिल्ली।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों क्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यभाहियां कारता हुं।

जक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की समीध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धक्रिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सनसची

प्रो० नं० 2444 से 2447 भीर 2476 से 2485 एरीया 386.43 वर्गगज, छटा जाम बेग वार्ड नं० 11, बाजारकामरा बंगस, विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-10-1982

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूजना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 भ्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एन्यू० 2/एस० आर०-1/ 2-82/8871---यतः मुझे सुधीर चन्द्रा

नायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एच०-10 है, तथा जो राजोरी गार्डेन, एरीया बसईदारा पुर, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इनसे उपाबद ग्रनुसची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क का गिम्निलिसित उद्दोश्य सं अक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप सं काथित नहीं किया गया है. - -

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्तियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे अचने में सुविश्वा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किमी भाय या किसी घन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन: धन, उनत अधिनियम की भारा 269-च के अनुसरण मूँ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निस्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री नरेश कुमार सुपुत्र श्री दीवान दौलत राम चोपड़ा स्वयं भौर जी० ए० श्रीमती सुमीता देवी एण्ड जी० ए० श्री सतीश कुमार चोपड़ा
  - (2) श्री इन्दर राज।
  - (3) श्री देव राज सुपुत्र श्री दिवान दौलत राम चोपडा।
  - (4) श्री जगवीम लाल।
  - (5) श्रीमती राज मधोक।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बलदेव सिंह एण्ड श्री सतवन्त सिंह सुपुत्रगण श्री मखन सिंह, निवासी-बी-1/441, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में संक्रिया व्यक्तित देवारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए था सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त घट्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

एक मंजिली सम्पत्ति नं० एच-10, राजोरी गार्डेन, एरीया बसईदारापुर, दिल्ली, क्षेत्रफल 399.1/10 वर्गगज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-10-1982

प्ररूप आहूँ, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 श्रक्तूबर 1982

निर्देण सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू 2/एस० म्रार०-1/2-82/8953—-यतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का )3) (रिस्से इसमें इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के उधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. म अधिक ही

श्रौर जिसकी स० 5933, प्लाट-76, है तथा जो वार्छ न० 14, बस्ती हरफूल सिंह लाउथ नदर याना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजरद्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वाक्त सपित्त के उचित बाजार भृत्य स कम के उश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभके दश्यमान प्रितिफल से एमे दश्यमान प्रितिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक़ों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बोच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रितिक का किस, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्थारची द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;
- अहा अब उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) भी, भी, पक्त उधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती जीवन बाई पत्नी स्वर्गीय उत्तम चन्द मलीक।
  - (2) श्री किशन लाल।
  - (3) श्री बलराम ।
  - (4) श्री धर्मेबीर मिलक सुपुत्रगण स्वर्गीय श्री उत्तम चन्द मिलक, निवासी-41/15 पंजाबी बाग, नई दिल्ली-110026।

(ग्रन्तरक)

2. मैं तिरूपती सेल्स एण्ड सर्वीसेज प्रा० लि० 5933 प्लाट नं० 76, वार्ड नं० 14, बस्ती हरफुल सिंह, सदर थाना रोड़, दिल्ली, द्वारा डाईरेक्टर श्री माली राम शर्मा सुपुत्र श्री मुरली धर शर्मा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृदोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिय़ाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बिष्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

## अनुसूची

तीन मंजिली भवन के साथ बेसमेंट श्रौर मेजेनीन फ्लोर म्युनिसीपल नं० 5933 प्लाट नं० 76, स्थापित बस्ती हरफुल सिंह साउथ, संदर थाना रोड़, वार्ड नं० 14, दिल्ली-6।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना ं भारत सरकार

कार्याज्ञय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, नई बिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 प्रक्तुबर, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० म्रार०-1/ 2-82/8875—म्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 37/27 है तथा जो सरकारी मकान हिस्ट पटेल नगर, नई विल्ली में स्थित है (भौर इससे उपा- बद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिष्ठानियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री राम भवतार घई, सुपुत्र श्री गनेश दास लीजी म्राफ क्वाटर नं० 37/27, ईस्ट पटेल नगर, नई विस्ली।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मेल भाटिया पत्नी श्री स्वदेश पाल, निवासी 37/27 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

गवर्नमेन्ट क्वाटर नं० 37/27 ईस्ट पटेल नगर, नई विस्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 8-10-19**8**2

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 घम्तुबर, 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० भार०-1/ 2-82/8894—भद्र: मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० ए/42 है तथा जो राजोरी गार्डेन, एरिया बसईबारापुर, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री युधिष्ठिर कुमार और श्रीमती प्रम लता, निवासी बी-10/12-ए, राजौरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) श्री जयमाल सिंह सुपुत्र श्री भाग सिंह बुधीराजा, निवासी ई-42, बाली नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान, प्लाट नं∘ ए/42 ताबादी 203-3 वर्गगज, स्थापित राजोरी गार्डेन, बसईदारापुर, दिल्ली प्रशासन; दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-10-1982

प्रकप् आईं.टी.एन.एस.------

# भायकर ध्राविनियम, 1961 (1961 का 43) की वार। 269-म (1) के घ्राविन सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-2, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिमांक 8 प्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० ग्रार०-1/2-82/8851—ग्रतः मुसे, सुधीर चन्द्रा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके परवात् 'उक्त मिसिनियम' कहा गया है), की धारा 269-७ के आगोन नश्रन प्रधिकारों को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- व्याए ने प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० पुराना 642 है तथा जो नया नं० 1250 कुचा बाग, चान्दनी चौक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1982

ती पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशपूर्वोक्त सम्पत्ति का उश्वित बाजार मूला उपके दृश्यमान प्रतिकृत में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पत्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (प्रश्वरक) और सन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गवा प्रतिकृत, निम्मनिक्तित उहेश्य से उन्त अन्तरण सिक्तित में वास्तविक कम से स्वित तहीं किया गवा है:---

- (क) प्रन्तरम से हुँ किसी धाव की बारा, अशा प्रधित्यम के प्रधीत कर देने के घम्तरक क बाबित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविका के लिए और/या;
- (च) ऐसी किसी धाम या हिसी धन या बन्ध आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर धिवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः सब, उत्तर अधिनियम को आदा 269-ग के धन्सरण म, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की छपछारा (1) के सभीन निम्नसिचित व्यक्तियों, मुर्भात्:— (1) श्री मनोहर लाल गोदलिया हुआ सुपुत्र श्री बैज नाय, निशासी-1131, छुट्टा मदन गोपाल, दिल्ली-110006।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरनाथ मुपुत्र श्री जगन्नाथ निवासी-1250, कुच्चा बाग, चान्दनी चौक, दिल्ली-6। (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारो करके प्वाँकन सक्थाति के ग्रार्टन के सिर्कार्यवाहियां करता है।

उनत तम्पति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :--

- (क) इस प्रवास के राजाश में प्रकालन की तारी का से 45 दिन की अनिधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों ,पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पत्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकानन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास त्रिखित में किएजा सर्कों।

स्थव्ही हरण:---इसमें प्रयुक्त कन्यों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस माल्या में दिया गया है।

### भन्स्ची

सम्पत्ति न० पुराना न० 642, नया सं० 1250, स्था-पित कुण्या बाग, चान्दनी चौक, दिल्ली-6, तादादी 110.5 वर्गगण।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली।

ता**रीख**ः 8-10-1982

प्ररूप आहें. टी, एन , एस , ------

भायकर गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालम्भ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रक्तूबर, 1982

ग्रौर जिसकी सं० 40/8 है तथा जो शवती नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की माबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उपल दिश्रीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की वपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री चमन लाल स्थाल सुपुल श्री उजागर माल स्थाल, निवासी-40/8 णक्ती नगर, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (1) श्री राम कैलाश श्रग्रवाल सुपुत्र श्री राम स्वरूप गुप्ता निवासी-49 माडल टाउन, दिल्ली
  - (2) श्री नरेण कुमार गुप्ता,
  - (3) श्री सतीश कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री राम स्वरूप गुप्ता, श्री श्रनिल कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री राम कैलाश, सभी निवासी 13/17 शक्ती नगर, दिल्ली

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वयिषु बाद में समाप्त होती हो, भे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, बही अर्थ होगा, जो उसु अध्याय में दिया गुवा है।

#### **मन्स्**ची

सम्पत्ति नं ० 40/8 स्थापित शक्ती नगर, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-२, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-10-1982

प्रकथ वाद. टी. एम. एस. ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नुधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक वायकर आयुक्त (निर्देशियण) प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई विल्ली, दिनांक 8 प्रक्तुबर, 1982

भौर जिसकी सं० 8384, प्लाट नं० 117 श्रौर 11 8 वार्ड नं० 14 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल के लिए तथ पाया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---18—316 | GI/82

(1) श्री विर कुमार जयना सुपुत्र स्वर्गीय डा॰ अम्पत राम जयना, निवासी 1934, फाउन्टेन, आन्दनी जीक, दिल्ली-6।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्वरण तनेजा पत्नी श्री बलदेव राज तनेजा, निवासी 13/6, पंजाबी बाग एक्सटेंगन, नई बिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजएश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सीबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्यक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त घट्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **गन्**स्ची

सम्पत्ति नं॰ 8384, प्लाट मं॰ 117, 118 **वार्ड** मं॰ 14 स्थापित माइल टाउन, दिल्ली-6।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई विस्सी

तारीख: 8-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 प्रक्तूबर 1982

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूड. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 1293/XIII है तथा जो मोहल्ला फैंग गंज, बहादुरगढ़ रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गर्घ है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दारित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री देव राज भौर सिलक राज सुपुत्रगण श्री लघा राम, निवासी——1-17/42 भौर नं० 2-6/72 पंजाबी बाग, दिल्ली ।

(भन्तरक)

(2) श्री पथन कुमार जैन सुपुत्र श्री सूरज भान जैन निवासी—1293 फैंज गंज, बहादुरगढ़ रोड, दिल्ली यार्ड नं० 13!

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र तामो तसे 30 किन की अवधि, वा भी भ्रप्रधि बाद में समाध्य को हो, के लग्हर पूर्वीक्त व्याब्धक में से किस व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित् है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्रथम मंजिल म्युनिसिपल नं० 1293 वार्ड नं० 13, मोहल्ला फैंज गंज, बहादुरगढ़ रोड, दिल्ली ग्रीर बरसाती।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, दिल्ली नर्द्द दिल्ली 110002

तारीख: 8-10-1982

प्रकृष प्राइव्टाव्युवव्युस्य----

ग्रायकर बोधनियम, 1961 (1961 का 43) को धार। 269-थ(1) क प्रधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजेन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 प्रश्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० श्रार०-1/2-82/8904—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, आयकर श्रांबनिया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उका प्रधिनिया' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मध्यन गिष्ठा को, यह निष्यास करने का कारण है कि स्थार संगति जिनक। उनित बाजार पूर्व 25,000/- ए० स

भौर जिसकी सं० 1292/ XIII है तथा जो मोहल्ला फैंग गंज, बहादुरगढ़ रोड, दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुतूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिकिशो के कार्याचय, नई दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके पृथ्यपाल प्रतिकृत से, ऐने दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह् भौतभात से प्रधिक है और अन्तर्क (प्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकृत निम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण त दुई किसी आय को बाबत उक्त प्रधि-नियम के स्थीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करो या उससे बचने में गुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी प्राय मा किमी धन या प्रत्य प्राप्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रत्निरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता चाहिए था, छिपाने में स्थिशा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री देव राज ग्रौर श्री तिलक राज सुपुत्रगण श्री लंबा राम, निवासी 1-17/42 ग्रौर नं० 2-6/ 72 पंजाबी बाग, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र जैन सुपुत्र श्री सूरज भान जैन, निवासी—4545 पहारी धीरज, विल्ली, भव नं० 1292 फैंज गंज, बहादुर गढ़ रोक, विल्ली। (भन्तरिती)

को या सूचना जारी करके पूर्वेक्य सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

जान सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षप :--

- (क) इस सूचन। के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख में 4क दिन की भवधि या नहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति झात;
- (सा) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाणन की नारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में दितक के किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसर्में प्रमुक्त वस्तो सौर गदी का, हो वस्त प्रक्षितियम के प्राच्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रमंहाए, जो उन अध्याप में विपा गया है।

# **मन्**त्र्ची

ग्राउन्ड प्लोर म्युनिसिपल नं० 1292 **यार्ड** नं० 13 मोह्त्ला फैज गंज, बहादुरगढ़ रोड, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, विल्ली, नई विल्ली।

तारी**ख**: 8-10-1982

प्रकप प्राई० टी • एन • एस • ----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रम्तूबर 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० भार०-1/2-82/8951-प्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 550 से 552 है तथा जो ईक्वर भवन, खारी बावली, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन सारीख फरवरी,

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक स्पू से किथत नहीं किया ग्या है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-क्षियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, डिपान में सुनिधा के लिए;

अतः अव, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिचित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६---

- (1) श्री गंगा बीन रुस्तगी, गोवलिया हुआ सुपुत्र स्वर्गीय श्री लाला दीप चन्द रुस्तगी, निवासी— मोहल्ला पचोलीया चौक, ग्राम—बाबल, तहसील— रीवारी, जिला—महेन्दरगढ़ (हरियाणा)। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पार्वती देवी सुपुत्र श्री प्यारे लाल, पत्नी श्री सतनराण मित्तल, निवासी—550 कटरा ईश्वर भवन, खारीबावली, दिल्ली। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृवाँकत सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन को सारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

प्रथम, दूसरी भौर तीसरी मंजिल का भाग प्रो० नं० 550 से 552, बने हुए भूमि का क्षेत्र 117 वर्गगज, कटरा ईश्वर भवन, खारीबावली, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली। नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-10-1982

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 मक्तूबर 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० श्रार०-1/2-82/8915—श्रातः मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/रु. से अधिक हैं

25,000 / रत. से अधिक ह<sup>®</sup> भीर जिसकी सं० 4405, है तथा जो 5 दरिया गंज, नई दिल्ली-2 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी, को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिकल से एसे इत्यमान प्रतिकल का पन्म्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🐉 :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय का वाबत, उक्त शृधिनियम के अधीन कड़ को के अन्तरक के शायित्व में कभी कुरते या उससे वृक्ते में सुविधा की सिए? शहर/वा
- (क) ऐसी किसी आयु मा किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था खिपाने में स्टिंगधा में सिए॥

अतः बद्दा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधील,, दिस्मीलिचित् व्यक्तियों, स्थीत् :---

(1) डा० बिमला धन्द्रा सेन सुपुत्र स्वर्गीय डा० बीपिन धन्द्रा सेन, निवासी -4405, 5 दरिया गंज, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) मैं० धन पाल सिंह जैन एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०), क्वारा कर्ता श्री धन पाल सिंह सुपुन्न श्री जगन लाल जैन, निवासी 7/9, वरिया गंज, नर्ष दिल्ली-2।

(मन्तरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीक दुण्:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही क्ष होगा जो उस क्ष्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

प्रो० नं० का भाग म्युनिसिपल नं० 4405, 5 दरिया गंज, नई दिल्ली-2।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1982

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण् हैं कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क अधिक हैं

मीर जिसकी सं० 4405 है तथा जो 5 दिरया गंज, नई विल्ली-2 में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विज्त है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख फरवरी, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि दथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवृह्द प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप स किथ्रल नहीं किया ग्या है:--

- (क) जन्तरण से हुई प्रेनिसी नाम की बाबत उक्त आंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बौद्ध/सा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर आंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अन्सरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डा॰ बिमला चन्द्रा सेन सुपुत्र स्वर्गीय डा॰ बीपिन चन्द्रा सेन, निवासी 4405, 5 दरिया गंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रयन कुमार जैन सुपुत्र श्री प्रकाण चन्व जैन, निवासी 4 दरिया गंज, श्रंसारी रोड, नई दिल्ली-2।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृचना को राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्साक्षरी के पास निच्चत में किए जा सकाग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

# प्रमुसूची

प्रो० नं० का भाग नं० 4405, 5 दरीया गंज, नई दिल्ली-2।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज- 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखा: 8-10-1982

मोहरः

प्रकार बाई० टी० एस० एस०---

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रवनूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० ग्रार०-1/2-82/8878—श्रतः मुसे, सुधीर धन्द्रा भायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात 'उक्त पश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

धौर जिसकी सं० 76 है तथा जो ईस्ट एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्तयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे पह विश्वाम करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तिन वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भौर सम्पर्क (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरित्या) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रविकृत, निम्नलिखित उद्देश्य ने उत्तर अन्तरण लिखित में यास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अविविषय के प्रधीन कर देने के अन्तरक 4 दासिस्य में कमी करने या असष्टे अभने में सुविधा के क्षिष् औराया
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या ग्रम्प धास्तियों की, जिस्हें पारतीय ग्राप्तकर ग्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधितियम, या धनकर ग्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था पा जिया जाना चाहिए था खिनाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं उक्त आधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयिकत्यों, अर्थात् :---

(1) श्रीमिति निर्मेल भाटिया पत्नी श्री श्रो० पी० भाटिया, जी-9, श्राई० ग्राई० टी० कैंम्पस हीज **खा**स, मई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० डी० महाजन श्रौर पी० एम० महाजन सुपुत्र श्री एस० पी० महाजन, 2274 गली नं० 69 नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली-110005। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इन स्वां के रातान में पकाना की वारीब से 45 दिन की प्रविच या तत्रावन्त्रों व्यक्तिमों पद स्वां की तारीत एं 3) दिन की प्रविच, बीकी संबंधि बाद में पनाण भेती हो, संभीतर पूर्वीत्र व्यक्तिमों दें वे दिना व्यक्ति ताला;
- (ख) इप प्ता के राजाब में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हिनबद्ध किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा श्रद्योड्स्ताक्षरों के पाव निखित में किए जा सहेंगे।

हान्टो तरम -- इसर्ने जनुका मध्यों श्रीर पदों हा, जो उक्त श्रीधनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही सर्व होगा, जो उन्न मध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

मकान नं० 76, एरिया 271.33 वर्गगज, ईस्ट एवेन्यू रोड, पंजाबी क्षाग, नई दिल्ली-110026।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

सारीख: 8-10-1982

मुक्स बार्ड्ः टी. पुन् पुन् -----

भारा १६९०-म (1) के बभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यातम्, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 8 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० धार०-1/ 2-82/8943—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1198 से 1203 है तथा जो वार्ड नं० 5, मालीवाड़ा, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिविनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन तारीख फरथरी, 1982

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार से कम के ब्रुयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित् बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नलिखित उदश्य से उक्त अन्तरण लिख्त में वास्त्विक इप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से धुर्द किसी भाग की बाबस्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वभने में सृतिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नाय नास्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

(1) नरेश कुमार, निवासी-ई-4/22 माडल टाउन, दिल्ली-110009

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती किरण गुप्ता, निवासी 108, बनारसी वास स्टेट, तिमारपुर, दिल्ली।

(भ्रम्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृत्रोंक्त सम्प्रित के वर्षन के हिस्स कार्यवाहियां करता हूं।

## रक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

जायदाद सं० 1198 से 1203, वार्ड मं० 5, मानीवाड़ा विस्ती।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-10-1982

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मई दिल्ली जी-13, ग्राउम्ड फ्लोर मी० आर० बिल्डिंग, इद्रप्रस्थ स्टेट, लई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 8 प्रक्तूबर 1982 निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० प्रार०-1/ 2-82/8848—प्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है); की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्ना छन्ति बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० बी०-387 है तथा जो श्राबादी मजलीश पार्क कालोनी, विल्ली-33 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यायलय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिर्धिनयम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत से ग्रिकिंक है और प्रश्वास (पण्डाकों) भीर प्रश्विति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय ताया गया प्रतिफल, निश्निलिखित शहेयय से उच्य अन्तरण लिखित में वास्त्रिक कर से किवत नहीं दिया दया है।—

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाष **की बाब**त जक्त अधिनियम के भंभीन कर देने के सम्बादक के श्राधित्य में कमी करने या **डबते बचने** में सुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य भारितयों को, जिम्हें भारतीय भागकर भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भविनियम, या धन-कर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री परशोत्तम वास सरहावी सुपुत्र श्री माया दास सरहावी, निवासी बी-987 मजलीश पार्क, दिल्ली-33 (श्रन्तरक)
  - (2) श्री ग्रमर नाथ सुपुत्र एस० बिशन दास, निवासी-81 टैगोर पार्क (नियर माडल टाउन) दिल्ली-9 (ग्रन्सरिती)

की वह पूचना जारी घरके पूर्वोक्त सम्पति के अजन के लिए कार्यवाहियों गुरु घरता हूं।

उपत सम्पत्ति के अजैत के संबंध में कोई भी खाओर :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन की घर्यां या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी के 30 दिन की अवधि; जो भी घर्यां वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के फिसी व्यक्ति दारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उपत क्यावर सम्पत्ति में दितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रभोहक्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त ग्रस्वों और पदौं का, जो सकत प्राचितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हीगा, जो सस बन्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सकाम नं० बी-387 एरीया 100 वर्गगण, भ्रवादी मजलीस पार्फ कालोनी, दिल्ली-110033।

> सुधीर सन्द्रा, सक्षम श्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, विस्ली, नई दिस्ली

तारीख: 8-10-1982

सोहर:

# त्ररूप शाहै. टी. एम. एव.,

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्तूबर 1982 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० आर०-2/ 2-82/6738—अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

वायकर अभिनियंस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियस' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रा. से अभिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 26 है तथा जो भगवान दास नगर, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (वंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ध से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उसस बचने मा स्मावण के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए,

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) में अधीन, निम्निलित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री श्याम लाल जैन सुपुत स्वर्गीय श्री शीतल प्रसाद जैन, निवासी-सी-8, भगवान दास नगर, रोहतक रोड, दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती भंजु गुप्ता पत्नी श्री जगदीक्ष कुमार गुप्ता, निवासी 15/29 पंजाबी बाग, दिल्ली (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रांकत सम्परित के जर्जन के तिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (थ) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धतिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के जध्याय 20 क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## प्रमुसूची

प्लाट नं० 26, ब्लाक डी, ताबादी 306 वर्गगज, भगवान वास नगर, एरिया ग्राम शक्रपुर, विल्ली प्रशासन दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-10-1982

प्रक्ष बाइं.टी. एन . एस . ------

भायकर म्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 प्रक्तूबर 1982 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० ग्रार० 2/ 2-82/6758—ग्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

जायकर अधिनियम, 1961'(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रेवला खान-पुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपाबद म्रानुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिध-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण धिधनियम, 1908 (1908 का 16) के धिधन तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्तिथा के सिए;

बत: बब, उनत बीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत बीभीनयम की भारा 269-क की उपभारा (1) के बभीन निम्मीसिस व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती उदया कौर पत्नी श्री हरदेव सिंह, निवासी कोठी नं० 2, कस्सूरजा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भाई शमशेर सिंह सुपुत्र श्री सरमुख सिंह निवासी सी-11, रिंग रोड, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्राँक्त सम्पृत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानित्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की 'तारीक तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्रभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वग्स्की

कृषि भूमि तादादी 11 बीघे श्रीर 6 बिश्वे, एम० नं० 8, फिला नं० 25 (2-28), एम० नं० 9, फिला नं० 19 (4-16), 20 (3-12), ग्राम रेवला खानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जम रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्लीक

तारीख: 8-10-1982

मोहरः

## प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

# भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 धक्तूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० ग्रार०-2/ 2-82/6851—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

अगयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रश्वात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन तमन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० सी-31 है तथा जो इन्दरपुरी कालोनी, ग्राम नरायणा, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित वाजार मूल्य से कन के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंवापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत भिष्ठक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रनरण निजित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त सक्षि-नियम के भ्रधीन कर देने के घग्तरक के वायित्व मैं किसी करने या उससे बचने में सुविधा के क्रिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किमी द्राय या िकसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या समकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचें भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः प्रव, उक्त श्रिशियम की शारा 269-ग के वनु-सरण में, मैं, उक्तिशिवियम की धारा 269-ग की उपवारा (1) के अभीत, निम्निलिजित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्री चन्द परकाण सुपुत्र स्वर्गीय श्री लाला झमीर-चन्द, निवासी नं० 41, पूसा रोड्, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रगोक लोगानी, सुपुत्र श्री विश्वनाथ लोगानी निवासी 46/3 ईस्ट पटेल नगर, नई दिस्ली। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों और पतों का, जो उक्त मधि-नियम के भन्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भन्याय में दिया गया है।

#### **`अनसची**

प्लाट नं० सी-31; एरिया 500 वर्गगज, स्थापित इम्दरपूरी कालोनी, ग्राम नरायणा, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सद्दायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-10-1982

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1982 निर्देश संु ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० ग्रार०-1/ 2-82/8922—ग्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बी-9/1 है तथा जो राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबछ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्यं से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) श्री सर्वजीत दुगल श्रीर श्रीमती बृज बाजा दुगल, निवासी डब्स्यू० जेड-46ए, कृष्णा पार्क, तिसक नगर, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) श्री सतीन्दर पाल सिंह एण्ड श्रीमती कंवलजीत कौर, निवासी जे-13/62 राजोरी गार्डेन, नई दिस्ली।

(ग्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उनत सम्परित को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप उ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस मिना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सहसी और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

#### नगसर्वी

प्रो० नं० बी-9/1, स्थापित राजौरी गार्डेन, एरिया-बंसद्वारापुर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली, क्षेत्रफल 458.3 बर्ग गजा।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-10-1982

मोहर 🗅

प्ररूप आई टी.एन एस -----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली नई दिल्ली, विनांक 8 श्रक्तूबर 1982 निर्वेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० श्रार०-2/ 2-82/6766—भतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

सायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की धारी 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रेवला खान-पुर, मेहरौली, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रानुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वो क्ल सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विक्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्च देश से उच्च अंतरण लिखित में नास्त्रिक रूप से कांध्य निम्नलिखित उच्च देश से उच्च अंतरण लिखित में नास्त्रिक रूप से कांध्य नहीं किया नया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दासित्व, में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नुसिखित व्युक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती उवया कौर पत्नी श्री हरदेव सिंह निवासी कोठी नं० 2, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई विल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भाई शमशेर सिंह सुपुत्र श्री सरमुख सिंह, निवासी सी-11, रिंग रोड, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यान्त ब्यान्त;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकों में ।

स्वव्हीकरण. --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हीं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अभुसूची

कृषि भूमि ताबाड्री 5 बीघे, मुस्तातिल नं० 9, किला नं० 21 (4-16), 28 (0-4), ग्राम रेवला खानपुर, तहसील महरौली, नई विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (मिरीक्षण) भ्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-10-1982

मोहर 🤢

मुक्य बाई हो, एवं, एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकार

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपह्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

त्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रेवला खान-पुर, तहसील मेहरीली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी, 1982 को पृषों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पेवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरभ से हुई किसी भाय की शावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृष्भां के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-द की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती उदया कौर पत्नी श्री हरवेव सिंह, निवासी कोठी नं० 2, कस्तूरवा गान्धी मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री भाई शमशेर सिंह सुपुत्र सरमुख सिंह, निवासी सी-11, रिंग रोड, राजोरी कार्डेन, नई दिल्ली। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध सा तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्स्ची

कृषि भूमि तावादी 11 बीचे भौर 18 बिक्वे, एम० नं० 9, किला नं० 12 (4-16), 13/1 (2-6), 18 (4-16), ग्राम रेवला खानपुर, तहसील महरौली, नई ं दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-10-1982

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.----

# मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० धार्ड० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० धार०-2 2-82/6893—-प्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 5-बी/17, है तथा जो तिलक नगर, नई, विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख फरवरी, 1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के वृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे अहं विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य ने कम के वृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे अहं विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृग्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नत ब्रियात से भविक है भौर मुस्तरक (अन्तरकों) भौर सन्तरिती (शन्तरितयों) के बीच

ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित

उदेश्य से उनन झन्तरण लिखित में वान्तविक रूप से कविन

नहीं किया गया है। ---

- (क) अन्तरण से हुई किसा प्राय की बाबत, उक्त शिवन नियम, के ध्रधीन कर देने के घण्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के ,िक्षण; भौर/या
- (सा) ऐसी किसी बाय या किसी वन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रक्षितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या बन-कर श्रीवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए या छिपाने में स्विधा के लिए।

 ग्रतः ग्रंड, उक्त ग्रिवितयम की धारा 269-ग के अनुबरण में, मैं उक्त ग्रिवितयम की भाषा 269-च की उपवादा (1) के अभीन निम्नुलिखित स्पृतितयों, नथीत:--- (1) श्रीमती कान्ता देवी विश्ववा पत्नी श्री सालिग राम, निवासी 5 बी/17 तिलक नगर, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुधीर कुमार ठुकराल सुपुत्र श्री राम सरूप ठुकराल, निवासी बी-1ए/25-सी, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उनत सम्मिति के प्रजैत के सम्बन्ध में बोई भी ग्राक्षा --

- (क) इस भूचना के राजपत मं प्रकाशन की तारी कस 45 दित की प्रविध या तस्त्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील मे 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 वित के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारां, प्रधोदस्ताक्षरी के कास जिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण रू-इसमें प्रयुक्त शक्दों और पढ़ों का, जो उक्त पश्चि-नियम के ग्रहणाय 20-क में परिभाषित है, बही धर्म होगा, जो उस भ्रहणाय में दिया गया है।

# न्त्र्यो

नवाटर नं० 5-बी/17 तिलक नगर, नई विल्ली, एरिया 200 वर्गेगज।

> सुधीर बन्दा सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंस रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-10-1982

भोहर 🥫

प्रकार बार्र ती एन.एम. -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार वित्त मन्त्रालय कार्यालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्णन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 8 श्रमनूबर 1982

निर्देण स० धाई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० ग्रार०-2/ 2-82/6880—श्रत मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त' अधिनियम' कहा नया है'), की धारा 269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 10 है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली मे स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी, 1982 को

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरितं की गई हैं और म्फे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हें एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिक्ति में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के स्लिए; और/या
- (य) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह्ं भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत. रिम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्ः——
20-—316 GI/82

(1) श्री फैसाण शर्मा हुम्मत, यो तिगोर कुणन भीर सुनिल कुमार निवासी 10/32 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तिरुलोक चन्द जैन सुपुत्र श्री बदरी प्रसाद निवासी 6/4 पंजाबी वाग, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मकान नं० प्लाट नं० 10, रोड नं० 32, क्लास-डी, पंजाबी बाग, एरिया मादीपुर, दिल्ली, क्षेत्रफल 279.55 बर्गगज।

मुधीर चन्द्रा

सक्षम ग्रिधकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2. दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख . 8-10-1982

प्ररूप बार्ड. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजीन रेंज, नई विल्ली कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०2/2-82/ 6750---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000 रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं॰ थी-8, है तथा जो राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पृथा कित सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्वरेश से उकत अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जम्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का -27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नितिस्त व्यक्तिसारें, अर्थात् —— (1) श्रीमती सावित्री टी० ग्रसरानी पत्नी श्री तिलक चन्द भीरज श्रसरानी निवामी-5 जे-12/16 राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरदियाल चन्द कैथ सुपुत्र श्री हीरा लाल कैथ, निवासी-230 घी मंडी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी अकरके पृशाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहिस्ताक्षरीं के पास लिखिन में किए जा सक<sup>3</sup>गे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्थिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, बहुी अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गमा हु<sup>1</sup>।

## ममुस्यी

एक मंजिला मकान प्लाट न० वी-8, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली ग्राम-ततारपुर, दिल्ली, तादादी 167.1/10 वर्गगज।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आपदार आयक्त (निरोक्षण) भ्रजैन रेज-2/दिल्ली, नई दिल्ली—110002

विनांक: 8-10-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) नई दिल्ली, दिनांक 8 भ्रक्तूबर 1982

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०2/एस०-श्रार-2/2-82/6735----ग्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० ए/131 है तथा जो शंकर भार्डेन, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके छ्रयमान प्रतिफल से, ऐसे छ्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी अग की बाबत. उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा चाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः अक, उक्त निपिनियम की भारा 269-ग के नन्सरण में, मैं, उक्त निपिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिसित् व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रूप चन्द्र सुपुत्र श्री उमराव सिंह निवासी—बी— 5/58 सफुदरजंग इनकलेव, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम निवास गुप्ता सुपुत्न श्री नथू राम गुप्ता निवासी--413 मेन बाजार, फस्ट फ्लोर, नजफगढ़, विल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृयोक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं॰ ए/131, एरीया 241.1/वर्ग गज, शंकर गार्डेन ग्राम-पोसंगीपुर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2,दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनांक: 8-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धार। 269-व (1) के प्रधीन मूचन

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली
कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० श्रार-2/2-82/6777--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक-55 और नया न० एम-7 है जो शिव नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अभ्वरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण जिविध र दृश्यमान प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण जिविध र दृश्यमान प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण जिविध र दृश्यमान प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण जिविध र दृश्यमान हो प्रियान ही किया गया दे ---

- (क) भन्तरण में हुई किसी माय की बाबत, सकत श्रीविनयम के प्रधीन कर वेने के प्रस्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रिया को जिन्हें भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1923 का 11) या जक्त अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म कं अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप-भारा (1) के अधीत्, जिम्मीलिङ्कित व्यक्तियां, अधीत्:---

(1) श्री रोशन लाल सुपुत्न श्री मोहन लाल, निवासी— डब्स्यू—जेड-218 शिव नगर, हरी नगर, एक्सटेनशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जमपाल सिंह सुपुत्र एस० रणजीत सिंह, निवासी-221/45ए, 'एस' ब्लाक, विष्णु गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के भ्रजन के लिएकार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाष्त्र होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त जन्दों ग्रीर पदों का, जो खक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्ज दोगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं प्लाट नं एफ-55 (पुराना) श्रौर एम-7 (नया) म्युनिसीपल नं डब्ल्यू-जेड-218 शिव नगर (हरी नगर एक्स) नई दिल्ली

मुधीर चन्द्रा. मक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2,दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक: 8-10-1982

गाहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - --

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अन्तूबर, 1982

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०--ब्रार-4/2--82/600----ब्रात: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम करावल नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल सो, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अभिनियम की भारा 269ष की उपधारा (1) के अभीन निम्मलिखित व्य<u>ष्टिसमों, अर्थात् :--</u>- (1) श्री श्रीराम, श्री हरकेश और श्री फूल सिंह, सुपुत्र श्री गुंगे, निवासी--ग्राम--गनोली, यूपी०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री खर्चेरू ग्रीर श्री मुंशी सुपुत्रगण श्री बात्तु, निवासी-ग्राम-करावल नगर, शाहदरा दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्, जो भी अविध्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्याय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्बों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित गया है।

श्रनुसूची

कृषि भूमि ताबादी 4 विष्टे 16 बिश्ये, खसरा नं 24/4/1 श्रौर 24/7/2, स्थापित—5—प्राम—करावल नगरः इलाका शाहदरा, दिल्ली—94,

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 4-10-1982

प्ररूप० भाई० टी० एन० एस०---

भाषकर भिक्षितियम, 1961 (1961 ा 43) की धारा 269-च (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार-4/2-82/ 572—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कीं, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-करावल नगर. दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण पूर्ण म्प मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम क दूष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित ही गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का छित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दूश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत धिक है भीर शस्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीध ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किस वहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की भावत त्रक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड़/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसित व्यक्तियों, नृष्ति :--

- (1) श्री गोबिन्द राम सुपुत्रश्री मूल चन्द, निवासी-8574/3 एरा काशन रोड़, राम नगर, पहाड़गंज, नई दिल्ली (ग्रन्सरक)
- (2) 1. कुमारी मंजु श्रग्नवाल सुपूत्री श्री णिव लाल, निवासी-251/3बी-1, ज्ञानदीप विद्या भवन भोला नाथ नगर, शाह्वरा, दिल्ली-32, 2. रघुबीर सिंह विशिष्ट सुपुत्र श्री बलवन्त सिंह निवासी-पाटी बाजीदपुर नियर ठाकुर द्वारा बाबत जिला-मेरठ यु०पी० 3. श्री सी०पी० गर्मा सुपुत्र श्री जे० श्रार० गर्मा निवासी नूर-नगर शिहानी गाजियाबाद यु०पी०,4. विनोद कुमार सुपुत्र श्री जगदीश प्रसाद निवासी-1/202 पाटी . बारे बरावत जिला-मेरठ यू०पी०,5. सीता राम सुपुत्र श्री घसीटे मल निवासी-ग्राम ग्रौर पो० कन्डेला जिला-मुजफ्फर नगर, यू०पी०, 6. श्रीमती सोयल बीरी पत्नी श्री सूरज भान निवासी-ग्राम ग्रौर पो० हिसावदा जिला-मेरठ (यु० पी०), 7. विजय कुमार सुपुत्र श्री भ्रतर सिंह निवासी--ग्राम श्रौर पो० मंडोला जिला⊶गाजियाबाद (यू० पी०), 8. श्री हर प्रसाद गर्मा सुपुत्र श्री घसीटा मल निवासी– ग्राम भ्रौर पो० दीहाई, जिला-गाजियाबाद (यू० पी०)। (भ्रन्तरिती)

को बह सूचना बारो करके पूर्वाना सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उन्त सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय <sup>1</sup>20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 5 बिघे 10 बिश्वे, खसरा नं० 34/18, 34/12, भौर 34/19, स्थापित—ग्राम—करावल नगर, छलाका शाह्दरा, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, मक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनांक: 4-10-1982

मोह्यू '

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० श्रार<math>-3/2-82/1968—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 11, है तथा जो हन्मान रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारेख फरवरी 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और म्भे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री छुष्ण कुमारः, देवेन्दर कुमार, सुरेन्द्र कुमार ग्रीर मुनीश कुमार सुपुत्रगण एल० चेला राम, निवासी--13 हनुमान रोड, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ० स्कीपर कन्सट्रक्शन क० प्रा० लि० 1,106, अशोका इस्टेंट, 24-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली द्वारा श्री के० के०, गैमखर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कर्रता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविध और में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्रत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाव्र सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति नं 11-हनुमान रोड़, नई दिल्ली, तादादी 370 वर्गगज (श्रन्दाजन) सिंगल स्टोरेड हाउस,

नरेन्द्र सिंह. सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-<sup>1</sup>, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक: 4-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अ<mark>धीन सूच</mark>ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 4 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-न्नार-3/2-82/ 1880--न्नतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रा. में अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० 26-बी, है तथा जो राजिन्द्र नगर, नई विल्ली (मेंन पूणा रोड,) में स्थित है (श्वौर इससे उप्गाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आश्रत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जचने में मृविधा के लिए; और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री राजिन्द्र नाग मेहता तुपुत्र स्थर्गाय था प्रभान चन्द मेहना, निवासी-13/36 डब्ल्यू-ई-ए-करॉल वाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री श्रो० पी० सोबती सुपुत्र स्वर्गीय श्री नन्द लाल सोबती, निवासी—2105 देश बन्धु गुप्ता रोड, करौल बाग, नई दिल्ली 2. श्री प्रेम सोबती सुपुत्र स्वर्गीय श्री नन्द लाल सोबती, निवासी—13/36 डब्ल्यू—ई—ए-करौल बाग, नई दिल्ली, 3 श्रीमती सरोज सोबती पत्नी श्री प्रेम मोबती निवासी—13/36 डब्ल्यू—ई—ए-करौल बाग, नई दिल्ली 4. श्रीमती सीमा सोबती पत्नी श्री कुलदीप सोबती, निवासी—2105 देश बन्धु गुप्ता रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में- कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसुची

बंगला कन्सट्क्टेड प्लाट नं० 26-बी, क्षेत्रफल-840 वर्गगण, स्थापित-राजिन्द्र नगर, मेन पुशा रोड़, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह, मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनार्क: 4-10-1982

अक्षय आई० डी० एन० एस

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धाए 269-च (1) के अधीन नुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 श्वन्तुबर 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर--3/2-82/ 1878---अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में इसके पश्चात् 'अक्त बिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के न्नधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूह्म 25,000/- वर्श न्नधिक 3

ग्रौर जिसकी सं शाप नं एम-1, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को प्वेंक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्व प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्तित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों अर्थात् :—— 21—316 GI/82

- (1) श्रीमती राग रमखी पस्ती स्वर्गीय श्री तिरलोक सिह, मार्फत प्रधान मार्केट, निरंकारी कालोनी, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री किशोरी लाल मेहरा 2. श्री सुशील मेहरा, 3. श्री सुभाष मेहरा और श्री ग्रहन मेहरा निवासी ई-238 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

शाप प्लाट नं० एम-1, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 4-10-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रक्तुबर, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू $\int 1/एस० श्रार-3/2-82/1949—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,$ 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'जक्त् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 90/70 ए बी, है तथा जो मालवीया नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (190 8 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कृप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल :--

- (1) श्री खैराती लाल थाथाई सुपुत्र श्री धर्म चन्द, निवासी— 7426 पटेल नगर, श्रबोहर, जिला फिरोजपुर, (श्रन्तरक)
- (2) श्री अमर नाथ सुपुत्र श्री शंकर दास, निवासी-90/70ए एंड बी, मालवीया नगर, नई विल्ली (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वन्स्ची

प्रो० नं० 90/70 ए—बी, क्षेत्रफल 200 वर्गगण, ¶मालवीया नगर, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1982

प्रकप् आर्षः टी. एन्, एस.-----

नाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के स्थीन स्मृना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रक्तूबर, 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-श्रार 3/2-82/ 1845-भातः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रू. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मीठापुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपित् के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहसमान प्रतिकल से, एसे दहसमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशृत वृधिक है और बंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निन्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि जिल्हा में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जुन्तरण वे हुद जिल्ली बाद की वादत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के वासित्य में कमी करने या उससे ब्यन में सुविधा के लिए; ज़र्दि/वा
- (क) प्रेती किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना बाहिए था, स्थिन में सुविधा के सिए;

बतः स्व, उक्त अधिनियम, की भारा 269-म के ननुबरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नभीन निम्मीतिम्ब म्यानिस्मृतं, नम्यानुर-- (1) धी कैंपिटल को-म्रोपरेटिव पोल्ट्री सोसाइटी लि० बी-22, महारानी बाग, नई दिल्ली द्वारा जी० ए० श्री के० डी० बनशी सुपुत्र श्री एल० डी० बनशी निवासी सी-20 विवेक विहार दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) सेन्द्रल ट्रेडर्स द्वारा सुजान सिंह सुपुत्न एस० भगवान सिंह, 51/2 डी० बी० गुप्ता रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्परितृ के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स्म्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वितयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गया है।

## नगृत्वी

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे 13 बिश्वे, खसरा नं० 102 (4-13), स्थापित-ग्राम-मीठापुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I विल्ली, नई विल्ली-110002

दिनोक: 4-10-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सुरकार

कार्यालय , सहायक आयक्त आयुक्त (निरक्षिण  ${f y}$ र्जन रेंज- ${f I}$ , नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० श्रार-3/2-82/1852—श्रतः मुक्को, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मीठापुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982।

को पूर्वा क्त संपत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नितियन व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) धी-कैपीटल को-भ्रोपरेटिय पोस्ट्री सोसाइटी लि० बी-22, महारानी बाग, नई दिल्ली द्वारा प्रधान श्री पी० श्रार० गुप्ता सुपुत्र श्री राम चन्द्र श्रग्रवाल, निवासी नं० 1, हेली रोड़, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीप बन्ना सुपुन्न श्री बी॰ एल॰ बन्ना निवासी-सी-1/ए, माडल टाउन दिल्ली

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिय के के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अम्स्ची

कृषि भूमि तादादी 7 बिघे 6 बिख्वे, खसरा नं 0.00/2 (2-10), 106/2(4-16), स्थापित-ग्राम-मीठापुर, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली/ नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 4 श्रक्तूबर 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार-3/2-82/1896—-ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मीठापुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अद्विधीनयम के अधीन कर बोने के अन्सरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिचित व्यवित्यों, अधीत् :--

- (1) श्री ज्ञान चन्द सुपुत्र श्री बलधारी, श्री पीलु सुपुत्र श्री भगवान सहाय, श्रौर श्री भुली सुपुत्र श्री भीका, निवासी--ग्राम-नेष पुल, तहसील-महरौली, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) वी कैंपिटल को-मापरेटिव पोलटरी लि॰ बी-22, महारानी बाग, नई दिल्ली

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मूत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 8 बिघे 2 बिख्वे, खसरा नं 0.131/1 (2-8), 132(3-4), 133/2(2-10), स्थापित-ग्राम-मीठापुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह, सक्षम श्रिधिकारी सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  $\pi$  श्रुंजन रेज- $\pi$  दिल्ली, नई दिल्ली $\pi$ 110002

दिनांक: 4-10-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रक्तूबर, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० ग्रार-3/2-82/ 1847—ग्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-गदाईपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1808 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वों कत संपृतित के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पृतित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक कम् से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कस्ने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उनत ग्रधिनियम, की धारा 269-घ के ग्रनुसरण में, मैं, उनत् अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री भगत सिंह, मदन मोहन, भोपाल सिंह ग्रौर वेद प्रकाश, सुपुत्रगण श्री मालु, निवासी-ग्राम-गदाईपुर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री हीम्मत मल बफाना सुपुत्र श्री सागरमल, निवासी 1939 शंकर टेरेस, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सुम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वांक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तार्रींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तु अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित् है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है ॥

## अनुसूची

हिस्सा 144/519, खसरा नं० 41(4-16), 105(4-16), 107(4-16), 108(4-16), 109(4-16), 131(4-16) 128(4-16), 129(4-16), 130(4-16), 225(4-16), 236/1(2-6), 236/2(1-12), ग्राम-गदाईपुर, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1982

मोहरः

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आयुकंर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निऱ्रीक्षण)
श्रर्जन रेंज • I , नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 भ्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार-3/2-82/ 1848-ंश्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर भणिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-गदाईपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके उर्यमान प्रतिफल से, एसे उर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत से अभिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरिंग से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरिक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/भा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) श्री भगत सिंह, मदम मोहन, भोषाण सिंह स्वौर वेद प्रकाण सुपुत्रगण श्री मालु, निवासी-ग्राम-गदाईपुर, नहसील-महरौली, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोती लाल कोठारी सुपुत्न श्री माल चन्द कोठारी निवासी-9-बी, सागर श्रपार्टमेंट, 6-तिलक नगर. नई दिल्ली

(भ्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों क्स सम्पृत्ति के अर्जन के तिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष्म
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

### मन्सूची

144/519, खसरा नंद 41(4-16), 105(4-16), 107(4-16), 108(4-16), 109(4-16), 131(4-16), 128(4-16), 129(4-16), 1/30(4-16), 225(4-16), 236/1(2-6), भौर 236/2(1-12), ग्राम-गदाईपुर, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1982

# प्रकम् नाइं टी. एन. एस. ------

आयुक्तर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### PARTY AND ADDRESS.

# कार्यक्त, तहायक बायक उ वायक (विद्रीक्ष)

श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 प्रक्तूबर, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० श्रार-3/2-82/ 1890--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा नया हैं), को भारा 269-इ के अभीन सक्तम प्राधिकारी का यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पद्धि, विद्वा उद्भित वाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-कपाशेरा, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को प्रवेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तर विक रूप में कथित नहीं किया गया है---

- (क) मृत्यरक वे हुई किसी शक्की नावत , उनक अधिकित के नवीत कार की के न्तरक के वासित् में कवी कारने वा कहते बजते में स्विधा के निए॥ मंडि/वा
- (व) ऐसी किसी नाम या किसी थन या नम्य आस्तियों काँ, चिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सरिका के स्वरंध

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निमिलित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सुलतान श्रीर शियूदन सिंह गुपुत्र श्री गापाल, निवासी-कपाशेरा, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा सिंह पत्नी श्री एम० नरेश्वर सिंह, निवासी-ए-10, फ्रेंड्स कामोनी, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

# उनत् सम्परित् के नुर्जन् के सुम्बन्ध् में कोई भी आक्षोपृत्त-

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स, व्यक्तियों में से दिकसी व्यक्ति प्रवास
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा व्यक्तिहासाही के पास विविद्य में किस का का किसी अन्य का किसी का स्थावन के स्थावन के स्थावन का स्थावन के स्थ

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## वनुसुची

कृषि भूमि तादादी 9 विघे श्रौर 13 बिश्वे, खसरा नं० 588 मीन (2-4), 599मीन(2-3), 592मीन(2-3), 593(मीन) (2-3), 589(1-0), स्थापित—ग्राम—कपाशेरा, तहसील—मेहरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंस-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1982

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक ४ श्रक्तूबर, 1982 निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार-3/2-82/ 1891--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-कपाशेरा, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए अम्लरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार पृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्षल का पत्दत्र प्रतिक्षत का प्रतिक्षल का पत्दत्र प्रतिक्षत प्रधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस पाया गया प्रतिक्षल, निम्मानिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किश्त नहीं किया गया है !---

- (क) खन्तरण से हुई किनी श्राम की बाबन उक्त धर्मिनयम के धर्मीन कर देने के धक्तरक के धर्मिक्य में क्यों करन या असस वक्ते में सुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी अप या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीवित्तियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भ्रतः अब, रुक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रवितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन जिल्लाकार प्रवित्त अर्थीम्:— 22—316 GI/82 (1) श्री सुलतान श्रौर शियोदान सिंह, सुपुत्र श्री गोपाल, निवासी-ग्राम-कपाशेरा, नई दिल्ली-37,

(ग्रस्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र नाथ पुरी सुपुत्र श्री के० एन० पुरी, निवासी-ए-10 फेंड्स कालोनी, नई दिल्ली (भन्तरिसी)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करना है।

इक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो मी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवीहस्ताक्षरी है पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त गडदों और पर्ता का, जा उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाबित हैं, बही धर्ष होगा जो उस अध्याव में विया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 7 बिथे श्रौर 15 बिश्ने, खसरा नं० 599(1-15), 592(1-15), 593(1-15), 589(0-18), 588(1-12), स्थापित—ग्राम—कपागेरा, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 4-10-1982

मोहर.

अरप आहें. टी एत एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-ध (1) को अधीन स्चना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 4 धक्युबर, 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करन का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० कृषि धूमि है तथा जो गाम-कपाशेरा, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उप बद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है) रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

की पूर्वा कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कित सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्समान प्रतिफल से, ऐसे एर्समान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एंसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक्कत, निम्निलिखित उब्बें रिया ये उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी कारने या उससे बचने में सृविध। के लिए; और/मा
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हां भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किथा गया था या जिल्हा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अमुसरण मो, मी, उक्त प्रथिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधीत:--- (1) श्री सुलतान श्रीर शियोदान सिंह सुपुत श्री गोपाल निवासी—कपाशेरा, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(क) श्री नरसिंह बहादुर सिंह सुपुत्र श्री श्रार० एस० जगदीश सिंह ।

निवासी---ए०-10 फेड्स कालोनी, नई विल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब वृष किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विधानयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्त्रची

कृषि भूमि तादादी 7 बिघे और 1 बिघे, खसरा नं० 590 (3-13), 597 (मीन 3-8,) स्थापित, ग्राम-कपाशेरा, तहसील,-महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली –110002

दिनांक: 4-10-82

प्रकप बाई विक एन • एस ----

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रवीत सूचना

भारत सरकार,

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एनयू०/1/एस०-श्रार०-3/2-82/1895 —श्रातः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

स्नायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्न प्रश्विनियम' कहा गया है) को धारा 269-अ के अधीन सझम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-स्पर्य से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है है तथा जो ग्राम कपाशेरा, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीक्रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उनित वाजार मूह्य से कप के दृश्यमा । प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वा । करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित वाजार मूह्य, इसके दृश्यमान प्रतिकत स, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्द्रह प्रतिशत सं ग्रीविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के जीन एसे पन्तरण के निए तय पाण गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की बाबस, उक्त स्राध-नियम के प्रधीन कर वेने के प्रन्तरक के दायिस्व में अमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर√या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

कतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सूलतान श्रीर शियोदन सिंह सुपुत्र ृंशी गोपाल निवासी---ग्राम---कपाशेरा, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गजेन्वर सिंह झला सुपुत्र एम० नरेश्वर सिंह झला, निवासी-ए-10, फेंड्स कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूं।

अन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी श्राक्षेप 1---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की सारी कि कि 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति होए;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिरुबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मकोंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्नत अधि-नियम, के प्रध्याय: 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में विध्य गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 8 बिघे श्रोर 18 बिघवे, खसरा नं० 593 मीन (0-18, 592 मीन (0-18), 599 मीन (0-18) 597 (1-8), 594 (4-16), स्थापित ग्राम—कपाशेरा तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र, सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 4-10-1982

प्ररूप् आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक : 4 अन्तूबर 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/एस०-ग्रार०-3 2-82/1948--ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कपाशेरा, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरणः सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री जगन्नाथ सपुत्र स्वर्गीय श्री टीका राम, निवासी—-ग्राम-कपागेरा, नई विल्लो-37 (ग्रन्तरक)
- (2) मैं० राजा फार्मस एण्ड डेनलपमेट क०, 45दी-माल, श्रमृतसर (पंजाय) द्वारा उनके पार्टनर श्री रणजीत मेहरा सुपुत्र श्री डी० सी० मेहरा निवासी—47-दी माल, श्रमृतसर (पंजाय) वर्तमान निवासीय-एम-7, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस रों 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्स में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

भनुसूची कृषि भूमि-म्राधा भाग-टोटल-19 बिघे 16 16 बिश्वे,

खसौनी नं०	खसरा नं०	बिधे	बिश्वे
63	387/2	2	10
	389	4	16
	423	4	16
161	388/2	2	12
	433	4	16
*385 मीर 387/1			6
	टोटल टोटल	19	16

(\*385 फ्रोर 387/1 भाग भूमि का (1/3 भाग---17 विश्वे में)

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

विनांक 4-10-82

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रक्तूबर, 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार-3/2-82/1947--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का आउण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कपागेरा, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नितिश्वित उद्धिष्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्त-

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत उक्त बधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे ब्यूने में सुविधा के लिये बीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जा चाहिए था, छिपाने में सृविधा से सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थीक्त्यों, अर्थातः——

- (1) श्री नन्द किशोश सुपुत्र स्वर्गीय श्री वेदराम, निवासी—ग्राम-ग्राम-कपाशेरा, नई दिल्ली।
- (2) मैं० राजा फार्मस एण्ड डेबलपमेट कं०

  45-दी माल, अमृतसर (पंजाब) द्वारा उनके पार्टनर
  श्री रणजीत मेहरां सुपुत्र श्री डी० सी० मेहरा,
  निवासी--47 दी-गाल, श्रमृतसर, पंजाब,
  वर्तमान निवासी--एम०-7 ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।
  (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य न्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि—-श्राधा भाग, टोटल भूमि ---19 बिघे ग्रौर
16 विश्वे,

	खतीनी	खसरा नं०	<b>লি</b> ছী	विषवे
63	387/2		2	10
	38	9	4	16
	42	3	4	16
61	38	8/2	2	12
	43	3	4	16
	* 385 श्रीर 387/1			6
			19	16

[\*385 मौर 387/1 भूमि (1/3 भाग की भूमि 17 विश्वे, में)]

ृतरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 4-10-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श्र (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 4 अक्तूबर 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार. -3/ 2-82/1856--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—जोनापुर, नई विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजि-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री फकीरचन्द सुपुत्र श्री ठकरिया निवासी—ग्राम-जोनापुर, नई दिल्ली

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमतो उदया-कौर पत्नी श्री हरदेव सिंह निवासी—नं० 2, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई विल्ली (झन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

कृषि भूमि ताबादी 6 बिषे ग्रौर 12 बिग्वे, एम० नं० 14, किला नं० 22/2(3-0), 23 मीन (3-12), ग्राम-जोनापुर, तहसील, महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-82

६७ प कार्ष. टी. एन्. एस. ----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 भ्रम्तूबर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-मार०-3/2-82/1858--मतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

शासकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—जोनापुर, तहसील— महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरितों (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ कर उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात.—

(1) श्री देवेन्दर गुप्ता सुपुत्र श्री प्रह्लाव राय गुप्ता निवासी---24/1ए० बंगला फ्लैट्स, फरीवाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं माथुर मार्केटिंग प्रा० लि० 201-202, दीपाली, 92 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली द्वारा एम० डी० श्री वी० के० माथुर । (श्रन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हु<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मृत्**सूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिधे धौर 3 बिष्वे, एम० नं० 32, किला नं० 17, स्थापित-ग्राम-जोनापुर, तहसील-महरौली नई विस्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 4-10-82

मोहुर्:

प्रकप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च(1) के अभीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार०-3/ 2-82/1859-श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भूगा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विजन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई विल्ली मे रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रिक्तिल को लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों के बाद प्रदेश से उच्छ बन्तरण मिसित में बास्तिवक रूप से कृषित नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायत्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, संश्रीत् :—

- (1) कैन्द्रन बी० के० शर्मा सुपुत्र श्री जी० एल० णर्भा, निवासी—के-33, हौजखास इनक्लेब, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मैं . माधुर मार्केंटिंग प्रा० लि०, 201-202 दीपाली, 92-नेहरू प्लंस, नई दिल्ली, द्वारा-एम० डी० श्री ती० के० माथुर ।

(धन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित् के अर्जन के लिए कार्यवाद्यिमां करता हूं।

उनत संपरित के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (स्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी की पास निवित् में किए जा सुकेंगे।

स्युष्डीकर्णः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो कि अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूनि . पौर 14 बिश्वे, एम० नं० 33, किला नं० 11(4-16), 12/1(0-18), स्थापित-ग्राम-जोनापूर, तहसील-मेहरौली, नई विल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांकरूँ: 4-10-1982 मोहर: प्रक्ष बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष(1) के भन्नीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रर्जन रेंज-[ नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 ग्रक्तुबर 1982

निवेश सं० आई० ए० सी०/एल्यू/1/एस. आर-3/2-82/1860—यतः मुस्रे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा थया है), की घारा 269क्त के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-४० से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—जोनापुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय मा किसी धन या धम्य भारितयों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सुर्धात् ः---- 23—316GI/82

- (1) क० वी० के० भर्मा सुपुत्र श्री जी० एल० सर्मा, निवासी—के०~33, हौजखास, इनक्लेव, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) मैं भाषुर मार्केटिंग प्रा० लि०, 201-202 दीपाली, 92-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, द्वारा मैनेजिंग डाइरेक्टर श्री वी० के० माथुर।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्र=

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा "करेंगे।

स्पष्किष्णः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रथं होगा जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

## ग्रनुसूची

कृषि भूमि तादादी 5 विघे ग्रीर 12 विघ्ये, एम० नं० 33, किला नं० 9/3(1-3), 10(4-9) स्थापित—ग्राम—जोनापुर, तहसील—महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह + श्रम प्राधिकारी + सहायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण + श्रजीन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 4-10-82

## प्ररूप भाई। टी। एन। एस।---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) को अधीन संभाना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक्त आयुक्त (निरक्षिण) प्रजैन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रक्तूबर, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार०-3/ 2-82/1861---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थार सम्बंध, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. सं अभिक है

ग्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-जोनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक फरवरी. 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मे लिखित थास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) कल्पण में हाइ किसी श्राय गी बायल, उक्त अधिनियम के प्रधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केशी करन या उससे सचने में मृतिभा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बुधीन, मिम्निसिसित स्पिक्तियों, अर्थातः—- (1) श्री राजीव श्रम्रवाल सुपुक्ष श्री श्रार० सी० श्रम्रवाल निवासी—बी०-4/58 सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं । माथुर मार्केटिंग प्रा । लिं । 201-202 वीपाली, 92-नेहरू प्लेस, नई विल्ली, द्वारा एम । डीं । श्री बीं । के । माथुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृत्रोंक्त सम्मृत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहें भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन करें। सारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळकिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिथे और 16 बिथ्मे, एम० नं० 32, किला नं० 15/1(2-8), 15/2(2-8), स्थापित—ग्राम— जोनापुर, तहसील—मेहरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-10-82

प्रस्प आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 4 प्रक्तूबर 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार-3/2-82/1862-श्रतः मुक्षे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, तहसील मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत में अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिव्ति उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निव्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, में अधीन कर देने के सम्बद्ध के द्वायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम; या धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ अन्तारती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः भन, उन्त अधिनियंत की धीरा 269-ग के अन्-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री मनिल मग्रवाल सुपुत्र श्री श्री मार० सी० मग्रवाल निवासी—वी०-4/58 सफदरजंग इनक्लेच, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं माधुर मार्केटिंग प्रा० लिं०, 201-202 दीपाली, 92-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, द्वारा मैनेजिंग आयरेक्टर श्री वी० के० माधुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीचा से 45 बिन की श्रवृक्षि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचका की तामील से 30 दिन की श्रवृक्षि जो भी श्रवृक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीज से
  45 विन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में
  हितवद किमी धन्य स्यनित द्वारा, प्रकोहस्ताक्षरी
  के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण ।--- इसमें प्रयुक्त मक्बों भीर पदौँका, को उनल ग्रीजनियम के मध्याय 20-क में परिचालित हैं, वहीं ग्रर्व होगा को उस ग्राच्याय में दिया गया है।

## **प्रमुसूची**

कृषि भूमि तादादी 7 बिघे श्रौर 1 बिग्वे, एम० नं० 32, किला नं० 6 (4-9), 7/1(2-12), स्थापित-ग्राम-जोनापुर तहुसील-महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली— 110002

दिनांक : 4-10-1982

प्ररूप ग्राई० टी• एन• एस०----

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- , नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 ग्रक्तूबर 1982 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस०-ग्रार०-3/ 2-82/1926--ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

श्रायकर अधिनियम, 1931 1081 का 13 (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन मञ्जम श्राधिकार को, पर्वावश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसार उचित बाजार मून्य 25,000/-फ से श्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रुजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रिविनियम, 1908 (1908 16) के स्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उंसके दृष्टान पनि हुन से ऐर दृष्टान पनि हुन का पन्द्रद्र प्रशिवन से स्थित के स्थित का उचित् का पन्द्रद्र प्रशिवन से स्थित के स्थाप प्रनारक (प्रन्तरका) और प्रन्तरिती (पन्तरितिया) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिकत, निन्निविधा अदेश में उत्तर प्रमन्तरण लिखित में वैस्तिक का से हिया नहीं किया गया है

- (क) ग्रन्तरण ये नुई किया न्नाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या स्तसी बचने में सुविधा के लिए; खोर/या
  - (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय सायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, जिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निष्किलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री देवकरन सुपुत्र श्री राखीया निवासी—-ग्राम-जोनापुर, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रणजीत सिंह काल्हा सुपुत श्री ग्रजीत सिंह काल्हा, निवासी---दुवाबा श्रसफ श्रली, श्रमृतसर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इप ग्वना के राजपत्र में प्रकाणन की तारी के से 45 दिन के भी तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे, एम नं० 29, किला नं० 5मिन, ग्राम-जोनापुर, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-10-82

प्ररूप भाक्षे जी एन एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज- ।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रम्तूबर 1983

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-भ्रार०-3/ 2-82/1927—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राक्षिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ध्वौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को प्यांक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्म ही और मूमं यह विद्यास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त राम्पत्ति का उन्चित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल का पत्सह प्रतिशत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरक) और अन्सरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की आवत, उत्कल अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे ब्यने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री किणन लाल सुपृत्न श्री राखीया निवासी----ग्राम-जोनापुर, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रणजीत सिंह काल्हा सुपुत श्री श्रजीत सिंह काल्हा । निवासी—-दुवाबा श्रसफश्रली, श्रमृतसर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्रन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्यंवंदी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसुची

कृषि भूमि तादादी 4 बिधे, एम० नं० 29, किला नं० 4, मिन, ग्राम—जोनापुर, नई विल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय्कर** आय्क्त (निरक्षिण) भ्रर्जन रेंज-<sup>1</sup> दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-10-1982

मोहर :

10 mg/ , 200

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 4 श्रक्तूबर, 1982

निर्देश सर आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 2-82/1928—श्रत. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पक्ष्मातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रत. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० कृषि भृमि है तथा जो ग्राम-जोनापूर, तहसील-महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपावत श्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ऋधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक फरवरी, 1982

को पुत्रों कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए असरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स., ए से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; भौर/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्यः आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए 🗅

(1) श्री श्यामपाल सुपुत्र श्री रखीया निवासी--ग्राम-जोनापूर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

भाग III--- खण्ड 1

(2) श्री रणजीत सिंह काल्हा सुपुत्र श्री ग्रजीत सिह काल्हा निवासी--द्रवाबा श्रासफश्रली, श्रमतसर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रपष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# म्मूस्यी

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे, एम० न० 28, किला न० 1 मिन, स्थापित-ग्राम-जोनापुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिष्ठ सक्षम ग्रधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I विल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनाक . 4-10-82

मोहर:

# प्रकप आई• दी• एन• एस०-

आयकर कांबिनियन, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के श्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज। नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रम्तूबर, 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० कृषि भूषि ग्रैपिश को का निर्मान तह किला महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्षण निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बाम्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री राम रतन सुपुत्र श्री रखीया निवासी—पाम—जोनापुर, तहसील—मेहरौली नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रणजीत सिंह काल्हा सुपुत्र श्री ग्रजीत सिंह काल्हा निवासी---दुवाबा ग्रमफग्रली, ग्रमृतसर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए एतव्युवारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्वन के संबंध में कोई मी बाक्षेप 1---

- (क) इस सूचना के राजरण ने प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 विन की धन्छि, जो भी पर्वाध
  बाद में समाप्त होती हो, क भीतर प्रकार व्यक्तियाः
  में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (का) इस सूजता के रावरा में प्रसात के सारीका से 45 दिन के भीतर जकत स्थापत संपत्ति म हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नाहस्तानगी के पास विजिध में दिस के सहसे।

स्पन्दीकरण :---र्भर प्रमुक्त शब्दों और पदों का जा 'छन-अधिनियम' के अध्याय 20-क में रिभाषित हैं, बही अबं दोगा, जो उस यहपाय में दिया गया है !

# मन्स्वी

कृषि भूमि तादादी 4 बिधे भौर 2 बिश्वे, एम० नं० 28, किला नं० 1-मिन (0-16), 10/1 (0-16), एम० नं० 29, किला नं० 3/2 (0-18), 4 मिन (0-16), 5 मिन (0-16) ग्राम-जोनापुर, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली 1

नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज । दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-10-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज ।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 अन्तुबर, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/।,एस०-श्रार०3/2-82 1930--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-जोनापुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावन्न ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिक्त को गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्षेष्य से उच्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्थि। के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जमदेय सिंह सुपुत्र श्री राजदेव सिंह निवासी—2-कस्तूरश्रा गांधी माग, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री बलजीत काल्हा सुपुत्नं श्री रणजीत सिंह काल्हा निवासी—दुवाबा श्रसफश्चली, श्रमृतसर । (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तस्में बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्दीकरण: ---इसमे प्रयायत शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

# अन्सूघी

कृषि भूमि 2 बिघे श्रौर 16 बिग्ने-एम० नं० 29, किला नं० 2/2, स्थापित-ग्राम-जोनापुर, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली–110002

विनांक : 4-10-82

माहर:

# प्रकृप भाई • टी • एन • एस • --

# आयकर मसिनियम, 1961 (1981 का 43) की छारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 भ्रक्तूबर, 1982

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-न्नार०-3/2-82/1931--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को षष्ट्र विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-इ० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-जोनापुर, ितहसील-महरौली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन विनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्मिल के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिल का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिणत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त धग्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, चक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के मस्तरक के दाधिस्व में कमी करवे या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर घाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घाधिनियम, या धनकर घाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अधीन, —— 24—316 GI/82

- (1) श्री जसदेव सिंह सुपुन्न श्री राजदेव सिंह नित्रामी—-2-कस्नूरबा माधी मार्ग, नई विल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बलजीत काल्हा सुपुत्र श्री रणजीत सिंह निवासी—दुवाबा ग्रमफग्रली, ग्रमृतसर । (ग्रन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्मति के प्रजेन के जिएकार्यवा**हियां करता हं**।

# उन्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बर्ध में कीई भी पाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जी भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूजना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पदौँ का, जो जनत अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, बही प्रश्रं होगा भी छस ग्रध्याय में दिया बया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 3 बिघे ग्रौर 12 विश्वे, एम० नं० 29, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनोंक : 4-10-1982

मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयु, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>5</sup>ज~।, बम्बद्द<sup>£</sup>

वम्बर्ड, दिनांक 27 सितम्बर 1982

निदेश सं. ए. आर. 1/4673/82-83---आतः म्फो, आर. के बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000 / रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 658, न्यू सर्वे नं. 1109 (पीटी) है तथा जो दादर मार्ट्या इस्टेट में स्थित है (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 12-2-1982 डाक्सेट नं. बाम्बे 784/81

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूर्व्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल का प्रवह प्रतिशत से अधिक है और प्रम्तरक (प्रम्तरकों) भीर प्रम्तरिती (प्रम्तरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्त्विक कप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत छक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बाबिस्थ में कमी करने या उससे बजने में सुविद्या के सिए। जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या मनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ गन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के लिए।

धतः पन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के चनुसरच में, में, उक्त अधिनियम की बारा 262-व की उनवारा(1) के ग्रान, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत्:--

- (1) श्रीमती मणीजेह ठाकारेजाल बोमन (अस्तरक)
  - .
- (2) कियोर प्रापदींज निमिटंड, माडोनी । (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव,र संपरित में हितबद्ध किसी अन्य विकतयों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित

# **बन्**स्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या बाम्बे 784/81 और जो उप-रिजस्ट्रार बम्बर्घ व्वारा वि. 12-2-81 की रिजस्टर्ड किया गया है।

आर. को. बकादा सक्तम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अम्बर्डा

तारीस : 27-9-1982

मोहर:

### संघ लोक सेवा आयोग

# मोटिस

# राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, मई, 1983

#### नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर, 1982

सं० फा० 7/3/82—प०—1 (ख)—-राष्ट्रीय रक्षा अकावमी के यल-सेना, नौसेना तथा वायु सेना स्कंधों में प्रवेश हेतु, जनवरी, 1984 से आरम्भ होने वाले 7 वें सक के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 19 मई, 1983 से एक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित ंख्या 300 (बल सेना के लिए 195, नौसेना के लिए 39 और वायु सेना के लिए 66) होगी।

ह्यान वें: -- उम्मीदियार को आवेदन-पन्न के कालम 8 में यह स्पष्ट कृप से बतलाना होगा कि यह किम सेवाओं के लिए वरीयता कम में विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह वी जाती है कि यह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता कम म उसके रैंक को ध्यान सें रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भलीभांति विचार किया जा सके।

उम्मीवबारों को ध्यान रखना चाहिए कि केवल उन्हीं सेवाओं पर उनकी नियुक्ति हेतु विचार किया जाएगा जिनके लिए वे अपनी वरीयता ध्यक्त करते हैं अन्य सेवा या सेवाओं पर नहीं। उम्मीववार द्वारा अपने आवेवन प्रपन्न में पहले निविध्ट वरीयता में वृद्धि/परिवर्तन के अनुरोध को आयोग स्वीकार नहीं करेगा।

आयोग द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा जयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीववारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षा के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त कोर्स में प्रवेश विया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली, स्तर और पाट्यक्रमों, (ख) अकावमी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) सब्द्रीय रक्षा अकावमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना से संबंध में कमशः परिणिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

नोट:—परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्न पन्नों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे । नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट V में "उम्मीदवारों को सूचनार्य विवरणिका" देखा सें।

2. परीक्षा के केन्द्र: अगरतला, अहमवाश्राव, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, सोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, विल्ली, विसपुर (गोहाटी), हैवराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनक, मब्रास, नागपुर, पणजी (गोआ), पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और विवेन्द्रम।

आयोग यदि चाहे तो उन्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उन्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्य के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए आएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवल किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रथेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारो दे दी जाएगी (बीचे पैरा 11) देखिए।

उमीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध को सामान्यतथा स्वीकार नहीं किया आएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक हेवा आयोग को इस बात था पूरा औचित्य बताते हुए एक पक्ष रिलस्टिड काल

से अवस्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु, 19 अप्रैल, 1983 के बाव प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया आएगा।

## 3. पाइता की शर्ते:

# (क) राष्ट्रीयताः

उम्मीवबार या तो---

- (i) भारत का नागरिक हो; या
- (ii) भूटान की प्रजाहो; या
- (iii) नेपाल की प्रजाहो; या
- (iv) भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे में 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिस्थती शरणार्थी हो; या
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा, तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानीका और जंजीबार) जाम्ब्रिया, मलाबी, जैरे तथा इथियोपिया और वियतनाम से प्रव्रजन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv) और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पान्नता प्रमाण-पक्त प्रदान किया हो ।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदबारों के लिए यह पास्रता प्रमाण-पक्त भावश्यक नहीं होगा।

- (ख) आयु सीमाएं, लिंग और वैवाहिक स्थिति : केवल वे ही स-विवाहित पुरुष उभ्मीववार पास हैं जिनका जग्म, 2 जुलाई, 1968 को या उनके बाव तथा पहली जनवरी, 1968 को या उससे पहले ही हुआ . हो !
- नोट: जन्म की तारी वा केवल वहीं मान्य होगी जो मैद्रिकुलेशन/हायर सैकेव्यारी या समकक परीक्षा प्रमाण-पन्न में लिखी गई हो।
- (ग) शैक्षिक घोग्यताएँ: राज्य शिका बोर्ड या मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय की हायर सैकेण्डरी परीक्षा या समकक्ष । वे उम्मीदवार धी पाल हैं जिल्होंने स्कूली शिक्षा की 10 1-2 प्रणाली के अन्तर्गत 11थीं कक्षा की परीक्षा पास कर ली है।

ऐसे उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने अभी हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा था स्कूली शिक्षा की 10 1/2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं परीक्षा पास करनी है।

सेवा चयन बोर्ड के साकात्कार में अहँसा प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को 30 विसम्बर, 1983 तक अपने मैद्रिकुलेशन एवम/या हायर सैकेण्डरी या समकक प्रमाण-पक्ष मूल रूप में सेना मुख्यालय रिकृटिंग 6 (एस० पी०) (ए०), वेस्ट ब्लाक 3, आर० फे० पुरम, नई विल्ली—110022 को प्रस्तुत करने होंगे। ऐसा न करने पर अनकी उम्मीववारी रह्न कर दी जाएगी। ऐसे मामलों में जहां बोर्ड/विश्वविद्यालय के द्वारा अभी तक प्रमाण-पक्ष जारी नहीं किए गए हों, शिक्षा संस्थाओं के प्रधानाचार्य के द्वारा विए गए मूल प्रमाण-पक्ष भी आयोग को स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पक्षों की प्रमाणित सत्य प्रतिविधियां/कोंडोस्टेट प्रतियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

अपनाद की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस तियम में निर्धारित योग्यताओं से युक्त न होने पर, भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है क्यातें कि उसके पास ऐसी योग्यताएं हों आयोग के विचार से जिनका स्तर, उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित ठहराता हो।

नोटः — के उम्मीदवार जिन्हें हायर सैकेंप्यरी या समकक्ष परीक्षा में अभी आहेता प्राप्त करनी है और जिनको संच लोक सेवा लायोग ने परीक्षा में बैठने की अनुमति वे दी है, नोट कर जो कि उनको दी गयी यह विशेष छूट है। उन्हें हायर सैकेण्डरी भा समकक परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख सक प्रस्तुक्ष करना है और बोडं/विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजित किये जाने, परिणाम बोबणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध कोई स्वीकार नहीं किया खायेगा ।

कीट 2:--को उन्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कभीशन से अपविकत हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पान नहीं होंने। अगर प्रवेश दें दिया गया सो उनकी उम्मीद-वारी रह की जाएगी .

आमेवन के साथ देय गुल्क :- य॰ 28.00 (अट्टाईस रुपए) [धनुसूजिस जातियो/अनुसूजिस जन जातियों के लिए ४० ७.00 (सात स्थए)]। जिम आमेवन-पक्षों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, जनको एकवम अस्वीकार कर विया जाएगा।

- 5 सुल्क से छूट:—(i) आयोग, यदि चाहे तो निर्धारित शुल्क के छूट से सकता है जब उनको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक कूलपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुत: विश्वापित व्यक्ति है भी 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में सारत में प्रवलन कर आया या या भूतपूर्व पिष्मिमी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है तथा पहली जनवरी 1971 और 31 मार्च 1973 के बीच की अवधि के दौरान भारत प्रवलन कर चुका था या वह बमी से बस्तुत: प्रत्यावतित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाव भारत में प्रवलन कर आया था या वह बीलंका से बस्तुत: प्रस्थावतित मारतीय व्यक्ति है जो अक्तुबर, 1964 के भारत-बीचंका समझौते के अंतर्थत । नवस्वर, 1964 को या उसके बाद भारत में आया था या आने बाला है और निर्धारित गुरुक देने की स्थिति में नशी है।
- (2) यल सेना के जूनियर कमीणन्छ अफसरो, नान-कमीशंन्छ अफसरो तथा अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों और घलसेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशन्छ अफसर, जूनपूर्व नान-कमीशन्छ अफसरों तथा भूतपूर्व अन्य रेंकों और मारतीय हैं सेना तथा भारतीय वायु सेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों को उस स्थिति में निर्धारित शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्नलिखित शर्में पूरी कर देते हैं, अर्थात्
  - (i) वे मिलिट्री स्कूलों (पहुले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से बात)/विनिक स्कूल सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पारहें हैं, और
  - (ii) जनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिसियक द्वारा इस अनुशासा के साथ अग्रेषित कर दिये जाते हैं कि छनके लिखिल प्रश्न-पत्नों में कुल अंकों के कम से कम 30 प्रतिस्तत अंक प्राप्त करने की बाशा है।
- नोड: -- मिलिट्री स्कूलों/सैनिक स्कूलों के उम्मीवबारों के सम्बद्ध स्कूलों के प्रधानावायों द्वारा अग्रेषित आवेदन-पत्नो की सबी-क्षा आयोग के कार्याख्य में यह निश्वय करने के लिये की जाएगी कि नया ऐसे उम्मीववार उपर्युक्त मोटिस के पैरा 5 (2) के अन्तर्गत गुरूक से कृट के हकदार हैं। किन्तु मिलि-टरी स्कूलों/सैनिक स्कूलों के प्रधानावायों को अपने स्कूल के विद्यापियों के आवेदन पत्न आयोग को अग्रेषित करने से पहले सतुष्ट हो लेना चाहिए कि वे मोटिस की उक्त व्यवस्था की अपेक्षाओं की पूरा करते हैं। आयोग प्रधानावायों के कृताकृतों के लिए उत्तरदायी महीं होगा ।
- 6. आवेदन कैसे किया जाए:—केवल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा मई, 1983 के लिए निर्धारित प्रयक्ष में छने हुए आवेदन-पत्न ही लिए जाएंगे को इस परीक्षा क नोटिस के साम लगे हुए हैं । अविद्यन-पत्न

भर कर सिषक, संघ लोक सेवा आयोग, श्रीलपुर, हाउस, नई दिल्ली-110011 को मेजे आने जाहिए। धानेवन प्रपक्त और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं:---

- (i) संघ लोक सेवा आयोग के समिथ को दो उपये मनीआर्थर मा नई विरुखी प्रधान वाकषर पर देव रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्थर द्वारा वेथा कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, झौल-पुर, हाउस, नई विल्ली-110011 के यहां से छ।क द्वारा;
- (ii) दो इपये मकद देकर आयोग के कार्यालय के काउ ocर पर;
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/सब एरिया मुख्या-लय / बायु सैनिक चयन केम्ब्रों, एभ०सी०सी० एकक तथा नीवेना प्रतिस्थानों से निजुल्क ।

आवेदन प्रपत्न संया पावती कार्ब उम्मीदवार अपने हाथ से ही स्पाही या बाजपैन से भरे। सभी प्रविध्धियां सब्बों में होनी चाहिए, रेकाओं मा विन्कुओं में नहीं। बचुरा या गलत भरा हुआ आवेदन पत्न रह कर दिया जाएमा ।

उम्मीवनार यह ज्यान रखें कि मानेवन पत्नों को भरते समय भारतीय कंकों के अन्तर्राष्ट्रीय कप (अर्थात् 1, 2, 3, आदि) का ही प्रयोग किया जाना है। बाहे माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्न या इसके समकक प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीज हिन्दी बंकों में लिखी हो तो भी उम्मीद-वार यह सुनिश्चित कर से कि वह जो आवेवन-पत्न प्रयोग में लाता है उसमें इसकी प्रविष्टि करते समय भारतीय अंकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग करें। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेवन-पत्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाङ्य हों। यदि प्रविष्टियां स्पष्ट में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाङ्य हों। यदि प्रविष्टियां स्पष्ट या भ्रामक होंगी तो उनके निर्वचन में होने वाले भ्रम तथा संविग्धता के लिए उम्मीवशार उत्तरवायी होंगे।

उम्मीववारों को स्थान रखभा चाहिए कि आयोग धारा आवेदन-पल में उनके द्वारा की मई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पल आदि स्वीकार महीं किया जाएगा । इसीलिए उन्हें आवेदन पत्न सही कप में मरने के लिये विशेष सावधानी बरतनी चाहिए ।

नधी उम्मीदवारो को, चाहे वे सरकारी स्वामिस्व वाले श्रीद्योगिक उपकर्मों या उसी प्रकार के सगठमों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हो, आयोग को सीघे आवेदन-पक्ष भेजने जाहिए । अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन पक्ष अपने नियोक्ता के द्वारा धेजा ही और वह संध लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचे तो उस आवे-दन पक्ष पर विचार महीं किया आएगा, धले ही वह नियोक्ता को आबिरो तारीच के पहले प्रस्तुत किया गया हो ।

क्षोक उपक्रमों में सेवारत व्यक्तियों से यह अपेक्षा की जाती है कि उन्होंने अपने कार्यालयाध्यक्ष/विद्यागाध्यक्ष को लिखित कप सें सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए अविदन किया है।

जम्मीवशारों को यह भोट कर सेना चाहिए कि यदि आयोग की जम्मीवशारों के नियोक्साओं से कोई पक्ष उम्मीवशारों को परीक्षा हेतु अविवन करने/प्रविष्ट होने से रोकने के लिए प्राप्त होता है तो ऐसी स्थिति में उनके आवेदन पक्ष को अस्बीकृत कर दिया आएगा/उम्मीवधारी रह कर दी जाएगी।

जो उम्मीदबार समस्य सेना में सेवारत हैं, उन्हें अपने आवेदन-पद्ध अपने कर्मांडिंग आफिसर को प्रस्तुत करने चाहिए जो पृष्ठांकन (आवेदन-पद्ध के काम "ख" के अनुसार) को पूरा करके आयोग को अवेबित करेंगे।

नोड:---- भारतीय नौ सेना के नाविक वाल या कारीगर प्रशिक्षु सहित पहली सरजीह भारतीय नौसेना को दे । उसके आवेदनों पर सभी विचार होगा जब ने कमान अफसर द्वारा विधिवत् अनुसक्षित कर दिए जाते हैं । राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कालेज (पहले सैमिक स्कूल के नाम से ज्ञात) देहरादून के कैंडेटों, मिलिटरी स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से ज्ञात) तथा सैनिक स्कूल सोसायटो द्वारा चलाये जा रहे सैनिक स्कूलों के विद्यार्थियों को कालिज/स्कूल के प्रिंसिपल के माध्यम से अपने आवेदन पक्ष भेजने भाहिए ।

7. मरा हुआ आवेदन पत्न आवश्यक प्रलेखों के साथ सिन्न, संग लोक सेना आयोग, घौलपुर हाउस नई विल्ली—110011 को 3 जनवरी, 1983 से पहले किसी तारीख में असम, मेघालय, अवणानल प्रवेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, ब्रिपुरा, सिक्कम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग. हिमाचल प्रवेश के लाहौल और स्पीति जिले, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले और जिनके आवेदन-पत्न उपर्युक्त में से किसी भी क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उन उम्मीववारों के मामले में 17 जनवरी, 1983 तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा विया जाए या स्वयं आयोग के काउण्टर पर आकर जमा कर विया जाए। निर्धारित तारीख के बाव प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेबालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैण्ड, लिपुरा, सिक्तम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल धीर स्पीति जिले, अंडमान और निकोशार धीपसमूह या लक्ष-धीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखिस प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि वह 3 जनवरी, 1983 से पहले की तारीख से असम, मेघालय, भ्रषणा-धल प्रदेश, मिजोरम, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू धीर कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश, के लाहौल और स्पीति जिले, अंडमान और निकोशार धीपसमूह या लक्षदीप या विदेशों में रह रहा था।

- डिप्पणी (i) जो उम्मीदियार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने धाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन-पश्च के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार हलाके या क्षेत्र का माम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मृ तथा काश्मीर राज्य का लहाख प्रमाग आदि ) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यया हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाम न मिले ।
- बिष्पणी (श) उम्मीदवारों को सलाह वी जाती है कि वे प्रपन मायेवन पक्ष को स्थयं सं० लो० से० मा० के काउण्टर पर जमा कराएं भ्रथवा रजिस्टर्क डाक द्वारा भेजें। मायोग के किसी भ्रन्य कर्मचारी को दिए गए भाषेवन पत्नों के लिए मायोग उसर-दायी नहीं होगा।
  - 8 प्रलेख जो घावेदन के साथ प्रस्तुत हो:--

## (क) सभी उम्मीदवारों द्वाराः —-

ग) द० 28.00 (श्रद्ठाईस रुपए) [श्रनुसूचित जातियों/श्रनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए द० 7.00 (सात रुपए)] का गुरूक जो सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग को नई दिल्ली श्रधान बाक घर पर देय रेखांकित मारतीय पोस्टल ग्राईर के अरिये या सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग के नाम मारतीय स्टेट बैंक मुख्य गाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक के किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक बुाफ्ट के जारये ।

िंडप्यां :--- उम्मीदवारो को प्रपने प्रावेदन पत्र प्रस्तुत करते समय वैक कृष्ट की पिछली घोर सिरे पर प्रपना नाम तथा पता लिखना चाहिए । पोस्टल धार्करों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल धार्कर के पिछली घोर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर धपना नाम तथा पिता लिखें।

विवेक में रहते वाने उम्मीयनारों को चाहिए कि वे अपने यहाँ के सदल के उच्च धायुक्त, राजदूत या विवेग स्थित प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, के कार्याजय में निर्धारित शुल्क इस धनुरोध के साथ जमा करें जिससे वह ''051 लोक सेवा धायोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीव धावेवन-पत्न के साथ भेज वें।

(ii) धायु का प्रमाण पत्न :---- प्रायोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैटिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्टि-कुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण पत्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्टिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो ग्रीर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो।

उम्मीववार पूर्वोक्त मैदिकुलेशन या समकक्ष प्रमाण पत्न की दो धर्भि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां ध्रवश्य प्रस्तुत करें। किन्तु जिस उम्मीववार ने हायर सैकेण्डरी परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उसीर्ण कर ली है वह हायर सैकेण्डरी परीक्षा प्रमाण पत्न या समकक्ष प्रमाण पत्न की दो धर्भिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतियां प्रस्तुत कर सकते हैं।

भागु के सम्बन्ध में कोई मृत्य दस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, सप्यपल, नगर निगम के सेवा अभिनेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा मन्य ऐसे ही प्रमाण पत्र स्वीकार महीं किये जाएंगे ।

भनुवेशों के इस भाग में ग्राये हुए "मैट्रिकुलेशस/उज्ज्वतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्न" वाक्याश के भन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाणपत्न सम्मिलित हैं।

कभी कभी मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पल में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही विये होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीववारों को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न की श्रीवप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के प्रतिरिक्त उम संस्था के हैं इमास्टर/प्रितिपल से लिए गए प्रमाण पत्न की श्रीवप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीणं की हो। इस प्रमाण-पक्ष में उस संस्था के वाखिला रिजस्टर मे वर्ज की गई उमकी जन्म की तारीख या वास्तिविक प्रायु लिखी होनी चाहिए। उम्मीववारों को चेतावनी की जाती है कि यदि प्रावेदन पत्न के साथ इन प्रनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो प्रावेदन प्रपत्न प्रस्वीकार किया जा सकता है।

- ठिप्पणी 1: जिस उम्मीदनार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्य-मिक विद्यालय प्रमाण पत्त हो, उसे केवल श्रामु से सम्बद्ध प्रविद्धि वाले पृष्ठ की धिभप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ।
- हिष्पणी 2: उम्मीदबार यह घ्यान में रखें कि प्रायोग उम्मीदबार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि छावेदनपत्र प्रसुद्ध करने की तारीख को मैद्रिकुलेक्यन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्न मैं
  दर्ज है धौर इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर
  न तो विचार किया जाएगा धौर न उसे स्वीकार किया जाएगा।
- किप्पणी 3: उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीका एक बार घोषित कर देने ग्रीर धायोग द्वारा उसे प्रपने क्रिभिष्य में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की भनुमति नहीं दी जाएगी।
  - (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिया---उम्मीदधार की इस धाशय के प्रमाण पत्न की दो अभि-प्रमाणित/प्रमाणित पतियां अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके

पास पैरा 3 (ग) में थिहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीवनार द्वारा उसके इस प्रकार अधित कर लेने की सेभावना है कि पैरा 3 (ग) में थिहित तारीक तथ इसको उशीर्ण करने का प्रमाण दिया जा सके । जो प्रमाण पक्ष प्रस्तुत किया जाए वह वहीं हो जो योग्यता विशेष को देने अभे प्राधिकरण (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) द्वारा जारी किया गया हो! यदि ऐसे प्रमाण पक्ष की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियो प्रस्तुत नहीं की जाती हैं तो उम्मीय-वार को उसके प्रस्तुत न करने की वजह बतानी चाहिए और ऐसे अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए जो वह अपेक्षित योग्यता रखने के बाबे के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस प्रमाण पर युणबन्ता के आधार पर विचार करेगा पर इसे पर्याप्त मामले के लिए बाह्य महीं होगा।

- (iv) उपस्थिति पक्षक (भावेषमधित के साथ संलग्म) विधिवत भरा हुआ ।
- (v) उम्मीववार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें o भी o × 7 सें o भी o) के फोटो की एक जैसी हो प्रतियो जिनके अपरी हिस्से पर उम्मीवकार के हस्साक्षर विधिवस शंकित हों।

फोडो नी एक प्रति आवेदन पत के प्रथम पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पक्षक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

- (vi) लगमग 17.5 सें अमी अ 27.5 सें अमी अधीकार के को बिना टिलाट लगे लिफाफे, जिन पर धापका पता लिखा हुन्ना हो ।
- (ख) श्रमसुखित जातियों/श्रमसचित जन जातियों के उम्मीदवारों हारा अनुसूखित जाति/श्रमुसुखित जम जाति का होने के वाले के समयेन में जहां उम्मीदवार या उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर एहते हों, उस जिले के किसी सक्षम प्राधिकारी (प्रमाण पत्न के नीचे उल्जिखित) परिणिष्ट iv में दिए गए प्रपन्न में लिए गए प्रमाण पत्न की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिकिपि ।
  - (ग) गुल्म से छूट चाहने थाने छम्मीधवारों के द्वारा :----
  - (i) किसी जिला प्रधिकारी या राजपलित घिलकारी या संशद या राज्य विधान मण्डल के सबस्य से लिए गए प्रमाणपक की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित खुल्क वेने की स्थिति में नहीं है।
  - (ii) वस्तुत: विस्थापित/प्रध्यावित व्यक्ति होने के बांवे के समर्थन में निम्मिकिक्ति प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाणपत्न की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिकिपि ।
  - (कः) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान में विस्थापित व्यक्ति
  - (i) दंडकारच्य परियोजना के ट्राणिस्ट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राह्त शिविरों का विविष कमांडेंट ।

#### ग्रथका

(ii) उस क्लाक का जिला मजिस्ट्रेट जहां पर वह फिलहाल रह रहा हो ।

#### श्रम

(भेंगे) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी शतिरिक्त जिला मजिल्लेख ।

#### ध्यव

- (iv) सम्ब जिविजनल अपस्थार प्रापने श्रधीनस्य सम्ब विभीजन की सीमा तक। प्राथका
- (v) गादणार्थी पुनर्वासम उपायुक्स, पश्चिम बंगाल/निवेशन (पुनर्वासम), काम्यक्षाः ।

- (ख) भीनंका मे प्रत्यावसित:---
- श्री खंका में भारत का उच्चायोग
- (ग) वर्मा से प्रत्यावर्तितः :---

मारतीय राजवृतावास, रंगून या उस इलाके का जिला मिलस्ट्रेट जहां पर वह रह रहा हो ।

- (भ) तस्कालीन पश्चिम पाकिस्ताम से विस्थापित अपिकत
- (i) विभिन्न राज्यों में ट्रांजिस्ट केन्द्रों या राहत शिवरों के कैम्प कमांकेंट।

#### ग्रथवा

(ii) जिस इलाके का वह फिलहाल नियासी है वहां का जिला मजि-स्टेट ।

#### भ्रयका

(iii) अपने जिले में शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी झितिरिक्त जिला मिलस्ट्रेट ।

#### ग्रयुवा

(iv) ग्रापने प्रभार के अन्तर्गत सब जिलीजन के अन्दर सब जिलीजनल अफसर ।

#### ग्रथमा

(y) उप शरणार्थी--पुनवसि ---- झायुक्त

टिप्पणी:---उम्मीववारों से यह घपेका की जाती है कि वे आवेदन पत्त के साथ भेजे जाने वाले प्रमाण पत्नों की श्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रसियों पर घपने श्रस्ताकर करके भेजें तथा खभ पर द्वारीख की जिखें।

- 9. मुल्क की वापसी :— आवेदन के साथ मायोग को भदा किया गया गुल्का बापस करने के किसी भनुरोध पर तीचे की परिक्यितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी यूसरी परीक्षा या जयन के लिए सुरस्तित रखा जा सकता है:—
  - (i) जिस उम्मीवनार ने निर्वारित मुक्क के विधा है, पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने महीं दिया, उसको कः 15.00 (पण्ड कप्प) [अनुस्चित जासियों/अनुस्चित जम्भातियों के उम्मीवनारों के मामसे में कः 4.00 (भार क्पए)] वापस कर दिया जाएगा । परन्तु अगर कोई जावेकन यह सूचना प्राप्त करने पर बक्ष्मीकार कर दिया गया हो कि उम्मीवनार हायर सैकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा में अनुसीर्य हुआ है या हायर सैकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा में अनुसीर्य हुआ है या हायर सैकेन्डरी वा समकक्ष परीक्षा म स्पीर्य होने का प्रमाण निर्वारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए सुल्ल को वापसी मंजूर महीं की आएगी।
  - (ii) जो उम्मीवनार मर्ड, 1982 या विसम्भर, 1982 में आयोजिस राज्दीय रक्षा अकावमी परीक्षा में बैठा हो और इन परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर किसी कोर्स के लिए उसका ताम अनुसंसित हुआ हो तो उनके मामले में ६० 28.00 (अट्डाईस देपए) [अनुसूचित जातियों/अमुसूचित जनजातियों के मामले में ६० 7.00 (सात क्ष्मए)] का भुल्क वापस विया जा सकता है, पर यह ककरी है कि मई, 1983 की राष्ट्रीय रक्षा एकावमी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीवनारी रह कराने जीर मुल्ल वापस वाने के लिए उस उम्मीवनार का अनुरोध जायोग के कार्यालय में 31 अगस्त, 1983 या इससे पक्षेत्र पहुंच जाए।
- 10. आवेवम पन्न की पावती :-- आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेवम पन्न की जिसमें देर से प्राप्त आवेवन पन्न सम्मिक्षित हैं, गांधती वी भागी है स्वां आवेवम पन्न की प्राप्त के प्रतीक के अप में

उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण सख्या जारी कर दी जाशी है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन पक्ष प्राप्त करने के लिए निर्वारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिसती है तो उसे कुष्कास आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तब्य का कि उम्मीबबार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर वी गई है अपने आप यह अर्थ मही है कि आवेदन-पक्ष सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. मानेदन का परिणाम अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की भूचना परीक्षा गुरू की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त म हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तरकाल संपर्क करना नाहिए । अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किये जाने के अधिकार से बंचित हो जाएगा ।
- 12. परीक्षा में प्रवेश :---किसी उम्मीदवार की पान्नता या अपात्रता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा । आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण पक्ष के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं विथा जाएगा ।
- 13. कदाचार के दोषी उम्मीवनारों के खिलाफ कार्रवाई:—उम्मीदबारों को जेताबनी दी. जाती है कि वे आवेदन पत्न भरते समय कोई
  गलत विवरण न दे और न किसी महस्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदबार को यह भी चेताबनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी
  अलेख या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हासत में
  वे किसी तरह का संशोधन का परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें
  बौर न फेर-बदल किए गए/जाती प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस
  प्रकार के दो या अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित
  प्रतियों में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकेरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीववार आयोग द्वारा निम्नांकित कवाचार का वोधी घोषित होता है या हो चुका है:---

- ्(i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थेन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी ध्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-अवल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करसा या
- (v) [अशुक्ष या असत्य वक्तरूय देना या महत्वपूर्ण मूचना को छिपा कर रचना; या
- (vi) परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी क्रिंसिमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या
- (vili) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बार्ते लिखी हों जो अश्लील भाषा या अभद्र साशय की हों; या
- (ix) परीक्षा मवन में और किसी प्रकार का दुर्घ्यंवहार किया हो; या
- (x) परीक्षा चलाने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियौ को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक झति पहुंचाई हो; या
- (xi) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेपित प्रमाण-पत्न के साथ आरी किसी अनुदेश का उरुलंधन किया हो; या
- (xii) ऊपर के खंडों में उल्लिखित सभी या किसी कवाचार की ग्रोर प्रवृत्त होनाय। भायोग को उत्तेजिस करना।

वह अपने को दण्ड-भ्राभियोजन का शिकार बनामे के प्रतिरिक्तः--

(क) बह जिस परोक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिए आयोग द्वारा স্থান সেকা। সা सकता है।

#### अथगा

- (ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए.
  - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके प्रधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी २० से या कुछ निर्दिष्ट अवधि के लिए अपवर्णित किया जा सकता है; और

किन्दु धर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं की जाएगी जब तक—

- (i) उम्मीवनार को इस सक्का में लिखित अक्याभेदन, नी वह पेना चाहे प्रस्थुत फरने का अवसर न दिया गया हो, और
- (ii) उम्भीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत प्रश्यावेषम पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो ।
- 14. मूल प्रमाण-पत्नों का प्रस्तुतीकरण :— जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर से० च० बोर्ब के साक्षात्कार में अहाँता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें साक्षात्कार के सुरन्त बाद अपनी आधु तथा गैंकिक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण-पक्ष मुख्या-लय, आर० टी० जी० 6(एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लाक III, आर के० पुरम, नई दिल्ली—110022 की प्रस्तुत करने होंगे।
- 15. आवेदन के संबंध में पल-ध्यवहार :--आवेदन के संबंध में सभी पल-ध्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धीलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उनमें निम्नांकित विवरण अवस्य होना चाहिए:---
  - (1) परीक्षा का नाम
  - (2) परीक्षा का वर्ष और महीना
  - (3) आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर या जन्म की तारीश्व (अगर आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर नहीं मिला हो)
  - (4) उम्मीववार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)
  - (5) पत्र व्यवहार का पता, जैसा आवेदन पत्र में दिया है।
- ह्यान दें :--(i) जिन पत्नों में ऊपर का क्यौरा महीं होगा, हो सकता है, उस पर कोई कार्रवाई न हो ।
  - (ii) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी अम्मीदबार की पत्न/पत्नादि प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ज्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।
- 16. पते में परिवर्तन :- उम्मीदबार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उनके आवेदन पत्र में दिए पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उसके नीचे पते पर भिजवा दिए जाएं। हपते में जो भी परिवर्तन हों उसे उपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीझ सुचित कर देना चाहिए ।

सेवा जपन बोर्ड के माक्षास्कार के लिए आयोग द्वारा अनुशंक्षित जम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेषन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित माग के परिणाम बोबित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल मेना मुख्यालय, ए० जी० सांच रिक्क्टिंग ६ (एस० पी०) (ए०) येस्ट ब्लाक III, विग-1 रामा- इंग्लापुरम्, नई दिल्ली-1100'2 को सूचिन कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनुवेशों का पालन नहीं करेगा घह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पत्न न मिलन पर अपन मामले में विचार किए जाने के दाने में विचार हिए जाने के दाने में विचार है का स्वास्त है के दाने से विचार हो जाएगा।

यश्रापि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा झ्यान वेले का प्रयक्त करते हैं, फिर भी इस संबंध में के अपने उपर कोई जिल्लोडारी नहीं से सकते ।

17. लिखिल परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के संबंध में प्राथा :-- जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करने के लिए अनुशंसिन हैं उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछताछ और अनुशंध सीधे सेना मुख्यालय ए० जी० बांच, रिक्टिंग 8(एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लाक 3, विग-1 रामाक्रुण्णापुरम्, नई विल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीवनारों को साक्षात्कार के लिये के गए सम्मन-पत्न द्वारा सूचित की गई तारीख को भेवा यसन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार करनी है। साक्षात्कार को स्वगित करने ये संबंद धनुरोध पर केवल अपवादात्मक परिस्थितियों में भीर प्रभासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मृष्याख्य होगा।

शिन छम्मीवधारों के नाम संब लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की गई बंदिस योग्यता सूची में है यदि उनके पहुंके दिए गए पते में कोई धरिवांतन हुआ हो तो उनको अपने मनीनतम पते की सूचना मन्याल ए० जी० बांच रिकृटिंग 6(एस० पी०) (ए०) बेस्ट ब्लाक 3 विग-। सामाइ प्लापुरम्, नई दिल्ली-110022 को दे देनी धाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यकार संभाजने के अनुदेश उन्हें समय पर मिल सर्कें 1 यदि ऐसा नहीं किया गया को कार्यकार संभाजने के अनुदेश ने के अनुदेश ने के अनुदेश ने के अनुदेश ने के अनुदेशों के म मिलने की जिम्मेवारी उम्मीववारों की होगी।

18. निश्चित परीक्षा के परिणाम की पोषणा योग्यतापाप उम्मीद-बारों का साझारकार प्रतिम परिणामों की पोषणा धौर प्रतिम कप से योग गए गए उन्मीदवारों का प्रणिक्षण पाठ्यकम में प्रवेश:--संव लोक सेवा आयोग लिखित परीक्षा में धायोग के निर्णय पर निर्धारित ग्यूनतम प्रहेंक प्राप्त भंक करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा । ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिये सेवा चयम बोर्ड के सामने हाजिए होंगे जहां बल सेना--नौसेना के उम्मीदवारों की प्रधिक कारी क्षमता तथा वायुसेना के उम्मीदवारों का पाइलट एव्हीक्यूट परीक्षण तथा प्रविकारी क्षमता का निर्धारण किया आएगा । इस परीक्षण से प्रधिक से प्रधिक 900 प्रक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदबार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिए होकर प्रपति ही जोबिय पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे भीर सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरूप प्रगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की घोर से कोई बिति पूर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होगें चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसीं कारण से हों। उम्मीव-बारों के माता पिता या भीनवावकों को इस घाश्य के एक प्रमाण ्यक पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्ती हाति तृतु यल अता/नौक्षेता के उम्मीवनारों को [(i) लिखित परीक्षा तथा (ii) प्राधिकारी क्षमता परीक्षणों में प्रलग अलग श्यृततम धर्षक धंक प्राप्त करने होंगे जो कि धायोग द्वारा उनके निर्णय के धनु-सार, निश्चित किए जायेंगे भौर नामू सेना के उम्मीवनारों को (i) लिखित परीक्षा (ii) प्रधिकारी क्षमता परीक्षण, (iii) पायलट एव्टीश्यूट परीक्षण में मलग अलग न्यूनतम धर्षक धंक प्राप्त करने होंगे जो कि बायोग द्वारा उनके निर्णय के भनुशार निश्चित किये आयेंगे। इन धर्वी पर धर्मवा प्राप्त उम्मीववारों को उनके द्वारा जिखित परीक्षात्वा सेना क्यायन बीई के परीक्षणों में प्राप्त कुल धंकों के घाधार पर योग्यता के धंतिम कम में वो प्रलग प्रलग सूचियों में—एक बल सेना तथा नौ सेना के लिये प्रीर वूमरी नामू सेना के लिये—रखा जाएगा। जो उम्मीववार सेना के सभी शंकों के लिये धर्मना प्राप्त कर लेते हैं उनका नाम दोनों योग्यता सूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी के यन सेना तथा नोसेन श्री निये प्रतिम क्या यन नेना तथा नोसेन श्री निये प्रतिम क्यायन यल नेना तथा नोसेन श्री

को योग्यता सूची से रिकितयों की संबया का वेखते हुए योग्यता कें कम से किया जाएगा भीर बायुसेना विग में प्रवेश के लिये अंतिम जयन वायुसेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या का देखते हुए योग्यता के कम में किया जाएगा जो मारीरिक स्वस्थता भीर श्रन्य गमी बातों में उपयुक्तता के आधार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के नाम दोनों योग्यता सूचियों में हैं उम पर दोनों सूचियों म चयन हुतू बिचार उनके बरीयता कम को देखते हुए होगा और उनके एक सूची से अंतिम कम से खुन लिये जाने पर दूसरी सूची से उनका नाम रह कर दिया जाएगा।

प्रताम कें :— बायु सेना के प्रत्येक उम्मीवधार का पायलट एप्टीक्यट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। ग्रतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेक बाय सेना चयन बोर्क के सामने बाव में होने जाने प्रत्येक साझा-त्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीवधार पायलट एप्टीक्यूट के प्रथम परीक्षण में ग्रासकत हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी परीक्षा के वायु सेना बिंग या जनरल बयूटीज (पायलट) बांच या नेवल एयर ए० ग्रार० एम० में प्रवेस के लिये ग्रावेदन नहीं कर मकता।

जिन उम्मीववारों का किसी पिछले रा० र० झकावमी कोसं पाइनड एव्डीक्पूड वरीझण हो गया हो और उन्हें उसमें झहुँता प्राप्त करा लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल बायुसेना बिंग के लिये ही अपना झाबेदन करना चाहिए ।

भ्रतग मत्तम उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में भीर किस प्रकार सुचित किये आयें इस बात का निर्णय भ्रायोग धपने भ्राप करेगा भीर परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कोई पत्र स्थवहार नहीं करेगा।

परीका में सफल होते माल से प्रकावनी में प्रवेश का कोई धाध-कार नहीं मितेगा । उम्मीदवार की नियुक्ति प्राधिकारी को संतुष्ट करना होगा कि यह प्रकावमी में प्रवेश के लिये सभी तरह से उपयुक्त है ।

19. प्रशिक्षण पार्त्यकम में प्रवेश के लिय धनहुँताएं:---जो उम्मीद-बार राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी के किसी पहले कीसे में प्रवेश पा चुके थे पर प्रधिकारी सुलभ विशेषताओं के धमाव के कारण या धनुशांसिनक श्राधार पर बहां से निकाल दिये गये थे, उनको प्रकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएशा ।

किन्तु जिन उम्मीक्वारों को सस्वस्थता के साधार पर पहले राब्द्रीय रक्षा श्रकावमी से बापस ने लिया गया हो या जिन्होंने — अपनी बच्छा से उन्त सकायमी छोड़ वी हो उन्हें सकादमी में प्रवेश मिल सकता है बशर्ते कि स्वास्थ्य तथा सभ्य निर्धारित शर्ते पूरी करते हों।

20. राष्ट्रीय रक्षा मकावसी या मकाश ट्रेनिंग स्कल में प्रक्षिक्षण के वौरान निवाह पर प्रतिबंध:—उम्मीवनारों को इस बात का बचन बेना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब सक वे नावी नहीं करेंगे। जो उम्मीवनार धपने धावेदन की तारीख के धाव भावी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं जाएगा। बाहे वह इस परीक्षा में या प्रगत्नी किसी परीक्षा में भन्ने ही सफल मो। जो उम्मीवनार प्रशिक्षण काल में बाबी कर लेगा उसे बापस सेजा जाएगा धौर उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है वह सब उससे बसूल किया जायगा।

21- बौदिक परीक्षण संबंधी सूचना:—-रक्षा मंत्राक्षय (मनोवैज्ञानिक प्रमुसंज्ञान निदेशालय) में 'सेवा-चयन बोर्डों में उम्मीदचारों की बौदिक परीक्षा उपलब्धियों का प्रध्ययम' (ए स्टर्डी ग्राफ बंटेलिजेंस टेस्ट कोर्य प्राफ बैडिबेट्स एड सर्विसेज सेलेक्शन बोर्डेस) शीर्वक थाली पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदचार सेवा जयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के स्वक्ष्य ग्रीर स्वभाव से परिचित हो जायें।

उथर पुस्तिका समुख्य प्रकाशन है लथा प्रधाणन निम्निक सिविस साइन्स दिस्सी-110054 के कार्यालय स वैची जाती हैं। इसे बहुर से सीधे मेल प्राईट द्वारा या नकव मुगतान पर लिए। जा रक्ता है। यह पुस्तिका केवल नकद भुगतान पर '(i) कियाब सहस रियोली मिनेसा के सामने एम्पोरियम बिल्डिंग की ब्याक आवा खड़क मिह गार्ग, नई दिस्सी-110001 (ii) उद्योग भवन, नई दिस्सी-110001 पर प्रकाणन माखा के बिकी काजन्टर भीर (iii) गवनैमेंट भाक इंडिया बुक डियो 8 के एम॰ रा॰ गोड, कलकता 700000 से भी मिल सकती है।

ग्रार • एभ • यह्नसूत्रालिया, उप-सिचव

# परिशिष्ट I

(परीक्षा की योजनाभीर पाठ्य विवरण)

# (क) परीका की योजना

 लिखित परीक्षा के विषय नियत समय तथा प्रत्येक विषय के प्रधिकतम ग्रंक निम्नलिखित होंगे:---

ष्य	ममय	ग्रधिकतम <b>गं</b> क
1. मंग्रेजी	2 घंटे	250
2. गणिल प्रथम पक्ष I	2 पंटे	126
प्रश्नपत्र II	2 षंटे	125
3. सामान्य ज्ञान प्रश्न पक्ष I (विज्ञान) प्रश्न पक्ष II (सामाजिक प्रस्पयन भूगोल	2 षंटे	200
तथा सामाजिक मामले)	2 घंटे	200
		900

- 2 मधी विषयों के प्रश्न पत्नों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होगे । ममूने के प्रश्नों सिंहत अन्य निवरण के लिये कृपया परिणिष्ट V में उम्मी-दवारों को सूचनार्थ निवरणिका देख लें ।
- प्रश्न पक्त में जहां भी आवश्यक होगा, केवल तील भीर माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।
- 4. उम्मीदवारों को पग्न पन्नों के उत्तर प्रपने हाथ से लिखने चाहिए। किमी भी हातत में उन्हें प्रग्न पन्नों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वासे की सहायता सुलभ नहीं की जाएगी।
- 5. परीक्षा के एक या सभी विषयों के ग्रहिक शंकों का निर्धारण ग्रागीय की विवक्षा पर है।

# (का) परीक्षा का पाठ्य विवरण

भीवेती '--मनेजी का प्रस्त पत्र द्व प्रकार का होगा जिससे उम्मीववार की भीवेती की समझ भीर णब्दों के कुशल प्रयोग का परीक्षण हो सके । पाठपक्रन में विभिन्न पड्लू ममाहित हैं जैसे व्याकरण भीर प्रयोगिविधि, शब्दावली तथा भीवेती में प्रवीगता की परख हेतु विस्तरित परिकाद में कोश्यान्यता तथा सम्बद्धता ।

# 

#### श्रीक गणित

संख्या पद्मतियां—स्थनपूर्णे संख्यांक, पूर्णाक परिमय भीर वास्त संख्याएं, मूल मेक्रिया—अोड्, घटाना, गुणा भीर विभाजन, वर्ग मूल, दशमलब, भिक्ष ।

एकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिशतता—स धारण तकः चक्रवृद्धि वधात्र में प्रतुप्रयोगः नाम तथा हाति, अनुपानुमीर समानुपात विधरण ।

25-316 GI/82

अत्रिक्षिक विश्वा विश्वान- विश्वाजन की कलन विश्विः समाज्य स्वीर साल्य संस्व है। 1 2.3,4,5,9,भीर 11, द्वारा विभाज्यसा के परीक्षण स्पर्व-वर्ष्य गीर स्थान, । गुणा । खंडान, असेय । महत्तम समापनर्तनः तथा लघुत्तम समापनर्यं, पृक्तिक की कलन विश्वि ।

श्राधार 10 तक नघुगणक, लघुगणक के नियम, ल**पुगणकीय सारणियो** का प्रयोग ।

# बीज गणित

आधारभूत प्रित्याएं: साधारण गुणनश्चेत्र । शेष फल प्रमेय, बहुपदों का महलम समापवर्तक और लपुत्तम समापवर्ष । दिचात समीकरणों का हल, इसके मूल और गृणांकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्त्रविक मूल विचार किया जाय) दो अज्ञात राणियों में युगपत समीकरण—विष्लेषण और ग्राफ संबंधी हल । प्रायोगिक प्रका जिनसे दो चरों में दो युगपत मैकिक समीकरण बनने हैं या एक चार में दिघात समीकरण तथा उनके हल समुक्चय भाषा तथा समुक्चय अंकन पद्धति, परिमेय, ब्यंजक तथा सप्रतियन्ध तस्समक पातोक नियम ।

# क्रिकोणमितिः

ज्या  $\times$ ,कोटिज्या  $\times$ ,स्पर्ण रेखा  $\times$ जन  $\times$  ○°  $\leqslant$   $\times$   $\geqslant$  90°। ज्या  $\times$ ,कोटिज्या  $\times$ ,स्पर्ण रेखा  $\times$ का मान क्योंकि  $\times$  0°, 30°, 46°, 60°, और 90°, सरल क्रिकोणमितीय तत्समक ।

क्षिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग । अचादयों और दूरियों के सरल कोण

#### प्रश्न-प**ल-**II

#### **ज्या**मिति

रेखा और कोण, समतल और ममतल आइति । निम्नलिखित पर प्रमेथ:---

- (i) किसी बिल्दु पर कोणों के गुण-धर्म,
- (ii) समातर रेखाएं,
- (iii) किमी क्रिभूज की भुजाए भीर कोण
- (iv) क्षिम्जों की सर्वांगसमता।
- (v) समरूप क्षिभुज
- (vi) माध्यिकाओं और शीर्प लम्यों का संगमन,
- (vii) समानर चतुर्भृतों, आयात और वर्ग के कीणों, मुजाओं के विकणों के गुण धर्मे,
- (viii) बन और उमके गृण धर्म जिथमें, स्पर्ध रेखा सथा अभिलम्ब, भी शामिल हैं।
- (ix) स्थानिक संधक

#### विस्तार कलन

नगीं, आयतों, समांतर चतुर्भुजों, त्रिम्जों और वृत्तों के श्रेक्षफल । उन आकृतियों के शेवकन जो इन अकित्यों में विवाधित की जा सकतों हैं। और बेलनों का पार्थ-पृष्ठ तथा आयतन/गाजकों का पृष्ठीय सलफल तथा आयतन ।

सीबियकी नव्यां का सप्रहम तथा सारमीयन । अलेखी निरूपण-बारम्बारना बहुमुन, आपन वित्र, धानाकावार्ट, पाई चाट आवि । अपरि-रक्तन और ममुद्दन अल्डां का पारकनन माध्य ।

#### सामान्य शान

दो प्रश्त-पक्ष द्वीमे ।

प्रश्त-पत्न (1)---इ (वे भौतिक), रायम और मामान्य विकास होगा;

प्रश्न-पञ्च (ii) — इसमें सामाणिक अध्ययन भृगाल और सामयिक सामले होंगे।

इन प्रश्न-पत्नों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्नलिखित पाठ्य विवरण पर आधारित होगा । उल्लिखित विषयांगों को, सर्वांग नहीं मान लेना चाहिए सथा इसी प्रकार के ऐसे विषयांगों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य-विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है । उम्मीदवारों के उल्लेख नहीं के मेथा और ज्ञान का पता चलना चाहिए ।

#### प्र क्त-प**त्र---**]

#### विशान

सामान्य विकास प्रम्म-पक्ष 1 निम्नलिखित पाठ्य विवरण कामिल होगा---(क) द्रव्य के मौतिक गुण धर्म सथा स्थितियां, संहति मार, आयतन, जनत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण । आर्कनिकीण का नियम, दाब, वायुदाव मापी ।

मिंब की गति । येग और स्वरण । न्यूटन के गति नियम। बल और सबेगी । बल समान्तर बतुमुंज । पिंड का रबायित्व और संतुलन । गूक-त्वाकर्षण कार्य, बार्वित और ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान ।

कब्मा का प्रभाव। तापमान का नाम और अब्मा। स्थित परिवर्तन भीर पुप्त कब्मा। कब्मा अभिगमन विविधा।

ध्यनि तरंगें भीर उनके गुगबर्ग। सरल वाब यंशा।

प्रकाश का ऋतुरेखीय संघरण । परावर्तन और अपवर्तन गोलीय दर्पण और लेग्सेस, मानव नेता ।

प्राकृतिक तथा कृष्टिम चुम्बक । चुम्बक के गुणधर्म । पृथ्वी चुम्बक के रूप मे ।

स्पैतिक तया धारा विधुत । चालक और जवालक । ओम नियम-!, साधारण विधुत परिपद्य । घारा के तापन, प्रकाश, तथा भुस्वकीय प्रचाव । वैधुत शक्ति के माप । प्राथभिक और गीण सेल । एक्स-रे के उपयोग । निम्नलिखित के कार्य संवाकन के सामान्य विद्यात ।

सरल लोलक । सरल घिरनी, साइफन, उसीलक, गुम्बारा,पम्य । हाहपी-मीटर, प्रेशर, कुकर थर्मेंग फ्लास्क, ग्रामोफोन, टेलीग्राफ, टेलीफोन, पेरि-स्कीप, टेलिस्कोप माध्कोरकोप, नाईव दिवसूचक, तहिस थालक सुरक्का दशुखा।

(ख) भौतिक तथा रसायनिक परिवर्तन सत्व। मिश्रण सद्या यौगिक। प्रतीत मूत्र और सरल रासायनिक समीकरण। रासायनिक संयोग के नियम (समस्याओं को छोड़कर) वायु बौर जल के रासायनिक गुण धर्म।

हाइड्रोअन, मानसीजन, नाइट्रोजन, कार्यन-डाई-आक्साईड की एचना बीर गुण वर्म । आक्सीकरण और अपत्रयन ।

भम्ल, क्षारक और लवण ।

कार्बन---भिन्न रूप ।

एवंरक---प्राष्ट्रतिक और कृतिम ।

साबुन, काच स्थाही, कागज, सीमेंट, पेंट, दियासलाई और गन पासकर, वैसे पदार्थों को तैयार करने के लियं प्रयुक्त सामग्री।

परमाणुकी रचना, परमाणुतुरुयमान और अणुधार अमुमाण संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान ।

(ग) जड़ और चेतन में अस्तर । बीव,कोशिक।भ्रों, जाबद्रव, और ऊतकों का आधार ।

बनस्पति और प्राणियों में शृद्धि और अनन । मानव शरीर और इसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारम्मिक ज्ञान । सामान्य महामारियां उनके तथा रोकने के उपाय ।

बाच---मनुष्य के लिये कर्जा का श्रोत । बाब का संबद्धत

संतुलित पाहार

सीर परिवार: उल्का और भूमकेषु । ग्रहण ।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियों ।

टिप्पणी:--इस प्रश्न पत्न के अधिकतम अंकों में मामान्यतया भाग (क). (ख) और (ग) के लिये क्रमण . 50 प्रतिसत 30 प्रतिसत और 20 प्रतिशत अंक होंगे ।

#### प्रशन पक्र----II

(सामाजिक अध्ययन, भृगोल और सामयिक मामले)।

सामान्य ज्ञान प्रश्न-यत में निस्निजिखिलत पाठ्यविवरण शामिल होगा :---

 (क) भारतीय इतिहास का मौटे-तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति और सभ्यता की विशेष जानकारी ।

भारत का स्वतंत्रता मान्दोलन ।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययम ।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी समितियों और सामुदायिक विकास की प्रारम्मिक जानकारी ।

भदान, सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता, और कस्याणकारी राष्ट्रय । महास्मा गोधी के मूल उपवेश ।

आधुनिक विश्व को प्रभावित करने वाली वाक्तियां, पूनजाँगरण । अन्वेषण और खोत्र । अमरीका का स्वाद्योगना संग्राम । फांसीसी कार्ति, श्रीबोगिक कार्ति, रूसी कार्ति, समाज पर विज्ञान श्रीर श्रीद्योगिक का प्रभाव एक विश्व की संकल्पना, संयुक्त राष्ट्र । पंचशं,ल' लोकतंत्र समाजवाद, साम्यवाद वर्तमान विश्व में शारत का योगदान ।

(ख) पृष्वी, इसकी आकृति और आकार, आक्षांस और रैखांस । समय । संजल्पना । अन्तर्राब्द्रीय तारीख रेखा । पृथ्वी की गतियाँ धौर उसके प्रभाव पृथ्वी का उदभाव-चट्टाने और उनका वर्गीकरण । अपजव-रापायनिक और घौरिक । भूवाल तथा ज्वालामुखी । महासागर बारायें भौर ज्वार भाटें ।

वायुमंडल भीर इसका संगठन । तापमान भीर वायुमंडलीय वास भूमण्डलाय पर्वत चक्रकात भीर प्रतिचक्रकात भाईता । ब्रष्ट्यण भीर वर्षण जलकासुक्षे प्रकार ।

विश्वके प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र ।

भारत का क्षेत्राय भूगोल---जलवायु, प्राकृतिक, धनस्पति, खनिज, भौर पाचित साम्रन, कृषि और औद्योगिक कार्यकलायों के स्थान भौर वितरण । महत्वपूर्ण समुद्री पनन, भारन के मुक्य समुद्री भू और वायु मार्ग । भारत आयात और निर्यात की मुक्य मर्वे ।

 (ग) हाल द्वी के यथीं में भारत में हुई महत्वपूर्ण षटनाओं की जानकारी । सामयिक महत्वपूर्ण विश्व घटनायें ।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—-मारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय इनमें सांस्कृतिक कार्य-कलापों और खेल-कूद से संबंधित महत्त्वपूर्ण व्यक्ति भी सामिल हैं। टिप्पणी:—इस प्रका-पक्ष के अधिकतम अंकों में से सामान्यता भाग (क) (ख) और (ग) के लिये कमशः 40 प्रतिसत, 40 प्रतिसत

और 20 प्रतिशत संक होंगे ।

#### वृद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उन्नीदवार को बुनियावी बृद्धि की जांच करने के लिये साझारकार के प्रतिरिक्त गोजिक नया लिखिन बृद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके मुप परीक्षण भी किये जाएंगे, जैसे पुप परिचर्चा, भूप, योजना, बहिरंगपूप कार्यकलाय तथा उन्हें निर्विष्ट विषयों पर संक्षिय्त स्थास्थान वेने के लिए कहा आएगा। ये सभी परीक्षण उन्मीदवारों की मेचामवित की जांच के लिये हैं। मोटे तौरपर ये परीक्षण बास्तव में न केवल उमके बौद्धिक मुर्चों की जांच के लिए है प्रिष्तु इनसे उसकी सामाजिक विशेषताचीं तथा सामाधिक घटनाचीं के ई प्रति विश्वस्थी का भी पता चसेगा।

#### परिशिष्ट 📙

राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी में प्रवेण के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानक के मार्गदर्शक संकेत

टिप्पणा -- उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के ध्रमुमार शारी-रिफ रूप से स्वस्थ द्वीना झावश्यक है । स्वस्थता संबंधी मानक नीचे विए गए हैं।

बहुत से भहेंताप्राप्त उम्मीववार बाव में स्वास्थ्य के ग्राधार पर भस्वीकृत कर विए जाते हैं। ग्रत: उम्मीववारो को उनके ग्रपने हित में सलाह वो जाती है कि वे मितम भ्रथस्या पर निराशा से बचने के लिए ग्रावेदन पत्र भेजने से पहले भ्रपने स्वास्थ्य की जांच करा से ।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा धनमणित उम्मीदक्षार को सेवा के चिकित्सा प्रधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी । ध्रकादमी या प्रशिक्षणणाला में केवल उन्ही उम्मीदवारों को प्रवेण दिया जामेगा जो चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिए जाते हैं चिकित्सा बोर्ड का कार्यवृत गोपनीय होता है जिसे किसी को नहीं विख्याया जामेगा । किन्सु ध्रयोग्य/धस्थायों रूप से ध्रयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के ध्रध्यक्षद्वारा दी दे जाएगी नथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से ध्रयील का धनुरोध करने की प्रक्रिया भी बता दी जायेगी । उम्मीदवारों के लिए नीचे सार रूप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के ध्रनुसार स्वस्थ होना ध्रावश्यक है ।

- (क) उम्मीदवारों का शीरीरिक सथा मानसिक स्थास्थ्य ठीक होता चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी प्रशक्कता से मुक्त होता चाहिए जिसमे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो ।
- (ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन/वैहिक दोष या बजन की कभी नहीं होनी चाहिए ।
- (ग) कद कम से कम 157.5 सें०मी० (नौसेना के लिये 157 सें० मी० सवा थागू सेना के लिए 162.5 सें० मी०) का हो। गोरखा भीर भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों गढ़वाल सथा कुमायुं के ध्यक्तियों का 5 सें० भी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीय के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनसम कद में 2 सें० मी० की कमी भी स्वीकार की जा सकती है। कद भीर बजन के मानक नीचे दिए जाते हैं:~~

कद भीर वजन के मानक

	ों में कव - किलोग्राम में वजत				7	
(बिना	जूता)		•	15-16 वर्ष	16-17 वर्षे	17-18 वष
152				41.0	42.5	44.0
155				42.0	43,5	45.3
157	•			43.5	45.0	47.0
160	•	•	•	45 0	46.0	48.0
162				46.5	48.0	50.0
165				48.0	50.0	52.0
167				49.0	. 51.0	53.0
170				51.0	52.5	55.0
173				52.5	54.5	57.0
175				54.5	56.0	59.0
178	•		-	56.0	58.0	61.0
180				58.5	60.0	63.0
183				61.0	62.5	65.0

उपर्मुक्त सारणी में विए गए भीसत बजन से 10 प्रतिशत कम-ज्यादा (नीसेना के लिए 6 कि ब्याब कम ज्यादा) वजन सामान्य सीमा के ग्रन्दर माना जाएगा । किन्तु भारी हिङ्ग्यो वाल लम्ब भोड़ व्यक्तियो तथा पतले पर ग्रन्थया स्वस्य व्यक्तियो के मामले मे गुणवता के घाधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है ।

टिप्पणी 1—-ऐसे मासलों में जहां चिकिन्सा बोर्ड यह प्रमाणित वर देता है कि उम्मीदवार प्रणिक्षण पूरा होने तक बढ़कर अपेकित मानक तक हो सकता है कद में 2.5 सें० मी० को छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 2--बायुसेना में पाइलट के रूप में विशेष धपेकाधों की पूर्ति हेतु टांग की लम्बाई जंघा की लम्बाई तथा बैठे हुए लम्बाई की स्वीकार्य माप निम्न प्रकार होगी ---

	स्यूनतम	धिकसम
टोग की लम्बाई	99.00	120 सें० मी •
जंघाकी क्षम्बाई		64.00 में ० मी ०
नैठ दूए सम्बाई	81.50	96,00 सें० मी०

राष्ट्रीय रक्षा भकादमी के उम्मीदवारों की कम उम्म के कारण 5.0 सेंग्मी विश्व तक ऊचाई में 2.5 सेंग्मी (न्यूनतम) तक टांग की लम्बाई में भीर 1.0 सेंग्मी (न्यूनतम) तक बैठे हुए ऊंचाई में गुजाइण दी जा सकती है बधारों कि चिकित्सा बोई ने प्रमाणित कर दिया हो कि उम्मीदवार में बड़ोत्तरीं हो सकती है भीर राष्ट्रीय रक्षा भकादमी में प्रशिक्षण पूरा होंने पर यह अपेक्षित स्तर प्राप्त कर शकता है।

- (ष) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए नथा पूरा सांस नेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाब 5 सें अी वहांना चाहिए। माप इस तरह फीता लगा कर भी जाएगी कि इसका निवला किनारा सामने ज्वक सं लगा रहे और फीते का उपरी भाग पीछे स्कन्ध फलक (शोल्डर बनेड) के निम्न कोण (अपर एग्लिल) को लूने रहना चाहिए। छाती का एक्सरे करना जकरी है इसे यह जानने के लिये किया जाएगा कि छाती को कोई रोग तो नहीं है।
  - (क) शरीर में हिंडुयों भीर जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए उम्मीदवारों को रीढ़ की हड़ी का एक्सरे नेमी तौर पर नहीं किया जाएगा किन्तु नैवानिक सकेत मिलने पर सर्जरी विशेषक की सलाई पर किया जाएगा, ऐसे जग्मजात दोव गुणदता पर स्वीकार किए जा सकते हैं जिनमें सेना कलंक्यों के निज्यादन में बाधा पड़ने की संभावना न हो। वायु सेना के लिये मेरदण्ड की हालत
  - (च) नीचे लिखा पिछला स्वास्थ्य वृत्त वायु सेना कर्तव्यों के लिये प्रयोग्य ठहराने वाला है:
    - (i) मेक्कण्ड या तिरछे जोड़ों की ऐसी बीमारी धाहे उसके बास्तिबक लक्षण हो या न हों—जिसकी बजह से उम्मोदवार सारीरिक रूप से सिक्ष्य जीवन सफलतापूर्वक न विसा सकता हो ।
    - (ii) प्रोलैप्स मन्तराक शेष्क विस्व तथा उस भवस्था के लिए शस्य चिकित्सा ।
- (छ) मेकदण्ड की पूरी नैदानिक जांच की जानी है जिसमें उसकी ग्राकृति स्थानिक कोमलता, यदि कोई है, मेकदण्ड की हरकत ग्राधि शामिल हैं केवल हवाई कमी के कार्य के वास्ते उम्मीदवारों के लिए किटलिक केशक्क का एक्सरे (ए०पी०तथा पाश्विक दृश्यता) किया जाना है।
- (ज) हलका काईकोसिस या लोडोसिस जहां विख्याता मृण्किल से दिखाई देती है जहां दर्व की बहु हरकत में दकावट की क्षिकायत नहीं है, स्वीकृति में बाधा महीं बनेगा।

- (म) दिखाई पडने वाने स्कोलियोसिन के या अन्य किसी तरह की धासामान्यता या मेरुदण्ड की विरूपता का जो मामुली से श्रीधिक हो--- सेवेह होने पर मेरुदण्ड का उपयुक्त एक्सरे लिया जाना है धीर परी-कार्यों की विशेषक की सलाह हेनु प्रस्तुत करना है।
- (ङा) एक्सरे परीक्षा के बाद पाई गई निम्नलिखित प्रवस्थाएं बायु सेना में प्रवेश हेतु प्रयोग्यसा का कारण मानी जाएगी:--
  - (i) मेक्वण्ड की ग्रैन्यूलोमेटस बीमारी
  - (ii) आर्थराइटिम स्पोन्डिलोमिस
  - (iii) काब पद्धति से यथामापित स्कोलियोग्निय जो 15 से अधिक हो ।
  - (iv) मामुली से ज्यादा काइफोसिस लोडोसिस
  - (v) स्पोण्डिलोलिसपैनिस स्पोन्डिलिससिस
  - (vi) हरनिएटिङ (न्यूक्लिग्रगलपोसन)
  - (viī) केशस्क का संपीडन विभंग ।
  - (viii) श्वीरमेन की बीमारी
  - (ix) प्रवर्णनीय तंत्रीकीय या परिसंचारी स्नभाव के साथ अन पर्युक्त
  - (X) मेरदण्ड संबंधी अन्य अनामान्यता यदि विशेषज्ञ का ऐसा मत हो ।
  - (ट) उम्मीदशार मार्गानक विकृति या दौरे पडने का पिछला रोगी नहीं होना चाहिए ।
  - (ठ) उम्मीदवार मामाग्य रूप से सुन सके । उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शांत कमरे मे प्रश्येक कान से उ10 में जो जो दूरी से जोर की कानाफूमी सुन सके । कर्णनामिका की पिछली या ध्रवकी बीमारी का काई प्रमाण न हो।

वायु सना के लिये श्रव्यतामितिक परीक्षण किए जायेंगे । 250 एच० जैड० 400 एच०जैड० के बीच की ग्रावितियों में श्रव्यतामितिक कमी - 10 डेसिबल से ग्राधिक नहीं हो ।

- (ड) हृदय या रक्तवाहिकाओं में सर्वध में कोई कियारमक या भागिक रोग नहीं होना चाहिए । रक्त दाव सामान्य हो ।
- (क) उद्रेपियाँ सुनिकसित हो तथा जिगर या तिल्ली बईं। हुईं न हो । उदर के प्रांतरिक अंग की कोई भीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिया आएगा ।
- (ण) यदि किसी अम्भीदवार को हिनिया है घौर उसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो, तो वह उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा। यदि हिनिया की शल्य चिकित्सा हो गई हो तो वह वर्तमान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहुने हुई हो घौर उसका जरूम घी पूरी तरह ठीक हो चुका है।
- (त) हाक्श्रोसील, वेरिकोसिल या पाक्ष्स का रोग नहीं होना चाहिए।
- (थ) मृत्र की परोक्षा की जाएगा भीर यदि इसमें कोई ग्रसामान्यता मिलता है तो इन पर उम्मीदवार ग्रस्वीकृत हो जायना ।
- (द) अशक्तता लाने या आकृति बिगाइने वाले चर्म रोग के होते पर उम्मीदयार अस्वीकृत किया जाएगा ।
- (म) उम्मीदवार को दूर दृष्ट चार्ट में प्रश्येक आख से ऐनव सहज्ञ या ऐनक बिना नौसेना के लिए ऐनक बिना 6/6, 6/9 भीर वायू सेना के लिए केवल ऐनक बिना 6/6 पढ़ने में मसर्थ होना चाहिए। मार्योपिया 2.5 भी तथा हापरमेट्रोपिया 3,5 भी ० एस्टिंगमेटिंग्स सहित) से भ्राधक नहीं होना चाहिए। जानने के लिए कि भाष में कोई रोग सो नहीं है भाष की भ्रान्तरिक परीक्षा भीष्यलभास्कोप से की जाएगी। उम्में दथार के बोगों नेतो की दृष्ट मच्छा होनी चाहिए। वर्णदृष्टि का मानक सी ० पंग्रं स्थल सेना के लिए सी ० पंग्रं होगा III-1 उप्ते दबार

भे लात यह रेरणे को पहचातने की अमता होनी चाहिए। नौसेना उम्मीदवारों के लिये एम० एल० टी० द्वारा सी० पी० तथा राखि दृष्टि की नीक्षणता भामान्य होगी चाहिए तथा उनको इस झाशय का प्रमाण पत्न वेना होगा कि उसे या उसके परिवार के किसी मदस्य को जन्मजात रतीधी द्वाने का रोग नहीं द्वसा है।

नौसेना के उम्मीदवारों का दृष्टि मानक—— दूरकी दृष्टि—— 6/6, 6/8 तक शोध्य 6/9, पास की दृष्टि—— प्रायेक आर्था एन० — 5 वर्णदृष्टि—— एम० एक० टी० द्वारा सी०पी० I

प्रयेक्षाङ्ग प्रव्छी स्रोख में मागोशिया 0.5 डायाप्ट्रेम से बढ़े नहीं भीर हायपर- मेट्रोपिया 1.50 डायोप्ट्रेस से श्राधक न हो भीर प्रपेक्षाइस अपन आख मे 2.50 डायोप्ट्रेस से श्रधिक न हो।

वृष्टि संबंधी पेशी सन्तुलन—मैडायम राड टैस्ट के साथ हैट्रोफोरिया निम्न से ग्रिथिक बिल्कुल न हो:——

- (i) ७ मीटर पर--एक्सोफोरिया ८ प्रिज्म शायोप्ट्रेम
   एसोफोरिया ८ प्रिज्म शायोप्ट्रेस हाबपरफोरिया 1 प्रिज्म शायोप्ट्रेस
- (ii) 30 सें० मी०पर एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म बायोप्ट्रेस ऐसोफोरिया 6 प्रिज्म हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म बायोप्ट्रेस

वाय सेना के लिय निम्नलिखित मानदण्ड हैं:—
दूर की दृष्टि 6/6, 6/6 तक सुघार योग्य 6/9
पान की दृष्टि प्रश्येक घाँख की एन 5
वर्ण दिष्ट सी० पी० 1 (एम० टी० एल०)
मनीफेस्ट हाइररमेट्रोपिया 2.00 डी० से प्रक्रिक न हो ।
मार्गापिया 000 कुछ नहीं
एस्टिगमेटिज्म 00 + 0 75 डी०

गेडडोना रोड टेस्ट के साथ हैंटरोफोरिया निम्नलिखित से अधिक न हो:--

(i) 6 मोटर पर एक्सोफारिया 6 प्रिज्म शायोप्ट्रेस एसोफोरिया ६ प्रिज्य **हा**योप्ट्रेस हाइपर/हाइपो-फोरिया 1 प्रिज्य **हा**योप्ट्रेस (ii) 33 में ० भी ० एक्सोकोरिया डायोप्ट्रेन 16 प्रिज्म एसोफोरिया पर 6 प्रिजम **हायोप्ट्रे**स हा**इपर है। इपी-फोरिया** 1 प्रिजम **डा**योप्ट्रेस द्विनेत्री दुष्टि भ्रच्छी द्विनेत्री दृष्टि का होना भ्रनिवार्य है (पगुजन तथा स्टरवोष्सिम तथा साथ में प्रच्छा प्रायाम व गहुनता

- (न) (iii) उम्मीदवार के पर्याप्त सख्या में कुदरती ब मजबूत वांत होने चाहिए। क्रम से कम 14 धांत बिन्तु बाला उम्मीदवार स्वीकार्य है। जब 32 बान होते हैं तब कुल 12 दांत होते हैं। उम्मीदवार को तीक्ष पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।
- (प) वायुसेना के उम्मीदवारों के लिए स्टीन ईश्लिशिङ्गी स्वा ईश् ईश्जी क्समान्य सीमा में होने अरूरी हैं।

#### परिशिष्ट III

# (सेव। प्रादि का मंक्षिप्त विवरण)

- प्रकादमी में भर्ती होंने से पूर्व माता पिता या संरक्षक को निम्न-लिखित प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे:--
- (क) इस श्राणय का प्रमाण पल कि वह यह समझता है कि किसी प्रांणक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट सग जाय या ऊपर निर्विष्ट किसी कारण से या अध्यया आवश्यक किसी सर्जि-कल श्रापरेणन या संवेदन।हरक द्वाशों के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारी-रिक श्रशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके दीव

उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुद्राक्षणे या धन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

- (ख) इस प्राणय का बन्ध पन्न कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं उम्भीदार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले बापस प्राना चाहता है या कभीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा गुरूक, भोजन बस्त्र पर किए गए ष्यय सथा दिए गए हेतन भीर भरों की कुल राशि या उतनो राशि जो सरकार निश्चित करें उसे बापस करनी होगी।
- 2. घावास पुस्तकों, वर्षी, बोर्किंग ग्रीर चिकित्सा सिंहत प्रिमिशन के खर्च को सरकार बहुन करेगी। उम्मीदवार के माता पिता या संरक्षक से यह भाणा की जाती है कि उम्मीदवार का लेख खर्च वे खुद सदिश्य करेंगे। सामान्यतया इन खर्चों के 40.00 इ० से मिंछक होने की सभावना नहीं है। यवि किसी कैंग्रेट के माता पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या भाशिक रूप में बर्दाश्त करने में ग्रस्मर्थ हो तो पहले भौर पूतरे वर्ष के लिये ६० 40.00 तक भौर राष्ट्रीय रक्षा धकादमी में तीसरे वर्ष के लिये ६० 40.00 तक भौर राष्ट्रीय रक्षा धकादमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिए ६० 45.00 भीर चल सेना/मी वायु नेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में भागे विशिष्ट प्रशिक्षण के ६० 55.00 तक सरकार द्वारा विनीय सहायता दी जा मकती है। लेकिन जिन उम्मी-ववारों के माता पिता या संरक्षक की मासिक भाय ६० 500.00 या इमसे अधिक हो वे इस विसीय सहायता के पात नहीं होंगे। विसीय महायता की पात्रसा निर्मार तिर्मीय सहायता के पात्र नहीं होंगे। विसीय महायता की पात्रसा निर्मीय सहायता के पात्र सम्मत्तियो भौर सभी सामनो में होने वाली भाय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता पिता/संरक्षक सरकार से किसी प्रकार की वित्तीय महायका प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्त/ सैरिक्षित के राष्ट्रीय रक्षा प्रकारमी में प्रशिक्षण के लिए पंतिम रूप से चूने जाने के तुरन्त बाव अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक प्रावेशन पत्र देना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेट अपनी अनुसंसा महित राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी, खड़कवासला पुणे (411023) के कमोबेंट को अग्रेषित कर देगा ।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए, उम्मीव-वारों को आने पर कमोडेंट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी:---

(क) प्रतिमान 40.00 ६० के हिसाब से पांच म	हीने	र्व०
का अंब सार्च		200.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए		650.00
(ग) I सेमिस्टर के दौरान प्रासंगिक ष्यय		150.00
मोग		1000.00

उम्मीववारों को विसीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपयुक्त राशि में से नीचे लिखी राणि वापस कर की जाएगी:—

- (क) 40.00 कु प्रतिमाह के हिसाब से पांच महीने ६० का जेब आपर्च . . . . 200.00
- (आ) वस्त्र सथा उपस्करों की मदों के लिए लगभग 475.00
- 4. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध
- (1) परणु राम भाऊ पटबर्धन छात्रवृत्ति :---यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है जिनके माता-पिता की आय
  सभी साधनों से ६० 350.00 तथा ६० 500.00 के बीच हो। छात्रवृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक
  कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अन्य कमीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों
  में रहेगा तब तक के लिए वह प्राप्त होगी किन्तु गर्ते यह है कि कैडेट
  का ब्यवहार अच्छा रहे और वह संतोषजनक प्रगति करता रहे और उसके
  माता पिता की आय निर्धारित सीमा से कम रहे। जिन किडेटों को यह
  छात्रवृत्ति दी जायेगी उन्हें सरकार मे अन्य वित्तीय सहायता नहीं दी
  जाएगी:---
- (2) कर्नल केंडिल प्रेय भैमोरियल छाटवित :- यह छात्रपृत्ति 360,00 इ० प्रति वर्ष की है और उस महराझा कैंडेट को दी जाती

- है जो भृतपूर्व सैनिक का पुत्र हो । वह छात्रवृक्ति सरकार से प्राप्त विस्तीय सहायता के अतिरिक्त होगी ।
- (3) कुवंर सिंह मैमोरियल छात्रवृत्ति :—दो छात्रवृत्तियां उन दो फीडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हें विहार के उम्मीदवारों में उण्चतम स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्रवृत्ति 37.00 रु० प्रति मास की है तथा अधिकतम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी, देहरादूक तथा वायु सेना क्लाइंग कालिज तथा मौसेना अकादमी, कोचीन में जहां कैंडेट को प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर मेजा आएगा दी जाती रहेगी। छात्रवृत्ति तभी मिलती रहेगी जब कैंडेट उपर्युक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहे।
- (5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रश्रृत्तिमां :—दो छात्रशृ्तिमां 30.00 घ० प्रतिमास की तथा 400.00 घए की परिधान शृ्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैंडेटो की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में संतोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिए दी जाएगी। जिन कैंडेटों की यह छात्रवृत्तियों मिलेंगी उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय महायता सरकार से नहीं मिलेंगी।
- (6) केरल मरकार छात्रवृत्ति : पूरे वर्ष के लिए 480 द० की एक याग्यता छात्रवृत्ति रा०र० अकादमी में प्रणिक्षण की पूरी अवधि के लिए केरल राज्य सरकार द्वारा उस कैंडेट को दी जाती है जो केरल राज्य का अधिवासी निवासी हो और जो रा०र० अकादमी हेतु अखिल भारतीय सं० लो० से० आ० प्रत्येक प्रदेश परीक्षा में प्रथम हैंचान प्रारत कर लेता है भले ही उसने बहु परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज से भारत मर में किसी सैनिक स्कृल से उत्तीर्ण की हो । ऐसा करते समय कैंडेट के पिता/संरक्षक की आर्थिक स्थित पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।
- (7) बिहारी लाल भवाकिनी पुरस्कार :---वह 500.00 रुपए का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड़के को अकादमी से प्रस्येक कोर्स के लिए मिलता है। आवेदन प्रपन्न कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा ग्रक(दमी से मिलते हैं।
- (8) उद्दीसा सरकार छाध्रवृत्तिया :- सीन छात्रयृत्तियां एक थल सेना, एक नीसेना तथा एक वायु सेना के कैडेट के लिए प्रत्येक 80.00 रु० प्रति मास के हिसाय से उद्दीसा सरकार उन द्वारा कैडेटों को दी जाएगी जो उद्दीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं। इनम से दो छात्रवृत्तियां कैडेटों की योग्यता तथा आय साधन के आधार पर दी जायेंगी जिनके माता-पिता या अभिभावक की आय रु० 5,000 प्रतिवर्ष से अधिक म हो तथा तीसगी छात्रवृत्ति बिना उसके माता पिता या अभिभावकों की आय को ह्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कैडेट को दी जाएगी।
- (9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्तियां :— निम्नलिखित वर्गी की छात्रवृत्तियां पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैडेटों को दी आएगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवासी हैं:—
- (क) वर्ग 1 ये छात्रवृत्तियां (यल सेना, नौसेना तथा वायु सेना के लिए एक-एक) 360.00 रुपए प्रतियर्थ पहले और दूसरे वर्ध के लिए और अकादमी में तीसरे वर्ष के लिए तथा विशेष प्रशिक्षण संस्था में घोषे वर्ष के लिए 480.00 रुपए तथा इसके अतिरिक्त 400.00 रुपए परिम्नान यृत्ति। यह उन कैंग्रेटों को वी आएगी जो अकादमी म कोई अन्य छात्रवृत्ति । यह उन कैंग्रेटों को वी आएगी जो अकादमी म
- (ख) वर्गे 2:---सीन छालवृत्तियां 100 रुपए प्रतिवर्धे एक मुप्त सरकारो विसीय सहायता के अतिरिक्त दी जाएंगी।

- (11) हिमाचल प्रदेश सरकार छाह्मबृतियां :—हिमाचल प्रदेश के कैंग्रेटों को चार छाह्मबृत्तियां प्रदान की जाएंगी। प्रमिक्षण के प्रथम दो कर्षों के लिए छाह्मबृतियां 30.00 रुपए प्रतिमास तथा प्रमिक्षण के तीसरे वर्ष के लिए 40.00 रुपए प्रतिमास मिलेगो। यह छाह्मबृति उन कैंग्रेटों की मिलेगी जिनके माना-पिता की मासिक आय 500.00 रुपए प्रति मास से कम होगी। जो कैंग्रेट सरकार से वित्तीय महायता ले रहा हो उसे छाह्मबृति नहीं मिलेगी।
- (12) तमिलनाडु सरकार की छात्रवृत्ति : तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 30 क प्र० मा० की एक छात्रवृत्ति तथा साथ म 400 क सज्जा भक्ता (कैडेट के प्रशिक्षण की पूरी अविधि के वौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैडेट को विया जाएगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक/सरक्षक की मासिक आय 500 का से अधिक न हो। पात्र कैडेट अपना आवेदन, कमाडेंट राष्ट्रीय अकादमी को यहां पहुंचाने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।
- (13) किर्नाटक सरकार की छाधवृत्ति:—कर्नाटक सरकार ने प्रति वर्ष 18 (अठारह) छात्रवित्तमां—9 जनवरी से गुरु होने वाले कोसों के लिए और 9 जुलाई से गुरु होने वाले कोसों के लिए अर्गेट के एक के उन केंद्रेटों को दी है जो सैनिक स्कूल, बीजापुर या राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कालेज, देहरादून में अपनी विक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं। इन छालवृत्तियों की राशि 480.00 रुपए प्रतिवर्ष है।

कः 480.00 प्रतिवर्ध की चार (4) और छालवृत्तियां (वो प्रति सत) कर्नाटक राज्य के उन छात्रों को दी गई हैं जो सैनिक स्कूल बीजा-पुर राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कालिज, वेहरादून के अलावा अन्य स्थानों पर अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी सें जाते हैं।

(14) बिहार सरकार की छात्रवृत्तियां :— बिहार के कैडेटों को 25 छात्रवृत्तियां थी आएंगी। प्रत्येक छात्रवृत्ति का मृह्य 50 रूपए प्रतिमास है तथा यें राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में छह अवधियों तक पूरी तरह बास करने पर मिलेगी। 50 रुपए प्रतिमास छात्रवृत्ति पाने बाले 25 कैडेटों में से प्रत्येक की कपड़ों तथा उपस्कर के बास्ते एक समय के पुरस्कार के कप में 650 द० मिलेंगे। उपर्युक्त छात्रवृत्ति पाने बाले कैडेट सरकार से अन्य छात्रवृत्ति या विशोध सहायता लेने के पान नहीं होंगे।

इन छालपृत्तियों की मार्त राष्ट्रीय अकादमी, चड़कवासला, पुणे (411023) से प्राप्त की जा सकती हैं।

 चुने हुए उम्मीदवारों के अकादमी में आने के बाद सरकाल उनके लिए निम्निलिखित विषयों में एक प्रारंभिक परीक्षा होगी।

- (क) अंग्रेजी
- (ख) गणित
- (ग) विज्ञान
- (म) हिन्दी
- (क), (ख) सथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर, भारतीय विश्व-विद्यालय या हायर सेकेण्डरी णिक्षा बोर्ड की हायर सैकेण्डरी परीक्षा के स्तर से उंचा नहीं होगा। (घ) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जांचा जाएगा कि उम्मीदबार को अकावमी में भर्ती होने के समय हिम्दी का कितना ज्ञान है।

अतः उम्मीदवारों को सत्ताह वी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के स्परान्त अध्ययन के लिए उदासीन न हो जाए।

#### प्रशिक्षण

- 6 तीनों सेनाओं अर्थात् यस सेना, नौसेना और बायु सेना के लिए धुने गए उम्मोदवारों को तीन वर्ष के लिए शैक्षिक सथा शारीरिक बोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है जो एक सर्व सेना संस्था है। पहले ढाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। सफल होने पर कैडेटों को जवाहर लाल नेहक विश्व-विदालय, दिल्ली द्वारा बी० एससी०/बी० ए० डिग्री प्रदान की जाएगी।
- उ. राष्ट्रीय रक्षा अकावमी में पास होने के बाद थल सेना कैंबैट भारतीय सेना अकादमी, वेहरादून में नौसैना कैंबेट, कैंबेटों के प्रशिक्षण पोत में और वायु सेना कैंबेट ६० एक० एस०, विदार आएंगे।
- 8. भारतीय सेना अकावमी में सेना कैडेटों को 'जेप्टलमैन कैडेट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण विमा जाता है ताकि वे इन्कैंग्ट्री के उप यूक्तिं का नेतृत्व करने योग्य अफसर बम सर्चे प्रशिक्षण सफलका से पूरा करने के बाद जेप्टलमैन कैडेटों की उनके थेप (S'tape) शारीरिक दृष्टि से योग्य होने पर सैकेण्ड लैफ्टिनेस्ट के पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।
- 9. नौसेना कैंडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें मौसेना की कार्यपालक इंजीनियरों, बिजली और शाखाओं के लिए चुना जाता है। उन्हें छः महीने के लिए कैंडेट प्रशिक्षण-पोत पर समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिडशिपमैन रैंक में पदोन्नत किया जाता है। संबद्ध शाखा मे 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी तथा लैंपिटनेन्ट के रैंक में पदोन्नत किया जाता है।
- 10. थायु सेता कैडेटों को हवाई उड़ान का डेड धर्ष का प्रिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रणिक्षण पूरा होने पर अनित्तम रूप से पायलट अफसर के रूप में कमीशन प्रदास किया जाता है उसके बाद छः महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अविध के लिए परिवीद्धा पर स्थायी रूप से कमीशन अफसर के रूप में समाह्रस कर विया जाता है।

# सेवा की शर्ते

#### 11. थल सेना अधिकारी

#### (i) वेतन

रैक		वेतनमान
	 	रुपए
सैकिण्ड लैफ्टिनेस्ट .		760-790
सैपिटनेस्ट		830-950
कैप्टन		1100-1550
मेजर .		1450-1800
मेजर (चयन ग्रेड)		1800-50-1900
लैफ्टिनेन्ट फर्नेल (चयन द्वारा)		1750-1950
लेपिटनैस्ट कर्नल (चयन ग्रेड बेतन)		2000-50-2100
शैफ्टिनेस्ट कर्मल (समय वेतनमान)		1900 नियत
कर्नेल .		1950-2175
विग्रेडियर .		2200-2400
मेजर जगरल		2500-125/2-2750
क्षैपिटनेस्ट जनरल		30 00) प्रतिमास
क्षैपिटनेस्ट जनरल (सेना कर्मांडर)		32.50 र्प्रतिमास

# (ii) योग्यता वेशन और अनुवान

कीप्टिनेन्ट कर्नल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- क., 2400/- ६० 4500/- ६० अवना 6000/- ६० के एकमुक्त अमु- थान के हकवार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'का) 70/-- ६० दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

### (iii) मते

वेतन के जिनिरक्त अफसरों का इस समय निम्नलिखित चले मिलते हैं:---

- (क) सिविलियन राजपित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शतों के अनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई मत्ते विए जाते हैं।
- (सा) २० 50/-- प्रतिमास की दर से किट अनुरक्षण सत्ता।
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास मत्ता मिलेगा। यह विदेश भन्ते की तवनुकर्पी एकल दर का 25 प्रतिशत से 46 प्रतिशत तक होगा।
- (थ) नियुक्ति घत्ता: जब विवाहित प्रथमरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब प्रथमसर 70/-६० प्रतिमास की दर से नियुक्ति घत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।
- (क) संज्ञा मत्ता प्रारम्भिक सज्जा भत्ता द० 1400/- है। प्रथम कामीशन की तारीख से द० 1200/ की दर से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नए सज्जे के बावे का भ्गतान किया जा सकता है।

# (vi) तैनाती

पल सेना श्रफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

# (v) पदोन्नतिया

(क) स्थायी पदोन्नति

(i) समय बेतनमान से

उम्बतर रैंकों पर स्थापी पदोन्नति के निए निम्नलिखित सेत्रा मीमाएं हैं:—

म्युनतम सेवा सीमा

<b>लै</b> पिटने <b>ग्ट</b>				2	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेवा
कैप्टन .				6	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेवा
मेजर ,				13	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेव
मेजर से लैपिट	नेन्ट कर्नल	यवि	चयन					
∎ारा पदोमति न	हुई हो			25	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेवा
(ii) <b>च</b> यन	द्वारा				रयुन	सम सेवा	सीमा	
<b>शै</b> पिटनेस्ट कर्मल				16	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेवा
कर्नेल 👬 .				20	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेवा
विगेडियद				23	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेवा
मेजर जनरल				25	वर्ष	कमीशन	प्राप्त	सेवा
क्षैपिटनेन्ट जनरस	,			28	वर्ष	कमीशन	भाषा	सेवा
जनरस .	٠			कोर्च	মি	तेयन्ध नर्ह	¥ i	

# (ध) कार्यकारी पदोमति

निम्निशिक्षित न्यूमतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर अफमर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्निन के लिए पाक होंगे बशर्त कि रिक्तिया उपलब्ध हों:---

4				
बैप्टन			3	वर्षे
मेजर		•	6	वर्ष
<b>लै</b> पिटनेन्ट	कर्मल		6 <del>]</del>	वर्ष
कर्नल			81	वर्ष
विगेवियर			12	वर्षे
मेशर अन	रस		20	वर्ष
नैपिटनेस्ट	जनरल		25	वर्ष

12. मोनवा अफनर

#### (i) येताः

		वेतनमान	
रेंक		स।मान्य सेवा	 नौसेना विमानन और पनकुब्बी
		मासिक ६०	मासिक रु०
मिडशिपमैन		560	560
कार्यकारी सबलैपिटनेस्ट	•	750	825
सबलैपिटनेस्ट		830-850	910-950
सैपिटनेस्ट .		1100-1450	1200-1550
लैंपिटनेन्ट कमांडर	,	1450-1800	1450-1800
कमोडर		1750-1950	1750-1950
<b>कै</b> प्टेम		1950-2400	1650-2400
		कोमोबोर को वही	वेतन मिलता 🤾
		जिसके निए स	वह कैंप्टेन के स्म
		-	टता के अनुसार
			हकदार हैं।
रियर एक्टमिरन		2500-125-2-27	50
वाइस एडमिरल		3000-त्रतिमास	

योग्यता वेतन/अनुवान भी निम्नलिखित को प्राह्य है :--

कुछ निर्धारित गोग्यनाएँ रक्षन बाल कमांडर धौरउनके नीच के रैक के अफसर की अपनी योग्यनाओं के आधार पर 1600/—— 2400/— द० 4500/— द० या 6000/— द० के एकमुण्य अनुदान के हकदार हैं। पलाइग इन्सट्रक्टर अभी क और ख अमग्रा: 100 रुपए और 70 रुपए प्रतिमान के अहंक बेतन के हकदार हैं।

# (ii) मरी

- (क) प्रतिपूरक (नगर) मत्ता और मंहगाई मत्ता उसी वर और उन्हों मनौं पर ग्राह्य है जो समय-समय पर सिविलियन राज-पश्चिन अधिकारियों पर लागु है।
- (बा) फीट अनुरक्षण भता 50 ६० प्रति मास की दर पर
- (ग) जब भारत से बाहर समुद्र तट पर या कुछ देणान्तरीय और अक्षाणीय सीमाओं के बाहर जहाज पर हो तो निर्वासन भत्ता। दरें रैंक के अनुसार 50 ६पए प्र० मा० से लेकर 250 रुपए प्र०मा० तक अलग अलग हैं!
- (ध) जहाज पर सेवारत विवाहित अधिकारियों की उनके जहाज के मूल बन्दरगाह से दूर क्षेत्रे की अविधि के सैका कर पर नियुक्ति भत्ता।
- (क) पहली बार कमीशन मिलने पर 1600/-- रुपए परिसज्जा भता और प्रभावी सेवा के प्रत्येक सात वर्ष बाद 1400/--स्पए नवीकरण परिसज्जा भता।

नीसेना के उड्डयन अधिकारी माजिक दर पर और बत्युक्तना अधिकारियों के यंगच रैंकों पर लाग कर्तों के अधीन उडात बतन के हकदार है।

उपर्यक्त के अतिरिक्त नोमेता अधिकारी कुछ विशेष रियायनों के भी हकदार हैं जो उनके साथ लगे शर्न पूरी कर उने पर को आएगो नै से हाईलाइंग मनी, समनेराहन एलाउंस, सबमेराहन पे, डाइबिंग पे औष सर्वे बाउन्हीं!

# (111) पदार्श्वातयां

# (क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पक्षेत्रतियों के लिये निम्नलिखिस सेवा सीमार्थे हैं:--

समय बतनमान द्वारा	
सब लैपिटनेन्ट	१ मर्ख
<b>लै</b> पिटनेस्ट	্ৰ ঘৰ্ষ (ৰবিজ্ঞানা লাম/জনৱী ক
	अधीन)
सैपिटनेस्ट कमोडर	लैपिटनेन्ट के रूप सें 8 वर्ष की
	वरिष्ठता ।
कमांडर	24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
	(यदि चयन द्वारा पदोन्नति नहीं
	हुन्दि है )।

#### चयन द्वारा

44.1 6.11	
कमासर कार्यपालक माआ	लैफ्निस्ट कमोडर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्टता ।
कमांडर इंजीनियर भाखा	श्रीपिटनेस्ट कमांडर के रूप में 2−10 वर्ष की वरिष्ठता।
कमोडर विद्युत शाखा	लैपिटनेस्ट कमांडर के रूप में 2−10 वर्ष की वरिष्ठता ≀
कैंप्टन	कमांकर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठशा।
रियर एडमिरल थाइस एडमिरल	कोई प्रतिषम्ध नहीं । कोई प्रतिबन्ध नहीं ।

# (ख) कार्यकारी पदोन्नति

लैफ्टिनेस्ट कमोडर के रैंक को छोड़कर जिसके लिये किसी अफसर को लैफिटनेस्ट के रूप सें 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए, नौसेना की कार्यकारी पर्याम्नति के लिये कोई सेवा सीमा नहीं है।

# 13. वायु सेना अफसर

# (i) वेतन

रैंक	वेतनमान रुपए
पाइलट अफसर	825-865
फ्लाईग अफसर	910-1030
पुला हुंग-लैपिटनेम्ट	1300-1550
स्क्वाडून लीडर	1650-1800
विंग कमोडर (जयन)	1750-1950
थिंग कमांडर (समय वेतनमान)	1900 नियत
ग्रुप कैप्टन	1950-2175
पुगर कर्मांडर	2200-2400
एयर बाइस मार्शल	2500-2750
एगर मार्शल	3000
एयर मार्गल (बी० सी०ए०एस०	
और ए० ओ० एम०सी० (इन०सी०)	3250
एयर चीफ मार्गल (सी०ए०एस०)	4000

# (ii) **म**त्ते

उड़ान बेतन--- उड़ान शाखा शाखाओं के अफसर (पायलट और नेवी-गेटर) निम्नलिखित दर पर उड़ान शक्ता लेने के पाल है:— पायलट अफसर से लेकर 250 प्रतिमास बिंग कमंडिर तक पूप कैप्टन और एयर कमांडर **उह्य प्रतिमास** प्यरबाइस मार्शल और उससे कपर ७०० प्रतिमास

शाखा अफसरों को प्राप्य जिनके पास निर्धारित योग्यताये हैं ---

योग्यता वेतन	रा० 100√ प्र० मा	च्या <b>र</b> ० 70-/-
	५० माम	
	स०	ॸॖ०
योग्यता ग्रनुदान	60 <b>00/- ৰ</b> ৹	4500/-
	2400/- या	1600/-
(iv) पदोन्नशियां		•
(_\		•
(क) मूल पदोक्षति		*

उक्चतर रैंकों पर मूल पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमार्ये ĝ :--

समय वेतनमान हारा	
फ्लाइंग अफसर	1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
फ्लाईंग सैपिटनेन्ट	5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
स्क्वाडून लीडर	11 वर्ष भी कमीशन प्राप्त सेवा
विग कमांडर	यदि चयन धारा पदोक्रति न हुई हो तो 24 वर्षे की कमीशन प्राप्त सेवा पूरी कर ली हो ।

भयन द्वारा		
विग कमांडर	16 वर्ष कुल सेवा गिनी आएगी	कमीशन प्राप्त
भूप कंप्टन		<del>-बही</del>
एयर कमोडर	24 वर्ष	-वही
एयर वाइस मार्शेल	26 वर्ष	-वही
एयर मार्शल	28 वर्ष —	-बही

# (ख) कार्यंकारी पदोन्नति

अफसरों की कार्यकारी पवीश्रति के लिये अपेक्षित न्यूनतम सेवा सीमा इस प्रकार है:—

वाना वय अनगर हः—	
फ्लाइंग लैपिटनेन्ट	2 <b>वर्ष</b>
स्म्वाद्रुम सीडर	5 वर्ष
विंग कमांडर	<ul> <li>6 वर्ष (स्क्वाडुन शीडर के रैंक में एक यर्प की सेवा के बाव)।</li> </ul>
एयर कमोडोर	$11\frac{1}{2}$ वर्ष (तिंश कमांडर श्रीर पुप कीप्टेन के रूप म 3 वर्ष की सेवा के बाद )।
एयर वाइस मार्शेल	15 वर्षे (धिंगकभांडर, पूप कैप्टेन और एयर कभोबीर केरैकों में 5* वर्ष के सेवा के बाद )।

#### 23 वर्ष । एयर मार्शल **≑खंडित अवधियों को शामिल करके**

# 14. सेवा निवृत्ति लाभ

पेन्सन , अपदान और प्रेच्युटी पेंसनी अवार्ड सन्तर-समय पर लाग् नियमों के अनुसार स्वीकार्य होंगे।

### 15. सुद्धी

समय-समय पर लागृनियमों के अनुसार छुट्टी स्वीकार होगी।

26--316 GI/82

# परिशिष्ट IV

,
भारत सरकार के अबीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाल
अनुसूचित जातियो और अनस्वित जन जातियों के उम्मीदवार द्वारा
प्रस्तुत किमें जाने वाते प्रमाण पक्ष का फार्म
प्रमाणित किया जाता है कि श्री
जिला/मंडल*
जाति/जन* जाति के हैं जिसे निम्निमिश्वत के अधीन
अनुसूचित जानि/अनुसूचित जन जानि के लप में मान्यता दो गई है :
संविद्यान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*
संविद्यान (अनुसूचित जन जातिया) आवेश, 1950*
संविधान (अनुसूचित जातिया) (संघ राज्य क्षेत्र) मादेश 1951*
संविधान (अनुसूचित जन जाति) (संध राज्य क्षेत्र) आदेश 1951*
(अनुसूचित जातियां और अमृसूचित जम जातियां सूचियां (आ- गोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठम अधिनियम, 1960, पंजाब पुन- गैठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश, राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्व क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अमृतूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां अदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 धारा मंगा संगोधित)
संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां वादेश, 1956*
संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959 अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित*
संविधान (दादरा और गगर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*
संविधान (दावरा और नगर हवेसी) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962
संविधान (पांकिचेरी) अमुसूचित जातियां आवेश, 1964
_ · <del>_</del> _ · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
संविधान (अनुसूचित जन जातियां) उत्तर प्रदेश आवेश, 1962*
संविधान (गोम्रा दमन और दिय्) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*
संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित अन् आतियां आवेश, 1943*
संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1970*
संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978*
संबिधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति आवेश, 1978*
े. श्री
हस्ताक्षर
**पदनास
(कार्यालय की मोहर के साथ)
स्यान
नारीष
*बा शब्द लागुन हो उम् <b>हें छप्या काह</b> वें।

- नीर :----वहा "आम तौर से रहता है" का अर्थ यही हाए। जो 'रिपेजें-ंगन आफ दि रिषण ऐक्ट (१५४०) की हारा 20 में हैं। \*जाति/जन जाति (। प्रमाण पत्न खारी करने क लिये सक्षम अधिकारी।
  - (i) जिला मजिस्ट्रेट/अितरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर/जिल्टी कमि-रनर/एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलक्टर/प्रथम श्रेणी का रटाइपैडरी मजिस्ट्रेट/मिटी मजिस्ट्रेट † सब डिबीजनल मजिस्ट्रेट/ ताल्लुक मजिस्ट्रेट/एवजीक्यूटिल मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर †प्रथम श्रेणी के न्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम ओहवे का नहीं ।
  - (ii) घीफ प्रेसीक्रेसी मजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेमीक्रेसी मजिस्ट्रेट/ प्रेसीक्रेन्सी मजिस्ट्रेट ।
  - (iii) रेवेन्य् अफमर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो ।
  - (iv) उस इलाके का सब-बिकीजनल अफसर जहां उप्मीदवार और/ या उसका परिवार आम तौर से रहता हो ।
  - (V) ऐडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डवलपमेंट अफ्रमर (सक्ष-द्वीप) ।

# परिक्षिष्ट V जम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

# क वस्तुपरक परीक्षण

बाप जिस परीक्षा में बैठने बाले हैं वह "बस्तुपूरक परीक्षाणूँ" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रथन (जिसको आगे प्रश्नाम कहा जायेगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रस्पुत्तर कहा जाएगा) दिये जाने ह । उनमें से प्रस्पेक प्रश्नाम के लिए आपकों एक उत्तर चून लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिसमें कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

#### ख. परीक्षण का स्वरूप

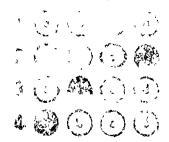
प्रकार पत्न "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3—मादि के कम से प्रकाश होंगे। हर प्रकाश के नीचे त, b, c. d, चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्युक्तर लिखे होगे। आपका काम एक सिहीं या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युक्तर सही लगें तो उनमें से सर्थोक्तम उत्तर का चुनाब करना होगा (अन्त में दिए गए नमूने के प्रकाश देखालें) किसी भी स्थिति मे प्रत्येक प्रकाश के लिये आपको एक ही सही प्रत्युक्तर का चुनाब करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युक्तर गलन माना आएगा।

### ग. उत्तर देने की विद्याः

परीका भवन मे आपको अलग एक उत्तर पत्नक दिया जाएगा । जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण पत्न के साथ मेजी जाएगी। आपको अपने प्रत्युक्तर इस उत्तर पत्नक में लिखन होंग। परीक्षण पृह्निका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर नहीं जाने जाएंगे।

उत्तर पक्षक में प्रश्नाशों की सख्याए । सं 160 तक चार खड़ों में छापी गई हैं (प्रस्थेक प्रश्नाश के सामने a, b, c, d, चिह्न वाले बृता-कार स्थान छिपे होते हैं । परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाश की पढ़ लेने और यह निर्णय कर लेने के बाद कि कीन सा प्रस्पुत्तर सही या सर्वोत्तम हैं आपको उस प्रस्पुत्तर के अक्षर वाले बृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है जैसा कि (आपका उत्तर

दशनि के लिए) नीचे दिखाना गया है । उत्तर पत्रक में बृत को काला बनाने के लिये स्पादी का प्रयोग नहीं करना चाहिए ।



यह जरूरी है कि ---

- प्रणाणों के उत्तरों के लिए केवल अन्छी किस्स की एच० बी० पेंसिन (पेंसिनें) ही लए और उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलत निणान को बदलने के लिए उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निषाक लगा दें। इसके लिये आप अपने साथ एक रवड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पक्षक का प्रयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह फट जाए या उसमें भोड़ व मिलवट, आदि पड़ जाए या वह खराब हा आए ।

# घ. कुछ महत्वपूर्ण विनियम:

- आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिये निर्धारित समय से 20 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान प्रहण करना होगा ।
- परोक्षा गुरु होते के 30 मिनट बाद किसी को परोक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाथेगा।
- परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी ।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पलक निरीक्षक—पर्यवेश्वक को सौप दे । आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमित नही है । इप नियम का उल्लंधन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा ।
- 5. आपको परीक्षा भवन मे उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण भरता होगा आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण कूटबढ़ भी करना होगा । इसके बारे ने अनुदेश आपके प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भैज दिए जार्येगे ।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का साथआनी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पायक पर कोई प्रविष्टि संदिग्य हैं, तो उस प्रश्नांण के प्रत्यूत्तर में निगे आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेश्वक के अनुदेशों का नालन को । जब प्रयोक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को शास्त्रक था गणान्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तरकाल पालन करें .
- 7. आप अपना अवेश-प्रगाग पत्र साथ लाएं, आपको अपने साथ एक एक ठाँ० पेसिल, एक २४ट, एक पेसिल शार्पनर और नीली या काली स्पाही वाली कलम भी लांनी होगी । आपको सलाह दी जाती हैं कि आप अपने साथ एक-एक लिल्प बोई या हाई बोई या काई बोई भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो । आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कांगज या कांगज का टुकड़ा पा पैमाना या आरेखन उपकरण नहीं लांने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होंगी । मांगने पर कच्छे काम के लिए आपको एक अनग कांगज दिया जल्गा । आप कच्चा काम या गृरू करने के पहले उस परपीक्षा का नाम, अपना रोज नम्बर, और परीक्षण की जारीख लिप्च और परीक्षण सामत्व होंने के बाद उसे अपने अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापिस कर हों ।

#### **४. विशेष अनु**रक्ष

परीक्षा भगन मे अपने स्थान पर बैठ जाने के बाव निरीक्षक आपको उत्तर पत्नक देंगे । उत्तर पत्नक पर अर्थित सूचना भर दें । यह काम पूरा होने के आद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे । परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवध्य देख में कि उस पर पुस्तिका भी संख्या निखी हुई है या अन्यथा, उसे बदलवा में। आपको परीक्षण पुस्तिका नव तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्येनेक्षक ऐसा करने के लिए न कहै ।

# च. कुछ उपयोगी सुझाव

यग्रपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव दशता से उपयोग करें । संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो । आप सभी प्रश्नों का उत्तर महीं वे पाते हों तो विन्ता न करें । आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पक्षें उन पर समय व्यर्थ न करें । दूमरे प्रश्नों की और बढ़ और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें ।

सभी अग्नांभों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जाएंगे।

# छ परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपका लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बंद कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आप के पाम आकर आपसे मधी आवश्यक वस्सुएं ने ले जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमति ने दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्नक तथा कक्के कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ने जाने की अनुमति नहीं है।

# नमृने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोट:---\*मही/सर्वोत्तम उत्तर विकल्प को निर्विष्ट करता है।)

#### 1. मामान्य अध्ययन

बहुत ऊंचाई पर पर्वेतारोहियों के नाक तथा कान से निम्निसिस्ति में से किस कारण से रक्त स्नाव होता है ?

- (a) रक्त का वाब वायुमण्डल के वाव से कम होता है।
- \*(b) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव से अधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाओं को अन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाव सपान होता है।
- (d) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव के अनुरूप घटता-बढ़ता है।

#### 2. कृ**षि**

अरहर के फुलों का झड़ना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- \*(a) युद्धि नियंत्रक द्वारा छिड्काव
- (b) दूर दूर पीधे लगाना
- (c) सही ऋदु में पौधे लयाना
- (त) योड़े थोड़े फासले पर पौन्ने लगामा।

#### 3. रसायन विज्ञान

H3VO4 का एनहाब्राइट-निम्नलिखित में से क्या होता है ?

- (a) Vo<sub>3</sub>
- (b) Vo<sub>4</sub>
- (c) V<sub>2</sub> v<sub>4</sub>
- \*(d) V205

#### 4. वर्षेशास्त्र

श्रम का एकाधिकार शोषण निम्निसिखित में से किस स्थिति में होता है।

- \*(a) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
  - (b) मजवूरी तथा सीमान्स राजस्व उत्पाद दोनो बराबर हों।
  - (C) मजदूरी सीमान्स राजस्व उत्पाद से अधिक हो ।
  - (d) मजदूरी सीमान्स भौतिक उत्पाद के बराबर हो ।

# 5. वैद्युत दंजीनियरी

एक ममझ रेखा को आपेक्षिक परावैग्युतांक 9 के परावैद्युत से सम्पूर-रित किया गया है। यवि C मुक्त अन्तराल में संचरण वेग दर्शाता है तो खाइन में संचरण का वेग क्या होगा।

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C19

#### 6. क विकास

वैसाल्ट मे क्लेजिआक्लेम क्या होता है।

- (ঃ) आक्रिगक्लज
- \*(b) नेशोडीसस्ट
- (८) एल्लाइट
- (व) एनाथाईट

#### 7 गणित

म्ल बिन्दु से गजरने वाला और 
$$\frac{d^2y}{-----} = 0$$
 समीकरण  $\frac{dy}{dx}$ 

को संगत रखने वाला वक्र-परिवार निम्निखिल में से किस से निर्विष्ट है ?

- (a) y=ax+b
- (b) y=ax
- (c) y = acx + bc-x
- •(d) **y**=ae**x**—a

# 8 भौतिकी

एक आवर्ष उन्मा इंजन 400° के और 300° K के तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी समता निम्निकित में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- \*(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3i(3+4)

#### 9 सांक्यिकी

यदि द्विपद विचर का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखिल में से क्या होगा ।

- (a)  $4^2$
- \*\*(b) 3
- (c) ∝
- (d)---5

### 10. भुगोल

वर्मी कें दक्षिणी भाग की अन्यधिक समृद्धि का कारण निम्नितिखित में से क्या है ?

- (१) यहां पर श्वानिज साधनों का विषुल भरार है
- \*(b) बर्मा की अधिकांग निवयों का डेल्टाई भाग है।
- (८) यहां श्रेष्ठ वन सपदा है।
- (ी) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र ६ती भाग में हैं।

# 11. भारतीय इतिहास

श्राह्मणनाथ के संबंध में निम्नलिखित में से स्या सत्य नहीं है ?

- (a) बौद्ध धर्म के उत्कष काल में भी बाद्य्णवाद के अनुवाधियों की मंख्या बहुत अधिक भी ।
- (b) भ्राष्ट्रणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और आढम्बर से पूर्ण धर्म था ।
- \*(c) बाह्मणबाद के अभ्युदय के साथ, बलि सर्वधी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया ।
  - (d) व्यक्ति के जीवन विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करने के लिए धार्मिक स्कार निर्धारित य ।

## 2. वर्शन

निम्निशिखित में से निरीएवरवादी दर्णन समह कौन सा है ?

- (1) बौद्ध, स्याय, चर्नाक, मोमांरा
- (b) न्याय, वैभौणिक, जैन और बोद्ध, चार्वाक,
- (c) अर्द्वेत, वेदान्त, साख्य, चार्वाक, योग
- \*(d) बीदा, साख्य, भीगांभा चार्वाक,

## 13. राजनीति विशान

"वृत्तिगत प्रतिनिधान" का अर्थ निम्निलिखित मे सक्या है रे

- (a) व्यवसाय के आधार पर विधानमण्डल मे प्रतिनिधियो का निर्वाचन ।
- (b) किसी समृह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- (c) किसी रोजगार संबंधी सगठन में प्रतिनिधियो का चुनाव ।
- (d)श्रमिक सर्वो द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधिन्त ।

## 14 मनोविज्ञान

लक्य की प्राप्ति निम्नलिखित में में किस को निर्वेशित करती है ?

- \*(२) लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में विद्या ।
- (b) अन्सर्नोद अवस्था म न्यनता ।
- (c) व्यावहारिक अधिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण अधिगम

#### 15. समाजशास्त्र

मारत में पंचायती राज सस्थाओं की देन निम्न में से कौन सी है?

- (a) साम सरकार में महिलाओं तथा कमात अर्थों को औपचा-रिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
- (b) छआछत कम हुई है।
- (c) वंचित वर्गों के लोगो को भृस्वामित्व का लाम मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी: --- उम्भीदवारो को यह ध्यान रखना नाहिए कि उपर्युक्त नम्ने के प्रकाश (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिये दिए गए हैं और यह जरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हों।

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 22nd September 1982

No. A.32014, 2/80-Admn.H.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Assistant Controllers (DP) on ad hoc basis for the period from 1-9-1982 to 30-11-1982, or until further orders, whichever is earlier:—

- 1. Shri S. P. Bansal
- 2, Shri B, R. Gupta
- 3. Shri S. C. Mastana

The appointments of S/Shri S. P. Bansal, B. R. Gupta and S. C. Mastana, as Assistant Controllers (DP) are purely on ad hoc basis and will not confer upon them any title for absorption or semority in the grade.

KULDEEP KUMAR
Section Officer
for Chairman
Union Public Service Commission

#### New Delhi-11011, the 27th September 1982

No. A.32013/1/82-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints S/Shri Shri Narain and Virendra Yagnik, Technical Assistants (Hindi) and officiating as Research Assistants (Hindi) on ad hoc basis in the Commission's office, to the post of Junior Research Officer (Hindi) by transfer on deputation on ad hoc basis in the office of the Union Public Service Commission with effect from 14-9-1982 until further orders.

2. The term of their deputation will be regulated in accordance with the instructions contained in the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F.1(11).E-III(B)/75, dated 7-11-1975.

KULDEEP KUMAR Section Officer for Secy. Umon Public Service Commission

#### New Delhi-11, the 14th September 1982

No. A.19013/2 78-Admn.I.—Consequent on his appointment as Joint Development Commissioner for Handlooms in the office of Development Commissioner for Handlooms under the Ministry of Commerce vide Department of Personnel & Admnistrative Reforms D.O. letter No. 10/20/82-EO(MM) dated 4th September, 1982, Shri Vinay Jha, an officer of Indian Administrative Serivee (TN: 67) and Joint Secretary in the office of Union Public Service Commission, relinugished charge of the post of Joint Secretary in this office with effect from the forenoon of 14th September, 1982.

The services of Shri Vinay Jha are placed at the disposal of Development Commissioner for Handlooms, New Delhi.

No. A. 32014/1/82-Admn. III—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

S. Nan No.	ne	Period for which promoted	Remarks
(1) (11) (11) (12) (17) (17) (18) (19) (19) (19) (19) (19)	S/Shri P.S. Bhatnagar N.P.S. Rawat O.C. Nag V.P. Kapal R.K. Gaur K. P. Sen B.C. Gupta	4-9-82 to 2-12-82 24-8-82 to 10-11-82 *6-9-82 to 5-12-82 2-9-82 to 24-11-82 4-9-82 to 31-10-82 4-8-82 to 31-10-82 and 6-9-82 to 31-10-82	*Or from the date he return from leave, whichever is later
(viii)	K.C. Sehgal	6-8-82 to 31-10-82	•
(ix)	Raj Kumar	16-8-82 to 30-9-82	
(x)	Pramed Behan	13-9-82 to 31-10-82	

#### The 5th October, 1982

No. A. 11016/1/81-Admn. III—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of the Union Public Service Commission for the periods indicated against each or until further orders whichever is earlier:

S. Name No.		Jame Period	
S/Shri			
1. H.S. Bhatia .	•	4-8-82 until further orders.	
2. S.C. Jain	•	6-9-82 for a period of 3 months.	
3. P.S. Rana .		Do.	
4. Krishan Kumar		Do.	
5. N. K. Dhingra .	•	13-9-82 to 31-10-82	
6. N.M.L. Bhatnaga	r	13-9-82 to 23-10-82	
7. K. P. Iyer		25-9-82 to 15-10-82	

2. The above officers shall draw special pay @ Rs. 75/- p.m. in terms of DOP & AR OM No. 12/1/74-CS(I) dated 11th December 1975.

No. A. 32014/1/82-Admn III—The President is pleased to appoint the following Assistants of the Office of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the periods mentioned against each or until further orders whichever is earlier:—

S. Name No.	Period for which promoted
S/Shri 1. G.T. Ramndani 2. A. K. Sharma	. 13-9-82 to 30-10-82 . 25-9-82 to 23-10-82
	Y R GANDHI

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-TIVE REFORMS) LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

# Mussoorie, the 8th October 1982

No. 2/46/75-EST.—In continuation of this office Notification of even number dated 15-3-82, the *ad hoc* appointment of Shri K. C. Saxena to the post of Deputy Librarian is hereby extended for a further period of six months with effect from 15-10-82, or till the post is filled up on a regular basis whichever is earlier.

ALOK SINHA Deputy Director

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

· New Delhi, the 21st September 1982

No. 2/13/82-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shi P. M. Pillai, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in the pay scale of Rs. 650 (710)-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity on ad hot basis with effect from 23-8-1982 to 20-11-1982 or until further orders, whichever is earlier.

No. 2/13/82-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Sbri Surjit Singh, a permanent Assistant of the Commission as Section Officer in the pay scale of Rq 650-(710)-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity on ad hoc basis with effect from 17-9-1982 to 15-12-1982 or until further orders, whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA Under Secy. Joi Central Vigilance Commissioner

#### (DEPARTMENT OF PERSONNEL)

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 12th October 1982

No. A-19021/8/78-AD.V.—The Services of Shri S. K. Kain, IPS (UT-1970) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, S.I.C. Branch are placed at the disposal of the Government of Goa, Daman & Diu, Panaji with effect from the forenoon of 1st October, 1982, on repatriation.

#### The 16th October 1982

No. A-19036/20 76-AD.V.—The services of Shi B. N. Mishra, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Orissa Police on repatriation, were placed at the disposal of Government of Orissa with effect from 30th September, 1982 alternoon.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110066, the 12th October 1982

No. O.II-1413/77-Estt.—Consequent on his retirement from Government service in terms of F.R. 56(j), Shri Bhup Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P. 18 Bn., CRPF, on the forenoon of 27-9-1982.

No O.II-1576/81-Estt—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Vijay Kumar Dandge as Junior Medical Officer in the CRP Force on ad hoc basis with effect from the forenoon of 16-8-1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is callier.

#### The 13th October 1982

No O.II-1757/82-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. G. Venkata Ramana as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the forenoon of 11th September, 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is carlier.

No. F.2,18/82-Estt.(CRPF).—The President is pleased to confirm Shri Inderjit Singh in the rank of Assistant Commandant in the CRPF w.e.f. 7-8-1981.

#### The 14th October 1982

No. O.II-1770/82-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Col. Daulat Ram as Commandant in the CRPF until further orders.

2. Col. Daulat Ram took over charge of the post of Commandant 3rd Signal Bn. CRPF, Rampur on the forenoon of 20 September, 1982.

No. F.2/17/82-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Di Debendranath Kar, General Duty Officer Grade-I to the rank of Senior Medical Officer (Commandant) in the CRPF in an officiating capacity with effect from 16th September 1982 (FN) until further order.

#### The 15th October 1982

No. O II-1762/82-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr T. Divakar Jayanna as Junior Medical Officer in the CRPF on ad loc basis with effect from the forenoon of 1st October 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

New Delhi-110003, the 13th October 1982

No OH2 82 Adma-3 Shri G, R. Goswami, Subedat Major (Office Supdt.) of the CRPF has been promoted to

officiate as Section Officer in the Directorate General, CRPF, New Delhi with effect from the forenoon of 29-3-1982.

#### The 14th October 1982

No. D.1.5/82-Adm.-3.—Shri T. Vithal Rao, an Accounts Officer of the Controller General of Defence Accounts, is appointed on all hoc basis to the grade of Audit Officer in the Central Reserve Police Force on the terms and condition of deputation, initially for a period not exceeding one year or till this is made in accordance with the approved Recruitment Rules, whichever is earlier.

2. Shri T, Vithal Rao took over charge of the above post in the forenoon of 28th August, 1982 in Directorate General, CRPF, New Delhi.

I. B. NEGI Deputy Director (Admn.)

# DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRFLESS)

New Delhi-3, the 12th October 1982

No. A.12012/1/80-Admn.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated 18-11-81, the Director, Police Tele-communication hereby extends the period of ad hoc promotion of Shri R. K. Kotnis, Technical Superintendent (Cipher) as Extra Assistant Director (Cipher) in the Directorate of Coordination (Police Wireless) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a further period of six months *i.e.* with effect from 1-3-82 to 31-8-82 This is purely a temporary arrangement.

B. K. DUBE Director

Police Telecommunication

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 12th October 1982

No. P G(52)-Ad 1—Consequent upon his appointment as Additional Development Commissioner-cum-Additional Secretary (Planning) under the Government of Goa, Daman & Diu, Shii S. K. Gandhe an officer of Grade II of Indian Economic Service and working as Director of Census Operations, Goa, Daman & Diu and Dadra and Nagar Haveli, relinquished charge of the office of Director of Census Operations, Goa, Daman & Diu and Dadra and Nagar Haveli on the afternoon of the 20th September, 1982.

P. PADMANABHA Registrar General, India

# CUSTOMS, EXCISE & GOLD (CONTROL) APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 6th October 1982

Γ. No. 7-CEG-AT/82.—Dr. R. U. Pillai lately working as Superintendent (Group 'B') in the Collectorate of Central Excise. Bombay-I assumed charge as Technical Officer, Customs. Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal, Bombay Bench, Bombay. in the scale of Rs. 650—1200 plus Special Pay of Rs. 75/- per month in the forenoon of 1st October, 1982.

F. No. 7-CEG-AT/82.—Shri Madan Mohan Paul lately working as Superintendent in the Collectorate of Central Excise, Culcutta assumed charge as Technical Officer, Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal, Calcutta Bench. Calcutta in the scale of Rs. 650—1200 plus Special Pay of Rs. 75/- per month in the forenoon of 1st October 1982.

R. N. SEHGAL Registrar

# FINANCE COMMISSION

#### New Delhi, the 13th October 1982

No. 8 FC 2(19)-A/82.—Secretary, Finance Commission, hereby appoints Shii K. I. Sharma, retired Stenographer from Army Headquarters, admistry of Defence, as Senior Personal Assistant to the Chairman of the Eighth Finance Commission on re-employment basis in the scale of Rs. 650—1040 with effect from the forenoon of 21st June 1982. The tenure of his appointment will be Co-terminus with that of the Chairman Finance Commission,

No. FC.2(23)-A/82.—Consequent on her transfer from the Office of the Commissioner of Colonization, Bikaner (Rajasthan) Kumari Amarjit Kaur Ahuja, I.A.S., Commissioner of Colonization, Rajasthan Canal Project, Bikaner has been appointed as Deputy Secretary in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 1500—2000 with effect from the forenoon of 4th October 1982 and until further orders.

> S. L. MATHUR Under Secy.

# MINISTRY OF HANANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 1st October 1982

No. C/8/7237.—In continuation to this Office Notification No. C/8/2493, dated 29th May, 1982, the ad-hoc appointment of Shri V. M. Pardeshi as Assistant Chief Control Officer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 is extended for a further period of 3 months with effect from 26-8-1982 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

> S. R. PATHAK General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 5th October 1982

No. Admn.I '0.0 No. 316.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints the following Section Officers of this office to officiate as Audit officers in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the torenoon of 1st October 1982 until further orders.

Sl. No. Name

S/Shri

- 1. O. N. Saxena 2. R. N. Mathur 3. Shiy Narain
- 4. Ascharaj Lal

#### The 16th October 1982

No. Admn.1/0.0 No. 332.—Shri G. P. Gupta, a permanent Audit officer of this office, has been absorbed permanently in the New Delhi Municipal Committee, with effect from 23rd September 1981 (FN) on the terms and conditions contained in the enclosed statement.

This has the approval of the Government of India conveyed vide C.A.G's letter No. 2030-GPII/49-80 dated 29th September 1982.

No. Admn I 0.0 No 339.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri R. P. Khurana a permunent Audit officer of this office will retire from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st, October 1982. His date of birth is 15th October 1924.

No. Admn. I/0.0 340.—Consequent on his attaining the age of superannuation. Shri Gur Prushad an officiating Audit officer of this office will retire from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st October His date of birth is 15th October 1924,

> V S MOHINDR V Joint Director of Audit (Adnm.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 11th October 1982

No. Admin J/8-132/82-83/264.--Sri Md. Lisanul Haq. Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad has retired from service on 30th Septem-Te. 1982 A.N.

No. Admn 1 8 132 /82-83 /264.—Sri O. V. Sundaramaiah. Accounts Office. Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad has retired from service on 30th September 1982 A.N.

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL MADHYA PRADESH

Gwalior, the 4th October 1982

No. Admn.I/PF-MCG/281.—In terms of Rule 48-A of CCS (Pension) Rules, 1972 the Accountant General is pleased to permit Shri M. C. Gaig (01/110), a permanent Accounts Officer of this office to retire from Central Government and County of 20th Sentenber 1982 of termoon ment service w.e f. 30th September 1982 afternoon.

(Authority: AGI, M.P. orders dated 31st August 1982).

· B. K. ROY

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL SIKKIM

Gangtok, the 6th October 1982

No. Admn./PF/HO/VSC/3092,-Sri V. Subhashchandran, Section Officer on deputation from Accountant General-I, Kerala, Trivandrum is appointed to officiate on deputation as Accounts Officer in the Office of the Accountant General, Sikkim with effect from 24th September 1982 (F/N).

> M. S. PARTHASARΛΤΗΥ Sr. Dy. Accountant General

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 6th October 1982

No AN/I/1173/I/I—The President is pleased to appoint the undermentioned officer of the Indian Defence Accounts Service (on deputation as noted against his name) to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Rs. 2000-125/2-2250) of that Service, with effect from the date shown against his name, until further orders. under "New Below Rule".

Present assignment Sl. No. Name Date 1 Shri J. D. PHII OMEN 20-7-1982 Director (Finance) DOS Indian Council of Agricultural Research

No. AN/I/1173/1/I.—The President is pleased to appoint the undermentioned officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the selection grade of the Junior Administrative Grade (Rs. 2000-125/2-2250) of that Service. with effect from the date shown against his name until further orders

M-No.1.

Date

New Delhi

Shii UMASHANKAR PRASAD 20-7-1982.

R. K. MATHUR Additional Controller

General of Defence Accounts (Admin.).

## MINISTRY OF DEFENCE

#### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700016, the 11th September 1982

No 46/82/G On attaining the age of superannuation (SS v. v.) Shell B. G. Swamy, Offic Works Manager (Subst

& Permt Foreman) retired from pervice with effect from 30th June 1982 (AN)

#### The 13th October 1982

No. 47/G/82—On attaining the age of superannuation (58 years) Shi M. Mitra, Oll J. Jt. Director, Ordnance Factory Board retired from service with effect from 30th Sept. 1982 (AN)

V. K. MEHTA Director

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND FXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABI ISHMENT)

New Dolhi, the 13th October 1982

No. 6/567/59 ADMN(G)/6593.—On attaining the age of sup cannuation, Shri K. B. Chaudhury, Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Amritsar has been permitted to retire from Government Service with effect from the afternoon of the 31st August, 1982.

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

# MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 8th October 1982

No. A. 19018(5)/78-A(G).—The President is pleased to appoint Shri K. G. Sinha, Asstt. Director (Gr. II) (Anc.), Small Industries Service Institute, Gauhati as Asstt. Director (Gr. I) (IMT) at the same Institute with effect from the forenoon of 18-9-1982 until further orders.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 6th October, 1982

No. A-32013/3/78-A6-The President is peased to appoint-No. A-32011/3//8-A6—The President is peased to appoint the undermentioned Officers as Deputy Director of Inspection in the Metallurgical Branch of Grade II of the Indian Inspection Service (Group 'A') on regular basis with effect from the forenoon of 24-7-1982.

Sl. Name of Officers No.	Post held at present	Present posting
S/Shrì	 	
1. Vishwa Prakash	DDI(Met) on ad-hoc basis	Jamshedpur Inspectorate
2. B. Das Gupta .	Do.	Do.
3. N. P. Rasane .	Do.	Do.
4. Dipankar Kirti .	Do.	Burnpur Inspectorate

#### The 15th October 1982

No. A-1/1(1158).—Shii H. N. Sammadar, officiating Asstt. Director ((Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calculta retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st August, 1982, on attaining the age of superannuation.

> S. L. KAPOOR Dy. Director (Administration)
> for Director General of Supplies & Disposals.

# DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi-1, the 8th October 1982

No. 5(50)/68-SI,—On attaining the age of superannuation Shri N. Rov Choudhurv, Programme Fxecutive, CBS,

AIR. Cilinita retired from Government service with effect from the afternoon of 31st August, 1982.

Dy Director of Administration for Director General.

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTNG FILMS DIVISION

New Delhi-1, the 14th October 1982

No. A-20012/3/76-Admn.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri Sunder Singh, permanent Asstt. Cameraman, Films Divisions, New Delhi to officiate as Cameraman at the same station with effect from the forepoon of 23rd September, 1982.

> D. N. PANDE. Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

# DRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

The 16th October 1982

No. A.39012/3/82-CGHS.I.—Consequent on the acceptance of his resignation Dr. L. K. Tewari relinquished charge of the post of Ayurvedic Physician ad hoc under Central Govt. Health Scheme Bombay on the afternoon of the 30th June 1982.

The 16th October 1982

No. A. 19018/25/81-CGHS.I.—The Director General of of Health Services is pleased to appoint Hakim Aubidur Rahim Kazi to the post of Unani Physician in the Central Govt. Health Scheme on temporary basis with effect from the afternoon of 24-9-1982 until further orders.

T. S. RAO Dy. Director Admn. (CGHS.I)

#### (STORE | SECTION)

New Delhi, the 19th October 1982

No. A. 12025 /4/80-S1.—The Director General of Health No. A. 12025 '4/80-51.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Arun Kumar Singh to the post of Assistant Depot Manager. Govt. Medical Store Depot, Karnal, on a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 24th September, 1982 and until further orders.

> RAMESH CHANDRA Dy. Director Administration (ST) Francisco (September 17)

#### MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

### DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 12th October 1982

No. A-19025/7/82-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Jais Ram has been appointed to officiate as Asstr. Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur w.c.f. 2-9-1982 (FN), until further orders.

> G. S. SHUKLA, Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India

#### MINISTRY OF IRRIGATION

# OFFICE OF THE GENERAL MANAGER FARAKKA BARRAGE PROJECT

Larakka Barrage, the 25th September 1982

Prasanna Sinha Roy is hereby allowed to draw his pay in the above mentioned scal of pay with effect from 16.7.79 until further orders

R V RANTHIDEVAN General Manager Farakka Barrage Project

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRF PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 8th October 1982

No PA/34(2)/80-R III—The Controller, Bhobha Atomic Research Centre appoints Shri A R Shinde, a permanent Assistant Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of September 22 1982 until turrher orders

#### The 12th October 1982

No PA/76(2)/80-R-III—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Budhraj Ahluwalia, Assistant Accounts Officer as Accounts Officer-II with effect from the afternoon of September 30 1982 until further orders

#### The 15th October 1982

No PA/73(6)/82-RIV—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Usha Manker Shankar Rao as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of July 30 1982 to the afternoon of September 1982

No PA/73(6)/82-RIV—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Anandairth Vishnu Kulkarni as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of September 6, 1982 to the afternoon of October 15, 1982.

B C. PAL Dy Fstablishment Officer

#### Bombay-400 085 the 13th October 1982

No 8(18) /78 Confirmation /2859 —The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri M M Mathew, permanent Assistant Security Officer in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Security Officer in Power Project Engineering Division in a substantive capacity in the grade of Security Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from March 1 1978

V R PATGAONKAR, Dy Fstablishment Officer

# DFPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINFERING DIVISION

Bombay-5, the 5th October 1982

No PPED/3(262)/78-Estt I—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay has approved further continuance of appointment of Shri A II Punwani a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer on ad hoc basis for the period from June 17, 1982 to the afternoon of August 27, 1982 against a vacancy of Assistant Personnel Officer at Kakrapar Atomic Power Project

R V BAJPAI, General Administrative Officer

#### Bomb iy 400 001 the 7th October 1982

No DPS/2/15/80 Estt/30554—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Kanjirakkat Essac George, a permanent Store keeper to olficiating us an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs 650-30-740-35 810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of September 1, 1982 until further orders

K P JOSEPH Administrative Officer

#### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad 100016 the 11th October 1982

No AMD/2(3315)/81 Adm - The resignation tendered by Shri C V Siva Prasad from the post of Scientific Officer Grade SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by Director, Atomic Minerals Division with effect from the Afternoon of 12th August, 1982.

#### The 12th October 1982

No AMD-19/3 82-Rectt—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Fnergy hereby appoints Shri K K Ghosh, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on in ad hoc basis for a period of 40 days with effect from the forenoon of 15-6-1982 to 24-7-1982 vice Shri G C Saxena Assistant Personnel Officer proceeded on leave

T D GHADGE,
Sr Administrative & Accounts Officer

# DEPARTMENT OF SPACE ISRO · SHAR CENTRE P & GA DIVISION

Sriharikota-523 124, the 8th October 1982

No SCF PGA Estt 3 1 72—The Director is pleased to appoint the following officials to the post of Sci/Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders

S Name No	Designation	Date of appoint- ment
S/Shri		
1 V Arunachalam	Sci/Engineer SB	10-02-82
2 T Subba Reddy	Sci/Engineer SB	10-02-82
3 K Chandrasekhar Reddy	Sci/Engineer SB	20-02-82
4, Alok Sharma	Sci/Engineer SB	23-02-82
5 V Kannan	Sci/Engineer SB	01-06-82
6 Kashyap N Mankad	i Sci/Engineer SB	17-06-82

No SCF PGA Estt. 3 1-72—The Director is pleased to appoint on promotion the following officials to the post of Sci/Engineer-SB in the SHAR Centre Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders

S No	Name	Designation	Date of appoint- ment
	S/Shii		
ι	S Venkatesan	Su/Lagineer S3	01-04-82
2	Y Suryaprakasa Rao	Sci/Engineer SB	01-04-82
3	P V Sıvakumar	Sci/Engineer SB	01-04-82
4	K Ramachandran Nan	Sci/Engineer SB	01-04-82
5	B Venkiteswaran	Sci/Engineer SB	01-04-82
6	J Chandrasekharan	Sci/Engineer SB	01-04-82
7	M Ranganathan	Sci/Fngmeer SB	01-04-82
8	DC Mehta	Sci/Engineer DB	01 04 82
9	TRK Kameswara Rao	Sci/Engineer SB	01-04-82
10	T Gopinath	Sci/Engineer SB	01-04-82
1	M S Selvamanı	Sci/Engineer SB	01-04-82
2	M Umamahoswara Rao	Sci, Engineer SB	01-04-82

W VISWANATHAM Head, Personnel & General Admn for Director

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL

New Delhi, the 30th September, 1982

No. A-31013/1/81-FA—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Aerodrome Officer, in the Air Routes and Aerodrome Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the date mentioned against each:—

S. Name No.	Date of confirmation	Present Station of posting
S/Shri		
1. A. K. Sinha .	. 17-1-80	Calcutta
<ol><li>M.S. Ananthakrishnan.</li></ol>	. 17-1-80	Vijayawada
3. J. K. Malhotra .	. 17-1-80	Delhi
4. R.S. Aggarwal ,	. 17-1-80	Delhi
5. V. Srinivasan	17-1-80	Delhi
6. M. K. Sharma	. 17-1-80	Delhi
7. S.V. Sripathy	. 17-1-80	Madras
8. B.L. Trisal	. 17-1-80	Delhi
9. V. Krishnan	. 17-1-80	Madras
10. S.V. Giri	17-1-80	Calcutta
<ol> <li>P. K. Haldar</li> </ol>	. 17-1-80	Ranchi
2. B, K. Kar	. 17-1-80	Calcutta
3. S. K. Thakur	17-1-80	Srinagar
4. D. K. Das	17-1-80	Madras
5. S.S Parathe	17-1-80	Bombay
6. Shri Krishnan .	. 17-1-80	Calcutta
7. M. P. Jain	. 17-1-80	Delhi
8. B.S. Chawla	. 17-1-80	Delhi
9. S.C. Srivastava .	. 1-2-80	C.A.T.C. Allahabad
0. G.K. Gharat	. 1-5-80	Bombay
1. V.K. Sharoff .	. 1-6-80	Delhi
2. S. K. Rastogi	1-6-80	On deputa tion to Libya (fron Delhi)
3. K. K. Punj	. 1-12-80	Nagpur
4 J.S. Ahuja	. 1-2-81	Delhi
5. S.N. Khanna	. 1-12-81	Bomlay
6. R.C. Kocher	1-12-81	Delhi
7. G.S. <b>A</b> dvani .	. J-1-82	Bombay
8. Sheo Rattan Lal .	. 1-1-82	Calcutta
9. Sadhu Singh	. 1-1-82	mbay

O. P. JAIN
Assistant Director of Admn.
for Director General of Civil Aviation.

# New Delhi, the 4th October 1982

No. A-38013/1/82-EA—Shri B. Banerjee, Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Calcutta, retired from Government Service on the 31st August, 1982 on attaining the age of superannuation.

#### The 6th October 1982

No. A-32013/7/82-EA.—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Aerodrome Officer on a regular basis with effect from 11-8-82 or from the date they actually take over the charge of the post which ever is later and until further orders:—

S. Name No.			•••	Station of posting		
1 2				3		
S/Shrı			_			
1. H.D. Ghosal				Bombay		
2. P. K. Dey				C.A T.C.	Allahabad	
27—316GI/82				r		

1 2			 <del></del>
3. Gopal Singh		<del></del>	 Delhi
4. J.K. Misra			Bhubaneswar
<ol><li>H.S. Sandhu</li></ol>			Amritsai
<ol><li>V.S.R. Rao</li></ol>			Hyderabad
7. M.R. Naidu			Ahmedabad
8. M. K. R. Cha	udhı	iry	C.A.T.C. Allahabad
9. J.R. Soni	-	٠.	Delhi
<ol><li>P.N. Dhar</li></ol>			Calcutta
<ol><li>R.D. Bajpai</li></ol>			Patna
12. J. L. Kapoor			Delhi
13. M.G. Thorat			Ahmedabad
14. Prem Kumar			Calcutta

#### The 14th October 1982

No. A. 19011/115/81-E.I.—On attaining the age of superannuation Shri Jagdish Chandra, Regional Director, Bombay retired from Government service on the afternoon of 30th September, 1982.

O. P. JAIN, Asstt. Director of Administration.

#### New Delhi, the 11th October 1982

No. A. 32014/4/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri R. T. Singh, Communication Assistant to the grade of Assistant Communication Officer on ad hoc basis w.e.f., 3rd May, 1982 (FN) and to post him at Civil Aviation Training Centre, Allahabad.

PREM CHAND, Asstt, Director (Admn.).

#### OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the October 1982

No. 1/163/82-EST.—Shri Rishi Dev. Tempolary Assistant Engineer, New Delhi Branch was permitted to resign his appointment, with effect from the afternoon of the 31st August, 1982.

H. L. MALHOTRA, Dy. Director (Admn.), for Director General.

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehradun, the 12th October 1982

No. 16/394/82-Ests.I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehradun is pleased to appoint Shri L. N. Chaki, WBJFS as Asstt. Instructor, E.F.R.C., Kurseong w.e.f., 10-5-1982 (FN), until further orders.

RAJAT KUMAR.
Registrar,
Forest Research Institute and Colleges.

# COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 12th October 1982

No. 13/82.—Shri K. V. Motiani, Administrative Officer of Central Excise, Group 'B' of this Collectorate, having attained the age of superannuation, has retired from Government service in the afternoon of 30th September 1982.

K. SANKARARAMAN, Collector.

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Indira Rubber Estate Private Ltd.

Cochine-682 011, the 11th October 1982

No. 1820/Liq/560(3)/9228.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Indira Rubber Estate Private Limited

unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Printing and Educational Publications Foundation Private Limited

### Cochine-682 011, the 11th October 1982

No. 2406/Liq/560(3)/9221/9222.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Printing and Educational Publications Foundation Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

#### Cochine, the 11th October 1982

No. 238/Liq/560(4)/R3272/82.—Whereas Commercial Transports Limited having its registered office at Trivandrum is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that statement of accounts '(returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months!

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiry to three months from the date of this notice the name of Commercial Transports Limited will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

#### Cochin, the 11th October 1982

No. 219/Liq/560(4)/R3269/82.—Whereas Chempumudy Estates Limited having its registered Office at Punalur is being wound up

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completly wound up and that statement of accounts (returns) required to be made by the Liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of Sub-Section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiry of three months from the date of this notice the name of Chempumudy Estates Limited will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN, Registrar of Companies, Kerala

## INCOMF-TAX APPFLLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 13th October 1982

No. F. 48-Ad(AT)/1982.—On attaining the age of superannuation. Shri A. Ramachandran. Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal retired from the Government service with effect from the atternoon of 30th September, 1982.

T. D. SUGLA, President.

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX (CADRE CONTROL AUTHORITY)

Kanpur, the 8th February, 1982

# ORDER

Subject:—Establishment—Central Services Group 'B'
Gazetted Promotion, Transfer & Posting of—

F No. A/1/CCU/81.--The following Inspectors of Income-tax are hereby appointed to officiate as Incometax Officer (Group

'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-4<sup>0</sup> 1000-EB-40-1200 from the date of taking over the charge and until further orders. They will be liable to reversion in case it is subsequently found that their appointments have been made in excess of the vacancies available.

On promotion their services are placed at the disposal of the Commissioner of Incom tax indicated against their names who will please issue their posting orders.

S. No.	Name	Charge/Office	Commssioner of Incometax at whose dis- posal the ser- vices are placed
S/Sh	ri		
1. A,K	. Dixit .	C Range Kanpur	Kanpur
2. R.A	. Sharma	Meerut Charge	Meerut
3. B.N	. Bartaria	Agra Charge	Meerut
4. S.N.	Tripathi	C Range Kanpur	Meerut
5. Ran	Chand S.K.	B Range Kanpur	Meerut
	endra Kumar astava	A Range Kanpur	Kahpur
7. A.K	. Jain	B Range Kanpur	Kanpur

#### ORDER

#### The 15th February, 1982

Subject:—Establishment—Central Services Group 'B'— Gazetted—Promotion, Transfer & Posting of—

No. A/1/CCU/81/—The following Inspectors of Income-tax are hereby appointed to officiate as Incometax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40 1000-EB-40-1200 from the date of taking over the charge and until further orders. They will be liable to reversion in case it is subsequently fround that their appointments have been made in excess of the vacancies available.

On promotion their services are placed at the disposal of the Commissioner of Incometax indicated against their names who will please issue their posting orders.

S. Name No.	Charge/Office	Commissioner of Incometax at whose disposal the scrvices are placed.
1. Shri P.C. Gupta	Meerut	Meerut
2. Shri B.S. Kul- shr <b>e</b> stha	Agra	Agra
3. Shri R.D. Yadav	Kanpur	Kanpur.

#### ORDER

### The 1st April 1982

Subject: Establishment—Central Services Group (B)—Gazetted—Promotion, Transfer & Posting of—

F. No. 71/69/KAN/CCU—The following Inspectors of Informetax are hereby appointed to officiate as Incometax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35 880-40-1000-EB-40-1200 from the date of taking over the charg and until further orders. They will be liable to reversion in case it is subsequently found that their appointments have been made in excess of the vacancies available.

On promotion their services are placed at the disposal of the Commissioner of Incometax indicated against their names who will plesase issue their posting orders.

S. Name No.	Charge/Office	Commissioner of Incometax at whose disposal the services are placed
Shri Harsh Vaidhan     Jain	Kanpur	Kanpur
2. Shri Tirath Ram	Meerut	Mecrut
3. Shri G.P. Nigam	Kanpur	Kanpur

#### ORDER

#### The 21st June 1982

Subject: Establishment—Central Services Group 'B'—
Gazetted-Promotion Transfer & Posting.

No. 39 -In view of Board's letter F. No. A-18011/10/81 Ad.VI dated 9-6-1982, Shii A. S. Bhutani Income-tax Inspector Kanpui is hereby appointed to officiate as Incometax Officer Group 'B'. His appointment will be treated from 26-9-1970 in the old scale of Income-tax Officer Class-II i.e., 350-900

On promotion his services is placed at the disposal of the Commissioner of Income-tax Kanpur who will please issue his posting orders

#### ORDER

#### The 7th July, 1982

Subject: --Establishment---Central Services Group 'B' Gazetted---Promotion, Transci, & Posting of---

F No. 71/69—The following Inspectors of Incometax are hereby appointed to officiate as Incometax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from the date of taking over the charge and until further orders. He will be liable to reversion in case it is subsequently found that their appointments have been made in excess of the vacancies available

On promotion their services are placed at the disposal of the Commissioner of Incometax indicated against his names who will please issue their posting orders.

S. Name No.	Charge/Office	Commissioner of Incometax at whose disposal the services are placed
I. Shri S.K. Saha	Kanpur	Agra

#### ORDER

#### The 29th August, 1982,

Subject -- Establishment -- Central Services Group 'B' -- Gazetted -- Promotion, Transfer & Posting of --

F. No. C. No. 71/69—The following Inspectors of Incometax is hereby appropried to officiate as Incometax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from the date of taking over the charge and until further orders. He will be liable to reversion in case it is subsequently found that his appointments has been made in excess of the vacancies available.

On promotion his services are placed at the disposal of Commissioner of Income-tax indicated against his names who will please issue their posting orders.

S. Name No	Charge/Office	Commissioner of Incometax at whose disposal the services are placed
Shrl M.L. Sant	Agra Charge	Meerut

#### ORDER

#### The 4th October 1982

Subject: -Establishment-Central Services Group 'B'-Gazetted-Promotion, Transfer & Posting of -

F. No. C.No. 71/69—The following Inspectors of Incometax are hereby appointed to officiate as Incometax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from the date of taking over the charge and until further orders. He will be liable to reversion in case it is subsequently found that his appointment has been made in excess of the vacancies available.

On promotion his services are placed at the disposal of the Commissioner of Income-tax indicated against their names who will please issue his posting orders.

S. Name No.	Char <b>ge/O</b> ffice	Commissioner of Incometax at whose disposal the services are placed
1. Shri Bhopal Singh	Meerut	Meerut
	-	DA PRASAD PANDE

SHARDA PRASAD PANDE
Commissioner of Incometax,
(Cadre Control Authority)
Kanpur

#### FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th June 1982

Notice No. 431/82-83.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. No. 98 situated at Lakavanahalli TQ: Hiriyur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Illriyur Under document No. 1981 on 6-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the fellowing persons, namely:—

 Smt. Ammaiakkal W/o Late Shri Nallappa Goundar, 'A' Division Huliyar Road, Tiruvallavar Street, Hiriyur.

(Transferor (s)

(2) Shri M. K. Palaniappa Goundar, S/o Karupanna Goundar, Lakkavana Halli Doddagatti, Hirivur.

(Transferce (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1981/81-82, Dated 6-2-82) Agricultural land bearing S. No. 98 Measuring 2.38 Gunthas together with a Well fitted with 7.5 H.P. Motor and Pump-House with in-all 65 coconut Trees on the said land.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Date : 16-6-1982

Seal :

#### FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORF-560001

Bangalore-560001, the 17th April 1982

Notice No 417/82-83.—Whereas, I, DR. V. N. LALITH KUMAR RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CTS No. 1957/1A, 1B, 1D situated at Kadolkargalli, Belgaum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under document number 2085 on 17-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- Shri Dastagirsab Mhamadsab Mannukrar alias Patel.
   Shri Kamruddin Dastagirsab Mannurkar alias Patel.
   Shri Naziruddin Dastagirsab Mannurkar alias Patel, R/o Mannuragalli, Belgaum.
- (2) 1. Smt. Hayatbi W/o Mhabubkhan Pathan.
  2. Smt. Kamarunnisa W/o Gouskhan Pathan.
  3. Smt. Farida W/o Karmikhan Pathan,
  R/o 4204/2, Kadolkargalli, Belgaum.

(Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2085 Dated 17-3-1982). Land and buildings bearing CTS. No. 1957/1A, 1957/1D and 1957/1B situated at Kadolkargalli, Belgaum.

DR. V. N. LALITH KUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 17-4-1982

Seal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th July 1982

Notice No. 445/82-83.—Whereas, 1, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CTS No. 804 and 805 situated at Punc-Bangalore Road, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under document No. 2712/81-82 on 9-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor ot pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :--

(1) 1. Miss Dosibai Dinsha Gabba,

2. Shri Homi alias Hormos Ji Jamshedji Belgaumwala,

3. Shri Hiraji Jamshedi Belgaumwala,

4. Smt. Mani, W/o Karl Postwala,
5. Smt. Shrinbai W/o Rustumji Modi,
6. Smt. Sonabai W/o Hormosji Contractor,
7. Shri A. D. Gabba,

All Residents of Vidyanagar, Hubli.

(Transferor (s)

(2) 1. Shri Chandrahas Vithalsa Miskin,
2. Shri Ganapatasa Vithalsa Miskin,
3. Shri Chandusa Vithalsa Miskin, Residents of Tumkur Galli, Hubli.

(Transferce (s)

(4) His Holiness Jagadguru of Muru Savir Mutt, Hubli. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2712 Dated. 9-2-1982.) LEASEHOLD RIGHTS over the property bearing C.T.S. Nos. 804 and 805, Ward No. III on Pune-Bangalore Road, Hubli.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore

Date: 13-7-1982

Seal:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Abdue Hameed G.P.A. holder for Sri A. K. Moosakutty Mundolihouse, Someowara Village, P. Kotekar Mangalore.

(Transferor (s)

(2) Shri U. S. Ismail, Partner M/s Shalli Timber Co. Store house, Parmannar Mangalore Taluk.

(Transferee (s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th September 1982

C. R. No. 62/542/82-83, ACO D.—Whereas, I. MANJU MADHAHVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 25, 261, 262, 265, 282, 75

and/or

situated at unebage & Byrapura village of Ganibidu Hobli, Mudigere Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Meedigere under document No 654/81-82 on 27-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 654/81-82 Dated 27-2-82.) 53 acres 39 gamtas of Coffee lands situated at urubage & Byrapura villages of Garibidu Hobli Meedigere Tuluk,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date : 15-9-1982

Scal:

### FORM ITNS---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th September 1982

C. R. No. 62/450/82-83/ACQ/D—.Whereas, I, MANJU MADHAHVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Survey No. 153/P, 338, 153/F, situated at Vasthare Hobli Joladalu Grama, Chickmaglur Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chickmaglur under document No. 1898/81-82 on 24-2-198? for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Malloji Rao & Sons Chickmaglur Town.

Transferor (5)

(2) Shii M. R. Veeregowda, Soo Ramegowda, Mathavara, Muktheholly P. O, Chickmaglur Taluk.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1898/81-82 Date 24th Feb 1982).

All that Coffee plantations bearing survey Nos. 153/P 338 & 153/F, situated at Vasthare Hobli Joladalu grama Chickmaglur Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 15-9-1982

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th September 1982

C. R. No. 62/451/82-83/ACQ/D.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

505/565/3333/275 situated at Ravindranagar Extension Shimoga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shimoga under document No. 3284/81-82 on 20-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28-316GI/82

Shimati K, Jayamma W/o Sri S, Nagaraja Rao,
 Sri S, N. Prakash,
 Sri S, N. Ramachandia,
 Smt. S. N. Kancakshi, sons & daughters of Sri S, Nagaraja Rao,
 No. 753, 3rd Block, Rugap nagar,
 Bangalore-560010.

(Transferor(s)

(2) Shrimati Nagamma, W/o Late Sri K. Nunjundappa, Dharmalingam Compound, K. R. Puram Road, Shimoga.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3284/81-37 Dated 20-2-1982.) All that property bearing municipal No. 505/565/3333/275 situated at Ravindranagar Extension, Shimoga.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge
Bangalore

Date: 15-9-1982

(1) Shri R. Srinivasa 116, Binna Mangala II stage, Indira Nagar, Bangalore.

Transferor (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T. N. Soundurajan 33/3, Meance Avenue Bangalore.

Transferee(s)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001 Bangalore-560001, the 17th September 1982

C.R. No. 62/34907/82-83/ACQ/B.-Whereas, I, MANJU

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 319 situated at Domlur Extension, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji nagar Doc. No. 615 on 29-5-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); [Registered Document No. 615 319, Domlur Extension, Bangalore.

Dated 29-5-82]

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date · 17-9-1982

## FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th September 1982

C.R. No. 62/3370/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 18, situated at Andree Road, Shantinagar, Bangalore-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar Doc. No. 4922 on 12-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Smt. Hajianl Qumrunnissa Begum w/o Late H. M. Mohammed Jalaluddin New No. 18, Andree Road Shantinagar, Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Smt. Suriyya Bam Ahmed w/o Shri Parveez Ahmed New No. 18, Andree Road, Shantinagar, Bangalore-27.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4922 Dated 12-2-82] New No. 18, Andrec Road, Shantingar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. R. M. Shah, S/o M. C. Shah, No. 4, Thamboo Chetty Road, Cox Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Sh. Thomas John, S/o V. I. Thomas, 41, North Road, Bangalore-5.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-5600 001

Bangalon -560001, th 24th September 1982

C.R. No. 62/33774 81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. 1, situated at

Wheeler Road, Extension Crose, St. Thomas Town, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Shivajinagar Document No. 3369 on 8-2-1982

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the almost and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the tradiction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mone's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

may be made in writing to the undersigned.-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3369 dated 8-2-1982) No. 1. Wheeler Road Extension Cross, St. Thomas Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said 2 cx, to the following persons, namely:—

Date: 24-9-82

## FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 24th September 1982

C.R. No. 62/33705/81-82/Acq. B.—Whercus, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorphism property the page of fair projects with a recognition able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 274, situated at I Block, Jayanagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Jayanagar, Doc. No. 4960, on 15-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Irdian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. S. Shanthamani, W/o H. S. Rama Swamy, No. 28, I Cross Road, Gavipuram Estn., Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Venkataraman & Smt. Nagamani, No. 84, Jambulingam Mudahar Street, Mungambakam, Madias-600 034.

Transfered(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4960 dated 15-2-1982) Site No. 274, I Block, Jayanagar. Bangalore,

> MANJU MADHAVAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incom:-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE GAZETTE OF INDIA,

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 24th September 1982

C.R. No. 62/33741/81-82/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 12, situated at Museum Road, Bangalore-560 001

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Shivaji Nagar, Doc. No. 3545 on 24-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or othe, assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby it itiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Jehmina R. Nowroji No. 10, Rest House Crescent, Bangalore 560 001.—

(Transferor)

(2) Mr. Minocher K. Belgamwala, No. 15, Nungampakkam High Road, Madras-600 034.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3545 dated 24-2-82) Premises No. 12, Museum Road. Bangalore-560 001.

> MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangatore.

Date: 24-9-82 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001 Bangalore-560001, the 24th September 1982

C.R. No. 62.33706/81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding bearing No. (site) 18/2-2, 13th 'A' Cross Road, situated at Hnd Block, Jayanagar, Division No. 33, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Document No. 4937 on 15-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- .(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Poonamma Annie Benjamin, P.A. Holder Brig. Thomas Ninan, Allumnotil House, Teepany, Thrivalla, Kerala State.

(Transferor)

(2) M/s D. Dasappa Charitable and Education Foundation, No. 421, IIrd Cross, Wilson Gardens, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this 'notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4937 dated 15-2-1982), Site No. 18/2-2, 13th 'A', Cross Road, Had Block, Jayanagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 24-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1982

No. CR. 62/34060/81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. 537, situated at

H.A.L. 1Ind Stage Fyth, Bangalore-38

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Document No. 3303 on 7-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sh. George Abraham, G A's Show Room,
 73/3, Reddy Jana Sangha Building, J.C. Road, Bangalore-2.

(Transferor)

(2) Sh. M Mathai Koshy, Reptd. by Mrs. Mary Koshy, No. 1, East St., Shanthinagar, Bangalore-27.

nsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (d) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3303 dated 1-2-1982)

(Registered Document No. 3303 dated 1-2-1982) No. 537, H.A.L. Hnd Stage, Extension, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-9-1982

Scal:

(1) Smt. P. V. Susheela alias Susheela Ramachandran, 3366, H A.L. Had stage, Indiranagar, Branchote 38

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OI: 1961) (2) Sh. V. S. Saddaratha, Chitanahalli Estate, 'D', Cheekanahalli Post, Chickmagalur.

(Hiansferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560 001 Bangalore-560 001, the 30th September 1982

No. C.R. 34092 81-82 'ACQ-B —Whereas, J MANTU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 449, situated at

H.A.I., IIIrd Stage, Indiranagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Document No. 3485 on 17-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I VPI MATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

wRegistered Document No. 3485 dated 17-2-1982) Corner site No. 449, HAL. HInd Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date : 30-9-1982 Scal :

29-316GI/82

## FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

#### Bangalore-560 001, the 30th Septemer 1982

No. C.R. No. 62/34103/81-82/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Inconne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding bearing No. 22, situated at Fort 'A' Street K. R. Road Cross, DIV. No. 27, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, under Document No. 3541/81-82 on 24.2.1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. S. Radha Bai 2. Sri S. Radhakrishna 3. Smt. K. Sakkubai No. 125/1/18, I Block Dr. T. Mariappa Road, Jayanagar, Bangalore,

(Transferor)

(2) M/s Taj & Company, No. 15/16, Mohamed Hayath Street, N.R. Road Cross, Bangalore-2.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3541/81-82 dated 24-2-1982)
One half share in portion of property bearing No. 22, situated at Fort 'A' Street, K.R. Rond Cross, Div. No. 27, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-9-1982

## FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1982

No. C.R. 62/34104/81-82/Acq./B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22, situated at Fort 'A' Street K.R. Road Cross, DIV. No. 27, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavangudi, under document No. 3540/81-82 on 24-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Sri S Subramani No 25, Fort 'A' Street, Bangalore 2 Sri S Sundaramurthy No. 10, Tank Road, Bangalore 42. 3. Sri S. Goral No. 17, R.C. Block, Llogds Estate Madras.

(Transferor)

(2) M/s Taj & Company, No. 15/16, Mohamed Hayath Street, N. R. Road Cross, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No 3540/81-82 dated 24-2-1982) One half share in portion of property bearing No. 22, sittled at Fort 'A' street, K.R. Road Cross, Div. No. 27. ted at Fort Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

Date: 30-9-1982

Scal:

## FORM I.T.N.S .----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTER COMMISSIONER

OU INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangatore-560 001, the 30th September 1982

No. C.R. No. 62/34105/81-82/Acq/B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, situated at Fort 'A' Street K.R. Rond Cross, DIV. No. 27, Bangaloic

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi, under document No. 3538/81-82 on 23-2-1982 on 23-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or
- (b) incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Sri S. Radhakrishna, No. 15/16, Mohamed Hayath Street. N.R. Road Cross Bangalore-2.

(Transferor)

(2) M s Taj & Company, No. 15/16, Mohamed Hayath Street,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLA IATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No 3538 81-82 dated 23-2-1982) 1/6th share of property bearing No. 22, situated at Fort 'A' street K.R. Road Cross, Div. No. 27, Bangalore,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux.
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-9-1982

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 30th September 1982

No. C.R. No. 62/34106/81-82 Acq. / H -- Whereas, J. MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 22, situated at 1 ort 'A' Street K.R. Road Cross, DIV. No. 27,

Bangalore

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in office of the Registering Officer at Basavangudi, under Document No. 3537/81-82 on 23-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby unitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, in the following persons, namely :---

Str S. Sundara Mouthy No. 10 Tank Road Bangalore-42

(Transferor)

(2) M/S Taj & Company.No. 15 16, Mohamed Hayath Street,N.R. Road Cross, Bangalote-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3537/81-82 dated 23-2-1982) 1/6th Share of property bearing No. 22, situated at Fort A street, K.R. Road Cross, Div. No. 27, Bangalore,

> MANIU MADHAVAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-9-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISHION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 30th September 1982

No. C.R. No. 62/34107/81-82 Acq./B —Wherens, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and baring

No. 22, situated at Fort A, Street, K.R. Road Cross, DIV. No. 27, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at

Basavangudi, under document No. 3536/81-82 on 23-2-1982 on 23-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mole than bificen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the 'ransfor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : -

(1) Sit S. Subramani, No. 25 Fort 'A' Street Bangalore-2

(Transferor)

(2) M/s Jaj & Company, No. 15/16, Mohamed Hayath Street, N.R. Road Cross, Bangalore-2

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PAPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3536/81-82 dated 23-2-1982) 1/6th Share of property bearing No. 22, situated at Fort 'A' street, KR Road Cross, Div. No. 27, Bangalore,

> MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date 30.9 1982 Seal:

eu eugue a a erus e e e e

(1) Sri S. Gopal No. 17 R.C. Block, Lloyds Estate Madras.

(Transferor)

(2) M/s Taj & Company, No 15-16, Mohamed Hayath Street, N.R. Road Cross, Bangalore-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 30th September 1982

No. C.R. No. 62/34108/81-82 Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 22, stuated Fort 'A'
Street K R. Road Cross. Div. No. 27, Bangalore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering
Officer at Basavangudi, under document No. 3535/81-82 on
23-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3535/81-82 dated 23-2-1982)

1/6th Share of property bearing No. 22, situated at Fort 'A' Street, K.R. Road Cross, Div. No 27, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-9-1982

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 30th September 1982

No C.R. No. 62/34109/81-82 Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, situated at Fort 'A' Street

K.R. Road Cross, Div. No. 27, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Basavangudi, under document No. 3533/81-82 on 23-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. K. Sakkubai No. D. 45 6th Cross Gandhinagai Bringalore-7

(Transfer ar)

(2) M/s. Taj & Company, No. 15,16, Mohamed Hayath Street, N.R. Road Cross, Bungalore-2,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3533-81-82 dated 23-2-1982)
1/6th Share of property bearing No. 22, situated at FortA' Street, K.R. Road Cross, Div. No. 27, Bangalore.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assti Commissioner et Income-Tar
Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-9-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560-001

Bangalore, the 30th September 1982

No. C.R. No. 62/34110/81-82 'Acq./B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22, situated at Fort 'A' Street K. R. Road Cross, Div. No. 27,

Bangalore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Basavangudi, under document No. 3532/81-82 on 23-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sate Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-30-316GI/82

(1) Smt. S. Radha Bai No. 125/1/18, T Block, Dr. T. Mariappa Road, Jayanugar Bangalore-11.

(Transferor)

(2) M/s. Taj & Company, No. 15/16, Mohamed Hayath Street, N.R. Road Cross, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## HE SCHEDULE

(Registered Document No. 3532/81-82 dated 23-2-1982) 1/6th Share of property bearing No. 22, situated at Fort 'A' Street K. R. Road Cross, Div. No. 27, Bangalore.

MANJU MADHAVAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-9-1982

### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

#### BANGALORE-560001

Bangalore, the 20th September 1982

No. C.R. No. 62/33745/81-82/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. 51, Old No. 83 situated at 7th Cross, Malleswaram, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Gandhinagar under document No. 3862/81-82 on 15-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. Vijaya Kumar, No. 17, 4th Cross, Nehrunagar, Bangalore-20.

(Transferor)

(2) Sh. K. N. Rudhakrishna Setty, Prof. M/s Mabeshwaram Mansions No. 45, 13th Cross, Malleswaram, Bangalore-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3862/81-82 dated 15-2-1982)
All that property bearing No. 51, Old No. 83 situated at 7th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 20-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 24th September 1982

CR. Uo. 62/34264/82-83/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 80 (M. No. 14) situated at 3rd Block, East Jayanagar, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jayanagar Document No. 88 on 7-4-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri T. P. N. Nambiar, Huzun Road, Post Box No. 177, Kozhilkode-673001.

(Transferor)

(2) Shri Divakar S, Shetty,
 Managing Director,
 M/s. Fibu Mills (P) Ltd.,
 58, MIDC Andheri, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 88 dated 7-4-1982] 80, M. No. 14, 3rd Block East Jayanagar, Bangalore

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560001

Bangalore, the 29th September 1982

CR. No. 62/33926/81-82/ACQ-B.—Wheeras, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 279, situated at Akkithimmanahalli, Shantinagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar Document No. 4834 on 4-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforaseid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Smt. H. Rajamma, No. 239/2, Bull Temple Road, Chamarajapet, Bangalore-18.

(Transferor)

Shri B. K. Gajendra Prasad,
 Shri B. K. Thyagaraj,
 Shri K. Maruthi,
 Shri K. Jagadish.
 Sher Khan Road,
 Nagarthpet, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 44834 dated 4-2-1982] Site No. 279, Akkıthimmanahally, Bangalore-27.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-9-1982

#### 15591

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Vishnuprasad Chhotalal Avasia, Chhaya Bazar, Junagadh

(Transferor)

(2) J. Hardas Gordhanbhar Sureja Village: Limbuda Tal; Manavadar Distt: Junagadh.

 Shri Udaysingh M. Sarvaiya, Village: Chhatrasa, Tal: Dhoraji Distt: Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOMF TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th September 1982

Ret. No. P.R. No. 2089 Acq.23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 122 situated at Gandhigram, Junagadh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 5-2-82

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the vaid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 889.5 sq. yd.—situated at Gandhigram, Junagadh duly registered by SR Junagadh vide sale deed No. 406/5-2-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range--I
Ahmedabad

Date: 7-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th September 1982

Ref. No. P.R. No. 2090 Acq.23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

S. No. 140/1+2 situated at village, Bodakdev, Dist: A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 6-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, resulty:—

 Smt. Bai Rai wd/o Shri Ambalal Banarasidas, village: Ambli, Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Chintan Tejal Investments Pvt. Ltd. through Shri Apurva Shantilal Shah Near Police Head Quarters, Shahi Baug, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning an given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 2A-36G situated at village Bodakdev Dist: Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale deed Nos. 1799 & 1797/6-2-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 18-9-1982

Scal:

#### FORM IINS-

 Shakriben Jerhabhai Banarasidas Village: Ambli, Dist: Ahmedabad.
 Ramabhai Punjabhai Prajapati, Village: Ambli, Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th September 1982

Ref. No. P.R. No. 2091 Acq.23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and S. No. 141/1 & 141/2, 146/3 & 146/4 situated at village: Bodakdev, Dist: Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 12-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

I and adm, 23G & 22G of S, No. 141/1 & 141/2 and adm. 19G & 18G of S. No. 146/3 & S. No. 146/4, situated at village Bodakdev Dist: Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 2154 & 2163/12-2-82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-9-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.--

(1) M/s. Liberal Engineering Works, Para Bazar, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M.s. Perfect Wooden Mfg. Thro: Shri Suresh Vithaldas Tagore Road, Rajkot.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th September 1982

Ref. No. P.R. No. 2092 Acq. 23/1/82-83.—Whereas, I. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have teason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing P.T.C. Plot No. 25 situated at Behind Industrial Estate, Gondal Rd. Rajkot

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 229.80 i.e. 274 sq. yds. situated at P.T.C. Plot No 25, Gondal Road, Rajkot duly registered by S.R. Rajkot vide sale deed No. 427/3-2-82.

R. R. SHAH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date · 18-9-1982

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th September 1982

Ref. No. P.R. No. 2093 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 5. No. 481 sitt ated village: Thaltej Dist: Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ageed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I beraby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons. namely :---

31-316GI/82

(1) Smt. Revaben wd/o Shri Shiyabhai Bechardas & Others

Village: Ambli, Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Govindbhai Matatlal Patel, 9-A, Amardeep Niwas, Hindu Colony, Opp Sardar Patel Stadium, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Ac-3-12 paiki-bearing S. No. 481, situated at Village Haltej Dist: Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide Sale deed No. 1793, 1794 & 1795/6-2-82.

R. R. SHAH Competent Autority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 18-9-1982

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009 Ahmedabad-380009, the 18th September 1982

Ref. No. P.R. No. 2094 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 482 paiki, Plot No. 77/11, paiki situated at Village: Vinzol, (Vatwa) Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ahmedabad on 10-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Laxmi Chemical Industries, Sole Proprietor: Ashokkumar Ramkrishna Thakkar, 77/11, G.I.D.C. Estate, Vatwa, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Gujarat Dyestuff Industries Pvt. Ltd. Director: Jagdishbhai Makhanlal, 218, Spectrum Commercial Centre, Relief Road, Opp: Relief Cinema, Ahmedabad-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory Building standing on land 280 sq. mt. situated at Vinzal, Dist: Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide Sale-deed No. 2393/18-2-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-!
Ahmedahad

Date 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2095Acq.23/1/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'snid' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 59 situated at Sahijpur Bogha, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 10-2-82

for an apparent consideration which, is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chimanlal Kuberdas Modi, 'Kuber Niwas', Raikhad, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Navdurga Tenaments Association Secretary, Shri Chandrabhan Topiram Nagpal, Nav durga Colony, opp. S. T. Workshop, Naroda Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 7299 sq. yd. situated at Shejpur Bogha Dist. A'bad duly registered by S. R. A'bad, vide S. R. No. 2031/10-2-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 18-9-82.

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2096.Acq.23/1/82-83.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

FP No. 106—Sub Plot No. 88 situated at Rajpur Hirpur, Maninagar, A'bad.

(and more fully Jescribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bud on 10-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

 Shri Kanubhai Girdharlal Parikh, Jan Vishram Society, Ambavadi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Gitaben Ganpatlal Khatri, Village Pilora, Tal. Tharad, Distt. Banaskantha, Gujarat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 357 sq. yd. situated at Maninagai, A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide sale-deed No. 2007/10-2-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND 7 LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2097.Acq.23/1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

F.P. No. 423/1/A-T.P.S. 3,

situated at Changispur, Dist. A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed here-10), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 20-2-82.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jyotish Ambalal Patel & Others, Behind Sam theswar Mahadev Temple, Near Law College, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Virajlal Ramjibhai Bagadia, Modi Sheri, Morbi, Dist. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land 612 sq. yds. situated at Changispur, A'bad durly registered by S. R. A'bad, vide Sale-deed No. 2541/20-2-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Shri Rajnikant Jaikrishnadas Soni,
 Shrimati Bakula Rajnikant Soni,
 Swekani Wadi, Khadia,
 Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Soalsil Exports Private Ltd. 9, Suffam Flat, Mithakhali, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND 1-LOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2098.Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

FP 583, Sub-Plot No. 1, Chhadawad T.P.S. 3, situated at Chhadawad, Ellisbridge, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 9-2-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 652 sq. yds. situated at T.P.S. 3, Chhadawad A'bad duly registered by S.R. A'bad vide sale-deed No. 1973/9-2-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-I'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2099.Acq.23/I/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

FP No. 517-2-B—TPS No. 3 situated at Shop No. S-1, Block A, Capital Commercial Centre, Ashram Road A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 4-2-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore sid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kokilaben Jagdishbhai, "Chaitanya", Behind Law College, Chimanlal Girdharlal Road, Ellisbridge, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Shri Kirankumar Dayaldas Waghwani, C/o Krishna Sales Corporation, Shop No. S-1, Block-A, Capital Commercial Centre, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period cf 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said one defined in Chapter XXA of he said in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. S-1, Block-A, situated at Capital Commercial Centre, Ashram Road, A'bad duly registered by S. R. A'bad vide Sale-deed No. 1619/4-2-82.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

## FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 18th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2100 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 88A-1-A-1-A-21

situated at Achier, Sabarmati, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Arvindkumar Bhogilal & Others, R/o. Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Apple Apartment Owners Association, President. Mafatlal Shamalbhai Patel, Sccry. Vinodchandra Manilal Patel, 44, Highway Park, Society, Ramnagar, both at Achier, Subarmati, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 633 sq. yd. situated at Achier, Sabarmati, A'bad duly registered by S. R. A'bad, vide Sale-deed No. 1401/1-2-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tux
Acquisition Range I
Ahmedabad

Date: 18-9-1982

(1) Smt. Bhagwatiben Babulal Chauhan, Raiya Road, Rajkot.

(Transferor)

NOTIFE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kapilaben N. Solanki, Near General Post Office, Rujkot.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2101 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

S. No. 462/1 plot No. 1, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Raikot on 2-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prope, y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
32—316GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property adm. land & bldg. adm. 176 sq. yd. situated at City S. No. 462/1, Plot No. 1 and registered vide S. R. Rajkot R, No. 1317 Dt. 2-3-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 27-9-1982

## FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2102 Acq. 23/1/82-83 -- Whetens, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000 /- and

bearing No. FP 109, 110, 111, 112 Paiki Sub Plot No. 8,

situated at Dariapur-Kajipur, A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at A'bad on 24-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa i property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D at the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Jivatlal Pratapsinhthro: Vasantial Iivatlal—near Sahkai Nikatan Socy.
Near Navrangpura Post Office, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shardaben Kantilal Mahadeyia, 'Akshva Dhara' Pravin Colony, ' Naviangpura, Ahmedahad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land 836 sq yd situated at Daiiapur-Kajipur, A'bad duly registered by S R. A'bad, vide sale-deed No 2606/24-2-1982

R. R SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date · 29-9-1982

Scul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2103 Acq. 23/1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing T. P. S. 22—F. P. 77 paiki

situated at Paldi, A'bad (and more fully described in th

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 24-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. B. D. Shah & Company,12, Harshanti Society, Narayannagar Road,Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferor)

Shii Chandulal Amrutlal Nagadia,
 Rajdeep Park, Near Guari Cinema,
 Odhay, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of the days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat adm. 122 sq. yd. situated at Vasna Paldi, A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide sale-deed No. 2680/24-2-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-9-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1982

Ref No P R No 2104 Acq 23/I/8283—Whereas, I, R R SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000 and bearing No FP 548, Sub Plot No 2, T P S 3 (Paiki) situated at Opp V S Hospital, Ellisbridge, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 19-2-1982

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shii Himmatbhai Bhagubhai Sutaria, Opp . V S Hospital, Ellisbridge, Ahmedabad

(liansfector)

(2) M/s Am Kay Builders, 8-10 Calcot House Famrin Lane, Fort Bombay

(Transferee)

Objects no, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Structurers etc. standing on land 2282 sq. mt. (1/3 paiki) situated at Opp. V.S. Hospital, Ellisbridge, A'bad duly registered by S. R. A'bad, vide sale-deed No. 2328/19-2-82.

R. R. SHAH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 29 9-1982 Seal .

#### 15607

#### FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1982

Ret No P R. No. 2105 Acq. 23/1/82-83 —Whereas, I, R R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

FP 548 Paiki Sub Plot No 2, I. P. S 3 situated at Opp. V. S. Hospital, Ellisbridge, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 17-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bachubhai Bhagubhai Sutaria, Opp: V. S. Hospital, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Fransteror)

(2) Mys. Am-Kay Builders, 8-10, Calcot House, Tamrine Lane, Fort, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Structures etc. standing on land 2282 sq. mt. (1/3rd paiki) situated at Opp: V. S. Hospital Ellisbridge, A'bad duly registered by S R A'bad vide Sale-deed No. 2323/17-2-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-9-1982

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI GOM HOUSE, ASIIRAM ROAD, AHMI DABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1982

Ref. 100, 9, R. No. 2106 Acq. 23/1/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Rs. 25,000 and bearing
FP 548, Sub Plot No. 2, 7, P. S. 2 (Paiki)
situated at Opp: V. S. Ho.pital, Ellisbridge, Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Visad on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shii Pravinchandra Fakirbhai Suturia, self and a krta of HUF.
 Gusa Parekh's Pole, Manek Chawk, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M<sub>1</sub>/s. Am-Kay Builders,8-10, Calcot House, Tamrimal Lane,Fort Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Structurers etc. standing on land 2282 sq. mt. (1/3rd paiki) situated at Opp: V. S. Hospital, Ellisbridge, A'bad duly registered by S. R. A'bad-vide sale-deed No. 2324/19-2-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-9-1982

## 

# FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2107 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

FP 154 paiki Sub-Plot No. 4, T.P.S 3,

situated at Opp: High Court, Navrangpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 4-2-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shu Kaushikbhai Gordhanbhai Patel,
 Shri Rameshbhai Gordhanbhai Patel,
 Dandur Retur, Baroda,

(Transferor)

15609

(2) Dipwawali Centre Owners A sociation President: Arun J. shah (70 Chokshi Engmeeting, ompany, Shyam Kutir", Khadayat Colony, Netair Road, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SOMEDULE

Land adm. 440 sq. yd. situated at Opp: High Court, Navrangoura, A'bad duly registered by S. R. A'bad, vide Saleded No. 1513/4-2-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-9-1982

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1982

Ref. No. P. R. No 2108 Acq. 23/1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. 60, Sub-Plot No. 14,

situated at Bhairavnath Road, Maninagar, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Smt. Savitriben widow of Ganpatram Aditram Mehta, Javahai Chawk, Near Krishnabaug Bus-Stand, Maninagar, Ahmedabad.

(Tunsferor)

(2) Javahar Shopping Centre, & Flat, Owners Association. C/o Jeramdas Chuhadmal, Opp: Karnavati Society—Near Mohan Housing, Bhairavnath Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 440 sq. yd. with structure—situated at Bhairavnath Road, Maninagar, A'bad duly registered by S. R. A'bad, vide sale-deed No. 2475/19-2-1982.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 29-9-1982

FORM I.T.N.S .....

the Dank of the second of the

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOMF-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2109 Acq 23/I/82-83.-Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Block No. 828 paiki, Block No. 769 paiki & situated at Block No. 760 paiki village Kathwada, Dist: A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 25-2-1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have meeon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income among from the impose and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any notes proffle and the beautiful newhole ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1973), or the said Act, or the Wealth-fee Act 107 C" (7 1957)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-33--316 G1/82

(1) Shri Motibhai Naranbhai Patel & anothers, village: Navli, Tal: Anand, Dist: Kaira.

(Transferor)

(2) Shri Chaturbhai Ashabhai Patel, village: Kathwada, Tal: Daskroi, Dist: Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm 8H-52R-64 sqm. 0-13-08 & O-16-65=8-82-37—situated at village Kathwada, Distt: A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide sale-deed No. 2705/25-2-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedaba

Date: 29-9-1982

## FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMI-DABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2110 Acq.23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 1082-A-B parki, 1087 parki, 1082-A, 1082-B parki & 1087 parki F.P. 153 parki, situated at Naroda, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 4-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Arvind Industrial Estate Corporation—through partner Shii Arvindbhai Narottamdas & others, Sheth Lalbhai Dalpatbhai's Vanda, Pankore Naka, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Avitex Synthetics Pvt. Ltd., through Director Shri Vasantbhai Shantilal Zaveri, Sheth Lalbhai Dalpatbhai's Vanda, Pankore Naka, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 2116.98 sq. vd. situated at Naroda, A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide Sale deed No. 1322/4-2-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabasi

Date: 29-9-1982

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2111 Acq. 23/1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1.P No. 164 paiki—Plot No. 4/6 situated at Maninagar, Abad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 8-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Savitaben Harilal, Ambica Niwas, Harihar Society, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

Arunaben Bharatkumar,
 Bharatkumar Jayantilal,
 Triveni Apartment, Picnic House Bus Stand,
 Kankaria—Near Open Air Theatre,
 Abraedand

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bungalow standing on land 649 sq. yd. situated at Maninegar, A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide sale-deed No 1624/8-2-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-9-1982

Sen1:

#### FORM ITNS -- -

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2112 Acq 23/1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 193+194—F. P. No. 328—Sub-Plot No. 10, situated at Flat No. 4, Paldı, A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registered Officer at A'bad on 4-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sejal Construction through Shri Satishchandra Budhalal Shah, Chimanlal Girdhailal Road, Paldi, Ahmedabad,

(Transferor)

 Smt. Umaben Arvindbhai Delhiwala, Opp: Old Sachivalaya, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 4—adm. 116 sq. yd. situated at Paldi, A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide Sale-deed No. 1634/4-2-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dite : 29-9-1982

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2113 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 33, T.P.S. 22, F. P. 163, situated at Flat No. 6, Bala Apartment, Paldi, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 5-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the sald Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shi Manilal Somehand Modi, Jamalpur Chakla, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Gitaben Natverlal Soni, Flat No. 6, Bala Apartment, Paldi, Near Naiayannagar Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat adm. 67 sq. yd. situated at Paldi A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide Sale-deed No. 1702/5-2-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1982

## FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 29th Sertember 1982

Ref. No. P. R. No. 2114-Acq.23/1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 88, situated at village: Sola, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad 5-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ishwarbhai, R. Patel & Others, Village: Sola, Dist.: A'bad.

(Transferor)

(2) Shii Anubhai Premchand Shah, Mcghalaya Flats, behind Times of India Office, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FYPLANALION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and adm. H R Sq m. situated at village Sola, Dist. : 0.30 - 35 A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide sale-deed No. 1717/5-2-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 29-9-1982

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

O'FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 29th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2115-Acq 23 / J / 82-83.—Whereas,  $I_s$  R. R. SHAII

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bc ring No and

S No 271-1, Sub Plot No 5 situated at Vejalpur, Dist. A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Offic, of the Registering Officer at A'bad on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than integen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (a) fleilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of the process arising from the transfer; and, or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore it property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. Smt. Dhaugauri Rasiklal Patel
 2. Shri Dinesh Rasiklal Patel, through their power of Attorney holders, Shri Rameshchandra Chimanlal, Moti Bai Street, Bombay

(Transferor)

(2) Gna Nayanbha Ramprasad Desai, "Anand Dhata", Adhyapak Society, Polytechnic, Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land 400 sq. yd. situated at Vejalpur, A'bad duly tegistered by S.R. A'bad vide sale-deed No. 1817/Feb. 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 29-9-1982 Scal .

#### FORM ITNS-

NOTICE ! NOTICE SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedahad-380009, the 29th September 1982

Ref No. P R No. 2116-Acq.23/I/82-83,—Whereas, J, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C. S. No. 2565-1-B Shop No. 5, situated at Vrandavan Shopping Centre Pankore Naka, A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regsitering Officer at A'bad on 9 2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any in nc)s or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shah Ka turbhar Motilal & Bros,
  Thro :—Partners
  Shah Kasturbhai Motilal & Others,
  out ide Paipur Gat 514 New Cloth Market,
  Ahmedabad
  (Transferor)
- (2) Shah Kantılal Mansukhlal, 6-6, I otus Society, Opp.: Gujarat Vidvapıth, Ashıam Road, Ahmedabad-14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 4% days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Shop No. 5 of Vrandavan Shopping Centre, Pankore No. 1, A'bad, duly registered by S.R. A'bad, vide Sale-deed No. 13539, 9-2-82

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-9-1982

## FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMU-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2117-Acq.23/I/82-83.—Whereas, J. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 275/1 & 275/2 - Block No. 494 & 491 situated at Village': Ambli, Dist. : A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 8-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—34—316GI/82

(1) Natverlal Prahladbhai Patel,

- Village Ambli, Dist.: A'bad.

  2. Bei Sita widow of Shri Prahladbhai Jesingbhai,
  Village: Ambli, Dist.: A'bad.
- Village: Ambli, Dist.: A'bad.

  3. Ambaben Prahladbhai & Others,
  Village Ambli, Dist.: Ahmedabad.

(Transferor)

- Shri Jashwantlal Chhotalal,
   C-6, Sipki Apartment—Near New Sharda Mandir Road, Ahmedabad.
   Parmanand Gordhandas Mody, Advocate
  - Parmanand Gordhandas Mody, Advocate Swastik Super Market, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said imanovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 3334+3334 sq. yd.+2178 sq. yd. situated at Village Ambli, Dist.: A'bad, duly registered by S.R. A'bad vide Sale-deed No. 1868, 1869, 1864/8-2-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-9-1982

#### FORM ITNS--

 Smt. Gitaben Kiritbhai Shah, 68, Jogabhai Park, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rajshree Munohar Patil, L/4, 8/121, Shastrinagar Bayrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th September 1982

Rcf. No. P. R. No. 2118-Acq.23/1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. P. 187/2 part, Sub Plot No. 7 part 26/1 situated at of T.P.S. 3—Shop No. 21 of National Chamber at Ashram Rd.,  $\Lambda$ 'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 9-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 21 of National Chambers, situated at Ashram Road, A'bad, duly registered by S.R. A'bad vide sale-deed No. 1908/9-2-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 29-9-1982

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Gitaben Kiritbhai Shah, 68, Jogabhai Park, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

 (2) Kumari Dolly alias Shilpa Kantilal Gajjar, "Gajjar Villa"
 22, Ramnagar, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2119-Acq.23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. 187/2 part, Sub Plot No. 7 part & 6/1 situated at of TPS-3-Shop No. 22 of National Chambers, Ashram Rd., A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 9-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 22 of National Chambers, situated at Ashram Road, A'bad, duly registered by S.R. A'bad vide sale-deed No. 1909/9-2-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 29-9-1982

#### FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHEMEDABAD-380009

Ahmedabad-38009, the 30th September 1982

Ref. No. P. R. No. 2120-Acq.23/I/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. Survey No. 4-1-1 situated at West Side of Oshwal Colony, Jamnagai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J. R. Jamnagar on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramniklal Nemchand Malde, Digvijay Plot Sheri No. 22, Garbi Chawk, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Devchand Jivraj Galaiya, Digvijay Plot, Street No. 43, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide Sale-deed R. No. 589 dated the 25-2-82 by S.R. Jamnagar.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-9-1982

## FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-38000, the 1st October 1982

Ref. No. P. R. No. 2121-Acq.23/I/82-83.—Whereas, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 429 paiki 436, Paiki & 654 paiki situated at Panchvati Co-op, H. Socy, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 3-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Maganbhai Madhabhai Patel, Jam Jodhpur,

Dist. : Jamuagar.

(Transferor)

(2) Shantaben Naranbhai Patel,

Village : Khirsara, Bhayavadar, Tal : Upleta,

Dist : Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land 300 sq. yd.—situated at Panchwati Co-op. Housing Society, Kalavad Rd., Rajkot, duly registered by S.R. Rajkot, vide Sale-deed No. 724/3-2-82.

> R. R. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 1-10-1982

## FORM IINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Harihar Society, Rajkot.

(Transferor)

(2) Maniben Nathalalbhai Patel, Village: Supedi, Dist.: Rajkot.

(1) Shri Jayantilal Dahyabhai Akbari,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st October 1982

Ref. No. P. R. No. 2122-Acq.23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building situated at Mujka Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on Fcb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building standing on land 300 sq. yd. situated at Mujuka Road, Rajkot, duly registered by S.R. Rajkot, vide sale-deed No. 736/3-2-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 1-10-1982

#### FORM LT.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th October 1982

Ref. No. P. R. No. 2123-Acq.23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and hearing No.

991-b of Bhavnagar City Survey situated at Sir Pattani Road, Near Ghogha Circle. Bhavnagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

S. R. Bhavnagar on 11-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Jayantilal Jivraj Gandhi, 991-A, Sir Pattani Road, Near Ghogha Circle, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shri Mangala Co-op. Housing Socy. Ltd., 991-6, Sir Pattani Road, Near Ghogha Circle, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide Sale-deed R. No. 307 dated the 11-2-82 by S.R. Bhavnagar.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7-10-1982

#### FORM ITNS---

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1982

Ref. No. P.R. No. 2124 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 335 paiki Plot No. 55 paiki situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 4-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gopaldas Manjibhai through Power of Attorney Holder Shri Chandulal Manjibhai Village: Jam Jodhpur, Dist: Jamnagar.

(Transferor)

 Shri Sharadchandra Dalochand Damani
 Shri Jayendra Dalichand Damani both at 2, Manhar Plot, 'Bindu', Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm 300 sq yd. +300 sq. yd. paiki S. No. 335—Plot No. 55, situated at Rajkot, duly registered by S.R. Rajkot vide Sale-deed Nos. 761 & 762/4-2-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 8-10-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME LAX ACT, 1961 (1) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Koli Gabha Mala, Kari Mori, Madhapar Nava Vas Madhapar (Bhuj)

(Transferor)

(2) Smt. Shardaben Ravilal Thakkar. "Shatrunjay", Hospital Road, Bhut (Kutch)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1982

Ref. No. P.R. No. 2125 Acq. 23/I/82-83 —Whereas, I, R. R. SIIAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S No. 349-2 of Madhapar village situated at Yogeshwardham Plots Nos 46 to 128 adm 1694675 sq. mts at Bhuj. Madhapar Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R. Bhuj on 26-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35- 316GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dato of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property registered vide S.R. Bhuj's Sale Deed R. No. 560 dated 26-2-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Date: 8-10-1982

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th October 1982

Ref. No. P.R. No. 2126 Acq 23/I/82-83.—Wherens, I, R. R. SHAH

being the competent authority,

15628

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

99/1977 situated at Takhteshwar lea of Bhavnagar Plot No. 119/D

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Bhavnagar on 16-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propety, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Smt Manjulaben J. Parekh
 Smt. Urmilaben H. Parekh, 112/D, Takhteshwar Plots, Bhavnagar.

(Transferor)

1. Shri Shashikant Nemchand Parekh,
 2. Shri Kumudrai Nemchand Parekh,
 Kanabiwad, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I.YPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Plot No. 119/D situated at hea of Takhteshwar, Bhavnagar and registered vide S. R. Bhavnagar's R. No. 99/1977 New No. 343 dated the 16-2-82,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 8-10-1982

Seal ·

#### FORM NO ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) (1) Lodaria Damji Ashkaran (HUF) through its Karta Shri Jayendra Damji Lodaria, Nawa-wal, Madhapar

(Iransferor)

(2) Shah & Co. Madhapar, Tal Bhuj

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOMP-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad 380009, the 11th October 1982

Ref No. P.R No 2127 Acq 23/I/82-83 --- Whereas, I, R R SHAH.

being the Competent Authority under Section

269B of the Inome tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

S No 324/1 of Kadhapai Sim situated at Bhuj Madhapar Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bhuj on 23-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide R Nos 415/521/82 dt. the 23-2-82, 1934/523/82 dt the 23-2-82 & 1987/524-82 dated the 23-2-82 by S.R. Bhuj

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 11-10-1982 Soal FORM I.T.N.S.----

\_\_\_\_\_

(1) Kanabi Kesari Ratna Dabasia, Juno--was, Madhapar Tal: Bhuj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lodaria Damji Ashkaran Legha—Sheri, Bhuj---Kutch.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th October 1982

Rcf. No. P.R. No. 2128 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

474/1 New 756 old of Bhuj sim situated at Bhuj—Madhapar road of Bhuj

S.R. Bhuj on 23-2-1982

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.
  whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said ramovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1.xPI ANATION :-- the terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property registered vide R. No. 1771/518/82 Dt. 23-2-82 by S.R. Bhuj.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date 11-10-1982

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

MICHAEL TO THE IMPLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th October 1982

Ref. No. P.R. No. 2129 Acq. 23 1/82-83.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No 350 at the climb of Bhujio-dunger situated Bhuj - Madhapar road.

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bhuj on 4-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lattern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (u) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Koh Crabba Mala, Kari Moli, Nawo-was Madhapar, Madhapar (Bhuj).

(Transferor)

(2) Shri Ravilal Naisinh Thakkar, & Smt. Shardaben Ravilal Thakkar, "Shatrunjay" Hospital Road, Bhuj.

(Transletes)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R No. 387 dated the 4 2-82 by S.R Bhuj.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Ahmedabad

Date: 11-10-1982 Seal:

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 25th September 1982

Ref. No. ASR / 82-83 /275,---Whereas. I. ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

One plot in Shastri Nagar ASR

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May, 1982

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Baljit Singh s/o Shri Ram Singh r/o Basant Avenue Amritsar

(Transferor)

(2) Shu Arun Verma s/o Shri Om Parkash Verma i/o Inside Hall Gate, Amritsar.

(Transfere:

- (3) As at s1. No. 2 above and tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 VI LANATION the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

One plot of land with one storey structure situated in Shastri Nagar Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3433/dated 20-5-1982 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 25-9-182

Seul :

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OI 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDFR PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 1st October 1982

Ref. No. ASR/82-83/266.-Whereas, I,

ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property in Gopal Nagar, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR Amritsar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nov, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :-

Smt. Sneh Lata w/o Shri Surinder Kumar r o Gopal Nagai, Amiitsar.

(Transfero

- (2) Shri Anand Sarup Chauhan s/o Shri Charanji Lal r/o Putlighar now 28-Gopal Nagar, Amritsar.
- (Transferce) (3) As at sr. No. 2 above and tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in at Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house (area 178 sq mtrs) No. B-28, Gopal Nagar, Majitha Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 21276 dt. 11-3-82 of the registering authority Amritsar.

> ANAND SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 1-10-1982

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 1st October 1982

Rel. No. ASR/82-83/267.—Whereas, I, ANAND SING IRS being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Chowk Moni situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:----

(1) Shri Madan Lal s o Shri Sohan Lal 1/0 Chowk Moni, Gali Lazoo Bazar Abulbian, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shu Piem Pal s/o Shri Rattan Lal t/o Chowk Moni, Amritsar.

(3) As at 9. No. 2 above and tenants if any.

(Person in occupation of the prope.

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/1d share in house No. 1331/VIII-8 MCA situated in Gali Lazoo Chowk Moni Bazar Abulbian, Amritsar as mentuoned in the sale deed No. 22362/dated 26-3-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taAcquisition Range, Amritsai

Date: 1-10-1982

Seal -

## FOI. M ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INDECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

#### ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amtitsat, the 1st October 1982

Ref. No. ASR /82/83 / 268 —Whereas, I. ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Chowk Moni situated at Amutsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aroussaid properts, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (6) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the and Act, to the following persons, namely:—
36—316GI/82

 Shri Krishan Lal s/o Shri Sohan Lal r/o Bazar Abulbian Gali Lazoo, Chowk Moni, Amiitsar.

(Transferor)

(2) Smt. Agyawanti w/o Shri Munishi Ram i/o Bazai Abulbian, Chowk Moni, Gali Lazoo, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As mentione | at si. No. 2 above and tenants if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be intersted in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official G, it is on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later.
- (b) by an ather to a erect a rethe said immovable place to the days from the date of the publication of the rece in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share in house No. 1331/VIII. MCA Amritsar situated in Galt Lazoo Chowk Mont Bazat Abulbian, Chowk Mont Amritsar as mentioned in the safe deed No. 22363/dated 26-3-82 of the registering authorit, Amritsar.

ÁNAND SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 1-10-1982

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

> > Amritsar, the 5th October 1982

Ref. No. ASR/82-83/269.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One kothi on Lawrance Road, Amrisar situated at Amritaar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri H amohan Singh s/o Shri Inder Singh & Smt. Mohan Kandal alias Marmohan Kaur, Ajaypal Singh r/o Amritsar.

(Transferer)

(2) Shri Ghaniya Singh s/o Shri Sewa Singh, Shri Daya Singh s/o Shri Ghanya Singh & Smt. Pushpa Wanti 1/o 62, Lawrance Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenants if any,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are, defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One propert/ No. 62/720 situated on Lawrence Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 19622 date 1 5-2-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 5-10-1982

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 25th September 1982

Ref. No.  $\Delta$ SR /82-83/270.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being\* the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Chowl. Phulanwla situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Harish Kumar & Perveen Kumar ss/o Shri Kewal Krishan r/o gali Jadao Chowk Phullanwala Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Ashok Kumari w/o Shri Surjit Singh Chowk r/o Phullanwala, Gali Jadao, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenants if any.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house No. 1256/X-6, situated in Gali Jadao, Chowk Phullanwala Amritsar as mentioned in the sale deed No. 20481 ddt. 23-2-82 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsas

Date: 25-9-1982

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1982

Ref. No. ASR/82-83/271.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a foir market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

House in Gali Gujran situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to 'e disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bakshish Kaur
w/o S. Ganesha Singh
Shri Surjit Singh
s/o Shri Ganesha Singh &
Smt. Darshno
d/o Shri Ganesha Singh
r/o Gali Gurjan di, Baba Atal,
Amtitsar.

(Transferor)

(2) Smt, Surinder Kaur w/o Shri Gurdial Singh r/o H. No. 1406/V-9

r/o Gali Gujran Di Baba Atal, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. above and tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house No 1406/V-9 situated in Gali Gujran Chowk Baba Atal Sahib, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 19794 dt. 10-2-1982 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritaar

Date: 21-9-1982

Scal;

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd September 1982

Ref. No. ASR /82-83/272.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the lummovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Gali Chhaparwali

situated at Amritsar

(and more fully descried in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amiltsar on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Smt. Harminder Kaur Wd/o Kirpal Singh, Kuldip Singh & Gurcharan Singh & Kultar Singh Ss., o S. Kirpal Singh, Narinder Kaut D/o Kirpal Singh R / O Bazar Loharan, Amritsar.
- Sh Rajinder Parshad S/o Sh. Mulkh Raj R/o Quilla Bhangian, Gali Thakuidawara, Amritsar. (2) Sh (Transferse)
- (3) As at St. No 2 overleaf & tenants if any.
- (Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 2 share in II. No 1857/7-13 situated in Gali Chhaparwali Bazar I oharan, Amritani as mentioned in the sale deed No. 19603/duted 5-2 82 of the registering Authority, No. Amritsai.

> ANAND SINGH IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 23-9-82

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.,

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd September 1982

Ref. No. ASR/82-83/273.—Whereas, I, ANAND SINGH JRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. One property in Gali Chhparwali situated at Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Kuldip Singh, Gurcharan Singh & Kultar Singh Ss/o Kirpal Singh & Smt. Narinder Kaur D/o S. Kupal Singh, Smt. Harminder Kaur Wd/o Kirpal Singh R/o Bozar Loharan Amritsar.

  (Transferor)
- (2) Smt. Kanchan W/o Sh. Rajin ler Parshad R/o Gali Thakurdawara Quilla Bhangian Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf & tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share in House No. 1857/7-13 situated in Bazar Loharan Gali Chhaparwali, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 19605 dated 5-2-82 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date: 23-9-82

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 25th September 1982

Ref. No. ASR/82-83/274. Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. One plot in Shastri Nagar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Parma Nand S/o Hardayal Mal R/o Chowk Mala Singh near Majith Nand, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Atun Verma S/o Ora Parkash Verma R/o inside Hall Gate Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf & tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Jefined in Chipter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land with one storey structure situated in Shastri Nagar Amritar as mentioned in the sale deed No. 19365/dated 2-2-82 of the registering authority Amritar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Amritsar.

Date: 25-9-198?

FORM ITNS

Palam peth, Jalgnon,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saralabai k. Pande 86 Jilha peth, Jalgaon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Sh. Motilal Rupchand Pande, Jalgaon.

(1) M/s J. M. P. Constitution Corporation.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA-1

Poona-1, the 30th September 1982

Ref. No. CAS/SKJalgaon 757, 82-83 —Whereas, I, SHASHIKANT KUI KARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, saving a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

CS No. 1862, Palain peth situated at Til & Dist. Jalgaon

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SR Jalgaon on 15-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fa, illitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-cax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(S No. 1802 Tal. & Dist Jalgaon, Palam peth, (Proporty as described in the sale deed registered under document No. 598 in the office of the Sub-Registrar Jalgaon on 15-2-82).

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Seal:

persons, namely :-

Date: 30-9-82

#1) Bikramjit Roy Chowdhury 156, BT Road, Calcutta 35.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Anita Choudhury Flat No. 1, 156/10-AB, B.F. Road, Calcutta-35.

(Tunsferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, (OUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1982

Ref. AC-16/Acq R-IV/Cal/82-83.---Whereas, I, C. ROKHAMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 156/10-AB situated at B. T. Road, Calcutta-35

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Calcutte on 18-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

27—316GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land 1/6 of 350.04 Sq. Metre with building Address: Flat No. 1, 156/10 A.B., B. T. Road, P. S. Barangar, Calcutta-35, Deed No. 1183 cf. 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 6-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1982

Ref. AC-17/Acq. R-IV/Cal/82-83.—Whereas, f, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 156/10-AB situated at B. T. Road. Calcutta-35

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Bikramjit Roy Chowdhury, 156, B.T. Road, Calcutta-35.

(Transferor)

(2) Smt. Damayanti Joshi, 156/10-AB, B.T. Road, Calcutta 35.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land:—1/6, of 350.04 Sqr. Meter with building. Add:—Flat No. 3, 156/10-AB, B.T. Road, P.S. Barunagar, Dt. 24-Parganas. Decd No. 1184 of 1982.

C. ROKHAMA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 6-10-1982

(1) Sri Bikramjıt Roy Chowdhury, 156, B.T. Road, Calcutta 35.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Khetshi Khemji Petel, 156/10-AB, B.T. Road, Calcutta-35.

(Transferec)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1982

Ref. AC-18/Acq. R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 156/10-AB, situated at B. T. Road, Calcutta-35

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land:—1/6 of 350.04 Sq. Meter with building. Address: Flat No. 6, 156/10-AB, B.T. Road, P.S. Baranagore, Dt. 24-Parganas. Deed No. 1186 of 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 6-10-1982

Seal

(1) Sri Bikramjit Roy Chowdhury, 156 BT Road, Calcutta-35

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sii Sardar Kulki Singh
2 Sardar Harbhajan Singh
3 Sri Sardar Gurudayal Singh All of Flat No 5,
(2nd floor) 156 '10-AB, BT Road Calcutta-35
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE IV, CAI CUITA

Calcutta the 6th October 1982

Ref AC 19/Acq R-IV/Cal/82 83—Whereas, I, C ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing No 156 10 AR situated it B T Road, Calcutta-35 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering. Officer at Calcutta on 18-2 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer at agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

). 16 he I be E

EXILANATION — The terms and expressions used herein as tre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transfero rto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land —1/6 of 350 04 Sq Meter with building Address —Flat No 5, 156/10-AB, BT Road, PS Baranagore, Dt 24-Parganas Deed No 1187 of 1982

(b) inclitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

C ROKHAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 6 10 1982 Seal .

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sri Bikramjit Roy Chowdhury, 156/10-AB, B.T. Road, Calcutta-35.

(Transferor)

(2) Smt. Mithu Paul Flat No. 4, (1st floor), 156/10-AB, B.T. Road, Calcutta-35.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1982

Ref. AC-20 ACQ. R-IV/Cal/82-83.—Whoreas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 156/10 AR situated at

B.T. Road Calcutta-35 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 18-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitsen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: 1/6th of 350.04 sqr. meter with Building Address: Flat No. 4, 156/10-AB, B.T. Road P.S. Baranagore, Dist. 24-Parganas. Deed No. 1182 of 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1982

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Bikramjit Roy Chowdhury, 156, B.T. Road, Calcutta-35,

(Transferor)

(2) Sardar Jagpal Singh of Flat No. 2 156/10-AB, B.T. Road, Calcutta-35.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1982

Ref. No. AC-21/ACQ. R-IV/Cal/82-83.-Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 156/-10-AB situated at B.T. Road, Calcutta-35

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 18-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: 1/6th of 350,04 sqr. meter with building Address: Flat No. 2, 156/10-AB, B.T. Road, S. Baranagore, Dist. 24-Parganas, Deed No. 1185 of 1982,

C. ROKHAMA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 6-10-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, naminly :--

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd August 1982

G.I.R. No. P-94.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 27/105 (New 10/282) situoted at Gali No. 2, Haldwani, Dist. Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Haldwani on 15-7-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Devi Pathak.

(Transferor)

(2) Sh. Pramod Kumar Gupta.

(Transferee)

(3) Above vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 27/105 (New No. 10/282) situated at Gali No. 2, Haldwani, Distt. Nainital, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1818/82, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Haldwani, on 15-7-82 (as per 37G form).

A. PRASAD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 2-8-1982

## FORM IT.N.S. - --- - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASHSTT, COMMISSIONER OI INCOMETAX,

> ACQUISITION RANGE, LUCKNOW Lucknow, the 7th September 1982

G.I.R. No. D 44/Acq -Whereas I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot of land,

situated at 152, Civil Lines, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on Fcb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh Euni Behari Laf through Mukhtai e Aam Sh, Jitendia Piakash

(Transferor)

- (2) S/Shri I, Dharampal Singh
  - 2. Gursewak Lal
  - 3. Jasbir Singh 4. Prithwipal Singh
  - Gur Darshan Singh
     Seth Raj Pal Singh
  - Seth Navmid Singh
  - 8. Dharamjit Singh

(Transferce)

(3) Shii Jitendra Prakash Goel etc.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1532 8/9 sq. yds, situated at 152, Civil Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8001/6/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrat, Bareilly in February, 1982.

A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range Lucknow.

Date: 7-9-1982

Sca1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th September 1982

G.I.R. No. S-241/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. House No. 166-A

situated at Old Bairhana, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 3-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—316GI/82

(1) Sh. Mahendra Nath Misra S/o Late Pashupati Nath Misra

( ranglon or )

(2) Sm<sup>3</sup>. Shall Kumari W o Mr. Refended Prasad Gupta

(Transferce)

(2) Sh. Mahendra Nath Misra.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free Hold House No. 166-A, situated at Old Bairhana, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1740/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 3-2-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 7-9-82 Soal:

#### FORM I.T.N.S.---

(1) Sh. G. S. Bisht.

(Transferor)

(2) 1. Sh. K. P. Kacker.2. Smt K. L. Kacker.Through their Attorney, Sh R K. Seth.

(Transferee)

(3) Above seller.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd August 1982

G.I.R. No. K-112/Acq.-Whereas, I,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-147 situated at Sector 'A', Mahanagar Housing Scheme, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 24-2-1982 for an apparatus consideration which is less than the fair

ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: for an apparent consideration which is less than the fair

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Leasehold plot of land No. B-147, measuring 11,573 sq. ft. situated at Sector 'A', Mahanagar Housing Scheme, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1150/82, which have duly registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 24-2-1982.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 23-8-1982

(1) Smt. Ramdei Alias Bachhi.

(Transferor)

(2) Smit, Shashi Misra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th August 1982

G.I.R. S-238/Acq.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House No. C-9/255

situated at Habibpura, Varanasi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:-The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house No. C-9/255, situated at Habibpura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1959/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanusi, in February, 1982.

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Lucknow.

Date: 16-8-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHEMBERS, SADAR, NAGPUR Nagpur, the 10th September 1982

Ref. F. No. IAC.ACQ/190/82-83.—Whereas, I, M. V. R. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 220012 sq. ft. of land out of Nazul Plot No. 12, sheet No. 2B, situate in clarke town Ward No. 63, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offlice of the Registering Officer at 993/1982 on 18-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) inciditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other as ets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax-Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Motiram Parasram Thapar r/o Mecosabagh, Nagpur. (Transferor)
- (2) M/s Girish Co-operative Housing Society Ltd., C.A. Road, Nagpur for Jasbir Singh Jagat Singh Anand Chairman. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

220012 sq ft of land out of Nazul plot No. 12 Sheet No. 2B, situate in Clarke Town Ward No. 63, Nagpur.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 10-9-1982

Soal:

## FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHEMBERS, SADAR, NAGPUR Nagpur, the 10th August 1982

Ref. F. No. IAC.ACQ/186/82-83.—Whereas I, M. V. R. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 69 Ward No. 5; House No. 435; Congress Nagar, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 8-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri S. L. Chorghade, Shivaji Nagar, Model Colony, Poona—16.
  - Smt. Sushilabai V. Kulkarni, R/o Civil linea, Nagpur.
  - Smt. Manoram W. Shende, R/o Nagpur.
  - 4. Dr. (Smt.) Vimal Anand Kelkar (Charghade) R/o Pona. (Transferee)
- (2) 1. Smt. Sitebai K Shambarkar, R/o Taroli Tah. Ufred, Dist.: Nagpur, P.T.O.
  - Shri Sudhakar N. Agne, R/o Sankhamb Ta.h: Katol.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 69; Ward No. 5; House No. 435; Circle No. 19/A. Division I, Congress Nagar, Nagpur, House Constructed Area: 1600 Sq. Ft. and Total plot Area 10250 Sq. ft. plus 5 ft. service lane.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 10-8-1982

Soal :

(1) Sri Mohan Divakaran, "Krishna Kripa", Karithala, Ernakulam. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Force Health Officer & Pathologist
Royal Oman Police, P.O. Box No. 2, MUSCUT
(Transferee)

(2) Dr. Rameshkumar

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-662 016

Cochin, the 27th September 1982

Ref. No. L.C. 594/82-83.—Whereas, I, P. J. THOMAS-KUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 4-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the moresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2.548 cents of land in sy. No. 845/1 of Cochin Corporation vide Doc. 396/82 dated 4-2-1982.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-9-1982.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS," ANAND BAZAAR, COCHIN-662 016

Cochin, the 27th September 1982

Ref. No. L.C. 595/82-83—Whereas I, P. J. THOMAS-KUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Eranakulam on 4-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohan Divakaran, "Krishna Kripa" Karithala, Ernakulam (Transfe-or)
- (2) Mrs. Rema Remesh W/o Dr. Remesh Kumar, Force Health Officer & Pathologist, Royal Oman Police, P.O. Box. 2 MUSCUT (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2.234 cents of land as per Schedule attached to Doc No. 397/82 dated 4-2-1982.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 27-9-1982.

متحقي شناها المرابطات

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR
CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1944.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1 front portion of plot No. S-434, situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on Feb., 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shr! Sanjiv Anand S/o late S. R. Anand and Kumari Sangeeta Anand d/o late S.R. Anand r/o B-62, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Chander P. Mahant see Sh. K. D. Mahant r/o A-13, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 front portion of plot No. S-434, mg. 752 sq. yds. (equal to 376 sq. yds.) Greater Kailash-II, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, New Delhi

Date: 16-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1910.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15-D, situated at Friends Colony West, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at N. Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39—316GI/82

 Mr. Braham Arenja S/o Lala Lekh Raj r/o H-21, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Rattan Lal Kaushik s/o Pt. Mohan Lal r/o 15-D, Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

15-D, Friends Colony West, New Delhi having an area of 549 sq. metres, double storeyed built up in un-habitable, requiring extensive repairs.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I. New Delhi

Date: 16-10-82

## FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1911.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-74, situated at Kalkaji, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Som Dev S/o Shri Narain Dass r/o A-238, Kalkaji, N. Delhi.

(Transferor)

Sh. Charanjit Singh s/o late S. Ganjinder Singh
 Smt. Tejinder Kaur W/o Sh. Balbir Singh
 r/o 7/20, South Patel Nagar, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. D/74, situated Kalkaji, New Delhi mg. 573 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, New Delhi

Date: 16-10-82

scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1943.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value avgrading able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 rear portion of plot No. S-434.

situatetd at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Sanjiv Anand S/o late S, R. Anand and Kumari Sangeeta Anand d/o late S.R. Anand r/o B-62, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Prominent Builders & Investors (P) Ltd., 59, Nehru Place, Shakuntla Apartments, New Delhi through its Chairman Kalyan Dass. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

1/2 rear portion of plot No. S-434, mg. 752 sq yds (equal to 376 sq. yds.) Greater Kailash-II, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, New Delhi

Date: 16-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1903.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15-C, situated at Friends Colony, West, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Fcb., 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Brahm Arenja S/o Sh. Lekh Raj Arenja r/o H-21, Maharani Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. K. K. Chopra, Smt. Prem Kumari Chopra, Sh. Sanjay Chopra and Shri Bhanu Chopra all r/o C-20, Lajpat Nagar-III, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 15-C, mg. 280 sq. yds. situated at Friends Colony west area of village New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, New Delhi

Date: 16-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. FSTATE NEW DELHI

New Delhi, 7th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1874.—Whereas i, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. D-1st/206, situated at Lajpat Nagar, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (7 / of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt, Savith Devi w/o Sh. Kundan Lal t/o D-I-205 & 206 Lajpat Nagar, New Delhi through her general attorneys Smt. Kailash Chopra w/o Jatinder Pul Chopra & Smt Sudershan Chopra w/o Surinder Kumai Chopra 1/o D-1st-206, Lajpat Nagar, N. Delhi.
- (Transfero)

  (2) Sh. Jatinder Pal Chopra and Surinder Kumar Chopra both s/o Sh. Kundan Lal Chopra, both r/o D-1st-206, Lajpat Nagar, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Quarter No. D-Ist-206, Lajpat Nagar, New Delhi measuring 100 sq. yds

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, New Delhi

Date: 7-10-82

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sh. Narendra Sen s/o late Sh. Karamchand, at present N-67, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Indu Devi Bihani w/o Sh. Prakash Narayan at present 90, Jorbagh, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1982

Ref. No. IAC/Acql/SR-III/2-82/1940.—Whereas, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000/- and bearing

No. L6 and 6-A, situated at South Extension Part-II.

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

L6 and 6-A, situated in South Extension Part-II, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following accurate according to the said Act, to the following the said Act, the said lowing persons, namely:-

Date: 7-10-82

## FORM I.T.N.S.—

(1) S/Shri Vinay Lamba & Arun Kumar Lamba r/o 27/53, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Piadeep Chowdhiy, Director of M/s Malmee Paper Boards (P) 1td 1517, Kashmere Gate, Delhi

Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III '2-82/1969.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-127, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. S-127, Greater Kailash-II, New Delhi mg. 300 sq. vds. v.

NARINDAR SINGH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 7-10-82

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1974.—Whereas J. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. C-21, situated at Maharani Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on Feb., 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashok Yadav r/o S-379, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kapil Sibal rvo C-1, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. C-21, Maharani Bagh, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rangell, Delhi/New Delhi

Date: 7-10-1982.

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 7th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-82/1849.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Agr. land, situated at Vill. Bhati, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by Flore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

40---316GI/82

- (1) Smt Rambati w/o Nathu and Rewti w/o Kishan Lal r/o Vill. Bhati Teh. Meh., New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs Suman Gupta w/o Sh. Pramod Kumar Gupta r/o 8, Amrito Banerji Road, Calcutta.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here'n as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 16 bighas and 12 biswas, Khasra Nos. 161 (3-14), 163 (7-3), 1091 (5-15), with tube-well, Kothas, village Bhati. New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 7-10-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 7th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-82/1850.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property.

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land, situated at Vill. Bhati, Tch. Mch., New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration

New Delhi on Feb., 82,

for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Rambati w/o Nathu and Rewti w/o Kishan Lal r/o Vill. Bhati, Teh. Meh., New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Suman Gupta w/o Sh. Pramod Kumar Gupta r/o 8, Amrito Banerji Road, Calcutta.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 15 bighas and 14 biswas, khasra Nos 1966/1075 (11-15) 1082 (1-16), 1083 (1-16), 1177 (0-7), village Bhati, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 7-10-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-82 1851.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bhati, Teh Meh., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:——

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursurance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ram Bati W/o Ram Saroop r/o Bhati, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Suman Gupta W/o Shri Pramod Kumar Gupta r/o 8, Amrito Banerji Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 6 biswas, khasra No. 1074, village Bhati, Teh. Meh. New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 7-10-82

 Shri Rich Pal S/o Tek Chand r/o Village Devli, New Delhi.

(Transferor)

PART III-SEC. 1

 Dr. Bomsi Wadia s/o Wadia r/o Patel Chambers, French Bridge, Bombay.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

15670

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-82/1854.--Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Devli, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on Feb. 1982 at New Delhi on Feb. 1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswa, khasra No. 25/1, Vill. Devli, New Delhi.

> NARINDAR SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi.

Date: 7-10-82

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1982

IAC/Acq. I/SR-III/2-82/1893.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at New Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shiv Dayal, Ramji Lal, Aml Lal, Mawasi, Rati Ram alias Lilu ss/o Puran, Ramwati, Sheela, Dardara, Ram Rati ds/o Puran, Smt. Prano wd/o Puran, Dharambir Mahender, Inder, Het Ram alias Sidak Ram, Kishan ss/o Chander, Brij Lal s/o Khacheru r/o Vill. Ghitorni, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar Suri s/o Inder Lal Suri г/о S-297, Greater Kailash-II, New Delhi (2/3 share) and Smt. Kamlesh Bhasin wd/o Om Parkash Bhasin r/o 45, Defence Colony, New Delhi (1/3 share).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 9 bighas 12 biswas bearing Mustatil No. 61 Killa No. 11/1(3-15), Mustatil 62 Killa 12/2(1-1), 13(4-16), Village Mehrauli, New Delhi.

> NARINDAR SINGH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Date: 7-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1894.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herefo), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa d exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shiv Dayal, Ramji Lal, Ami Lal, Mawasi, Rati Ram alias Lilu ss/o Puran, Ramwati, Sheela, Dardara, Ram Rati d/o Puran, Smt. Prano W/o Puran, Dharambir Mahender Inder Het Ram alias Sidak Ram, Kishan ss/o Chander, Brij Lal s/o Khacheru r/o Vill. Ghitorni, New Delhi.

(Transferor)

Ashok Kumar Suri s/o Inder Lal Suri r/o S. 297, Greater Kailash-II, New Delhi (2/3 share) and Smt. Kamlesh Bhasin wd/o Om Parkash Bhasin r/o 45, Defence Colony, New Delhi (1/3 share).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 9 bighas 12 biswas bearing Mustatil No. 62 Killa No. 14(4-16), 15(4-16), Vill. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 7-10-82

Soal:

#### FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Mangtu s/o Sh. Ghur-Shyam r/o Village Kishangarh Mehrauli, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Sh. Narinder Kumar s/o Sh. Muni Lal r/o F-19, Safdarjang Residential Scheme, New Delhl.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1982

IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1954.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

NARINDAR SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

than the fair for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which we have account the persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agr. land mg. 7 bighas and 7 biswas, M. No. 1, Killa Nos. 15 (3-10), 16/1(3-17), situated in village Mehrauli, New Delhi.

THE SCHEDULE

NARINDAR SINGH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. Mangtu s/o Sh. Ghur-Shyam r/o Village Kishangarh Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ballu s/o Sh. Puran r/o village Tughlakabad, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1955.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Agr. land s'tuated at Vill. Mehraull, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 7 bighas and 16 biswas M. No. 14, Killa Nos. 12(3-0), 19(4-16), situated in village Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 7-10-82

#### 15675

## FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-IV/2-82/584,—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

E-1/13, situated at Krishan Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—
41—316GI/82

(1) Sh. Om Parkash Malik 6/0 Sh. Karam Chand r/0 A/18, Naraina New Delhi at present E-1/13, Krishan Nagar. Delhi-61.

(Transferoi)

(2) Smt. Gurjeet Kaur w/o S. Gurcharan Singh r/o A-2/15, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of property No. E-1/13, area 236.1/9 sq. yds. western portion out of area 472.2/9 sq. yds. alongwith whole of the structure of godown, shed, open court yard, laterine, boundary walls situated at Krishan Nagar, Delhi-51.

NARINDAR SINGH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 7-10-82

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th October 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-IV/2-82/586.—Whereas, I, NARINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No.

18-B, situated at Friends Colony, G.T. Road, Shahdara, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Naresh Chander Srivastava, s/o Shri Kishan Dayal through his general attorney Sh. M. C. Srivastava r/o 1548, Patoudi house, Daryaganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Kamal Chand Jain, Sh. Kailash Chand Jain, Sh. Keshav Chand Jain, Sh. Surender Kumar Jain all ss/o Hira Lal Jain r/o 765, Gali No. 10, Gandhi Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Partly built-up Industrial Property No. 18-B, of Village Jhumil Tahirpul, Friends Colony, G. T Road, Shahdara, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 12-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-IV/2-82/611.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Compétent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-1/13, situated at Krishan Nagar, Ghondli, Shahdara, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian neome-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of his notice under suvsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Om Parkash s/o Sh. Karam Chand r/o A-18, Naraina New Delhi at present E-1/13, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

(2) S. Gurcharan Singh s/o late S. Sarab Singh r/o 1461, Dariba Kalan, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesai persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. & Mpl. No. E-1/13, mg. area 236.1/9 sq. yds. out of total area 472.2/9 sq. yds. with structure situated at Krishan Nagar, Ghondli Illaqa Shahdara, Delhi-51.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 7-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No IAC/Acq-II/SR-I/2-82/8952.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 550 to 552 situated at Katra Ishwar Bhawan, Khari Baoh, Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) Sacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ganga Din Rustagi adopted son of Late Lal Deep Chand Rustagi R/o Mohalla Pacholia Chowk, Vill. Babal, Teh. Rewari, Distt. Mahendergarh (Haryana).

(Transferor)

(2) Shri Sat Narain Mittal S/o Jagan Nath Mittal R/o 550 Kt. Ishwar Bhawan, Khari Baoli, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop on ground floor Mg. 117 sq. yards part of proreity No. 550 to 552 at Katra Ishwar Bhawan, Khari Baoli, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 8-10-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Shri Kapoor Chand Garg S/o Shamboo Dayal Garg R/o 15/26, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) km. Sushila Goel, Smt. Sushila Devi. Smt. Santosh Grover R/o 38/75 Punjabi Bagh, New Delhi and 4/19 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Fransferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/2-82/8908,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 27, Rd. No. 10 situated at Panjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 27, on Road No. 10, in Class D Mg. 422.07 Sq. yds. at Punjabi Bagh, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1982

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/2-82/8897.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Mpl. No. 11503 situated at 16/1, Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

 Smt. Indrawati Kumar widow of Late Sh. Arun Chand Kumar, (2) Smt. Mehroo Kumar widow of Late Sh. Amir Kr., (3) H. C. Kumar S/o Jate Sh. Arun Chand R/o 16/1 Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Shiv Shankar Gupta S/o Bhola Ram Dr. (Mrs.) Krishna Gupta W/o Shiv Shankar Gupta R/o 375/1, Pathanpura Shahdara, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building No. Mpl. No. 11503 16/1 Shakti Nagar, Delhi Mg. 1202 Sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incme-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 8-10-1982

#### 15681

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-I/2-82/8924.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4243, Maliwara, Nai Sarak, Delhi situated at Ward-VI (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chand Narayan Mathur S/o Mohan Lal Mathur, R/o 4243, Gali Bharoanwali, Chhatta Gosain, Maliwara, Delbi.

(Transferor)

(2) Smt. Chander Kanta W/o L. Sh. Hukam Chand Gupta, Bishan Chand, Subhash Chand sons of L. Sh. Hukam Chand Gupta, R/o 4299, Gali Bharoanwali, Nai Sarak, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 4243, Maliwara, Nai Sarak, Ward-VI, Dlehi-6, Mg. 239 Sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incme-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Orte: 8-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-TI

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATF. NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-J/2-82/8954 —Whereas, J, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 2444 to 2447 and 2476 to 2485 situated at Chhatta Jam Beg in Ward No. Xl Bazar Kamra Bangash, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Syed Mahboob Ali S/o Syed Wazir Alı II No. 927, Gali Mochian, Bazai Chitli Qabar, Delhi. (Transfero)
- (2) Shri Kashmiri Lal S/ô Anant Røm,
  R/o H. No 2483 Tehraha Behram Khan, Delhi,
  (2) Madan Lal,
  (3) Panna Lal and
  (4) Roshan Lal sons of Sh. Anant Ram R/o H. No. 2906,
  Kucha Chellan, Delhi.

  (Transferee)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Properties Nos. 2444 to 2447 and 2476 to 2485 Mg. 386.43 Sq. yds. Chhatta Jam Beg in Ward No. XI Bazar Kamra Bangash, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition - Range-11
Delhi/New Delhi

Date: 8-10-1982

Scal;

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DFLHI

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No IAC/Acq.II/SR-I/2-82/8871.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at H-10, Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeting Officer at Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the More aid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:—
42—316GI/82

(1) Shri Naresh Chopra S/o Dhawan Daulat Ram Chopra himself and as G. A. of Smt. Sumitran Devi and also G.A. of Sh. Satish Kumar Chopra, (2) Sh Inder Raj and (3) Dev Raj S/o Dewan Daulat Ram Chopra, (4) Sh. Yagdish Lal, (5) Smt. Raj Madhok (Transferor)

(2) Shri Baldev Singh and Satwant Singh r o B-1 441, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nouce in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single Storeyed Property No. H-10, Rajouri Garden, New Delhi area of Vill. Bassai Darapur, Delhi Land Mg. 399.1/10 Sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-t.
Acquisition Range-II
Delhi/New Delh

Date: 8-10-1982

Seal;

#### ΓORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DEL.HI

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-1/2-82/8953 —Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and bearing

No. Mpl. 5933, Plot No. 76 situated at Basti Harphool Stogh, South, Sadar Thana Road, Ward No. 14, Delhi-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sint. Jeewan Bai W/o I. Uttam Chand Malik, (2) Kishan Lal. (3) Baltem, (4) Dharamyn Malik sons of late Uttam Chand Malik, R o 41-15, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Tirupati Sales & Services (P) Ltd. 5933 Plot No. 76 Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road Delhi through its Director Sh, Mali Ram Sharma S/o Sh, Murli Dhar Sharma.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Three storeyed building alongwith Busement and Mezanine floor bearing Mpl No 5933, Plot No. 76 Basti Harphool Singh, South, Sadar Thana Road, Ward No. 14, Delhi-16.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aequisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 8-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME. TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR'BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/2-82/8875.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. G.B. Qr. No. 37/27 situated at Fast Patel Nagai, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acr to the following persons namely:—

- Shri Ram Avtar Ghai S/o Ganesh Dass, lessee of R/o 37/27, East Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Nirmal Bhatia W/o Swadesh Pal R/o 37/27, Fast Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'NPIANATION ....The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Govt. Built Qr. No. 37/27, Fast Patel Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 8-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME 1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shii Youdhister Kumai and Smt Piem Lata R o B-10/12-A, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

(2) Shit Jaimal Singh S o Bhag Singh Budhnaji R/o E-42 Bali Nagar, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

G 13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1982

Ref No. IAC/Acq U/SR-I/2-82/8894.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing House on Plot No. A/42 situated at Rajouri Garden, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officei

at Dellu on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H on plot No. A/42, Rajouri Garden, Delhi area of Vill. Bassat Derapur, Delhi State, Delhi Mg. 203 3 Sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

8 10-1982

#### FORM ITNS----

( ) nu Manohar Lal adopted son of Shri Baij Nath R/o 1131 Chhatta Madan Gopal, Delhi (Transferor)

k c

villir Nath So Tig math k o 1250 Kachcha Bagh, Chandri Chowk Deihi 6 Tiansferee)

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE G 13 GROUND FLOOR OR BUILDING IP EST 11, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC /Acq II/SR 1 2 82/8851 - Where is C. S. IDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immorable property, having a tair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing

No (old) 642 (new) (1250) situated at knehcha Bagh

and more fully described in the Schedule innexed heteto), has been transferred under the Registration

Act 1908 (1° of 1908) in the office of the Registering Officer it D. In on Feb. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fur market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such mansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (3) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  $\Delta_{cl}$  I height initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said  $\Delta_{cl}$ , to the following persons, namely:—

Objections if my to the requisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by as of the accreased person within a period of the in the date of subhention of this notice in the Other. Good term period of 40 days from the service of notice on the respective persons, which point expressions
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub errion or this notice in the Official Gazette

LAPIANATION In terms and expressions used herein as an defined in Chapte NAA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property No (old) 642 (new) 1250 Mg 110 5 Sq yds Kuchcha Bagh, Chandni Chowk Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

eal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1982

R.f. No IAC/Acq.II/SR-I 2-82/8927—Whereas, I, DHIR CHANDRA,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

40/8 situated at Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Chaman Lal Syal S'o Ujjagar Mal Syal R/o 40/8, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor) .

(2) Shri Ram Kailash Aggarwal S/o Ram Swarup Gupta R/o 49, Model Basti, Delhi. (2) Naresh Kumar Gupta, (3) Satish Kumar Gupta sons of Ram Swarup Gupta Sh. Anil Kumar Gupta son of Ram Kailash all R/o of 13/17, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 40 8, Shakti Nagar, Delhi Mg. 160 Sq. vds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11
Delhi/New Delhi

Date: 8-10-1982

cal;

#### FORM I.T.N.S. --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sun Vit Kumar Jayna S o Late Di Champat Rai Luna R/o 1934, Fountain, Chadin Chowk, Delhi (Transferor)

(2) Smt. Swatan Taneja W o Belday Raj Taneja R o 13 6, Punjabi Bagh Extension, New Delhi (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DFLHI

New Delhi, the 8th October 1982

Ref Nb. IΔC/Acq.II/SR-1/2-82/8926 —Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8384, Plot, No. 117, 118. Ward No. 14 situated at Model Basti, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 8384, Plot No. 117, 118, Ward-14 Medel Bisti, Delhi Mg. 179.2 Sq. yds,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 8-10-1982 Scal

#### FORM ITNS----

NOTICE UNITE SECTION 26/D (1) OF THE INCOME-TAX ACC 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FJOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/2-82/8903.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000'-and bearing No.

Mpl. 1293 Word XIII situated at Mohalla Faiz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sail Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dev Raj & Sh. Tilak Raj sons of Sh. Ludha Ram R/o No. 1-17/42 No. 2-6 72 Panjabi Bagh, Delhi
- (Transferor)
  (2) Shii Pawan Kumar Jain S/o Suraj Bhan Jain
  (2) O now No. (293 Paiz Gan), Bahadu gath Road
  (Delhi)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

lst floor Mpl. No. 1293, Ward XIII, Mohalla Fiaz Ganj. Bahadurgarh Road, Delhi and Barsati.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

िग्रह : 8-10-19**82** 

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/2-82/8904,---Whereas, I. SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. ...

Mpl. No. 1292 situated at Mohalla Fiaz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--43-316GI/82

(1) Sh. Dev Raj & Tilak Raj sons of Shri Ladha Ram R/o 1-17/42 & No. 2-6/72, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor) (2) Shri Subhash Chand Jain S/o Suraj Bhan Jain R/o 4545, Pahari Dhiraj, Delhi now No. 1292 Fiaz

Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ground floor Mpl. No. 1292, Ward XIII, Mohalla Fiaz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi,

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 8-10-1982

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/2-82/8951,--Whereas. I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No 550 to 552 situated at Kt. Ishwar Bhawan, Khari Baoli, Delhi

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:——

 Shri Ganga Din Rustagi adopted son of Late Lala Deep Chand Rustagi R/o Mohalla Pacholia Chowk, Vill. Babal, Teh. Rewari, Distt. Mahendragarh (Haryana).

(Transferor)

(2) Parvati Devi D/o Pyare Lal, W/o Sat Narain Mittal R/o 550, Katra Ishwar Bhawan, Khari Baoli, Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

First, Second & Third floor with roof part of property No. 550 to 552 built on piece of land Mg. 117 sq. yds. at Katra Ishwar Bhawan, Khari Baoli, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 8-10-1982

ુત્al:

#### FORM NO. I.T.N.S

(1) Dr. Bimal Chandra Sen s/o Late Dr. Bipin Chandra Sen, r/o 4405, 5 Darya Ganj, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1982

Rcf. No. IAC/Acq. II/SR-I/2-82/8915.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-adn beating

Mpl. No. 4405 situated at 5 Darya Ganj, New Delhi-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s Dhan Pal Singh Jain & Sons (HUF) through its Karta Shri Dhan Pal Singh s/o Shri Jagan Lal Jain, r/o 7/9 Darya Ganj, New Delhi-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ase given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of property bearing Municipal No. 4405, 5 Darya Ganj, New Delhi-2. Mg. 256 Sq. yds.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1982.

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1982

IAC/Acq. II/SR-I/2-82/8915A.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mpl. No. 4405 situated at 5 Darya Ganj, New Delhi-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at

Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Dr. Bimal Chandra Sen s/o Late Dr. Bipin Chandra Sen, r/o 4405, 5 Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Atun Kumar Jam 5/0 Prakash Chand Jain r/o 4, Darya Ganj, Ansari Road, New Delhi-110002. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of property No. 4405, 5 Darya Ganj, New Delhi-2.

> SUDHIR CHANDRA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 8-10-1982.

#### FORM NO. I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/2-82/8878.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 76 situated at East Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Nirmal Bhatia w/o O. P. Bhatia, G-9-IIT Campus Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri K. D. Mahajan & P. M. Mahajan sons of Sh. S. P. Mahajan, 2274, Gali No. 69, Naiwala Karol Bagh, New Delhi. (Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 76, Mg. 271.33 Sq. yds. East Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 8-10-1982.

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Naresh Kumar, r/o E-4, 22 Model Town, Delhi-9.

(Transferor)

(2) Smt Kiran Gupta
r/o 108, Banarsi Dass Estate, Timarpur, Delhi.
(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/2-82/8943.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1198 to 1203, Ward No. 5 situated at Maliwara, Delhi and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 1198 to 1203, Ward No. 5 Maliwara, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II

Date: 8-10-1982.

(Transferee)

#### FORM ITNS- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- Shri Parshotam Dass Sarhadi s/o Maya Dass Sarhadi r/o B-387, Majlis Park, Delhi.
   (Transferor)
- (2) Shri Amar Nath s/o L. Bishan Dass, r/o 81, Tagore Park (near Model Town), Delhi-9.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/2-82/8848.—Wheresas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-387 situated at Majlis Park Colony, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. B-387, area 100 Sq. yds. Abadi Majlis Park Colony, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Delhi

Date: 8-10-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.  $\Pi/SR-\Pi/2-82/6738$ .—Whereas I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 26 situated at Bhagwan Dass Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shyam Lal Jain s/o Late Sh. Shital Prasad Jain, r/o C-8, Bhagwan Dass Nagar, Rohtak Road, Delbi. (Transfeior)
- (2) Shri Amar Nath s/o L. Bishan Dass, r/o 15/29, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 26 in Block D, Mg. 306 Sq. yds. Bhagwan Dass Nagar area of village Shakurpur, Delhi State, Delhi,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Delhi

Date: 8-10-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 8th October 1982

No. IAC/Acq. II/SR-II/2-82/6758.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Comperent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Reywlla Khanpur, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--44--316GI/82

(1) Smt. Udaya Kaur w/o Shri Hardev Singh, r/o Kothi No. 2, Kacturba Gandhi Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) Bha Shansher Singh s/o Sarmukh Singh, 1/o C-11, Ring Road, Rajouri Garden, New Delhl. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiesmen of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 11 Bighas and 6 Biswas M. No. 8, Killa No. 25 (2-18), M. No. 9, Killa No. 19 (4-16) 20 (3-12) Vill. Reywlla Khanpur, Tehsil Mehrauli, District Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Delhi

Dated: 8-10-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/2-82/6851.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding P : 25,000/- and bearing

Plot No. C-31 situated at Inderpuri Colony, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fixeilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chand Parkash s/o Late Shri Lala Amirchand r/o No. 41, Pusa Road, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Ashok Logani s/o Vishwanath Logani, r/o No. 46/3, East Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. C-31, area 500 Sq. yds. Inderpuri Colony, Vill. Naraina, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-82.

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC Acq. II/SR-1/2-82/8922.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-9/1 situated at Rajouri Garden, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sarbjit Duggal & Smt. Brij Bala Duggal, r/o WZ-46-A, Krishna Park, Tilak Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Satinder Pal Singh & Smt, Kanwaljit Kaur, r/o J-13/62, Rajouri Garden, New Delhi.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 8-9/1, Rajouri Garden area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi Mg. 458.3 Sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Delhi

Date: 8-10-82.

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Smt. Udaya Kaur w/o Shri Hardev Singh r/o Kothi No. 2 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhai Shamsher Singh s/o Sarmukh Singh r/o C-11, Ring Road, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE,
NEW DELHI,

New Dalhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/2-82/6766.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Agri. land situated at Vill. Rewla Khanpur Tehsil Mehrauli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) but been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 5 Bighas, Mustatil No. 9, Killa No. 21 (4-16), 28 (0-4) Vill. Rewla Khanpur, Tehsil Mehrauli Delhi. Date: 8-10 82.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 8-10-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/2-82/6759.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Rewlla Khanpur Tehsil Mehrauli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Udaya Kaur w/o Shri Hardev Singh r/o Kothi No. 2 Kasturba Ga.,dhi, Marg,

(Transferor)

(2) Shri Bhai Shamsher Singh s/o Shri Sarmukh Singh r/o C-11, Ring Road, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 11 Bighas and 18 Biswas, M. No. 9 Killa No. 12 (4-16), 13/1 (2-6), 18 (4-16) Vill. Raywlla Khanpur, Tehsil Mehrauli, District, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 8-10-82.

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Kanta Devi Wd/o Sh. Salig Ram 5-B/17, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Kumar Thukral a/o Sh. Ram Sarup Thukral r/o B-1A/25-C, Janakpuri, New D.lhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/2-82/6893.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Qr. No. 5-F/17, situated at Tîlak Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersimed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Qr. No. 5-B/17, Tilak Nagar, New Delhi Mg. 200 Sq. yds.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION, RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/2-82/6880.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. on plot No. 10 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kailash Rani Duggal, Sh. Vinod Krishan & Sunil Kumar all r/o 10/32, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tirlok Chand Jain s/o Badri Pershad r/o 6/4 Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on plot No. 10, Road No. 32, in Class D, Punjabi Bagh area of Vill. Madipur, Delhi. Mg. 279.55 Sq. Yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 8-10-82

#### FORM I.T.N.S.---

(1) Smt. Savitri T. Asrani w/o Tılak Chand Bhiraj Asrani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gurdial Chand Kalnth s/o
Hira Lal Kainth r/o 230 Ghee Mandi, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No IAC/ II/SR-II/2-82/6750.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. V-8 si'uated at Rajourl Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on Feb. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lncome arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Single storeyed house, built on plot No. V-8 Rajouri Garden, New Delhi, Vill. Tatarpur, Delhi. Mg. 167.1/10 Sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-10-82

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/2-82/6735.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot No. A/131 situated at Shanker Garden, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Fcb. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—316GI/82

(1) Shi Rup Chand s/o Umarao Singh, 1/0 B-5/58 Safdariang Enclave, New Delhi. (Transfero)

(2) Shri Ram Niwas Gupta s/o Nathui Ram Gupta r/o 413, Main Bazar, 1st Floor, Najafgath, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. A/131, Mg. 241.1/9 Sq. yds Shanker Garden area of vill. Possangipur Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 8-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th October 1982

Rof. No. IAC/Acq 11/SR-II/2-82/6777.—Whereas I. SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F-55 (old) and Plot No. M-7 (New) situated at Shiv Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) Shri Roshan Lal son of Sh. Mohan Lal r/o WZ-218, Shiv Nagar, Hari Nagar Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jaspal Singh s/o S. Ranjit Singh r/o 221/45A, 'S' Block, Vishnu Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. on plot No. F-55 (old) and plot No. M-7 (New) bearing Mpl. No. WZ/218 Shiv Nagar (Hari Nagar Extn.) New

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 8-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-IV/2-82/572.-Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Karawal Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Delhi on Feb. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sh. Gobind Ram s/o Sh. Mool Chand 8574/3, Ara Kashan Road, Ram Nagar, Paharganj, N. Delhi.

- (Transferor)

  (2) 1. Miss Manju Aggarwal d/o Sh. Shiv Lal Gupta r/o 251/3B-1, Gyandeep Vidya Bhawan, Bhola Nath Nagar, Shahdara, Delhi-32.

  2. Sh. Raghubir Singh Vashist s/o Sh. Balwant Singh r/o Patti Bazidpur Near Thakurdwara Braut Distt. Meerut, U.P.

  3. Sh. C. P. Sharma s/o Sh. J. R. Sharma r/o Noor Nagar Shihand Ghaziabad, U.P.

  4. Sh. Vinod Kumar s/o Sh. Jagdish Parshad r/o 1/102 Patti Bare, Baraut, Dstt. Meerut, U.P.

  5. Sh. Sita Ram s/o Sh. Ghasite Mal r/o Vill. & P.O. Kandela Distt. Muzaffar Nagar, U.P.

  6. Smt. Soel Blri w/o Sh. Suraj Bhan r/o Vill. & P.O. Hisawda, Distt. Meerut, U.P.

  7. Sh. Vijay Kumar s/o Sh. Attar Singh

  - Distt. Meerut, U.F.

    7. Sh. Vijay Kumar s/o Sh. Attar Singh r/o Vill. & P.O. Mandola Distt. Ghazlabad, U.P.

    8. Sh. Har Parshad Sharma s/o Sh. Ghasita Mal r/o Vill. & P.O. Deehai, Distt. Ghaziabad, U.P.

    (Transferes)

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land 5 bigha 10 biswas part of khasra No. 34/18, 34/12 and 34/19, situated at Vill. Karawal Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-IV/2-82/600.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Krawal Nagar, Illaga Shahdara, Delhi-94

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Delhi on Feb. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the 10000 has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Sri Ram, Sh. Harkesh and Sh. Phool Singh ss/o Sh. Gunge r/o Vill. Ganoli, U.P.

(Transferor)

(2) Sh. Khacheru and Sh. Munshi ss/o Sh. Battu 1/o Village Krawal Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi-94.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Agr. area mg 4 bighas 16 biswas out of khasra No. 24/4/1 and 24/7/2, situated at village Krawal Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi-94.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Date: 4 10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE 1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Rei. No. IAC/Acq I/SR-III/2-82/1968.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11, situated at Hanuman Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Delhi on Feb. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the tollowing persons, namely:—

- Sh. Krishan Kumar Devender Kumar, Surendra Kumar and Munish Kumar ss/o L. Chela Ram r/o 13-Hanuman Road, New Delhi.
- (2) M/s Skipper Construction Co. (P.) Ltd., 1106, Ashoka Estate, 24-Barakhamba Road, New Delhi through Shri K K Gamkhal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used b con as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 11, Hanuman Road, New Delhi, mg. 370 sq. vds. approx. single storeyed house

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Dat : 4 10 1987 Scal :

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATI<sup>R</sup> NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq 1/SR-III/2-82/1880.--Whereas 1, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 26-B, Rajinder Nagar, situated at Main Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) Sh. Rajinder Nath Mehta s/o late Amin Chand Mehta r/o 13/36, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

- 1. Sh. O. P. Sobti s/o late Nand Lal Sobti 1/o 2105 Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi.

  - Sh. Prem Sobti s/o late Nand Lal Sobti r/o 13/36, WEA, Karol Bagh, New Delhi,
     Smt. Saroj Sobti w/o Sh. Prem Sobti, r/o 13/36, WEA Karol Bagh, New Delhi.
     Smt. Seema Sobti w/o Sh. Kuldip Sobti r/o 2105, Desh Bandhu Gupta Road, Kund Bagh, New Delhi. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bunglow constructed on plot No. 26-B, measuring 840 sq. yds. situated at Rajinder Nagar on Main Pusa Road, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Date , 4 10 1982 Seat :

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/2-82/1878.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.  $25,000\,/\text{-}$  and

bearing No.

Shop Plot No. M-1, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Delhi on Feb. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Smt.Ram Rakhi w/o late Sh. Tirlok Singh c/o Pradhan Market, Nirankari Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Kishori Lal Mehra 2. Sh. Sushil Mehra

3 Sh. Subhash Mehra and Sh. Arun Mehra r/o E-238, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop Plot No M-1, Greater Kailash-II, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982

(1) Shri Kharaiti Lal Thathai s/o Dharam Chand r/o 7426, Patel Nagar Abohar, Di trict Ferozepur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1º61 (43 OF 1961) (2) Shri Amar Nath s/o Sh. Shankai Dass r/o 90/70AB, Malviya Nagar, New Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 4th October 1982

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/2-82/1949.—Wherens J. NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R<sub>5</sub>, 25,000/- and bearing No. 90/70AB, situated at Malviya Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason so believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

Property No. 90/70 AB, measuring 200 sq. yds. Malvlya Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1
Delhi/New Delh

Date: 4-10-1982

Seal

FORM I.T.N.S.

NUTTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Capital Co-operative Poultry Society Ltd., B-22, Maharani Bagh, New Delhi, through General Attorney Sh. K. D. Bakhshi s/o Sh. L. D. Bakhshi r/o C. 20 Vivek Vihar, Delhi.

(Transferor)

(2) Central Traders through Sujan Singh s/o S. Bhagwan Singh, 51/2, D. B. Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/2-82/1845.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Methapur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Delhi on Feb. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
46—316GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said inamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agr land area 4 bighas 13 biswas falling in khasra No. 102 (4-13) situated at village Mithapur, Tch. Meh, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 1 Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1987

# FORM I.T.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/2-82/1852.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Methapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) The Capital Co-operative Poultry Society Ltd., B-22, Maharani Bagh, New Delhi through President Sh. P. R. Gupta s/o Ram Chander Agarwal r/o No. 1, Haily Road, New Delhi (Transferor)
- (2) Sh. Pradeep Batra 4/0 Sh. B. L. Batra r/o CI/A, Model Town, Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agr. land mg. 7 bigha 6 biswa falling in Khasra No. 100/2 (2-10) 106/2 (4-16), situated at village Methapur, Teh. Meh., New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 1 Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Rcf. No. IAC/Acq. 1/SR-III/2-82/1896.—Whereas 1. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Methapur New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Feb., 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsedaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Gian Chand s/o Sh. Baldhari, Sh. Pillu s/o Bhagwan Sahai and Sh. Bhully s/o Sh. Bhika all r/o vill. Taj Pull, Teh. Meh., New Delhi. (Transferor)
- (2) The Capital Co-operative Poultry Limited, B-22, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agi. land mg. 8 bigha 2 biswa falling in khasra No. 131/1 (2-8) 132 (3-4), 133/2 (2-10) situated at village Methapur, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 4-10-1982.

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq. I-SR-III/2-82/1847.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Vill. Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Feb., 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Bhagat Singh, Madan Mohan, Bhopal Singh and Ved Parkash ss/o Sh. Mallu r/o Vill. Gadalpur, Teh. Meh., N. Delhi. (Transferor)
- (2) Shi Himat Mal Bafana s/o Sh. Sagarmal r/o 1939, Shankar Terrace, Delhi-6.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Share 144/519, in khasra nos. 41 (4-16), 105 (4-16), 107 (4-16), 108 (4-16), 109 (4-16), 131 (4-16), 128 (4-16), 129 (4-16), 130 (4-16), 225 (4-16), 236/1 (2-6) and 236/2 (1-12), Gadaipur, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982,

Bhopal Singh and

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Bhagat Singh, Madan Mohan, Bhopal S Ved Parkash ss.o Sh. Mallu 1.0 Vill. Gadaipur, Teh. Meh., N. Delhig (Transferor)

(2) Sh. Mott Lal Kothari's o Sh. Mal Chand Kothari 1/0 9-B, Sagar Apartment, 6-Tilaknagar, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR LUILDING, LP. TSTATE, NEW DFLHI.

New Delhi, the 4th October 1982

IAC/Acq. I/SR-III/2-82/1848.—Whereas 1, No. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Vill. Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Feb., 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Share 144/519, in khasta nos. 41 (4-16), 105 (4-16), 107 (4-16), 108 (4-16), 109 (4-16), 131 (4-16), 128 (4-16), 129 (4-16), 130 (4-16), 225 (4-16), 236/1 (2-6) and 236/2 (1-12), Gadaipur, New Delhi,

> NARINDAR SINGH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 4-10-1982.

#### FORM I.T.N S.

NOFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR (R BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1982

Ref No. IAC/Acq I/SR-III/2-82/1890.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No

Agr. land situated at Vill. Kapashera, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 1 ch., 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execut, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atorcsaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sultan & Sheodan Singh s/o Gopal

(Transferor)

(2) Mts, Krishna Singh w/o M, Nateshwar Singh t 'o A-10, Friends Colony New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agi. land mg. 9 bighas and 13 biswas bearing khasra No. 588 min (2-4), 599 min (2-3), 592 min (2-3), 593 (min) (2-3), 589 (1-0) situated in Vill Kapashera, Teh. Meh., New Dolbi

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi.

Date: 4-10-1982.

(1) Shri Sultan & Sheodan Singh s/o Gopal r/o Kapashera, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Devendar Nath Puri s o Mr. K. N. Puri r.o A-10, Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELIII.

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/ACq. I/SR-III/2-82/1891.—Whereas 1, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Kapashera, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Feb., 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agr. land mg. 7 bigha and 15 biswas bearing khasra No. 599 (1-15), 592 (1-15), 593 (1-15), 589 (0-18), 588 (1-12), situated in vill. Kapashera, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi New Delhi.

Date: 4-10-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NFW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/2-82/1892.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25 000 /- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
Agr. land situated at Vill. Kapashera, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on Feb., 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sultan & Sheodan Singh s/o Gopal r/o Kapashera, New Delhi.

(Transferor)

(2) Narsingh Bahadur Singh s/o R. S. Jagdish Singh r/o A-10, Friends Colony,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI (NATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 7 bighas and 1 biswa bearing Khasra No. 590 (3-13), 597 (mm) (3-8), situated at Vill. Kapashera, Teh. Meh., N. Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 4-10-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# THE INCOME (2) Mr. Gajendar Singh Ihala s/o M. Nareshwar Singh Jhala r/o A-10, Friends Colony, New Delhi. (Transferse)

Kapashera, New Delhi.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1895.—Whereas, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Kapashera, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—47—316GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Shri Sultan and Sheodan Singh s/o Gopal r/o

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 8 bighas and 18 biswas bearing khasra No. 593 min (01-8), 592 min (0-18), 599 min (0-18), 597 (1-8), 594 (4-16), situated in village Kapashera, Teh. Meh. New Delhi.

NARINDAR SINGH
Con tert Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982.

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,

NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1948.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Kapashera, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 82,

Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;

(1) Shri Jagan Nath s/o late Shri Tecka Ram, r/o Vlll. Kapashera, New Delhi-37.

(Transferor)

(2) M/s. Raja Farms & Development Co., 45, The Mall Amritsar (Pb.) through their partner, Sh. Ranjit Mehra s/o Shri D. C. Mehta r/o 47, The Mall Amritsar, presently at M-7, Green Park, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agr. land-half share in a total of 19 bighas and 16 bis-

was :— Khatauni	Khasra	Bigha	Biswa
63	387/2	2	10
	389	4	16
	423	4	-16
161	388/2	2	12
	433	4	16
	385 <b>&amp;</b> 387/1		6
i.e. 1/3rd sh	are in the total o	f 17 biswas.	

Total : 19 16

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

No. JAC/Acq.1/SR-III/2-82/1947.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Kapashera, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offic of the Registering officer at New Delhi on Fcb., 82,

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Nand Kishoje s/o late Shri Ved Ram, r/o Vill. Kapashera, New Delhi-37. (Transferor)
- (2) M/s. Raja Farms & Development Co., 45, The Mali Amritsar (Pb.) through their partner, Sh. Ranjit Mehra s/o Shri D. C. Mehta r/o 47, The Mall Amritsar, presently at M-7, Green Park, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agr. land-half share in a total of 19 bighas and 16 bis-

Khatauni	Khasra	Bigha	Biswa
63	387/2	2	10
	389	4	16
	423	4	16
161	388/2	2	12
	433	4	16
	<b>385&amp;387/1</b>	_	6
		0.4-4.5	

i.e. 1/3rd share in the total of 17 biswas.

Total: 19 16

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

Date: 4-10-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMI TAY, ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1856,—Whereas, IARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Jonaput, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri F; kir Chand s/o Thakariya r/o Jonapur, New Delhi.
   (Transferor)
- (2) Smt. Udaya Kaur w/o Hardev Singh r/o No. 2, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 12 biswas M. No. 14, killa No. 22/2, (3-0) 23 min (3-12), vill. Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1858.--Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Jonapur, Teh. Meh., New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Feb., 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such in user as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by he transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Devender Gupta s/o Shri Prahlad Rai Gupta r/o 24/1A, Bunglow Plots, Fanidabad.

  (Transferor)
- (2) M/s. Mathur Marketing (P) 1.td., 201-202, Deepali, 92, Nehru Place, New Delhi through its Managing Director V. K. Mathur.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 3 biswas M. No. 32, killa No. 17, situated in village Jonapur, Tch. Mch. New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982.

# FORM NO. I.T.N.S.-

15728

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-82/1859.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Jonapur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Capt. V. K. Sharma s/o Shri G. L. Sharma r/o K-33, Hauz Khas Enclave, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s, Mathur Marketing (P) Ltd., 201-202, Deepali, 92, Nehru Place. New Delhi through its Managing Director Sh. V. K. Mathur.

('Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 5 bighas and 14 biswas, M. No. 33, killa Nos. 11 (4-16), 12/l (0-18), situated in village Jonapur, New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP ESTATE, NEW DFI HI

New Delhi, the 4th October 1982

Ref No IAC/Acq I/SR-III/2 82/1860 --- Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No Agr land situated at Vill Jonapur, Teh Meh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Capt V k Sharma s/o Shri G I Sharma r/o k-33, Hauz Khas Enclave, New Delhi (Tiansferor)
- (2) M/s Mathur Marketing (P) Ltd., 201-202, Deepali, 92-Nehru Place, New Delhi through its Managing Director Sh V K Mathur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr land mg 5 bighas and 12 biswas, M No 33, killa No 9/3 (1-3), 10(4-9), situated m village Jonapur, Teh, Meh, New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Delhi/New Della

Date 4-10-1982

NOTICE UNDER SECTION LOOD(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-82/1861.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Jonapur, Teh. Meh., New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Rajeev Agrawal s/o Shri R. C. Agrawal r/o B-4, 58, Safdarjang Enclave, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Mathur Marketing (P) Ltd., 201-202, Deepali, 92-Nehm Place, New Delhi through its Managing Director Sh. V. K. Mathur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 bigwas, M. No. 32, killa Nos. 15/1 (2-8), 15/2(2-8), situated in vill, Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATH, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-82/1862—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Agi land situated at Vill. Ionapui, Teh. Meh., New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—48—316GI/82

- (1) Shri Anil Agrawal s/o Shri R. C. Agrawal r/o B-4/58, Safdarjang Enclave, New Delhi.
- (Transferor)
  (2) M/5 Mathur Marketing (P) Ltd, 201-202,
  Decpali, 92-Nehru Palace,
  New Delhi through V. K. Mathur, Managing
  Director.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

1 xpi anation:—The terms and expressions used perein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg 7 bighas and 1 biswa, M. No. 32, killa No. 6 (4-9), 7/1 (2-12), situated in vill. Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-82/1926.—Whereas I. NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at village Ionapur, New Delhi, (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1982

for un apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

- (1) Shri Dev Karan s/o Shri Rakhiya r/o Village Jonapur, New Delhi.
- (Transferor) (2) Shri Ranjit Singh Kalha s/o Shri Ajit Singh Kalha r/o Duaba Asafali, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from, the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas, M. No. 29, killa No. 5 min, village Jonapur, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43.OF 1961)

# (1) Shri Kishan Lal s/o Shri Rakhla r/o Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh Kalha s/o Ajit Singh Kalha r/o Duaba Asafali, Amritsar. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-82/1927.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Agr. land situated at village Jonapur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income (or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas, M. No. 29, killa No. 4 min, village Jonapur, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Shyampal s/o Shri Rakhiya r/o village Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh Kalha s/o Shri Ajit Singh Kalha on February 1982

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE J G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-II1/2-82/1928.—Whereas 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Jonapur, Teh. Meh., New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas M. No. 28, killa No. 1 min, situated in village Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Ram Rattan s/o Rakhiya τ/o Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh Kalha s/o Shri Ajit Singh Kalha 1/o Duaba Asafali, Amritsaj,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE J G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III, 2-82/1935.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agı fand situated at Vill. Jonapur, Teh. Meh., New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 2 biswas M. No. 28, killa Nos. 1 min (0-16), 10/1(0-16) M. No. 29, killa No. 3/2 (0-18), 4 min (0-16), 5 min (0-16), village Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-82/1930.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and

No. Agr. land situated at Vill. Jonapur, Teh. Meh., New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not bene truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jasdev Singh s/o Shri Rajdev Singh r/o 2-Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Baljit Kalha s/o Ranjit Singh r/o Dumba Asafali, Amritsar. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 2 bighas and 16 biswas M. No. 29, killa No. 2/2 situated in village Jonapur, Tech. Men., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/2-82/1931.--Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Agr. land situated at Vill, Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Jasdev Singh s/o Shri Rajdev Singh r/o 2-Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Baljit Kalha s/o Ranjit Singh r/o Duaba Asafali, Amritsar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 3 bighas and 12 biswas M. No. 29, killa No. 3/1 situated in village Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1982

(1) Smt. Manijeh Thakoralal Boman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Kishore Properties Pvt. Ltd.

(3) Tenants

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 27th September 1982

Ref. No. AR-I/4673/82-83.—Whereas, 1 R. K. BAQAYA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Plot No. 658, New Survey No. 1109 (Pt) C.S. No. 665/10 of Matunga Division situated at Dadar Matunga Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been manuferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-2-1982 Document No. BOM. 784/81

for an apparent consideration which is less than the fair maret value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 784/81 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 12-2-1981.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acuisition Range-1, Bombay

Date: 27-9-82

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION, MAY, 1983

New Delhi, the 6th November 1982

No. F 7/3/82-E/(B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 19th May, 1983 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 71st Course commencing from January, 1984.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army, 39 for Navy and 66 for the Air Force).

N.B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 8 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that they will be considered for appointment to those services only for which they express their preferences and for no other service(s). No request for addition alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc. for candidates, joining the National Defence Academy are given in Appendices I. II and III respectively.

NOTE.—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION:—Agartala, Ahmedabad, Alzwal, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair. Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in 49-316 GI/82

his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 19th April, 1983 will not be entertained under any circumstances.

- 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY:
- (a) Nationality :- A candidate must be either :-
  - (i) a citizen of India, or
  - (ii) a subject of Bhutan, or
- (iil) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganiyka and Zanzibar) Zambia Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

(b) Age limits, sex and marital status:—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1965 and not later than 1st January, 1968 are only eligible.

Note:—Date of birth as recorded in Matriculation/ Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) Educational Qualifications:—Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised university or equivalent. Candidates who have passed the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or Equivalent Examination or the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School education can also apply.

Candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit Matriculation and/or Higher Secondary or equivalent certificates in original to Army HQ Rtg 6(SP) (a), West Block III, R. K. Puram New Delhi-110022 by 30th December 1983 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by the Principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies/photostat copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note 1.—Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed

so appear in the UPSC Examination should note that this is early a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

Note 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

- 4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION:—
  Rs. 28/- (Rupees twenty eight) [Rs. 7/- (Rupees seven) for Scheduled Castes /Scheduled Tribes candidates]. Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.
- 5. REMISSION OF FEE.—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- (2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers and Fx-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions viz.
  - (i) they are studying in the Military School (formerly known as King George's School)/sanik Schools run by the Sainik Schools Society, and
  - (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggreente marks of the written papers.

Note:—Applications of candidates from the Military Schools/sainik Schools forwarded by the Principals of the concerned schools will be scrutinised in the Commission's Office to determine whether such candidates are entitled to remission of efe in terms of para 5(2) of the Notice above. The Principals of the Military Schools/Sainik Schools should however, satisfy themselves that student of their schools fulfill the requirements of the aforesaid provision of the Notice before forwarding their applications to the Commission. The Commission will not take any responsibility for any acts of omission or commission committed by the Principals.

6 HOW TO APPLY:—Only printed applications on the nation, May, 1983 appended to the Notice will be entertained Completed applications should be sent to the Secretary. Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—form prescribed for the National Defence Academy Examination can be had from the following sources:—

- (i) By Post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, UPSC at New Delhi GPO.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's Office.
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters/Airmen's Selection Centres, N.C.C. Units, and Naval Establishments.

The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's Own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form (e.g. 1, 2, 3, etc.) Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible In case there are any illegible or , misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to chauge any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons serving under the Public Enterprises, are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission

Note:—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navv must give Indian Navv as their first preference. Their applications will be entertained only if these have duly been recommended by their Commanding Officers,

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (perviously known as Sainik School) Dehra Dun, student of Minitary Schools (formerly known as King George's Schools) and dor or Represent their applications through the Principal of the College/ Examination School concerned.

7. The completed application form must reach the Secretary, Umon Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 3rd January, 1983 (17th January, 1983 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahouland spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 3rd January, 1983 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above), accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh; Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam. Meghalaya, Arunchal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or aborad from a date prior to 3rd January, 1983.

Note (i):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g., Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

Note (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or sent it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION:--

## (A) By all condidates:-

(i) Fee of Rs. 28/- (Rupees Twenty eight) [Rs. 7/- (Rupees seven) for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates] through crossed Indian Postal orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India Main Branch, New Delhi.

Note:—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of the India's High Commissioner Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account Head "051. Public service Commission—Examination Fees" and the reciept attached with the application.

#### (ii) Certificate of Age:-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in any extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University, Candidates must subunit two attested/certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. However, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested/certified copies of the Hingher Secondary Examination Certificate of an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporations, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates menioned above.

, Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copies of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected

Note 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUB-MIT ONLY TWO ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF THE PAGE CANTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

Note 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL, BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

Note 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Attented (certified copy of certificate of educational qualification:—

A candidate must submit two attested/certified copies of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in pair 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If attested/certified copies of such a certificate are not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can not support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

- (iv) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- (v) Two identicad copies of recent passport (5 cms × 7 cms approx.) photoraphs of the candidates duly signed on the front side.
  - One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (vi) Two Self addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:-

Attested/certified copy of certificates in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Castes/Scheduled Tribes.

- (C) By candidates claiming remission of fee:-
  - (1) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
  - (ii) An attested certified copy of certificates from the following authorities in support of his claim to be a bona fide displaced person/repatrlate—
- (a) Displaced person from crstwhile East Pakistan :-
  - (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be a resident.

OF

(iii) Additional District Magistrate In charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repatriate from Lanka:— High Commission for India in Sri Lanka,
- (C) Repatrlate from Burma:--

Embassy of India, Rangoon, or District Magistrate or the area in which the candidate may be resident.

- (d) Displaced person from erstwhile West Pakistan:-
  - (i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

((iv) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.

OR

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.

Note: Candidates are required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to put the date.

- 9. REFUND OF FEE:—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—
  - (i) A refund of Rs. 15/- (Rupees Fifteen) [Rs. 4/- (Rupees four) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has falled in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
  - (ii) A refund of Rs. 28/- (Rupees twenty eight) [R. 7/- (Rupees seven) in the case of candidates belonging to Scheduled Caster/Scheduled Tribes] will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination held n May, 1982 or December, 1982 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these Examinations provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination May, 1983 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st August, 1983.
- 1(. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS:-

Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration

No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, ipso facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. RESULT OF APPLICATION: -- If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. ADMISSION TO THE EXAMINATION:—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination onless ne holds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY of MISCONDUCT:—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in tilling in the application from. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is on has been declared by the Commission to be guilty of :--

- (1) obtaining support of his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfour means during the examination, or
- (viii) writing in elevant matter, including obscene language or pernographic matter, in the script(s), or
- (vi) misbehaving in any other manne in the examination hall, or
- (x) harassing or doing loadly harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) voilating cny of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to tak the examination; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the fore, ong clauses may in addition to rendering nimself his ble to criminal prosecution be liable:—
  - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
  - (b) to be debarred either permanently or for a specified period  $\rightarrow$

- candidate in token of receipt of his

  (i) by the Commission, from any examination of selection held by them;
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them.

Provided that 500 penalty under this rule shall be imposed except after—

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behilf; and
- (ii) taking the representation, if any submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.
- 14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF:—Candidates who quality at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ Rtg 6 (SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delbi-110022, soon after the interview.
- 15. COMMUNICATIONS REGARDING APPLICATION:—ALL COMMENICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
  - (1) NAME OF EXAMINATION.
  - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (3) APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (h).—IF A CETTER/COMMUNUICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORFI) AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. CHANGE OF ADDRFSS.-A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if micessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above

CANDUATES UPCOMMUNDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SULMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATIONS SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS / LSO TO ARMY HEADOUARTERS, A.G.S BRANCH RTG, 6(SP) (a) WEST BLOCK 3, WING I, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW. OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION:—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the all-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too it it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates whose names appear in the final merit list and by the UPSC must notify their latest address to Army issue AG's Branch Rtg. 6(SP) (a) (i), West Block 3, Wing I, HQ, AG's Branch Rtg. 6(SP) (a) (i), West Block 3, Wing I, HQ, AG's Branch Rtg. 6(SP) (a) (i), West Block 3, Wing I, HQ, AG's Branch Rtg. 6(SP) (a) (i), West Block 3, Wing I, HQ, and he newspapers, if there is publication of the address already given so that joining insany change all by Army HQ reach them in time. In case tructions 1850 and the responsibility of non-receipt of the joining instruction.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, AN ON TO THE TRAINING RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINAL. Service Commission shall prepare a list of candidates who on the minimum qualiprepare a list of candidates who on the minimum qualiprepare a list of candidates who on the minimum qualiprepare a list of candidates who on the minimum qualiprepare a list of candidates who on the minimum qualiprepare a list of candidates who on the minimum qualiprepare as fixed by the candidates shall appear before a Services Selection Board Personality Tests, where candidates for the be assessed in officer potentiality and those the properties of the pr

Candidar will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may su train in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guadians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission or their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of Merit upto the number of vacancies available from the order of merit lists for the Army and Naval for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability

in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE. THE GRADES SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL, THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM,

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their application for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitute Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respects for admission to the Academy.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer-like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds of left the above Academy voluntarily are however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and off or prescribed conditions.

20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAIN-ING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY.—Candidates must undertake not to marry until they complete heir full training. A candidate who marries subsequent to he date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

"21. INTELLIGENCE TEST—INFORMATION ABOUT.
—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological 'Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scrores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot; 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001,

R. S. AHLUWALIA Deputy Secretary

#### APPENDIX I

(The Scheme and Syllabus of the examination)

#### A. A SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—

Subject			Duration	Max. Marks
1. English			2 hours	250
2. Mathematics—Paper I Paper Π	•	:	2 hours 2 hours	125 125
3. General Knowledge				
Paper I (Science) . Paper II (Social Studies	•		2 hours	200
Gegraphy and Current Events)			2 hours	200
				900

- 2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.
- 4. Candidates must write the papers in their own hands. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.
- 5. The Commission bave discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

## B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH.—The question paper in English will be designed to test the candidate's understanding of English and workman-like use of words. The syllabus covers various aspects like: Grammar and usage, vocabulary, comprehension and cohesion in extended texts to test the candidate's proficiency in English.

# MATHEMATICS

# PAPER 1

# Arlthmetic

Number Systems—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operation—addition, subtraction, Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions

Unitary method—time and distance, time and work Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss Ratio and proportion, variation,

Elementary Number Theory Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11. Multiples and factors. Pactorisation Theorem, H.C.P., and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

#### Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F. L.C.M. of polynomials Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneously linear equations in two unknown analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expression and conditional identities. Law of indices.

#### Trignometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when 0° ≤×≤90°

Value of sin X,  $\cos x$  and  $\tan x$ . for  $x=0^{\circ}$ ,  $30^{\circ}$ ,  $45^{\circ}$ ,  $60^{\circ}$  and  $90^{\circ}$ .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

## PAPER II

# Geometry

Lines and angles. Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangent and normals, (ix) Loci.

#### Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangles and circles. Area of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

## Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data.

# GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers:

Paper I—Comprising Physics, Chemictry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies, Geography and Current Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidates answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

#### PAPER I

#### SCIENCE

General knowledge Paper I will comprise the following-

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass. Weight, Volume. Density and Specific Gravity. Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects. Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Fquilibrium of bodies Gravitation, elementary ideas of work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound waves and their properties. Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction Spherical Mirrors and Lenses. Human Fye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity, Conductors and Non-conductors. Ohm's Law. Simple Election Circuits. Heating, Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power, Primary and Secondary Cells. Use of X-Rays.

General Principles in the working of the following:-

Simple Pendulum Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer. Pressure Cooker. Thermons flask, Gramophone, Telegraph, Telephone, Periscope. Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses,

(B) Physical and Chemical changes, Elements, Mixtures and Compounds, Symbols, Formulae and simple Chemical Equations. Laws of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide. Oxidation and reduction.

Acids: Bases and Salts.

Carbon-Different forms.

Fertilizers-Natural and Artificial.

Materials used in the preparation of substances like Soap, Glass, Ink, Paper Coment, Paints, Safety Matches and Gun Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom. Atomic Equivalent and Molecular Weights, Valency.

(C) Difference between the living and non-living.

Basis of Life-Cells Protoplams and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of Human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constituent of food. Balanced Diet.

The Solar System. Meteors and Comets. Eclipses. Achievements of Fminent Scientists.

Note: Out of maximum maks assigned to the paper questions on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 50,% 30% and 20% marks respectively.

#### PAPER II

# SOCIAL STUDIES, GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS

General Knowledge Paper II will comprise the following:—

(A) A broad survey of Indian History with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State. Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renalssance Exploration and Discovery; War of American Independence. French Revolution. Industrial Revolution, and Russian Revolution, Impact of Science and Technology on Society.

Concept of one World, United Nations, Pancheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the present world.

(B) The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification; Weathering Mechanical and Chemical Farthquakes, and Volcanoes, Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition, Temperature and Atmospheric Pressure; Planetary winds; cyclones and Anti-cyclones; Humidity. Condensation and Precipitation; Types of Climate

Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of agricultural and industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main Items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

Note: Out of the maximum marks assigned to the paper, question on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 40%, 40% and 20% marks respectively.

## INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence. Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

#### APPENDIX II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCL ACADEMY

NOTE:—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW:—

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTERESTS TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE,

A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Boards and the procedure for request for an Appeal. Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised

- (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- (b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or under-weight.
- (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North-Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable height will be 5 cms less. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2cms. Height and weight standards are given blow:—

# HEIGHT/WFIGHT STANDARDS

Height in Centimetres (without shoes)					Weight in Kgs.			
(w	mout	SHOES	)		15-16 years	16-17 years	17-18 years	
152				•	41 .0	42.5	44.6	
155	•				42 -0	43 - 5	45 -4	
157	-				43-5	45.0	47,0	
160	•				45.0	46 - 5	48 •0	
162					46 5	48.0	50.0	
165				•	48-0	50.0	<b>52</b> 0	
167					49.0	51 0	53 0	
170					51 ⋅0	52.5	55.0	
173	•			-	62.5	54.5	57.0	
175					54 · 5	56 ⋅0	59 0	
178	•	-			56 O	58 ⋅0	61 0	
180	•	•	•		<b>58</b> · 5	60 0	63 0	
183		•			61.0	62 · 5	65 0	

A $\pm 10\%$  ( $\pm 6$  flg for Navy) departure from the average weight given in the table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones 50-316GI/82

and broad-built as well as individuals with thin built but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

- Note 1:—Height relaxation upto 2.5 cm (5 cm for Navy) may be allowed where the Medical Board certifles that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training.
- NOTE 2:—To meet special requirement as a Pilot in the Air Force the acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under:—

				Minimum	Maximum
Leg Length	٠			99.00	120 •00 cms
Thigh Longth			•		64,00 cmg
Sitting height		•		81 - 50	96 ·00 cms

On account of Lower age of NDA candidates, a margin of upto 5.0 cm in height, 2.5 cm in leg length (minimum) and 1.0 cm sitting height (minimum) may be given provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training in NDA.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind X-Ray of the chest of compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body. X-Ray of spine of candidates will not be carried out as a routine. It will, however, be done on the advice of surgical specialist wherever clinically indicated Minor congenial defects which are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit.

## For Air Force

## Spinal conditions

- (f) The following past medical history is disqualifying for Alr Force duties;
  - (1) Disease or injury of the spine or sacroiliac joint either with or without objective sign, which has prevented the candidate from successfully following a physically active life,
  - (ii) prolapse intervertebral disc and surgery for that condition.
- (g) Thorough Clinical examination of the spine including its shape, local tenderness if any, spinal movements etc. is to be carried out. For candidates for aircrew duties only, X-ray of lumbosacral vertebrae (AP and Lateral views), is to be carried out.
- (h) Mild Kyphosis or Loidosis where deformity is barely noticeable and there is no pain or restriction of movement, will not preclude acceptance.

- (i) In case of noticeable Scoliosis or suspicion of any other abnormality or spinal deformity, more than mild, appropriate X-rays of the spine are to be taken and the Examinee referred for specialist's advice.
- The following conditions detected on X-ray examination will be disqualifying for entry to Air Force:
  - (i) Granulomatous disease of spine.
  - (ii) Arthritis/Spondylosis
  - (iii) Scoliosis more than 15° as measured by Cobb's Method.
  - (iv) More than mild Kyphosis/Lordosis.
  - (v) Spondylolisthesis/Spondylolysis.
  - (vi) Herniated nucleus pulposus.
  - (vii) Compression Practure of Vertebra.
  - (viii) Scheurman's Disease.
  - (ix) Cervical ribs with demonstrable neurological or Cirulatory deficit.
  - (x) Any other spinal abnormality, if so considered by the Specialist.
- (k) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (1) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.

Audiometric test will be done for AF Audiometriz loss should not be exceed + 10 db in frequencies between 250 Nz and 4000 Hz.

- (m) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal
- (n) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a couse for rejection.
- (o) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated this should have been done at least a year prior to the present examination and the healing is complete.
- (p) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- (q) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (r) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.
- (s) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy 6/6 6/9 without glasses and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Interal examination of the eve will be done by means of ophthal-moscope to rule out any disease of the eve. A candidate must have good binecular vision. The colour vision standard will be CP III for Army. A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for the Navy should have CPI by MLT and normal night vision acuity. They will be required to give a certificate that neither he nor any member of his family had suffered from congenial night blindness,

Vision standard for Naval candidates

Distant vision 6.9 correctable to 6/6

Near vision N-5 each eye

Colour vision CP I by MLT

Myopia is not to exceed 0.5 dioptres and Hypermetropia more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptr the worse eye.

#### Occular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed :-

(i) at 6 meter	•	•	Exophoria Esophoria Hyperphoria	8 prism 8 ,, 1 ,,	dioptres
(ii) at 30 cm	•	-	Exophoria Esophoria Hyperphoria	16 " 6 " 1 "	,,] !!

#### For Air Forces, the criteria are:-

Distant Vision 6/6 6/9 correctable to Near Vision Colour Vision N-5 each eye CPI (MLT) Manifest Hypermetropia must not exceed 200D

Myopia Nil +0.75 D cvl. Astigmatism

#### Occular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod must not exceed-

Exophoria 6 prism dioptres Esophoria 6 prism dioptres Hyper/Hypophoria 1 prism (i) at 6 metres 1 prism dioptres

Exophoria 16 prism dioptres Esophoria 6 prism dioptres Hyper/Hyper phoria 1 prism (ii) at 33 cms dioptres

Binocular Vision Must possess good binocular vision (fusion and sterwopsis with good amplitude and

depth).

- (t) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.
- (u) Routine ECG and EEG for Air Force candidates must be within normal limits.

# APPENDIX 'III

(Brief particulars of the Services etc.)

- 1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign,-
  - (a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death

results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

- (b) A bond to the effect that if for any reasons considered within the centrol of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be hable to retund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.
- 2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs, 40.00 p.m. If m any case a cadet's parent or guardians is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to 40.00 p.m. for the 1st and 2nd years, Rs, 45.00 p.m. for the 3rd year training at NIDA and Rs, 55.00 p.m. for further specialist training m Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs, 500.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of baving financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Detence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

- 3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there:
  - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month Rs. 200.00
  - (b) For items of clothing and equipment Rs. 650.00
  - (c) Incidental Expenditure during

I Semester Rs. 150.00

Total: Rs. 1000.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them:

- (a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month Rs. 200.00
- (b) For items of clothing and equipment approximately Rs. 475.00
- 4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy:
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholership.—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parents' income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishments subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parents' income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled any other financial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and awarded to a MARATHA cadet who should be

the son of an ex-servicement. The scholarship is in addition to any inductal assistance from the Government.

- (3) KUAR SINGEL MEMORIAL Scholarship.—Two scholarships are awarded to two caucts who obtain the highest position amongst candidates from BHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during incidentialing at the National Defence Academy Khatakwusta and inetcatter at the Indian Military Academy, Denia Dun and the Air Force Flying College and Navar Academy Cochin where the cadets may be sent for naming on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institution.
- (4) ASSAM GOVERNALLIST Scholarship.—I we scholarships will be awarded to the chacts from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 50.00 per measure and is tenable for the duration of a clacets stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cudels from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cauets who are granted this scholarship will not be entitled to any other imangual assistance from the Government.
- (5) UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and are tenable for a period of three years subject to satisfied and are tenable for a period of there years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other innancial assistance from Government.
- (6) KERALA GOVERNSIANT Scholarship.—One ment scholarship of the value of Rs. 480/-per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPAC. Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Suink Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.
- (7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize.—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.
- (8) ORISSA GOVERNMENT Scholarships.—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit cum-means of the cadets whose parents or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet prespective of his parent's or guardian's income.
- (9) WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WFST BENGAL:—
  - (a) Category 1.—These scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outlit stipend of Rs. 400 in addition for those endels who are not eligible for any other scholarship at the Academy.
  - (b) Cations 2—Truce scholarships of a lump-sum-100 per annum in addition to Govern-1 ... amateul assistance.

- (10) Prior Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL scholarship.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipts, the Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.
- (11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30 00 per month during the first two years of training and Rs. 48.00 per month during the third year of training. These scholarship, will be available to those cadets whose parent's income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be cligible for this scholarship.
- (12) l'AMII NADU GOVERNMENT Scholarship.—The Government of famil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs, 30/- per month plus an outlit allowance of Rs, 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of Tamilnadu whose parent's/guardian's monthly income does not exceed Rs, 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.
- (13) KARN (TAKA GOVERNMENT Scholarships.—The Government of Kathataka has awarded 18 scholarships (eighteen Scholarships) 9 in respect of courses commencing from January and 9 in respect of courses from July every year for award to cidets from Karnataka State who join the National Defence Academy after completion of their education at the Saimk School Bijapur or at the Rashtriva Indian Military College, Dehia Dun, The Value of the scholarships shall be Rs 480/- (rupees four hundred and eighty) each per annum
- Four (4) more scholarships (two per term) at the rate of Rs. 480/- per annum for the cadets of Karnataka State who join NDA after completion of education other than at Sainik School Bijapar (RfM College Dehra Dun have been awarded.
- (14) BIHAR GOVERNMENT Scholarships.—25 scholarships will be awarded to cadete from Bihar. The value of each scholarship is Rs. 50% per month and will be available during the entire stay of six terms at the NDA. Each of the 25 cadets awarded the scholarship of Rs. 50% per month would also get Rs. 650% as a one time award for clothing and equipment. The cad is awarded the above scholarship would not be eligible for any other scholarship of financial assistance from the Government.

Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant, National Defence Actemy KHADAKWASLA, Pune (411023).

- 5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subject :—
  - (a) Fuglish
  - (b) Mathemati
  - (c) Science;
  - (d) Hindi;

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) at 1 (c) will not be higher than that of the Higher Second , Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their studies after the competitive examination.

# TRAINING

- 6. The selected candidates for the three services viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc./B.A. degree from Jawaharlal Nehru University Delhi.
- 7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy Dehra Dun, Naval Cadets to the Cadets Trainingship and Air Force cadets to EFS BIDAR.
- 8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning Officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt, subject to being medically fit in "SHAPE."
- 9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months, on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches of which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.
- 10 Air Force Cadets receive flying training for a period of 1½ years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successfil completion of further training of six months they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

## TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

## 11. ARMY OFFICERS

## 11) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
	I s.		Rs.
2nd Lieut.	. 750730	Lt. Colonel (time scale)	1900 flxed
Lieut	. 830—950	Colonel	1950-2175
Captain	. 1100—1550	Brigadier	2200-2400
Major .	. 1450—1800	Major- 250 General	00125/2275(
Major (Select Grade)	tion 180050190	00	
Lt. Colonel by selection	1750 1950	Lt. General	3000 р.ш.
Lt. Col. (Selection 20	00-50-2100		
Grade Pay)		Lt. General (Army Comm	3250 p.m. nander)

## (ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt. Col. and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant

of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

#### (iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances:—

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance.—Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.
- (e) Outfit Allowance.—Initial outfit allowance is Rs. 1400/- A fresh outfit allowances @ Rs. 1200/- is payable against claim after every 7 years of effective service commencing from the date of first commission.

## (iv) POSTING

Army Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

## (v) PROMOTION

#### (a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

(i) By Time	Scale				Minimum Serv	ice Limit
Lt.	•		٠		<ol> <li>years of service.</li> </ol>	commissioned
Captain		•			6 years of service	commissioned
Major	-		•	•	13 years of service	commissioned
Lt Col. from	. Mai	or if	not i	300-		
					25 years of service.	commissioned
(ii) By Selec	tlon					
Lt. Col.		•	•	•	16 years of service	commissioned
Col.	٠		•	-	20 years of service	commissioned
Brigadier	٠	•	•	٠.	23 years of service	commissioned
Major Gen.				٠	25 years of service	commissioned
Lt. Gen.		•	•		28 years of service	commissioned
Gen.		•	•	•	No restriction	

## (v) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to bigher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies:—

<b>6</b> 7141				2
Captain		•	•	3 years
Major				6 years
Lt. Colonel		,		6-1/2 years
Colonel				8-1/2 years
Brigadier				12 years
Maj. Genera	1			20 years
Lt. General				25 years

## 12. NAVAL OFFICERS

#### (i) PAY

Rank					Pay Scales			
					General service	Naval Aviation and Submarine		
					Rs.	Rs.		
Midshipman	1				560/-	560/-		
Ag. Sub. Li	eut				750/-	825/-		
Sub. Licut					830/870	910-950		
Lieut					1100-1450	1200-1550		
Lieut-Cdr					1450-1800	1450-1800		
Cdr.					1750-1950	1750-1950		
Captain	•	٠	•	•	1950-2400 Commodore to which e ing to Senio			
Rear Adminiral—					2500—125/2—2750.			
Vice-Admiral			3000/- p, m.					

Qualifications pay/grant is also admissible to-

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are cutilled to lump sum grant of Rs. 1600/-, 2500/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them. Flying Instructor categories A. & B are authorised to qualification pay of Rs. 100/- and Rs. 70/p.m. respectively.

## (ii) ALLOWANCES

- (a) Compensatory (City) Allowance and Dearness Allowance are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
  - (b) Kit Maintenance Allowance at the rate of Rs. 50/- n m
  - (c) Expatriation Allowance when serving ashora ex-India or afloat outside certain longitudinal and latitudinal limits. The rates vary from Rs. 50/- p.m. to Rs. 250/- p.m. depending on ranks.
  - (d) Separation Allowance at the Rate of Rs. 70/- p.m. to married officers serving affoat during the period their ship is away from its base port.
  - (c) Outfit Allowane at Rs. 1600/- on first Commissioning Renewal Outfit Allowance of Rs. 1400/- after every seven years of effective service.

Naval Aviation officers are entitled to Flying Pay at monthly rates and under the conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

In addition to above, Naval Officers are also entitled to certain special concessions, like hardlying money, submarine allowance, submarine pay, diving pay and supply bounty of fulfilment of certain conditions attached to each.

# (iii) PROMOTIONS

# (a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:---

By Time Sc	ale
------------	-----

Sub Lt.					1 year
Lt.	٠		•	•	3 years (subject to gain/fore- felture of seniority)
Lt. Cdr.					8 years seniority as Lt.
Cdr.	•	•			24 years commissioned service (if not promoted by selection)

## By Selection

	2-8 years of seniority as Lt Cdr.
-	2-10 years seniority as Lt. Cdr
	2.10 years seniority as Lt. Cdr.
	4 years seniority as Cdr
	No restriction
	No restriction

#### (b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

# 13. AIR FORCE OFFICER

## (i) PAY

Rank						Pay Scale
						Rs.
Plt. Offr.						825-865
Fg. Offr.						910-1030
Flt. Lt.						1300-1550
Sgn. Ldr.						1650-1300
Wg. Cdr. (Se.	lectio	n)				1750—1950
Wg. Cdr. (Ti	me S	cale)	•.			1900 (fi <b>xe</b> d)
Gp. Capt.						<b>1950—217</b> 5
Air Cdre						2200—2400
Air Vice-Mar	rshal					2500-2750
Air Marshal						3000
Air Marshal	(VCA	S and	I AOS	C-in-	<b>-C</b> )	3250
Air Chief Ma	ırshal	(CAS	5)			4000

## (li) ALLOWANCES

Flving Pay-Officers of the Flying Branch (Pilo's and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rates.

	Rs.	
Plt Offr. to Wg. Clr	7 <b>50</b> 00 p m.	
Gp Capt and Air Cdr	, 665· <b>0</b> 0 β <b>.m.</b>	
Air Vice Marshal & above	, 600 ·00 p.m.	

(iii) Qualification Pay/Grant—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualification at the rate given below:—

Qualification pay Qualification Grants

Rs. 100 p.m. or Rs. 70 p.m. Rs. 6,000/- or Rs. 4500/-Rs. 2,400/- or Rs. 1,600/-

## (iv) PROMOTIONS

## (a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:

#### By Time Scale

Flying Officer				1 year commissioned service
Flt. Lt			•	5 years commissioned service
Sqn. Ldr.	•		•	11 years commissioned service
Wg. Cdr.		•	•	On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.

#### By Selection

Wg. Cdr	•		reckonable total ioned service.
Gp Capt.	•		reckonable total oned service.
Air Cmdr .	•	24 years commiss	reckonable total ioned service.
Air Vice-Marshal	•		reckonable total ioned service.
Air Marshal	•	23 years	reckonable tota

## (b) Acting Promotion

The following are the minimum service limits required for acting promotion of officers:

Flt. Lt Sqn. Lr		. 2 years . 5 years
Wg. Cdr		6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.)
Gp Captain	•	. 8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr)
Air Cdr, .	•	. 11 1/2 years (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp Captain)
Air Vice-Marshal	٠	. 15 years (After service of 5* years in the ranks of Wg. Cdr. Gp. Capt. and Air Cdr.)
Air Marshal		. 23 years

<sup>\*</sup>Inclusive of broken period.

# 14. RETIRING BENEFITS

Pension gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

## 15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

#### APPENDIX IV

The forms of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India
This is to certify, that Shri son of
Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*
[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders, (Amendment) Act 1976.]
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964* the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order,
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*
2. Shri
State
Union Territory*
Place
Date
Signature

\*\*Designation

(with seal of office)

- Note.—The term "Ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.
  - \*\*Officers competent to issue Castes/Tribes Certificate.
- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
  - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
  - (iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and /or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lukshadweep,

#### APPENDIX-V

#### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

## A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination

## B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-I.ET The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, .....etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d . Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

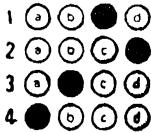
## C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWERE SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you alongwith the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate

<sup>\*</sup>Please delete the words which are not applicable.

your response), Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an craser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

#### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get scated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- 3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supérvisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RUILE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you alongwith your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor aaks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

#### F. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this the invigilator will give you the Test Booklet on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do

#### F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them, Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

#### G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your scat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

#### SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -- \*denotes the correct/best answer-option)

#### 1. (General Studies)

Bleeding of the nose and cars is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- \*(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

## 2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

## 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below:—

- \*(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

#### 4, (Chemistry)

The anhydride of HeVO, is

- (a) VO<sub>9</sub>
- (b) VO,
- (c) V<sub>3</sub>O
- \*(d) V2O3

#### 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- \*(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage 19 more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

## 6. (Ll'ctrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric or relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C/9

## 7. (Geology)

Plaguelase in a basalt is

- (a) Oilgoclase
- \*(b) Laboratorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

## 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d2y}{dx_2} \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y=ax+b
- (b) y = ax
- (c)  $y = ae^{-x} + be^{-x}$
- $\bullet$ (d)  $y=a^{ex}-a$

## 9. (Physics)

An ideal heat gine works between temperatures 400° K and 300° K, its efficiency is

- (a) 3/4
- (b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (4) 3/(3十4)

## 10. (Statistics)

The mean of binominal variation is 5. The variance is

- (a) 42
- ••(b) 3
  - (c) a
  - (d) .5

#### 11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- (b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

## 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religon
- (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

# 13. (Philosophy)

Identity the atheistic group of philosophical systems is the following

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mimāsā
- (b) Nyāya, Valsesika Jainism and Buddhism Cārvāka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoga
- \*(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsa, Cārvāka

## 14. (Political Science)

Functional representation means

- \*(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organiza-
- (d) Indirect representation through Trade Unions

# 15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- \*(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

### 16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:---

- \*(a) formal representation of women and weaker section in village government
- (b) Untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

Note — Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.